

×46]

No. 461

नई बिरुली, शनिवार, नवम्बर 17, 1984 (कार्तिक

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1984 (KARTIMA, 26, 1986)

हस भाग में भिश्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जला संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

PUBLISHED BY AUTHORITY

# मान III—खब्द 1 [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

> संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनोक 5 श्रश्तुवर 1984

में० ए० 32014/1/84 प्रशां III—इस कार्यालय की इसक प्रियम्बना दिनांक 23-8-84 के प्रमुक्तम में राष्ट्र-्रेंब लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित प्रमुभाग प्रधि-्रेंक्ना, उनके सामने निर्विष्ट प्रविध के लिए प्रथवा ब्रागामी ्रेंक्न भी पहले हो, संघ लोक सेवा ब्रायोग के कार्यालय प्राधार पर डेस्क प्रधिकारी के पद पर कार्य करने मबर्श नियुक्त करते हैं :—

ूम	 भ्रवधि
्रेक पी० एस० नेत प्रेम० एन० ग्ररोड़ा	16-9-84 से 31-10-84 तक 17-9-94 से 26-9-84 तक

श्री अनिल कुमार, अनुभाग अधिकारी को संघ लोक रोग के कार्यालय में 18-9-84 से 1-11-84 तक कारी के पद गर कार्य करने के लिए नियुक्त करते सं० ए० 32014/1/84 प्रशा०—III— संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में के० म० से० संवर्ग के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति बारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि अथवा श्रामामी प्रार्टिणों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा श्रायोग में के० से० से० संवर्ग में तदर्थ श्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से श्रनुभाग श्रिधकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाना है:—

ऋ० नाम सं०	पदोक्षति की स्रवधि
1. श्री भगीरथी कुमार	19-8-84 से 15-9-84 तक
2. श्रीमती एन० मीरा	17-8-84 से 6 <b>-9-</b> 84 तक
<ol> <li>श्री एस० प्री० एस० सागर (ग्र० जा०)</li> </ol>	3-8-84 में 16-9-84 नक

मं० ए० 32014/1/84 प्रणा०-III--संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्विष्ट भ्रवधि श्रथवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक

सेबा धायोग में के० स० से० संबर्ग में तदर्थ धाधार पर स्थाना-पन्न रूप से धनुभाग ध्रधिकारी के पद पर मार्थ करने के लिए सहर्य नियुक्त किया जाता है:--

ऋ० नाम सं०	पदोदिति की अवधि
1. श्री भगवती चरण	16-7-84 में 31-7-84 नक
2. श्री एस० के० बंगल	16-7-84 मे 31-7-84 तक

### दिनांक 9 प्रक्तू वर 1984

सं० ए० 32013/4/83 प्रणा०-II—संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में वेन्दीय मिचवालय सेवा संवर्ग के प्रवर सचिव श्री एच० एम० बिस्वास को श्रध्यक्ष. संघ लोक मेवा श्रायोग एतच्द्वारा 26-9-84 से 28-2-8.5 तक श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर विशेष कार्य श्रधिकारी (योजना एवं पाठ्यचर्या संशोधन (ग्रुप क क० 1500-60-1800) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एम० बिस्वास की विशेष कार्य ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्ति पूर्णनः तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर उन्हें इससे उक्त पद पर नियमित नियुक्ति ग्रथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

# दिनांक 16 प्रक्तुबर 1984

सं० ए० 12025/1/80-प्रज्ञा०-II---अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतप्द्वारा श्री फूल सिंह (श्र० जा०) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-10-1984 अपराह्म से आगामी आदेशों तक प्रोग्रामर के पद-पर श्रस्थायी रूप से नियस्त करते हैं।

एम० पी० जैन, ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

# नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अक्तूचर 1984

सं० ए० 32013/3/83~प्रणा०  $\Pi(1)$ —इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 26 ग्रप्रैल, 1984 के श्रनुकम में श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्हारा वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जेड० ई० घोषा को 13-10-1984 से 12-4-1985 तक श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, छः महीने की ग्रग्रेतर श्रवंधि के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रबंधक (पद्धति विकास श्रीर मुख्य प्रोग्रामर) के पद पर तदर्ष श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री जैन २ ई० ग्रेख की उपर्युक्त श्रवधि की सदयं निय्वित संघ लोक मेवा आयोग के श्रवमोदन के श्रध्ययीन है।
- 3 प्रबंधक '(पद्धिति विकास श्रीर मुख्य श्रीग्रामर) के पद पर श्री जेड ० ई० गेख की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर है श्रीर इससे उनको इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का श्रथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

विजय भल्ला, श्रनुभाग ग्रधिकारी (प्रणा०-II,) कृते श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग'

## ् गृह मंत्रालय

# कार्मिक एवं प्र० मु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1984

सं० के-3/69-प्रणासन-5---राष्ट्रपति ने श्री कृष्णेश्वर वयाल, वरिष्ठ लोक श्रभियोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 29 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्र से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में उप विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए-19036/13/80-प्रणासन-5--उपाधीक्षक (अंगुलि-छाप), केन्द्रीय अंगुलि-छाप ब्यूरो के रूप में कार्यरस श्री टी॰ ए॰ जोस, उपाधीक्षक (श्रंगुलि-छाप), केन्द्रीय श्रंगुलि-छाप- क्यूरो, केन्द्रीय श्रांगुलि-छाप- क्यूरो, केन्द्रीय श्रांगुलि-छाप- क्यूरो, केन्द्रीय श्रांगुलि-छाप- क्यूरो, केन्द्रीय श्रांगुलि- हिं।

श्नार० एस० नागपाल, प्रशासनिक अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई विल्ली-110003, विनांक 22 अपनूधर 1984

सं० ओ० दो० 1457/77—स्थापना—स्थी जे० के० छिब्बंड़। ने पुलिस उप-अधीक्षक प्रुप सेन्टर, के० रि० पु० बल, नई दिस्ली के पद का कार्यभार दिनांक 11-7-84 (अपराह्म) को त्यांग दिया व 20 दिन की एस० पी० आर० पर 12-7-84 से 31-7-84 तक चले गए हैं। इस प्रकार वह 31-7-84 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृक्त माने आएं।

सं० ओ० दी० 1861/83-स्थापना---राष्ट्रपति, श्री णेरं सिंह, पुलिस उप-अधीक्षय, 50 वाहिनी, के० रि० पु० बल के स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृक्ष होने की मंजूरी के० रि० पु० बल के रूल 43 (श्री) के अन्तर्गत दिनांक 16--7-84 हैं (पूर्वाह्म) से देते हैं।

# दिनांक 25 अक्तूबर 1984

सं० औ० दी० 1118/73-स्था०—श्वी जी० एस० धहिया, उप अधीक्षक जो वर्तमान में गृह मंत्रालय के साथ हेपुटेशन पर हैं, को के० रि० पु० बल में सहायक कमाइंट पद पर 1200—1700/— वेतनमान में दिनांक 15—1—84 से प्रोफार्मा पदो- श्रील दी जाती है, अर्थात् उस दिन से जिस दिन से कोई एक सीनियर अधिकारी (श्री जी० एस० मसताना) पेनल में से सहायक कमाइंट पद पर पदोश्वतिपरान्त के० रि० पु० बल में कार्यभार ग्रहण दिया। वह श्री राममूित सिंह के नीचे और श्री एस० एस० रावत के ऊपर सीनियरटी लेगे।

2. यह भारत खरकार यू० ओ० नोट संख्या 4937/84 पर्स-2 दिनांक 9-10-84 द्वारा अनुमोदन होने पर जारी किया जाता है।

# दिनांवः 26 अक्तूबर 1984

सं० ओ० यो० 1899/84-स्थापना—-राष्ट्रपतिजी ने डा० बलवंतथीर विकस सिंह, जनरन डयूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/ कम्पनी कमान्डर) का त्याग पत्र विनांक 28 जून 1984 पुर्वाह्म से सहब स्वीकार कर लिया है।

एस० पी० जखमोला, सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेणालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

मई दिल्ली-- 110003, दिनांः। 20 अक्तूबर 1984

मं० ६०- 32015 (4)/157/84-कार्मिक-1---राष्ट्रपति. श्रीपी० जी० राठौर को, प्रोक्षति पर. 5 अक्तूबर, 1984 से पूर्वाह्म से 6 माह की अवधि के लिए या ऐसी अवधि में नियमित नियु-क्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थाई आधार पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा वल मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक कमांडेंट (अपराध) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ६०-28017/4/84-कार्मिश-11-मरकारी सेवा स्वैच्छिक नियृत्ति होने पर श्री बी०पी० प्रभादारन ने 31 मई, 1984 अपराह्म को कें० औ० मु० ब० यूनिट, सी०पी० टी०, कोचीन के सहायक कमांक्षेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० आनन्द राम. महानिदेशक/केऔसुब

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, विनांक 20 अक्तूबर 1984

सं० 3/30/84-प्रणा०-1--श्री ए० सुवर्णन आई० पी० एस० (ए० पी०-एस० पी० एस०) को आंध्र प्रदेण सरकार के अपने कैंडर में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप, प्रधानावार्य केन्द्रीय गुप्तवार प्रणिक्षण स्कूल के पद से 5 अक्तूबर 1984 अपराह्म से कार्यभुक्त किया जाता है।

> एस० के० मस्लिक, 'महानिदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखा), मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 21 सितम्बर 1984

सं प्रशासन-एक/पी एफ । जे वे के वौ । 180 -- श्री जे वे के वौधरी, (01/86) -- कार्यालय, महालेखाकार (से खा) के स्थायी लेखा प्रधिकारी को प्रधिवार्षिकी श्रायु हो जाने पर दिनाक 31-10-84 अपराह से शासकीय सेवा से निवृत किया जाता है।

**पी**० मु**व**र्जी वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्रशासन)

### रक्षा मंत्रालय

# म्रायुध निर्माणी बोर्ड

्डी॰ जी॰ ग्रो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 10 ग्रक्तूधर 1984

सं 0 19/84/ए/ई-1(एन० जी०) -- डी० जी० ग्रो० एक० महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक के नामों के सामने दर्शायी गईतारीख से, पदों पर पदोन्नत करते हैं:--

- 1. श्रीमती अंजिल वास गुप्ता स्थानापन्त वि० 17-8-84 स्थानापन्न सहायक सहायक स्टाफ (पूर्वा०) से प्रधिकारी श्रागामी आदेश होने तक
- श्री प्रिप्ति रंजन दत्ता, —वहीं स्थानापन्त सङ्घायक,
   स्रो०ई० एफ० गुप मुख्यालय कानपुर ।
- श्री तपन कुमार दे, —-वही--- —-वही--- स्थानापन्न सहायक,
   श्रो० ६० एफ ० ग्रुप,
   मुख्यालय, कानपुर।
- श्री विरेखनाथवास वही दिं० 31-8-84
  सहा० स्टाफ प्रधिकारी (पूर्वा०) से
  (तवर्थ) आगामी प्रावेश
  होने तक
- 5. श्री बिनोद बिहारी कँर वही वही स्थानापन्न सहायक

<ol> <li>श्री बिश्वेश्वर बिस्वास स्थानापन्न सहावक</li> </ol>	स्यानापन्त सहायक स्टाफ अधिकारी	दि॰ 31-8-84 (पूर्वी॰) से आगामी आदेश होने तक
<ol> <li>श्री ग्ररिवन्व विस्थास</li> <li>स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	सहायक स्टाफ म्रधिका <b>री</b> (तदर्थ)	वही

 उक्त धदोन्नतियों में माननीय कलकत्ता उच्च व्यायालय में दाखिल की गई भ्रपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा

3. कम संख्या 1 की श्रीमती श्रंजिल दास गुण्ता ने सहायक स्टाफ अधिकारी के रूप उच्च पद का कार्यभार दिनांक 18-8-84 (पूर्विह्न) से कम संख्या 2 के श्री प्रिति रंजन दक्ता ने सहायक स्टाफ श्रिधकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार दिनांक 31-8-1984 (पूर्विह्न) मे तथा कम संख्या 3, के श्री सपनकुमार देने सहायक स्टाफ श्रिधकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार दिनांक 29-8-84 (पूर्विह्न) में संभाल लिया है। कम संख्या 4 एंघ 7 के श्रिधकारियों ने सहायक स्टाफ श्रिधकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार दिनांक 31-8-84 (पूर्विह्न) से संभाल लिया है।

4. ऋम संख्या 1 से 6 तक के ग्रधिकारींगण ग्रपनी पदोन्नित की तारीख से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> डी॰ श्रार० ग्रय्यर उप महा निदेशक ग्रा० फै०/कार्मिक कृते महा निदेशक, श्रायुध निर्माणियां

### कलकसा, दिनांक 18 प्रक्तूबर 1984

सं० 47 जी /84—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए० रामामूर्ति, संयुक्त निवेशक, दिनांक 30 सितम्बर, 1984 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० महता, निदेशक

# कलकत्ता, दिनांक 19 ग्रमट्घर 1984

सं० 04/84/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय, श्रार्डनेन्स, , फैक्टरियों में निम्नलिखित विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तारीखों से श्रागामी श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

<b>क्र</b> म सं०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांभ
1. डा	० टी० एम० निखारे	एमुनिशन फैंबटरी	17-9-83
मैर्	डेसीन में विशेषज्ञ	खड़की	(पूर्वाह्म)

1	2	3	4
2.	डा० उपेन्द्रकुमार	व्हीकल फैंस्टरी	1-10-83
	मैडिसीन में विशेषज्ञ	जबलपुर	(पूर्वाह्म)
3.	डा० बी० सी० भदरा	मेटल एंड <b>स्टी</b> ल	10-10-83
	गाइ० ग्रौर श्राब० में विशेषज्ञ	फैक्टरी, ईशापुर	√(पूर्वाह्म)
4.	<b>डा</b> ० के० एस० चरक	मेटल एन्ड स्टील	10-10-83
	सर्जरी में विशेषज्ञ	फैक्टरी, ईशापुर	(पूर्वाह्म)
5.	डा० जी० सी० ग्रग्रवाल	भ्रार्डनेन्स फैक्ट <b>री</b>	10-10-83
	मैडिसीन में विशेषज्ञ	भ्रम्बाझारी	(पूर्वाश्व)
6.	डा० एस० एन० सचन	क्लोथिंग फैक्टरी	11-10-83
	मैडिसीन में विणेषेत्र	शा <b>हजहा</b> नपुर	(पूर्वाह्म)
7.	डा० दलीय कुमार जैप्टली	भ्रार्डनेन्स फैक्टरी	12-10-83
	एनेसथेसिया में विशेषज्ञ	<b>क</b> ानपुर	(पूर्वाह्म)
8.	ष्टा० भार० के० चाटवाल्	श्रार्डनेन्स फैक्टरी	13-10-83
	सर्जरी में विशेषज्ञ	कानपुर	(पूर्वाह्म)
9.	डा <b>० डी०</b> पी० दाम	व्हीकल फैक्टरी	<b>27-12-8</b> 3
	सर्जरी में विशेषज्ञ	जबलपुर	(पूर्वाह्न)

ग्रार० के० चेल्लम एडिणनल डी० जी० ग्रो० एफ०/सदस्य (कार्मिक)

# वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

गांधीधाम, कच्छ-370230, दिनाक 19 अक्तूबर, 1984.

सं० मुं० क्षे०/प्रशः०/7/2/79/15672—विकास प्रायुक्त काडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ) श्री म० छ० गोकानी, केन्द्रीय उत्पादक गुल्क, भुज, को वित्त मंत्रालय के ज्ञापन सं० एफ/10/24/ई-III/70, दिनांक 4-5-61 के ग्राधार पर सुरक्षा ग्रधिकारी के पद पर जिनका वेतनमान र० 840-400-1000-40-1200 है, प्रतिनियुक्ति की शतौं पर 26-12-83 के पूर्वाह से एक वर्ष के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० मु० क्षे०/प्रणा०/7/2/79/15674—विकास आयुक्त कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम (कच्छ) श्री म० क० बाधू, निवारक अधिकारी, प्रथम श्रेणी, कोचीन को वित्त मंतालय के जापन सं० 10(24)60 ई-III, विनांक 4-5-61 के आधार पर मूल्यांकन अधिकारी के पद पर जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० भी०-35-880-40-1000- ई० बी०-40-1200 है, प्रतिनिथुक्ति की गतौँ पर 21-6-84 के पूर्वान्न से एक साल के लिए नियुक्त करते हैं।

व०सं गोगातकृष्णत विकास ग्रायुक्त कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र

# उद्योलग मंत्रात

विकास ग्रामुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1984

मं० ए-19018(540)/81-प्रशा० (राज०)—संघ लोक प्रायोग में प्रोग्नामर के रूप में उनकी नियुन्ति हो जाने पर, कूल सिंह ने, दिनांक 1-10-84 (पूर्वाह्र) से विकास ग्रायुक्त उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में प्रोग्रामर के पद

एस० के० पुरकायस्थ उप विदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 अक्तूबर, 1984

सं० ए-6/57(8)/10—महा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान रिक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के र्गलय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी-री) श्री एम० संतूर को दिनांक 4-1-1978 से सहायक क्षिण अधिकारी (इंजीनियरी) के स्थायी पद पर स्थाई में नियुक्त किया है।

सोहनलाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन ) कृते, महा निर्देशक पूर्ति तथा निपटान

### (प्रशासन म्रनुभान-1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1984

सं० ए०-1/42(41) 5--राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपटान निदेशालय के निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक ुलाई, 1983 से सहायक निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति के ग्रेड-3) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया

ं० ग्रधिकारी का नाम		इस समय किस पद पर ह
2		3
<b>रश्री</b>	<u> </u>	å print "myd same åpne åpnet 1900, med åppgå opgå,
चन्दन सिंह		उप निदेशक, पूर्ति
्रिस० बंसल		वही
्एस० एल० सख्जा		—वहो <b>—</b>
श्राई० एस० गर्ग		वही
े एस० रं <b>ग</b> साई		वही
र्व <b>०</b> एन० जोशी		उप निदेशक, पूर्ति/पुनर्वास
·		विभाग में विशेष कार्या-
		धिकारी के पद पर प्रति-
		नियुक्ति पर

1 2	3
सर्वश्री	gert fan e geske mei hent hent bespeline oare een een jaar jaar in 1900 maa taal best jaar jaar jaar jaar jaar
7. एम० सी० उप्रेती	. उप निदेशन, पूर्ति
8. पी० बी० स्नार० मूर्ति	वही
<ol> <li>एम०पी० गुप्त</li> </ol>	वहो
10. ए० के० चोहड़ा	वही
11. रबिं गुप्त	. उप निदेशक, पूर्ति/स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय में ग्रवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर
12. एत० सी० बधावन .	. उप निदेशक, पूर्ति
13. बी॰ एल॰ शर्मा	वही
14. एस० ग्रार० चन्द्रशेखरन	. उप निदेशक, पूर्ति । म० नि० पू० नि० में उप निदेशक (मैन्यूग्रल) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर
15. स्रो०पी० शर्मा	. उप निदेशक, पूर्ति
16. के० के० चक्रवर्ती	. —वही—
17. ग्रर्जुन देव .	वही
18. मौहम्मद युनुस	वही
19. ए०डी० जोन .	वही
20. स्रोम प्रकाश .	. उप निदेशक, पूर्ति
21. जी० वी० राजन (ग्रनु० जा०)	उप निदेशक, पूर्ति/सूचना तथा प्रसारण मत्नालय में ग्रवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर
22. एम० एम० ग्राहुजा	सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1)/भारतीय दूता- वास वाशिंगटन में सहायक निदेशक (ऋय) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर ।
23. ए० के० जैन .	उप निदेशक, पूर्ति
24. बो० एस० ग्राहलूवालिया	सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-1) (सेवा निवृत्त)
25. ग्रार० के० ग्रग्नवाल	. उप निदेशक, पूर्ति
26. बो०पी०गुप्त .	वही
27. ए० के० महेश्वरी	. —वहीं—
28. एस० के० जैन .	वही
29. बो० सूर्यनारायण	वहो
30. भूप सिंह	वहो
31. पी० के० सैनो .	वही
32. के० एन० गुप्त	. —वहो-—
33. हितेन्द्र प्रसाद .	वही

Ì	2	<b>∌</b> 3
34.	<i>न्नार</i> ० राधाकृष्णन	उप निदेशक, पूर्ति/रक्षा मंत्रालय में संविदा/क्रय म्रधिकारी के पद पर प्रति- नियुक्ति पर ।
	ग्रशोक कुमार भ्रग्रवाल	उप निदेशक, पूर्ति
36.	योगेन्द्र कुमार (स्रन्० जा०)	सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-1)
37.	ग्रो० पी० खोखर (ग्रन्० जा०)	—-वहों—- <sup>°</sup>

राजबीर सिंह, उप निदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय

### खान विभाग

# भारतीय खान ब्यूरो

### नागपुर, दिनांक 20 प्रक्तूबर 1984

सं० ए०-19011(179) 80-स्था० ए०--राष्ट्रपति, श्री एस० एम० पिपले, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 29-9-84 के पूर्वाह्न से 6 माह के लिए तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी, प्रशासन प्रधिकारी, कृते महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो

# भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

# नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अन्तूबर 1984

सं० 10/5/84—स्मा०—प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम 6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, महेश्वरी दयाल खरे, निदेशक (संस्मारक) यह निदेश जारी करता हूं कि पुरातत्वीय क्षेत्र, लाल किला प्रयंटकों के लिए 27 से 29 अक्तूबर, 1984 तक बन्द रहेगा।

महेश्वरी दयाल खरे. निदेशक (संस्मारक)

### स्राकाशवाणी महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1984

सं० 29/2/84-एस०-दी--महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, श्री राम प्रकाश चौधरी, फार्म रेडियो रिपोर्टर, ग्राकाशवाणी जालन्धर को तदर्थ ग्राधार पर, 1 श्रक्तूबर, 1984 (पूर्वाहुँ से अगले ग्रादेशों तक 650-30-740-35-810—द० रोक्ष्य 35-880-40-1000-द० रोक्ष्य 1200 हमए के वेतनम् में, फार्म रेडियो ग्राफिसर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री राम प्रकाश चौधरी ने उसी तिथि से आकाशवाण शिमला में फार्म रेडियो आफिसर का कार्यभार संभाल लिये है।

 श्री एस० वी० के० एम० राव ने प्राकाशवाणी, जैपोर में उसी दिन से पद का कार्यभार संभाल लिया।

> मोहून फांसिसा प्रशासन उपनिदेशव कृते महानिदेश

# स्वास्थ्य सेवां महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दि्नांक 22 श्रक्टूबर 1984

सं० ए० 32014/1/81—(सी० ग्रार० ग्राई० प्रशासन 1/ई० पी० ग्राई०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री प्रीर्सिह की 4 मई, 1983 से केन्द्रीय ग्रनुसंधान संस्था कसौली में भण्डार ग्रिधिकारी के स्थायी पद पर स्था ग्राधार पर नियुक्त क्रिया है।

नारायण उप निदेशक प्रशासन (पी०एन

# कृषि मंत्रालय

# (कृषि एवं सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 अक्टूबर 1984
सं० मि० सं० 2-2/84-स्थापना (I)--कृषि
सहकारिता विभाग के विश्लिष्ठ हिन्दी: अनुवादक श्री
पी० सिंह को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय
एवं सहकारिता विभाग) में 28 सितम्बर, 198अपराह्न से एक वर्ष को अवधि के लिए अथवा जब त'
नियमित आधार पर न भर लिया जाए तब तक के
(इनमें से जो भी पहले हो) प्रतिनियुक्ति के आधार पर
नान्तरण द्वारा रुपये 650-30-740-35-810-द०
880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन
में हिन्दी अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" राजिन्य
पित्तक सचिवीय के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानाल

τýr

### दिनांक 18 अक्टूबर 1984

मि० सं० 2-4/79-स्थापना (ड्रा)--उस निदेणालय से री की गई दिनांक 7 जुलाई, 1984 की इसी सं० की धिसूचना के कम० में, बिस्तार निदेणालय, कृषि मंत्रालय हिंप एवं सहकारिता विभाग) में सहायक प्रणासन श्रधि-ारी समूह "बी" (राजपितत) (सिचबीय) पद पर 650-30-740-35-810 द० रो०35-880-40-1000 द० ० 40-1200 रुपये के वेतनमान में श्री पी० एन चोपड़ा तवर्ष पदोन्नित की श्रवधि 31 दिसम्बर, 1984 तक या धागामी ग्रादेश जारी होने तक (जो भी पहले हो) बढ़ुयी जाती है ।

ग्रार० जो० बनर्जी निदेशक प्रशासन

# परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई 400008, दिनांक 23 अक्ट्बर 1984

मं० 05012/ब्रारं० 5/ब्री० पी/4197-- भारी पानी स्योजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री शिवचरन हेरमा किरुवा, री पानी परियोजना (तलचर) के उच्च श्रेणी लिपिक को इमी पोजना में, श्री वी० के० पोट्टी, महायक कार्मिक ब्रधिकारी को बाग श्रीधकारी के (पुनश्चर्या) पाठ्यक्रम के लिए सचिवालय पक्षण नथा प्रबंध संस्थान नई दिल्लो गए हैं, के स्थान पर 6 जुलाई, स्व (पूर्वाह्र) से 21 ग्रगस्त, 1984 (ब्रप०) तक के लिए पर्या रूप में तदर्थ ब्राधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक ब्राधिक नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन श्रधिकारी

# श्रंतरिक्ष विभाग इसरी णार केन्द्र

कार्मिक श्रीर सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 17 श्रक्टूबर 1984 ं०श्री सा० सु०/का और सा० प्र/स्थाप 1-72-ंकत कर्मचारियों को पंदोन्नित द्वारा, स्थानापन्त )के रूप में, श्रांकित तारीखों से इंजीनियर एस० बी० । पर नियुक्ति करने के लिए, णार केन्द्र, श्रीहरिकोटा रशक ने श्रपनो प्रसन्नता प्रकट को हैं।

)	 नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
រ ប្	(2)	(3)	(4)
. : -			

ं <sup>ति</sup>ंविष्म विष्य एस० वैज्ञा०/इंजीनियर एस० 1—10—84 ए**म० शास्त्रो** बी०

(1) (2)	(5)	(4)
2. ए वरहालू	वैज्ञा०/इंजीनियर एम० बी०	1-10-84
3. वाई० कृष्णा प्रसाद	वैज्ञा०/इजीनियर एस० बी०	1-10-84
4. के० लक्ष्मण	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	1-10-84
5. टी० के० राजेन्द्रन	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	1-10-84

राजन वो० आर्ज प्रधान कार्मिकं श्रोर सामान्य प्रणासन कृते निदेशक

# पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली, दिमांक 3 ग्रन्ट्वर 1984

सं० ई(1) 05525—मौसम विज्ञान के महा-निदेशक खेद सहित श्री एल एम० रतौलिकर भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "क" के एक ग्रधिकारों का दिनांक 13 सितम्बर, 1984 को हुई मृत्यु की ग्रधिसूचना जारी करते हैं। श्रो रतौलिकर मौसम विज्ञानी श्रेणी—I के पद पर मौसम केन्द्र हैदराबाद में तैनात थे।

> कें० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते भौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्पौलय नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1984

सं० ए० 38013/1/84-ई० ए०——निदेशक विमानक्षेत्र नागर विमानन विभाग, बम्बई के कार्यालय के श्री के०सी० जन्दवानी, विमानक्षेत्र श्रीधकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 श्रगस्त, 1984 में सरकारी सेवा से निवृहं हो गए हैं

सं० ए० 38013/1/84-ई० ए०--विमानक्षेत्र ग्राधि कारी, श्रमृतसर के कार्यालय के श्री एच० एस० सन्धु विमानक्षेत्र ग्रधिकारी निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनाँक 30 जून, 1984 से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं

> वि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन कृते महा निदेशक नागर विमानक

## नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1984

मं० ए-32013/1/84-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्नि लिखित सहायक संचार प्रधिकारियों को उनके उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारोख से छः मास की श्रवधि के लिए संचार ग्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें प्रस्थेक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :-

क्र० नाम सं०	वर्तमान सैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री			
1. वाई० वी०	वै० सं०स्टेशन	वै० सं० स्टेशन	27-7-84
भोषटकर	भुज	ग्रहमदाबाद	(पूर्वाह्न)
2. रामचन्द्रा	वै०सं० स्टेशन	वै० सं० स्टेशन	18-7-84
	ग्वासियर	<u>चिल्ली</u>	(पूर्वाह्म)
3. के०एस०	वै०सं० स्टेशन	वै० सं० स्टेशन	28-9-84
करमाकर	कतलकत्ता ं	मोहनवाडी	(पूर्वाझ) 🗓
4. एस० वी०	वै०सं० स्टेशन	वै०सं० स्टेशन	27-9-84
चोलकर 	जाम नगर 	भोगाल 	(पूर्वाह्म)

जी० बी० लाल सहायक निवेशक प्रशासन

### केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली, विनांक 20 श्रक्टूबर 1984

सं० ए-19012/1069/84-स्थापना -पाच-- श्रध्यक्ष केस्त्रीय जल आपीग एतद द्वारा श्री विकास चन्द बत्ता की 6-9-84 की पूर्वीह्न से एक वर्ष की अविधि श्रथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जी भी पहले हो, 650-30-740-35-810 द० रो० -35 880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में श्रतिरक्त सहायक निदेशक सहायक इंजीनियर (इंजिनियरो के ग्रेड में स्थानापन्त रूप में पूर्णत्या श्रस्थायी तथा तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

हुँमीनाक्षी अरोड़ा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलोप्र

कलकत्ता-27, विनांक धक्तूबर, 1984

सं जी-318/ए०--महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह भलीपुर, कलकत्ताश्रों के एल वोष श्राशुलिपिक (ग्रेड-1) पाष्ट्रीय परीक्षण, गृह अलीपुर, कलकत्ता की महानिदेशक के वैयन्तिक सहायक के ब्लामें तदर्थ नियुक्ति को इस कार्यालय हैं अगले छः महीने के लिये बढ़ाने का अनुमोदन करते हैं। जोिं, 9-9-1984 पूर्विद्व से प्रभावी होगा।

> जे० एम० भट्टाचार्य,<sup>है</sup> उप निदेशक (प्रशासन) **कृते महा**निदेशक, राष्ट्रीय परक्षिण<sub>,</sub> गृह, कलकत्ताः

# विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मनमप्ररम माकेटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 18 श्रक्टूबर 1984

सं० 4280/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतब्द्वारा यह मुचना दी जाती है कि इस दिनांक से सीन मास के अवसान पर मनमंत्ररम मारकेटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिषस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटिस कर:वी जायेगी।

वै० 'सस्यमारायण कम्पनीयों का रजिस्ट्रर

कम्पनी श्रीधनियम 1956 श्रीर मब्रास इलैकट्रानिक्स एण्ड कैमिकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सद्रास, दिनांकः 22 श्र**क्टू**बर 1984<sub>.</sub>

सं० डी० एन/5834/560/84-- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 का घारा 560 को उपधारा (5) के धनुसरण में एतद् बारा सूचना दो जाती है कि मद्रास इलैकट्रानिक्स एंड़ केमिकल इन्डस्ट्रीज शाइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर राजा एण्ड एवेनजर प्राइवेट लिमिटेड के विश्वय में।

मब्रास, दिनांक 22 ग्रक्ट्बर 1984

सं० 5761/560/84-- कम्पनी ग्राधानयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दो जाती है कि राजा भ्रष्ड, एखेनजर प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

वास्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर श्री रामलक्ष्मणा मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 22 ग्रस्टूबर 1984

मं० 2496/570/84---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री रामलक्ष्मणा मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

कम्पनी ग्रंधिनियम 1956 ग्रीर नई इंडिया ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 22 ग्रक्टूबर 1984

सं० 1850/560/84---कम्पनी म्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतव् द्वारा सूचना वी जाती है कि नई इंडिया ट्रेडिंग कम्पनी प्राहवेट लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट विया गया है भौर उक्त कम्पनो विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956, श्रीर जूलानस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 22 अक्टूबर 1984

सं० 7119/560/84—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दो जाती है कि जूलानस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेनमेन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। मब्रास, विनोक 22 श्रक्टूबर 1984

सं० 2022/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तोन मास के श्रवसान पर पेनमेन प्राइवेट लिमिटेट का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशास न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएगी।

बो० ए० विजयन मेनन कम्पनीयों का सहायक रजिस्टार तमिलनाड कम्पनी श्रीधनियम 1956 झाटी फोर्जिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनाक 25 अक्टूबर 1984

मं० 998/टी ए<u>। ।। ।</u> 560 --- कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्हारा सूचनादी जातो है कि श्राठो फोर्जीडन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज राजस्ट्रेर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विश्रिटि हो गई है।

> कम्पनी श्रधिनियम 1958 दो फ्रेण्डम ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

> > हैसराबाद, दिनांक 25 अक्टूबर 1984

सं० 302/टी ए111/560,—कस्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एनढारा सूचना दो जाती हैं कि दो फेण्डस ट्रेडिंग० कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 नवीन आंध्रा प्रिटिंग इण्डस्ट्रीयल एण्ड अग्रीकलवुरन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 25 ग्रन्ट्बर 1984

सं० 1255/टो एIII/560— कम्पनी प्रधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि नवीन श्रांचा प्रिटिंग इंडस्ट्रोयल एण्ड अग्रोकलचुरल कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राण र्राजस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्री हरिकोटा फायरवुड इस्क्सपोर्टीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 25 प्रक्टूबर 1984

सं० 286/टी० एIII/ 560—कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के धनुमरण के एमद्द्वारा सूचना दी जाली है कि श्री हरिकोटा फायरबुड एक्स पोटिंग कंपनी प्राइवेट निमिटेंड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 पेम्मराजू पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1984

मं० 1431/टी एIII/560--कम्पनी अधिनियम को धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दो जाती है कि पेम्मराजू पध्सिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज

रिजस्टर से काट दिया है और उन्त कम्पनी विवटित हो। गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 रसवाहिनी इलैक्ट्रीकल्स प्राइवेट के विषय में ।

हैदराजाद, दिनांक 25 अक्टूबर 1984

सं० 2106/टीं० ए०।।।/560 कम्पनी अधिनियम की धारा 560की (5) के अनुसरण के एसद्वारा सूचना दी जाती है कि रसवाहिनी इलैक्टीकल्स प्राइवेट लिमिटेंड का नाम प्राज रिजस्ट्रर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 दो कलिंगा एन्टरप्राईसिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद; दिनांक 25 ग्रक्टूबर 1984

सं० 868/टी० ए.III/560 कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 590 की (5) के श्रनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी किनिंगा एन्टरश्राइसस प्राइवेट सिमिटेड का नाम भाज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्री पवमा ह्यांस्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैवराबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1984

सं 0 102 6/टी 0 ए 0 III/ 560 — कम्पनी प्रधिनियम की बारा 560 की (5) के प्रनुसरण के एतद्वर सूचमा दी जाती है कि भी पदमा ट्रांस्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज राजस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

वी० ए,ंस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रन्छ प्रदेश, हैदराबाद करपनी अधिनियम 1956 श्रीर लक्ष्मी फोरर्जिंग प्राइवेट चिश्रिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 27 श्रक्टूबर 1984

सं० जी० स्टेट | 560 | 4259 — कम्पनी श्रीधनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के श्रनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर लक्ष्मी फोर्राजग प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर सें काट दिया जाएगा श्रौर उक्ष्म कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रविनियम 1956 श्रीर सुपर स्टार पेपर मिल्ज **प्राई**वेट लिमिटेड के विषय में।

जालधंर, विनांक 27 प्रक्तूबर 1984

सं० जी० |स्टेट | 570 | 4466 | — कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन सास के अवसान पर सुपर स्टार पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर गीतम पेपर मिल्स लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1984

सं व जी १ स्टैट 560/735— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गौतम पेपर मिरुज लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट किया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

बी० एम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए०सी०-81/अर्जनरेंज-II/कल०/84-85---अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- र. सं अधिक ही ग्रीर जिसकी सं० 234/223 है, तथा जो डायमन्ड हारबर रोड, बलाक-ज, लिक आलिपुर, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से बिणत है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-2-84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्नितिवत उद्देश्य से उन्त कन्तरण निवत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, भी उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकीसत व्यक्तियों, अधीत्ः—

- श्री अश्वित कुमार विद्यार्थीएकं जयश्री विद्यार्थीं। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स लेकमे लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसची

234/223, डायमण्ड हारबर रोड, ब्लाक जे, न्यू आलिपुर, कलकत्ता में स्थित, मकान का दूसरा तहला; 2292 वर्ग फोट आयत का फ्लाट नं० 5, जिसका विस्तृत विवरण रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, के डींड नं० I-1232 में प्राप्त है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

दिनांक: 25-10-84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

# कार्यामन्, बहारक जायकर मायुक्त (जिरीकाण)

अजंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 सितम्बर. 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/2970/84-85—अतः मुझ संतोष दत्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षग्न प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसको सं० 1/2पोर्शन; प्लाट नं० 35, सर्वे नं० 89, 90+91/2, सहकार नगर, पर्वतो है, तथा जो पुण में स्थित है (मौर इससे उपाधक अनुसूची और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त 'निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पृत्यों क्ल सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बितरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्क मैं निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कप से किंबत नहीं किया गया है:--

- (क) नगरम से हुई किसी नाम की गावस, उन्हर भनितियम के नभीन कर पनि के अन्तरक के शामित्य में कमी: करने या उससे अभने में सुविधा भी निष्; कार/सा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म अस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जसः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, वर्धात् :— श्री पी० जी० पागे,
 603, लक्ष्मी नगर, पुणे-9

(अड्डतरक)

मै० मार्डनं कस्स्ट्रक्शन
 576, नारायण पेठ, पुणे-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पृत्ति के वर्षन् के लिखु, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के वर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकों से।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिका गया हैं।

# **अन्**स्ची

1/2, पोर्शन प्लाट नं० 35, स० नं० 89, 90+91/2, सहकार नगर पर्वती, पुणे, -411009 ।

(जैसे की रिजस्ट्रोक्कत नं० 37-ईई 2970/83-84 जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> संतोष दता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 1-9-1984

प्ररूप आहें.टो.एन.एस. -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंत<sub>्</sub>रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० सं१० ए० 5/37-ईई/3245/84-85/848/ 15/9/84---यतः मुझे, गंतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० पलैट नं० 3, 5थ फ्लोअर, देविका अपार्ट-मेन्ट्रस, 2010-ए, गफ्फार बग स्ट्रीट, है, तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूणे में रिजस्ट्राकरण अधिनिमय 1908(1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अस, उक्त सिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ... जैन शर्मा बिल्डर्स,
 5166, मिरा सोसायटी,
 शंकर शेट, रोड, पुणे-9

(अन्तरक)

मिस्टर हमडुत पो० मेहता
 एम० जो० रोड. पुणे

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पास्त के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्थी

पलैट नं० 3, 6थ फ्लोअर, देविका अपार्टमेन्टस, 2010ए, गफ्कार बेग स्ट्रीट, पुणे-1. (क्षेत्र०: 1,444 चो० फुट)। (जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3245/83-84 जो तारोख फरवरी, 1984 को सहायक आयकर अ: युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दक्षा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांग : 5-9-1984

मोडर 🔞

प्रकृष आहें. टी. एवं एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 5 मितम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/2910/84-85/849/5/9/84---अतः मुझे संतोप दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-बी, थर्ड फ्लोर, क्लोव्हर टेरेस, मंगलदास रोड, नाथन, स्ट्रीट है, तथा जो पुण-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूणे रूप से विणित है) रिजस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्वेदेश से उक्त मृतरण लिखित में सास्त्रिक इस से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्राजिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना आहिए था, किया में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीन, जिस्नीलिखित व्यक्तियों, वश्ति ः—

1 ए० बी० सी० कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 10-डी, एक्टरेस्ट, ताग्देव, बम्बई।

(अन्तरक)

2. डा० हरीण अन्द्र सक्सेना भीर मिमेस शिश सक्सेना, ब्रारा एस० जी० तक्षपवे, फ्लैट नं० 3, प्रियदिशिनी अपार्टमेन्टस, कोरेगांव पार्क, पुणे-411001

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित अविकास में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में विका गया है।

#### नन्स्ची

प्लाट नं० 3-बी, धर्ड फ्लोर, ग्रौर कार पाकिंग, स्पेस नं० 7, आन ग्राउन्ड फ्लोर बी विंग, क्लोव्हर टेरेस, मंगलदास रोड, नाथन, स्टीट, पुणे-1

(क्षेत्र: 1,500 चीं० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2810/84-85 जी) तारीख फरवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोष दता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रैंज, पूना

दिनांक: 5-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई, 1984

निर्देश स० सी०ए० 537ईई/5249/83-84/850/28/7/84---अतः, मुझे सन्तीय बता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रुट से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, जी० बी० पाथल, प्लाट नं० 23, तिलक नगर, डोंबोली, 5 (पूर्व) है, तथा जो जिला ढाणे, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:— गै० ष्ठयुरेबल कन्स्ट्रम्शन. कं०
,1-ए, दाराणादा निवास, 11 माणेकलाल इस्टेट,
एल० वं० एम० मार्ग घाटकोपर,
वस्वर्ध-100086 ।

(अन्तरकः)

मिस्टर परशुराम पांडुरंग देणमुख,
 15-कैलाण गिरो, सेकन्ड फ्लोर,
 जी० बीक्पाथली रोड, गोग्रासवाडी,
 डौबिवली (पूर्व), जिला ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं [1, ग्राउन्ड फ्लोर, जिं। बी। पाथली रोड, क्लाट नं। 23, तिलक नगर, डीबलर्ली, (पूर्व) जिला ठाणे (क्षेत्रः: 547 चोरस फूट)

(जैसे कि रजिस्हें।कृत नं० 37ईई/5249/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक: 28-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृजना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्सण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अक्तुबर 1984

निर्षेण सं० 37/जी/873/84-85/1185/9/10/84---अतः मुझे सन्तोष पत्ता

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले दसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मिधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 725/1-7-1-6, कालेज रोड, है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय सब रिजस्ट्रार, नासिक में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरों, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में बास्तविक कुत से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने गें स्विधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जिल्हें हुए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री नरेन्द्र कुंदनसाल वर्मी,
  - (2) श्राः मुरेन्द्र कुंदनलाल वर्मा, कालेज रोड, गोदावरा हाउमिंग सोमायटा, नासिक ।

(अन्तरक)

 श्रा आनन्दा लिबाजा येवले श्रीर 5 इतर, येवले मला, कालेज रोड, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुमना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणं :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमुची

सर्वे नं० 725/1-7-1-6, कालेज रोड, नासिक (क्षेत्र: 4,000 धौरम मोटर्स)

(जैमे कि रिजस्ट्रोक्कत नं० 37जी/873/84-85 जो तारीख फरवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोष दता सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अक्तुबर 1984

निर्देश सं० 168/फे०84/रेंज 11---यतः मुझे, श्रोमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाह 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० लेख सं० 76/84 की शैंडूल में दी हुई मंपिक है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख मं० 76/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984।

को पूर्वोंक्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक अप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आंध-ंनवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; गरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अथीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित् :—— 3—326 GI|84 (1) श्रो एम० मुरूगेश नायकर।

(अन्तरक)

(2) श्रा जी० भूवशागवन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवर्तिहया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पावहीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान :——लेख सं० 76/84 की मेहल में दो हुई संपत्ति।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 11, मदास

तारीख: 12-10-1984

प्रस्य काइ". टी. एन. एस. ......

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II. मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 .

निर्देश सं० 226/फें० 84/रेंग II---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकार के उन्हें कि एक्सिस कार्य कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26. लेडा माध्यन नायर रोड, माध्यन नायर कालीनी है जो मदास-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रांकर्ना अधिकारी के कार्यालय, लेख सं० 104/84 में भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अरमें का कारण है कि सभापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखता उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नदीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण ये हुई किसी बाय की बाक्त, उप्कल यीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के सावित्य में कमी करने या सत्तर अचने में स्विधा के सिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाज या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयाजनाथं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्राटो० के० जार्जिको परना लाला जार्जा

(अन्तरक)

(2) मैजर्स एक्सिड कार्पीरेशन को मानेजिंग पारटनर, श्रो के रूपर परमेश्वरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विचा गया है।

### मन्स्यी

भूमि प्रौर गक्तान 26, पैटी माधवन नायर, सेड, माधवन नायर दर्गनने, मद्रास 34, डाक्सेन्ट्स/लेख सं० 104/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज II, मद्राभ

अतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :—

तारांखः 12 अन्त्बर 1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० 220/फ० 84/रेंज- $\Pi$ —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० माम्बलम् लेआउट नं० 220 है जो आफ 1959 लेख सं० 63/84 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप बर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, धाऊजन्सलाइड लेख सं० 63/84 में भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अध्क है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नम्लिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- (1) पी० एम० नारायण स्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्मार जमाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनु**स्**ची

भूमि लेंआउट एल०ए० नं० 220 स्रांफ 1959 माम्बलम् एक्सटेन्सन अभी नुगम्बाक्कम लेख सं० 63/84 था उजन्सलाइड । महास -34।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारों सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास-6

नारीख: 12-10-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० 95/फ० 84/रेंज-II ——अतः मुझे, श्रोमती एम० सामुबेल

नायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टो॰एस॰नं० 5553 (पारठ) रंगनाथन स्ट्रीट है, जो टी॰ नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टो॰ नगर लेख सं० 260/84 में भारतीय रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान फरबरी 1984

का पूर्वाकः नम्यसि के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रोत्कन के निर्भंतरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, एवे वृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रविक है और बण्तरित (अन्तरित ) और बण्तरिती (अन्तरित गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्मसिबित उद्येय से उक्त अन्तरण निर्वे का विष् ते वास्तिक रूप से चित्र अन्तरण निर्वे न वास्तिक रूप से चित्र नहीं।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृतिधा के लिए; बॉट्र/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/या

बत: मव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्ति में, नर्थात क— (1) श्री भे राममूर्ति।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स र्श्वा मोनाछो, रीयल एस्टेटस , प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ज व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

भूमि श्रौर मकान---टी एस०सं० 5553(पार्ठ) रंग-नाथन स्ट्रीट) टी० नगर, लेख सं० 260/84/ टी० नगर।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मन्नास

तारीख: 12-10-1984

प्रकण नाह<sup>र</sup> ही. एनं एवं. ---- ह-नावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नुधीन सुभवा

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० 218/फ० 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० प्लाट नं० 44, वोरप्पा नगर, 101, वलस-खाककम गांव है, जो शैदापेठ तालूक, येंगलपठ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार, के कार्यालय, विरूगम्बाककम् लेख सं० 535/84 में भारतोय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984। को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वदेशों से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी अध्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के चधीन। जिम्निलिखित व्यक्तिसों, अधीत्:--- (1) श्री मदुरै मुदिलियार के पुत एस०एम० गुरूस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम०र्सा० राममूर्ति के बेटे मास्टर संदीप कुमार। मास्टर आर० रामचंद्रन, बेबी आर० सत्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

. पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

भूमि ग्रांर मक्यन—-प्लाट नं० 44, वीरप्पा नगर 101, वलसखाक्कम् गांव, भैदापेठ तालूक, येंगलपठ डिस्ट्रिक्ट विरू-गम्बाक्कम/लेख मं० 535/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवल (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास–६।

नारीख: 12-10-1984

मोहर 🛭

### प्रस्य नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश प्सं० 88/फरबरों 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

क्षायकर शिंपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26, रंगनाथन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो टा० नगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 135/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के) अधीन फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरिक (अंतरकरें) और अंतरित (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक हम से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० राजगोपालन ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्रा शांति माय ग्रीर अन्यों।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

भूमि श्रौर मकान—26, रंगनाथन स्द्रीट, मद्रास—17, लेख सं० 135/84/2ि० नगर।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन-II रेंज, मद्रास

तारी**चः** 12–10–1984

प्ररूप. बाहै. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० 198/फरबरी 1984/रेंज- $\Pi$ -अतः मुझे, श्रीमर्ता एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० लाट नं० 19, ब्लाक नं० 28, गीविदनगर स्ट्रीट, अय्यावू नायुडू कालोनी है, जो अरूम्बाक्कम् गांव, मद्रास-29 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 449/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फ्रबरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक हो और जंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त सिक्तिन्यम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उलसे अपने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) थीं चंद्रकांत जे० चाचा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन०पी०एफ० टैप फाउन्ही।

(अन्तरिती)

न्धे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सभ्यति के वर्जन कै सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थल्डीकरणः — इसमं प्रयुक्त कर्न्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरुभोषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### बस स

भूमि श्रौर मकान : प्लाट नं० 19 ब्लाक नं० 28, गोविधन स्ट्रीट, अय्याबू नायुडू कालोनी, अरूम्बाक्कम गांव, मब्रास-29 कोडम्बाक्कम लेख सं० 449/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अभूतेरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों , अर्थात् ह—

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

प्रकल आई, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्थन <sup>ने</sup>ज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निवेश सं० 92/फरबरी 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रोमतो एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० 5, कुप्पुस्वामी स्ट्रीट है, जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 181/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरबरी 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त वृधिनियम् के नधीन कर दोने के अन्तरक के वृदित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या जन्य जारिसयों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः शव उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**यित व्यक्तियों, अधीन** ह—- (1) श्रालाला अंपा शव ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक्र)

(2) मेसर्म जे०जे०के० ट्रस्ट।

(अन्तरिमः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिति के अर्थाम् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रियमः :--इसमें प्रयुक्त शक्यां और पदों का, जो उक्तरः जिथिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

### अमुसूची

भूमि श्रोर मकान $\longrightarrow 5$ , कुप्पुस्वामी स्ट्रीट, टो० नगर, मद्रास-17 टी० नगर/181/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज- मद्रासे

तारी**ख**: 12-10-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास मद्रास, दिनांक 15 अक्तबर 1984

निदेश सं०/1फो० 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० लेख सं० 320/84 की शेडूल में दो हुई सम्पन्ति है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उरैयूर लेख सं० 320/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिक्तिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन करबरा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उत्वरेष से उक्त अन्तरण निकात में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 4 --326GI/84

(1) श्रीमता एस० विजयलक्ष्मी **ग्रीर** अन्यों।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजयलक्ष्मी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यांक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यादाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्वी

भूमि -- लेख सं० 320/84 का शेड्यूल में दा हुई सम्यत्ति उरैयूर/320/84।

> एम० साम्**वेल** सक्तम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

सारोख: 15-10-1984

# अरूप नार्ड, टी. एन. एस. ० - - - ms

म्गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज lI, बंगलीर

बंगलौर दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० नोटोस नं० 801/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीव सभूम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसको सं० एस० वाई० ए०एस० 2139/के० नं० 2113 है, तथा जो अरसीकेरे में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय घरसीकेरे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 फरवरी 1984

को पृवोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गईं है और मृक्षे यह बिक्सस करने का कारण है कि यथापृवाँक्त सम्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी थाय की वावतः, उनस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए शे

असः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरंग में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा जो०वा० सिदणा सुपुत्र, श्री जा० एस० बीरान्ना, शिवनंद कालोना, अरसीकेरेटाऊन ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रणीदखान सुपुत्र श्री० खालनदर खान,
2. श्री मौहम्मद नुरूउत्ला,
सुपुत्र श्री० महबूब साहिब,
दोनों पार्टनर,
मैसर्स कोहिनूर ट्रेडर्स,
ए०पी०एम० सी०याई अरसीकेरे।

(अन्तरितः)

का यह सुचना जारी करके पृथावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगरायी

(दस्तावेज सं० 1512, तारीख 22-2-84) आर०सी० सी० बंगली श्रीर शेंड श्रीर जगह इसका साइड नं० 34-ए टी॰ नं० 2139 स्यूनिसिपल खाता नं० 2113, क्षेत्रफल  $35\times100$ , आर०सी०सी० पोरणन  $35\times12$ , गोंडाडन शेंड  $35\times20$ ,  $35\times68$ ।

आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवत (निरक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीखा: 8-10-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा '269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० नोटीस नं० 802/84—85—श्रतः मुझे, श्रार**्भार**ाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 202 है, तथा जो बेटवलकोंडा ग्राम में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूधी में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), रजिस्ट्रीकर्ता क्रिधकारी के कायांलय बसव कल्याण में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रामीन तारीख 27-2-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उकतं अधिनियमं की भारा 269-मं को अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) की अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीदोंडीया सुपुत श्री जानकीराम गुरबर, निवासी बसव कल्याण, बीदर जिला।

(मन्तरक)

(2) हाजी शेख जौलानिसाब सुपुत्र श्री मुहम्मद वजिरसाब, निवासी कठलमंडी, मैसुर कैफे के सामने, स्टेशन रोड, वसव कन्याण, बीदर जिला।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मन्दर्भ

(बस्तावेज सं० 1746 तारीख 27 फरवरी 1984) खेत की जमीन इसका सर्वे नं० 202, क्षेत्रफल 22 एकड़ है। बसव-कल्याण तालुक में बेठबल कोंडा ग्राम में है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख : 8-10-1984

मोहरः

प्ररूप बाह् .टी . एनं . एसं . ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, विनांक 8 ग्रम्टूबर 1984

नियेश सं० 803/84-85—प्रतः मुझे, प्रारं० भारताज— सायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 202 है, तथा जो बटबलकोंड ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्राप्तीन तारीख 27 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसव कल्यान में धारा 269ए० बी० के प्रन्तंगत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीइन्त किया गया है मुझे यह विश्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधः के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिष्ट:

नतः नन, उन्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण नै, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नचीन, निरम्तिवृत्ति व्यक्तियों, जर्मात् :--- (1) दोंडीसाध पुत्र जानकीराम गुरजर, रे/ध्रो बसावा कल्याण, जिला-बीदार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रतीकुम्नीसा पत्नी हाजी शेख जौलानि, रे/घो कटमलमंडी, मौसुर केफे के सामने, स्टेशन रोड, बसव-कल्याण, जिला बीदार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्ष्महियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

### unu di

दस्तावेज सं० 1747 तारीख 27-2-1984, खेत की जमीन । इसका सर्वे सं० 202, क्षेत्र 22 एकड़ है। बटबलकोंडा ग्राम तास्लूक बासाबा-कल्याण है।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगलुर

तारीच : 8--10--1984

प्रकृत नाही, टीं. एनं. एकं : - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

# भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 श्रन्तूबर 1984

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 202 है, तथा जो बटबलकोंडा ग्राम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख़ 27 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उणित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालय बमन कल्यान में धारा 269 ए. बी के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूल/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से क्विथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए. था खिपाने में स्विधा के सिए?

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की सपधारा (1) के सभीन जिम्मीनियत व्यक्तियों, सभीत क्ष-

(1) श्री भ्रोंकीबा, सुपुत्र श्री जानकीराम गुरजर, निवासी—असवा-कल्यान, बीदार जिला।

(मन्तरक)

(2) जाकरसाव सुपुत्र हाजि गेख जैलानीसाब, निवासी—-काटलम्डी, मैसूर कैफे के सामने, स्टेशन रोड, बसब-कल्यान, जिला बीधार।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा भधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त जिल्ला कि जिल्ला कि का प्राप्त के अध्याय 20-क में प्रीर्थाविक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या वसा है।

### अन्तृची

(दस्तावेज सं० 1748 तारीख 27 फरवरी 1984), खेतकी जमीन इसका सर्वे नं० 202, क्षेत्र 22 एकड़ जमीन है। बसवा कल्यान तालूक, बटबलकोंडा ग्राम में है।

> श्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहाबक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगल्र

तारी**ज :** 8-10-1**98**4 मोहर :

### प्रकम नार्व, ही. एम्. एव.—

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4⋅3) की भारा 2**69-च (1) के वभीन बूच**ना

### भारत तुःकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 भ्रयत्वर 1984

निवेश सं० 805/84-85-- अतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 202 है, तथा जो बटबलकोंडा ग्राम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 प्राप्तिक का 16) के प्रधीन तारीख 27-2-1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यां लय बसब कल्यान में धारा 269 ए बी के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरक से हुइ किसी जाव की बावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते से सुविधा के जिए; आर्टि/वा
- (क) एसी किसी जाब भा किसी वन मा अन्य वास्तिनीं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए;

जतः अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित स्पवित्तां, जभीति (1) श्री धोंडीसाब सुपृष्ट जानकीराम गुरजर, निवासी—- असव-कल्यान, बिंदर जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महुम्मद सभीद साहब हाजि सेख सुपुत्र जैलानिसाब, निवासी कटमलमंडी, मैसूर कैफे के सामने, स्टेशन रोड, बसब कल्यान; बिदर जिला।

(ग्रसरिती)

को यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्त संपर्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र अ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामींच से 30 दिन की बनींच, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्धे किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के प्राच-सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इतमे प्रयुक्त सन्दों जौर पदाँ का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### पपुष्की

(दस्तावेज सं० 1749 दिनांक 27 फरवरी) 1984, खोत की जमीन जिसका सर्वे नं० 202 ,क्षेत्रफल 22 ऐकड है। बसव कस्यान तालुका में बटबलकोंडा गांव में है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलूर

तारीक: 8+10-1984

मोहर 🟃

प्रकल बाई. टी. एत. एस. -------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 806/84-85--अतः मुझे, आ४० भारद्वाज, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा से अधिक है

25,000/-र. से नायक है

ग्रीर जिसकी संव आरव्एसव नंव 10 है, तथा जो आनेकोंडा
ग्राम दावनगेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम
1908(1908 का 16) के अधान ताराख 3 नवम्बर 1983
को पूर्वेक्त संपत्ति के उपान बाजार मृस्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गर्वे हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचिर बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती
क्लान रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्निचित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण सिचित में शास्तिक
कथ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त जिमियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की द्यायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविभा के सिए: बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, किसी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जे दी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के अधीन, विमनितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती, गंगमा ,वावनगेरे सीटी !2. श्री एम० मल्लीकाराजुल्या,

सुपुत श्रोमता गंगमा वावनगेरे साटी।

3. श्रो एम० वीजयकुमार,
सुपुत श्रीमता गंगमा वावनगेरे सीटी।

4. श्री वी०एम० चंद्रशिकर,
सुपुत श्रोमती गंगमा वावनगेरे सीटी।

5. श्री बी एम० वीण्वनाथ,
सुपुत श्रीमती गंगमा वावनगेरे सीटी।
सुपुत श्रीमती गंगमा वावनगेरे सीटी।

(अन्तरकः)

(2) मैसर्स कीरभद्रेश्वर राइस ग्रीर पोहा मील वावनगेरे।

(अन्तरिर्तः)

को वह बूचना चाड़ी करके पृशासत सम्परित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की खबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिसयों में में किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास गर्माचन मा किए जा मकोगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया ं नया है।

### वन्त्र्यो

(वस्तावेज सं० 6591, विनांक 3 नवम्बर 1983, संपत्ती खारखाना बंगला घीर गोर्डीन घीर खुला जगह, अनेकोंडा ग्राम में हैं। इसका क्षेत्रफल, बंगला :  $44'\times98'$ , खुला जगह : 166' < 148', गोंडीन :  $42'\times94'$ , फॉंडेशन जगह :  $42'\times130'$ ।

आर० भारताज सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 8-10-1984

### भ्र**क्ष्यु बाइ<sup>‡</sup>. टी. एन. एस. ---**-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ /1) के मधीन सुचना

### भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 अक्टूबर 1984 निदेश सं० 807/84-85/ एक्यू--अतः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकार जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕ - रत. से **अधिक ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 32 है, तथा जो डोंगुरले गांव--गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूर्च) में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजि०नं० 190 ,दिनांक 25 फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय सतारो⊸⊸गोवा में धारा 269

ए. बी के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास राजिस्ट्री-कृतः किया गया है, मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त समित्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया **ह**ै:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी भाव की नावत, अभिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कली भारने या उससे बचने में सुविधा के सिहः; नौर/मा
- (क्ष) एसी किसी अाय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) दि इन्डोयन हौटल्स कंपनो लिमाटेड, ताज महल होटल, अपोली बंदर, बंबई-400 039।

(अन्तरक)

(2) ताज एग्रीकल्चरल रिसर्च सेंटर. चंद्रलोग--पहला माला, जनपथ न्यू देहली-110 001, श्री यु० बो० सुरलीकर वकील, वं।/5 स्कायलार्क अमेर्टेट्स, मेनेजीस क्रागान्जा रोड, पणजी-गोवा-403 201

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अपे भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्कित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्धाः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

दस्तावेंज सं० 190, तारीख 25 फरवरी 1984 । खेती जमीन जिसका नाम है—-पोल्साडेअचीमोल्ली" झीर पार्ट ''मेटाचो-टेम्बो'' जो कें। डोंगुर्ली गांव में स्थित है। तासुका-मप्तारी-जिला गोवा।

> आर० भारवाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलर

**सार∂ख: 9-10-1984** 

प्रस्प आहा, टी. एत. एस. ------

नावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अक्तूबर 1984 निदेश सं० 808/84-85/ऐसंक्य/84--अत: र

निदेश मं० 808/84-85/ऐसंक्यू/84-अतः मुझे, आर०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकें। मं० शेडयूल श्रेटैंचड् हैं, तथा जो मूडभटकल गांव

अनुसूची, में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख 15
फरवरों 1984 डाक्यू० नं 1328, 1329, 1331
को पूर्वोक्षत संपत्ति के उच्चित साजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्त्रीक्त संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे बद्धमान प्रतिफल का विश्वत का विश्वत संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे बद्धमान प्रतिफल का विश्वत संगरित का अनित संगरित का विश्वत संगरित का स्थाप प्राप्त संगरित का विश्वत से स्थाप प्राप्त संगरित का स्थाप से अन्तरित का विश्वत से स्थाप प्राप्त से स्थाप से क्षेत्र से स्थाप से क्षेत्र अन्तरित का स्थाप प्राप्त से स्थाप से क्षेत्र से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप स्थाप स्थाप से स्थाप साम स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स

- (क) जनगण मं त्रपुष्ठ किस्त्री कात करे काला, जाला समितियम के वधीन कर दोनें के अस्तरक के राक्तिक माँ काली करने का उद्यक्त प्रधान में सुविका क लिए: बॉर/का
- (क) एरेरी किसी कार का किसी पन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए या, क्रियाने में पित्रधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिन्ति व्यक्तिसमों, अर्थात् :---

> (1) श्री सुकाय विट्ठल भट, मुसगुडी गांव--भटकल-कारवार।

(अन्तरक)

(1) 1. श्रीमती बीबी सुबीक्षा,
 इनकी बीबी-एस० एम० सयीद मीरान,
 326 GI[84

खलोफा मोहरूला,
भटकल—कारबार,
2. श्रा एस०एम० सयोद मीरान—
जी०पी०4,
श्री एस०एम० सयोद नासीर,
खलोफा मोहरूला,
भटकल—कारबार,
3. श्रीमती, बीबी, यीरा अब्दुल बाह्य,
साइँको रोज,

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वीक्त संपंति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ये हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### अन्स्यो

यस्तार्वेज सं० 1328 - 15 फरवरो 1984, 1329 - 15 फरबरो 1984, 1331 - 15 फरवरो 1984, जमीन और मकान संपत्ता का 1/4 हिस्सा, सर्वे नं० 58 जो को मुझ्भटकल गांव; भटकल - कारवार में है। सब अन्तरिता के लिए, सर्वे नं० 2/1बो, 2/2, 2/3, 2/6, 6/1, 22/1, 22/2, 2/2,

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारोख: 9-10-1984

मोहर 🤃

# प्रश्य नाइ.टी.एन.एस्.-----

नायफर् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चता

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनांकः 9 अक्टूबर 1984 निवेश सं० 809/84-85/ऐसोक्यू/--अतः मुझे, आर० भारताजः

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 9/1, 10, 11/3, 100, 108, 102, 110, तथा जो श्रंकोहला गांव, बीकुड़े होबलो में स्थित है (ग्रीर इस मे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन डाकू०नं० 824, तारीख 24 फरबरी 1984 ।

को पूर्वेक्ति सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्वमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का उन्दह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) बंतरण वे हुई जिल्ली अाय की नावत, उक्त अधिनिवृत के वधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिवधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन मा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिमा जाना चाहिए था, किया संविधा के सिक्;

भतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग से विश्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विभीय, निम्नितिकित व्यक्तियों, विधीत :---

- (2) 1. श्री डॉ॰आर॰एम॰ फेलीक्स् सेवाभी, 2. श्रोमती रंजीना सेराश्री, मौडर्न क्लिनिक, सेक्लेडापुर पोस्ट आफिस, दासन।

को यह तूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थळ किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहीं कुर्ण होगा वो उस अध्याय में दिया भवा है।

### अनुसूची

दस्तावेज सं० 824, दिनांक 24 फरबरी 1984 इस्टेट सअरींग सर्वे नं० 9/1, 10, 11/3, 106, 108, 109, 110 उनकी हस्डी गांव--बीकुडे होबली, बेलुए--हासन

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

मारीख: 9-10-1984

### प्रकृष् आहें. टी. एस. एस्.------

नाथकर मधिनियुम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकाट

कार्यालय , सहायक आयकर आयु**प्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 9 अक्टूबर 1984

निर्वेश सं० 810/84-85/ ---अनः मुझे, आर० भारदाज,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके प्रथम (जनत मिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- हा से निभक है

ग्रीर जिसको सं० डाकूमेंट नं० 3115 हैं, तथा जो आयोसार होबली, हरनाहल में स्थित है (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 को 16) के अधीन, तारीख फरबरा 1984

करें पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाकार मृस्य संकम के स्वचान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने बहु चित्रंवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के बच्च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण कि खित में बास्तविक रूप से किश्न नहीं किया भया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त विधि-नियम को अधीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा की लिए, बौद/वा
- (क) ऐसी किसी आय वर्ष किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 क्या 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

अतः श्व, उत्तर जीभीनयम की भारा 269-व की अनुसरण है, मी, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविद्य स्वित्यों, अर्थात् ह— (1) 1. श्रा एच० मुब्बाराय,
मंजू भट आयनूर,
शिमोगा।
2. श्रो एच०एस० सत्यनारायना,
आयनूर,
शिमोगा।
3. श्री एम०एस० मंजूनाय,
आयनूर,
शिमोगा।
4. श्री एच०एस० केशवा मुली।
आयनूर,
शिमोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबाई रामचंद्रा नाइक, मीशन कंपीड, शिमोगा।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# उक्त मन्दित के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वासीप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को अर्था प्रवास तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मृजना की सामील से 30 दिन की भविष, जो भी अविष वाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस-बसूध किसी अन्य अपनित ब्कास अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनक जिन्दों के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### अनुसृची

दस्तावेज मं० 3115 विनांक फरचरी 1984। खेती जमीन-क्षेत्रफल--27 एकड़ 12 गुंठा, आसीसार होवली गांव, शिमोगा।

आंद० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीच : 9-10-1984

रक्य मार्द्धाः द्<u>रीत् एत व एक्स</u> ५ ५ ७ ७<del>००</del>०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भागत राहकार

# कार्यानमः, सञ्जायक जायकर जायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूवर 1984 निदेश सं० आर्र०ये०सं१०नं० 220/84-85-अतः मुझे, एम० जगनमोहन,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमी है, जो मल्लालपालम गुडीवाडा स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूडोवाडा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन फरवरों 1984

को पूर्वीक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्य के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यंशीपूर्वीक्स संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एक इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकित को वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरक में कमी करने या उससे क्चने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय ना किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना जाहिए भा किया में स्विभा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, वर्णका ह—  श्रीमतः एस० नागरत्नम्मा श्रौर अन्य, गुडीवाडा

(अन्तरके)

(2) मेसर्स दि काष्णा बूना अग्रो आंइल प्रोडक्ट्स, प्रा०लि०, बाड मंनेजींग डायरेक्टर, श्री पी० भास्कर राव, गूडीबाडा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीकृत संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्रीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों बौद्ध पर्वों का, ह्याँ उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुसूची!

भूमी विस्तीर्ण 4 एकर 80 गुंठे, मलेयापालम, गुडीवाडा, कीष्णा जीला, रजीस्ट्रोकृत विलेख, नं० 548, 565, 589, 590, 594, 611, 621, 870, 986 स्रीर 1001/84. रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूडीवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1984

मोहरः

## प्ररूप बार्ड, दी, एन, एस.-----

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर०ये०नी०न० 221/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका सं० 29-116-35, बोगा है, जो सूर्यारावपेट, विजयबाड़ा स्थित है (भीर इससे उपासक अनुसूका में भीर पूर्ण रूप से विधित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयबाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984।

को. पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कर्तारती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से नहीं किया गया है :——

- (क) अम्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उत्तर वर्ष कि नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे अवसे में सुविधा के लिये; बीट/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी अन अस्थ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ट्वारा प्रकट नहीं किया यया वा सा किया आनः काहिए या छिनने में सुविशः से निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धातः :---

(1) श्री पी० मनोहर बाबू पिता सुब्बाराव, मर्नेजींग पार्टनर, नेसर्स भारत कन्स्ट्रक्शन को०, डो०नं० 25-116-35-बि, येलूर रोड, विजयबाद्या।

(बन्तरक)

(2) डॉ इंदला रामा सूब्बा रेड्डी, प्रणांती हॉस्पीटल, सुर्या रावपेट, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्नत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्ची

घर संपत्ती डां० के०व्ही० राव स्ट्रीट, सूर्याराव पेट, विजयवाडा, डी०नं० 29-116-35, बि, रिज स्ट्रीकृत विलेख सं० 1087, श्रीर 1086/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजय-वाडा।

> एम० जगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप. नाइं. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाम्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० भ्रार०ए० सी० नं० 222/84-85--भ्रतः, मुझे, एम० जगन भोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो नेलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारों के कार्यालय नैलीर में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2/84 फरवरी 84

को पूलेक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेष्य से उसत अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व में कभी कर्तने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (१) के अधीर, निम्नलिखिंद व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रो एम० प्रतील कूकार श्रौर ग्रन्य, चेग्नोले विलज, ताडेपल्लोगुडम तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० रामवंदा चौधरी पिता वेंकय्यानाखा, साउच श्रमदूर विलेज, इंदुक्रूर, तालुक जिला नेल्लोर पेंबूरी हास्पीटल पेंबूरी दुन्न गिज, वेंलम केट्टोसल, 24 क्यू० जे० यूनाइटेड किंडगम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्से वंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्रजी

घर संपति डी० नं० 206, वार्ड नं० 15, ब्रिन्दावन मेनरोड, नैलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 658 659, 655 श्रीर 654/84. रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नेलौर ।

्एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आह<sup>र</sup>्टी . एन . एस . -----

(1) श्री ए० नारायणा पिता सूब्बया सेट्टा, चीना बाजा<sup>र</sup> नैलौर ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूभना (2) श्री ए० श्री रामूलू, चीना बाजार, नैलौर (भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्देश सं० प्राए० ए० सी० नं० 223/84-85--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० घर है तथा जो नैलीर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नैलीर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 हैं (1908 जा 16) के अधीन रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 2/84

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## . ग्रनुसूची

घर सम्पत्ति चीना बाजार, नैलीर रिजस्ट्रीकृत नं ० 1150/84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी नेलीर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 12-10-1984

अस्य नाइ टी.एम.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

## HIST STREET

कार्मालयः, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० प्रार० ये० सी० नं० 224/84-85---यतः मुझे, एम० जगर्न मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम आविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० घर है, जो काकीनाडा स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रति-कन, निम्निसित्त उद्देष्य में उक्त अन्तरण निवित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) जनसरण से हुई जिसी जाय की बाबत , अक्स अधिनियम के अधीन कार की के बस्सरक को अधित्य में कमी करने का लगत कवने में गुणिका के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्का आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना प्राहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पी० कामेस्वर राव पिताकीष्णा मूर्ती, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सूब्बा राव पिता कनकाराजू मेन रोड, (प्रीन्टींग प्रेस) काकीनाडा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं.।

## उन्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में श्रकाशन की नारी से में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिराणें पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्त्र्यी

बिल्डींग मेन रोड, काकीनाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1511/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी काकीनाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिका स्टि-सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-10-84

भक्ष बार्दः टी. एन् . एस् . -------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर वायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्रा० ये० मी० नं० 225/84-85--यत:, मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शेयर है, जो लक्ष्मीटाकीज, काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्णेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिकत उद्देश्य से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिकत उद्देश्य से अन्तरण के लिए नम्मित्न से साम्यानिक क्या से अधित नहीं किया नमा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के सधीन, निम्यनिक्ति व्यक्तियों, सर्थात् ः—— 6—326 GI|84 (1) एस० लक्ष्मा देवी पति सत्यनारायणानूर्ती डी० नं० 20-ए-3, स्टेट बैंक स्ट्रीट काकीनाडा श्रीर श्रन्त ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० रमेणकुमार ग्रीर श्रीनिवासाराव, केयर ऑफस लक्ष्मो टाकोज काकीनाडा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उन्हां अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया स्याह ।

## नन्स्जी

शेयर इन लक्ष्मी टाकीज, काकीनाडा, रिजस्ट्रीकृत विलाह नं 1582 श्रीर 1583/84 रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, नाडा ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहाकि ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

## प्रकल जाद्दी शी . एन . एस .,--======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अमीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रीज, हंदशाबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश मं० ब्राप्त ये० सी० नं० 226/84-85--यतः मुझे एम जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25.000/- 25. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो निदाहाश्रोलू वेस्ट गोदावरी जोगा में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोऊम, में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम 1808 (1908 का 19 के श्रीधीन दिनांक 19 फरवर्रा 1984

ा पुतारेशा सरवित के उषित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यमान जीनकाल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्र्यास करने की कारण हैं कि वंशापूर्वित सम्पत्ति को उषित बाजार पृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्र प्रतिदास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया तथा प्रतिकल निम्नलिखित उद्ध स्थान उपन अंतरण मिनलिखित उद्ध स्थान प्रतिक अंतरण में क्रियान स्थान्ति के वास्तिवक रूप से क्रियान नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धीयत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाब वा किसी धन वा बन्स् बास्त्रिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुबिधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रय जीव दयाराम भीर भ्रन्य, गौरीपटनम, कोऊर तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स दि कोस्टल केमीकल्स लि०, बाई एम० डो० श्री यस० व्ही० रत्नम निदाष्टाग्रीलु, जिला बेस्ट गोदावरी।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाष्ट्रियों करता हु।

उपस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त राजिन्ती में से जिली व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों आहेर पदों का, आ उपह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस्यी

भूमि विस्तीर्ण, 17-72 एकर, गौरीपटनम, कोऊरू, वेस्ट गोदावरा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 292-300, 301, 304, 305, 306, श्रौर 322/84

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

包泊市 : 12-10-1984

प्रस्पः **वाद**ं्टीः **ए**न्ः एस<u>ः</u> ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 227/84-85-∸ित: मुझे, एम जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार- मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी भूमि है, जो अनकापरुली, जिला वैसाग में स्थित है श्रौर इससे उपावढ श्रनेसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींगर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वैसाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का, 19) के श्रधीन 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति,रत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिसित में वोस्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की वर्णधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री व्हा० सुर्यनारायणा ग्रीर ग्रन्य वेंदुलाबारी विधी, उनका पल्ली, जिला वैझाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री दि० विणाखापटनम डायोसेस कारपोरेशन, बाई श्री थामर पूलीकर, फादर डारेक्टर पिता चेरीयान विशाखापटनम ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख म 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

भूमि, विस्तीर्ण, एकड श्रीर 477 वी० गज ग्रनकापल्लो वैमाग जीला रजिस्ट्रीकृत वितेख नं० 555, 546, 550, 557 552, 553, श्रीर 554/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रनकापल्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद।

दिनांक: 12-10-1984

त्रकप आईं, दी. एप. एत्, न-----

नायकर् निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैधराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निवेंश सं० भार० ऐ०सी० नं० 228/84-85---श्रतः मुझे एम० जगनमोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य - 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है तथा जो काकीनाडा, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय राजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2/84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कभित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा से लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किसा जाना चाहिए था, खिपाने झें सुविधा के लिए;

जतः, सव, उत्कत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित डी० बी० बी० सत्यवती पित वेंकटस्वरलू काकीनाडा, मीलीटरी रोड, ग्रशोकनगरम, काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति बी० शेषारत्नम पति नागभूषणम, वीरभद्रा राइस स्टोर्स, श्राशोकनगर काकीनाडा ।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ग्वींकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकने।

स्यस्त्रोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

घर संपति, काकीनाडा विस्तीर्ण 258 चौ० गज, भूमि भौर 1400 चौ० फूट प्लांट एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 922/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायु<del>र</del>त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

मोहर 🏻

प्रक्य आई., टी., एक., एस.,,,,,,,,,,,,,,,,,,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 229/84-85--ग्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो न्यूजिवड, स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय न्यूजिवड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक 2/84।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बि० वरहा नरसिम्हा राव श्रीर अन्य, कमर-शियल रोड, काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गरापित कूटूम्बा राज श्रीर अन्य, मैसर्स गस्के इन्टरप्राइजेज केनाल रोड, ग्रेलूइ, वेंस्ट गोदाचरी जिला।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूजाँकत तुम्मीत्त के अर्थन के मिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 135 एकड़, न्यूजविड, कृष्णा जिला, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 213-214, 215, 186, 394 ग्रीर 212/84, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी न्यूजविड

> एमे०जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ज मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अभारत :---

दिनांक: 12-10-84

प्ररूप बाहाँ, टी. एत्. एस्. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत धरफार

कार्यस्य, सहायक आयक्त वायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्रार० ऐ० सी० नं० 230/84-85--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिश्रियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 11/126 है, जो दन्क रोड नेल्लोर भे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नेल्लौर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2/84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरफ चे हुन्द किसी बाद की बावत, उपस किमिनियम के सभीन कड़ को से अन्तरक के साथित्य में कनी करने या उसके वचने में बुविधा के लिए; जीर/गा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्म जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः जबः, उक्त अभिनियमं कौ भारा 269-ग कौ अध्तरकः. मो., मी., उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) चौ अधीन, हैनक्निसिक्त व्यक्तियों, अधित ु—् (1) श्री के० विरम्मा पति लक्ष्मय्या, संतापेद्या, सूदर्शन वारी स्ट्रीट, नेलीर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० गोपालकृष्णा मूर्ति पिता बेंकटस्वामी, घर नं० 11/126, ट्रंक रोड, नेलौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्यक्तिहमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्ज़न के सम्बन्ध में कोई भी मक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, वा उक्त श्रीधनियम के शध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस शध्याय में दिया गया हैं।

## नन्त्री

घर संप्ति नं० 11/126 ट्रन्म रोड, नेलोर, रिजस्ट्रीक्कत विलेख नं० 1133/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी नेलौर ।

एम जगन मोहन, संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 12-10-1984। मोहर: शस्य बाह् ती . एन . एस . ------

## मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 12 श्रक्टूबर 1984

निर्देश सं० श्रार० ऐ० मी० नं० 231/84-85---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी धरो, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बस्जार मुख्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसका घर है जो प्रकाणनगर नरसारावपेट, में स्थित है (श्रीर इससे उावद्ध ग्रनुभूषी में श्रीरज पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याल नरसारावपेट, में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2/84

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण संहुर्ध किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर बने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तसे वजन में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए,

(1) श्री पी० म्राविनारायणा पिता चीना रामा स्वामी, प्रकाशनगर, नरसारावपेट गूंटूर जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ग्रंजली देवी पति श्री रामा मंती, प्रकाशनगर, नैरसारावपेट, गंटर जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रवीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नतसंची

घर संपत्ति प्रकाशनगर, नरसारायपेट, गूंटूर जिला, रजिस्ट्री- कृत विलेख सं० 641/74, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नानर-सारायपेट ।

एम० जगन मोहन सक्षम स्रक्षिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-10-1984। मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिर्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् ध— श्रुक्य बार्ड, टी. एव. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-9 (1) के अभीन सुभना

## भाउत सरकाड

## कार्याजय, ब्रह्मयक मायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैधराबाद

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 232/84-85--- श्रतः मुझे एम० जगनमोहन ।

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० भूमि है जो शांताराउर विलेज, चिराला स्थित है (भीर इससे उपायद धनुसूची में भीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्याल चिराला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 2/84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यंव्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविविद्यत उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के बाबित्य मों कभी कारने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क्ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के निए;

(1) श्र वाई० झांदि शेषु पिता विरय्या, शांताराजर, ' प्रकाशम जिला ।

(अन्तरक)

'2) श्री डी॰ सुझ्याराव पिता गूरवय्यी, एक्जुक्यूटिव द्याफिसर, दि प्रकाशन जिला, एस० सी॰ को-म्रापरेटिव सोसाइटी, प्रकाशन भवन, श्रोगोल

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पृक्तिमों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित क्षित किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमं प्रयक्ति शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

#### समस्त्री

भूमि, विस्तीर्ण 10 एकर, 88 सेंट्स शांताराउर त्रिलेज, चिराला, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 648, श्रीर 649/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चीराला ।

> एम जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

अत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक: 12-10-1984।

मोहरः

## प्ररूप **बाह<sup>\*</sup>.टी.एन.एस**ु----वःस्थ

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 233/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाष्टार मृत्य 25,000/- रु. मे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० राइस मील ग्रीर भूमि है, जो वैरा खम्मम, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मधीरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2/84।

भन्ने पूर्योवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रिति-फल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, अक्त प्रीधितयम के अधीय कर योगे के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उत्तससे वचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :——
7—326 GI|84

(1) श्रीमिति पी रामसीतम्मा, कीस्टापुरम श्रीर श्रन्य, हामलेट श्राफ थालाडा, मधीरा तालूक, जिला खम्मम ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रार० तिक्शामय्या श्रीर स्रत्य, जीना गोवती गोस्ट, श्रम्मम जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वा कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उप्तत संपत्ति के अर्थन के संबंध मं कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारी खंडी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसू**ची**

खुली जमीन विस्तीर्ण 48 सेंटम ग्रौर राइस मील, वसरा विलेज खम्मम, जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 161/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मधीरा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद।

विनांक 12-10-1984।

7. 15 ....

प्रकृष बार्षः टी एन एस.-------बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5653—श्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

मोर जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो बाठिन्डा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरीं 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित, में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉए/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (१) के अधीनः निस्तिनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री जोरासिंह पुत धर्म सिंह, गांव सिवान !

(ग्रन्सरक)

(2) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र नगाईया सिंह, गांव सिवान, नजदीक एन० एफ० एल०, बाटिन्हा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थान को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है 11

#### वनवरी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 4474 फरवरी 84 की रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, वाटिन्डा ने लिखा।

> जै० एस० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज, जालन्धर

विनांक: 15-10-1984

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुखना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायकं आयकर जाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5654—- झत:, मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्नीर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो वाठिन्डा में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में धार पूर्ण रूप से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बाठिन्डा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावता, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुनिका के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री कुलबन्त राय पुत्र राजाराम, मुख्तियारेग्राम सैवीदेवी विधवा राजाराम, गांव सिवान ।

(भन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द पुत्र राजा राम; माया देवी पत्नी हरबन्स लाल, गांव सिवाम।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए पा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### ननसंची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4517 दिनांक फरवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बाठिखा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 15-10-1984

## प्रकष मार्ड ्टी एम एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचमा

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 भ्रम्तूबर 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5655—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/-रुट से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० (जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

कां प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय, की बाबत, बबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम को धार 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) वो सभीत, निस्तिविक्त स्यक्तियों, वर्धात क्ष्म (1) श्री युखदेव सिंह पुत्र गन्डा सिंह, मुख्त्यारेग्नाम, गुरदास सिंह पुत्र वरिभाम सिंह; गुरदेव सिंह पुत्र जवाला सिंह, वासी सुच्चा सिंह गली, महता चीक, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र हरदवारी लाल, मार्फत शाम लाल पुत्र लखी राम, एम० सी० सिरथी बाजार, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके प्रवीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या तत्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीय।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में स्थित गया है।

## अमस ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4545 दिनांक फरवरी 1984को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनोन : 15-10-1984

## 

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अन्तूबर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5656—अतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु स अधिक ही

ग्रीर जिसको सं० जैसा कि अनुसूचः में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (गौण इससे उपाबद्ध अनुसूचः में ग्रीण पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रायली अधिकारा के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरा, 1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपत्ति के उचित्र साजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो गाँर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिमित उद्देश्य से उवत अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की आवत, उक्त विधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे विधी के शिक्ष अर्थ / मा
- (ब) एसी किसी बाम या फिसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-के अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तीरती द्वारा अकट नहीं किया भग्न या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के सिए;

अनः अज, उक्त अधिनियम की पास 269-म के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्वित्तयों अर्थात् :—— (1) श्री सुक्षवेव सिंह पुत्र गण्डा सिंह मृद्ध्यारे आम : श्रागुरदास सिंह पुत्र श्राविष्याम सिंह. श्रागुदेव सिंह पुत्र ज्वाला सिंह, वासा सुच्चा सिंह गली, महता चौक, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा मुन्जाल पत्नी श्री सर्वाण मृंजाल, मार्फत श्री श्याम लाल पुत्न श्री लखो राम, एम० सी० सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 4546 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी, भटिडा ने लिखा है।

> जे० एल • गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीझण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारोख : 15~10-1984

## प्रारत्य बाई. टी. एन. एत.-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 अन्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5657---अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भतिडा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिमि, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, जक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी अंग्य या किसी थन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

बतः बनः, उत्तं निधिनियमं की भारा 269-ए के बन्धरण में, में, उत्तं निधिनियमं की भारा 269-ए की उपधारा (1) भी जधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अवित् :--- (1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह, मुक्तवारे आम : श्रो गुरवास सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र ज्वाला सिंह, बासी सुच्या सिंह, गली, महनां चौक, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ पुत श्रो प्रभु दयाल; मार्फत : श्री म्याम लाल पुत्र श्री लखी राम, एम० सी० सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जेसा कि ऊपर मं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति कृषि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकने।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रबुक्त कथ्यों और पदों का यो उपसं अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### असम्बर्धाः

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 4547 दिनांक फरवरी, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालका

तारीख : 15-10-1984

प्रकप बाहें.टी.एन.एस.------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांकः 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी०नं० 5658——अतः, मुझे, जे०एल**०** गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984 प

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिल्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सुख देव सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह, मुख्तयारे आम : श्री गुरदास सिंह पुत्र श्री विरयाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र ज्वाला सिंह, वासी सुच्चा सिंह गली, महना चौक, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुदेश रानी पुत्री श्री बिहारी लाल पुत श्री धनिया राम, मार्फत: श्री श्याम लाल पुत्र श्री लखी राम, एम० सी० सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति रूची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षर जान है कि वह सम्पत्ति हितबझ है)!

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पन्ति तथा व्यक्तिः जैसा कि विलेख सं० 4548 विनांक फावरी 84 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

सारीखा : 15-10-1984

मोहर:

.

## पुरूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5659—अतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रथ्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके-दश्यमान प्रतिफल से एमें रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गबा प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुएँ किसी आज की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे क्चने में बृविधा के सिए; बॉट/बा
- (श) एसी किमी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री सुखदेव तिह पुत्त श्री गण्डा सिह, गुक्तभारे जाम : श्री गुरदास सिह पुत्त श्री वरियाम सिह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र जवाला सिंह, वासी गुच्चा सिंह गली महना चौक भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोधर्भेश कुमार पुत्र श्रीशाम सन्दरः मार्फतः श्रोशाम लाल पुत्र श्रोलखोराम, एम० सी०, सिरको बाजारः सटिण्डाः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करना हो।

## जनत सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिल्लित में किए जा सकैंगे।

स्यष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्सेत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हो।

## वंगू स्पर्

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 15-10-1984

## प्रस्प बाहे. दी. एम्. एसं.-----

भागकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निवेण सं० ए० पी० नं० 5660---ग्रत: मुझे, जे० एस० गिरधर,

नायकार सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्विश्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिकल का पन्तद् प्रतिकल का पन्तद् प्रतिकल के पन्तर्क (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निन्तिसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक का से कांचत नहीं किया नया है है—

- (क) अन्तरण सं हुद्दं किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में काबी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त बीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

8-326 GI|84

(1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह, सुक्तयारे श्राम : श्री गुरदास सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र जवाला सिंह, बासी—सुच्चा सिंह गली, महनां चीक, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री झरविन्द कुमार पुक्ष श्री शाम लाल पुत्न श्री लखी राम, एम० सी०, सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्षन के निय कार्यनाहियां करता हूं। दक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थानः की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीनत स्थित्यों में से किसी स्थित्त स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिष्टा गया है।

## अभूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4682 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1984

प्ररूप आहूर्य. टी. एन. एस. ------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### बारद ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निदेश मं० ए० पी० मं० 5661—-ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिक्त का निम्निवित उद्देषम से उक्त बन्तरण बिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सार/या
- (था) एती किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भुधीन, निम्नसिक्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुखदेय सिंह पुत श्री गण्डा सिंह, मुख्तयार श्राम : श्री गुरदास सिंह पुत श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत श्री आवाला सिंह, वासी --- मुच्चा सिंह, गली, महनां चौक, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सण्यन कुमाण पुत श्री देवकी नन्दन, मार्फत :श्री गाम लाल पुत श्री लखी राम, एम० सी० सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिद कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4696 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिषा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जा लन्धर

नारी**ख** : 15-10-1984

## प्रकृष बाह् .टी. एन .एस . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 श्रवतूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० सं० 5662—प्रात: मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में ' रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरंत्र से हुई किसी बाय की दावत, उच्छ अभिनियत के अभीन कर दोने के जन्तरंक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को खिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिये था, डिपान में सुविधा के तिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मुखदेव सिंह पुर्व श्री गण्डा सिंह, मुख्तयारे ग्राम : श्री गुरदास सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, वासी—सुच्चा सिंह गली, महनां चौक, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री जगन नाथ, मार्फत ंशामं श्लाल पुत्र श्री लखी राम, एम० सी०, मिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षी :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (सं) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 4697 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. जालन्धर

नारीख: 15-10-1984

## अक्षप नाहाँ टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांज 15 अन्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5663—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कुमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; बीर्प्रया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः मब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह, मुख्तयारे आम : श्री गुरदास सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, वासी सुच्चा सिंह गली, महनां चौत्र, श्रीटण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार पुत्र श्री शिवजी राम, मार्फतः श्री श्याम लाल पुत्र श्री लखी राम, एम० सी०, सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4698 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 15-10-1984

मोहरः

श्**रूप बाइ**ं <sub>र</sub> टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभना

#### भारत बरकार

## कार्याम्य, सहायक आयकर वास्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अम्मूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5664——अतः मुझ्ने, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी अग्र की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया सा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कदः, उपल जीधीनयमं की धारा 269-ग के जनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन∡ निम्नुसिसित व्यक्तियों, जर्धात् :—- (1) श्री सुखादेव सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह, मुख्तयारे आम : श्री गुरदास सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, वासी सुच्चा सिंह गली; महत्त्रं चौक, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री मदन लाल मार्फतः : श्री क्याम लाल पुत्र श्री लखी राम, एम० सी०, तिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरिक्षी)

को वह तुचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के विहर आर्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी नाभोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की सविभि या तत्सम्बन्धी क्यंक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की सविभि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विका गुरा है।

#### नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 4699 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्री उर्वा अधिकारी के कार्यावय, भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जासन्धर

तारी**ख** : 15—10—1984

प्ररूप आई टी एन एस .-----

काधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, विनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेण सं० ए० पी० नं० 5665—-अतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

नायक र निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशाद 'उक्त निष्नियम' कहा मया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रु. से निष्क हैं

और जिस्तकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्री कर्ता अधि गारी के वार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्री-करणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इदयमान प्रतिफल से, ऐसे इदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए; बौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए,

जंदा अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---  श्री खुशीराम पुल श्री जीना राम, हाजी रतन गेट, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मीठा सिंह पुत्र श्री हरचन्द्र सिंह, मधुबन होटल, निकटन्यू बस स्टैंड, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कां के भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### केर संख्

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं १ १ 4556 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिखा ने लिखा है।

> जे० एत० गिरधर स**क्षम प्राधिका**री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1984

. 1 1

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. :-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5666-- -अनः मृझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा शिअनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्कित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे र गन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी करने या उससे उचने में मुबिधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए:

सतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरणः भी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की ल्पेशारः (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीतः :---- (1) श्री खुणी राम पुत्र श्री जीना राम, हाजी रतन गेट, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलदेव कौर पत्नी श्री मीटा सिंह, मधुबन होटल, नजदील बसस्टैण्ड, भटिण्डा ।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, पूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त प्रकां और पक्ष्टें का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-5 में परिशाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 5669 दिनांक फरवरी, 1984 को प्रजिस्ट्रीशर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 15-10-1984

प्रक्य शार्ड . टी . एन . एस . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984 निदेश सं० ए०पी० मं० 5667——श्रतः मृझे, जे०एल० गिरधर,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की वास 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आंग्रेस हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाचार मुख्य 25,000/-रुट से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रोकर्ता श्राधकार। के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रो-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, ताराख फरवरी, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित वाजार मून्य से कम के स्वयमान् प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एक दश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण हे हुई फिडी बाव की बावत, उपव बीधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (था) ऐसी किसी जाय या किसी जा ना जान जा स्वास्ताना की, जिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा खें निए;

करः कथा, उक्त वीधीनयमं की धारा 269-गं के अनुसरण को, को, अवल सीधीनयमं की धारा 269-वं की उपभाग (1) को वधीन, निस्त्रलिखित व्यक्तियों, कोई/हैं:— (1) श्राहरमल सिह पुत श्रो रुण सिह, गांव सिचान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो रूप सिंह पुत श्रो केष्ट्र सिंह, सामने एन० एफ० एल०, कोठें काम के, सिवान रोड, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की संवीध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी संवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीये।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रमुक्त कुक्यों और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

## नगुजुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4687 दिनांक फरवरो, 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारो, के कार्यालय, भटिंडा ने सिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

**मारोख : 15--10-1984** 

प्ररूप वार्ड .टी .एन .एस . ------

# आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन मृजना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5668—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गण है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंग में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भटिंग्डा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए बन्दरित की गई है जोर मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अभि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उच् किय से उच्त बन्दरण निम्निलिस में अन्तरिक एम से अभि नहीं वि । गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी नावंकी दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिएय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

(1) श्री मेजर सिंह पुत्र लाल सिंह,
प्रो० स्टैण्ड फर्नीचर,
श्री ग्रमरीक सिंह रोड,
भटिण्डा मुख्तयारे ग्राम :
श्री जोरा सिंह, जागीर सिंह,
श्री शेर सिंह, श्री गुरदयाल सिंह,
पुत्र श्री डन्ज सिंह,
श्री मुख्तयार सिंह, लाभ सिंह,
श्री मुख्तयार सिंह, लाभ सिंह,
श्री विकर सिंह, श्री निरंजन सिंह,
पुत्र श्रीमती चितन कौर विधवा
श्री नन्द सिंह, कोठे ग्रमर पुरे,
नजदीक जी० एन० डी० टी० पी०,
कालोनी, मटिण्डा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्द्र गुप्ता पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, श्रम्बाला धव भटिंहा ।

(भ्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हा,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दित की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को अक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4747 दिनांक फरवरी, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

जे॰ एल॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

**तारीख**: 15-10-1984

मोहरः

(अन्तरक)

प्ररूप शाह<sup>4</sup>.दी.एनं.एसं. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-घ (1) के अभीन स्थाना

## भाष्ट्रत सरकार

कार्याक्रम, सहामक कायकार कामूक्त (निरीक्षक)

ग्नर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 ग्रक्त्यूयर 1984 निवेश सं० ए० पी० सं० 5669—~ग्नतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वक्त संपत्ति का उचित वाकार जूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीप्रकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रीप्यनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाधार मृता से कम के बद्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तिरत की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण ही कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बादार मृत्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस्थ प्रतिकृत से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के दीच एसे अन्तरण के निए तय पाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिल्ला में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई बिसी आब की बाबत, उक्त में कमी करने मा समसे बचने में स्विधा को जिए. मीक्षानयम की अजीन कर दोने को अन्तरक की द्यायल बीड़/मा
- (स) एसी किसी भाग का किसी भन या जल्ब आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 कि को अधिकियम, या भन कर अधिकियम, या भन कर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के अबोजनार्थ बन्दारिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए भा, जियाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधिन :----

- (1) श्री मेजर सिंह पुत्र लाल सिंह,
  प्रो० स्टैण्डर्ड फर्निचर्स,
  श्री श्रमरीक सिंह रोड,
  भटिंडा, मुख्तयारे श्राम जोरासिंह:
  श्री जागोरसिंह, श्रो कोर सिंह,
  श्री गुरवयाल सिंह पुत्र
  श्री इन्द्र सिंह,
  श्री मुख्तयारे सिंह, श्रो लाभ सिंह,
  श्री मुख्तयारे सिंह, श्रो लाभ सिंह,
  श्री विकर सिंह पुत्र श्रोमतो चतिण कौर
  विध्या श्रो नन्द सिंह,
  कोठे श्रमरपुरे,
  नजदीक जी० एन० डी० टी० पां० कालोनो,
  भटिण्डा।
- (2) श्री पत्रन कुमार पुत्र केदारनाथ नामा। (ग्रन्तरिती)

को वह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए वा सकों ने।

स्पन्दीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 4748 दिनांक फरवरी, 1984 रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी, भटिशा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोझण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1984

मोष्टर:

गिरधर

प्रकृप् बार्डें, टी. एन. एम.-----

बायकर बोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बधीन मुचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ताराख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गंवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित म बास्तर्यक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं ----

- (क) जन्तर्ण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे धक्ने में भूविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्ध बास्तियों का, चिन्हें भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में ब्रिविश के सिए;

सतः सतः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मसिक्तिक स्पिक्तियों अर्थातः:--- (1) श्रो मेजरप्सिह पुत्र श्री लाल सिंह,
प्रो० स्टैण्डं फर्नीचर्स,
प्रमरीक सिंह रोड,
भटिडा, श्रो मुख्तयारे ग्रामश्री जोरा सिंह, श्रो जागोर सिंह,
श्रो मेर सिंह, श्रो गुरदयाल सिंह,
पुत्र श्रो इन्द्र सिंह,
श्रो मुख्तयार सिंह, श्रो लाभ सिंह,
श्रो मुख्तयार सिंह, श्रो लाभ सिंह,
श्रो विकर सिंह, श्रो निरंजन सिंह पुत्र
श्रीमतो चितन कौर विध्या
श्रो नन्द सिंह, काठे ग्रमरपुरे,
नजवोक जो० एन० डो० टो० पो० कालोनो,
भटिडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीयगगुष्तापत्नीओमप्रकागभटिंडा। (अन्तरिति)

स्त्रे बहु बृषना पारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाश की तारीच सं 45 चिन् की नविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रवेषिक स्थान्तवों में से किसी स्थानित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यज में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी जन्म काक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए वा सकते।

स्वस्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त वस्तों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### वनसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 4749 दिनाक फरवरो, 1984 को रिजस्ट्रोकर्ना ग्रिधिकारो, भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारा स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1984

## त्रक्ष बार्ड . टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सहकार

कायांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984 निवेश सं० ए० पी० सं० 5971—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधरः

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया है), की भारा 263-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000∕ रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसाकि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिशा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, भटिंडा में राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख फरवरी, 1984

करे पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई फिसी आब की बाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के यादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/बा
- (ता) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिलाने में सविधा के लिए;

जतः जयः, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, न्यांत् ध— (1) श्री मेजर सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, प्रो० स्टैण्डर्ड फर्नीचर्स, धमरोक सिंह रोड, भटिडा, मुख्तयारे भ्राम-श्री जोरा सिंह, श्री जागीर सिंह, श्री जोरा सिंह, श्री जागीर सिंह, श्री केर सिंह, श्री गुरदयाल सिंह, पुत्र श्री इन्द्र सिंह, श्री लाभ सिंह पुत्र श्री विकर सिंह, श्री लिंग्जन सिंह पुत्र श्री सिंकर सिंह, श्री लिंग्जन सिंह पुत्र श्रीमती चितन कौर विधवा श्री तन्द सिंह, कोठे धमरपुरे, नजदीक जी० एन० डो० टी० पो० कालोनो, भटिडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रांविनीद कुमार पुत्र श्रांरमेशचन्द्र, नाभा (ग्रव भटिंडा) ।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारों कारक पूर्वाक्त सम्मति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबभ में काई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संघीभ भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य क्ष्मित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्र**नुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 4750 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी, भटिंडा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15--10-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

मिदेश सं० ए०पी०न० 5672—यतः मुझे, जे०एल० गिलधर

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मानयम' कहा गया ही), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से निधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थिति है (और इससे उपाबद अनुसँची और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बठिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित य बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण **वं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त किसीनयम के अधीन कर दोने के ब**न्तरक के बायित्व में कमी करने या उसरो दकते में जुनिया के लिए; बरि/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भग या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिविस व्यक्तियों, अधित :---

(1) श्री इन्द्रजीत पुत्र डिपटो राम वासी—-रामा-मण्डी।

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम कुमार पुत राम प्रकाश, मार्फत एस० आर० भटिण्डा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षन के निए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उन्त तस्पत्ति के वृष्ति के सम्बन्ध में कोई भी नाओं। :---

- (क) इस तृथा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि शां तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यवा है।

#### वर्त्व

सम्पत्ति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नै० 4838 दिनांक फरवरी, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्सर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक - 15-10-1984 बाह्य प्ररूप अन्द्रं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनीम 15 अक्तूबर, 1984

नियेण सं० ए० पी० नं० 5673----यतः मुझे, जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), र्राजस्दोक्ती अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा वायित्व के लिए; और/या
- (का) ए सी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्णात्:—

(1) श्रीमती रामप्यारी विधवा और मंगत राम, प्रदोप कुमार पुत्र और सत्या रानी, चंचल रानी, आक्रा रानी पूत्री राम प्रकाश, पुरानी सब्जी मण्डी, मोगा।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नि गुरबखग्रसिंह और सूरज मोहन पुत हुकूम चन्द भार्फत गुरबख्श सिंह हरदोप सिंह पुरानी सक्जी मण्डी, मोगा।

(अन्तरितो)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की वन्नी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुज्ञी

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 7464, फरवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर।

विनांक: 15-10-84

प्रथल बाह् . दी. एवं . एवं . \*\*\*\*\*\*

नावकर मरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर विनांक 15 अक्तूबर्ग 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5674---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- फ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पृथोंक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्छद् प्रतिकृत से मिथ्य है बीर संतरकः (संतरकाँ) और संवरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्ण के निए तय पावा नवा प्रति-कृत निम्निक्षित उद्देश्य से उच्त बंतरण निम्निक्त में वास्तिवक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उनके अधि-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए कैंद्र/का
- (व) क्षेत्र किन्दी बांच वा किन्दी भग वा कम्ब . आर्थित्यां की, विन्दू भारतीय बायकार विभिनियम , 192? (1922 का 11) या उक्त जीभनियम , या भग-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) छ अधीयनार्थ वन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया थाना वाहिए वा, कियाने वे स्विधा से विश्व:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दौलत राम पुत्र लभू राम बासी-पुरानी सर्व्जामण्डी मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबन्स कौर परिन गुरबख्श सिंह और सुरज मोहन पुत्र हाक्स चन्द मार्फत मैं० गुरबख्श सिंह हरदीप सिंह पुरानी सब्जी मण्डी, मोगा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के सिर्ह कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूजना के राजपर्त में प्रकाशन की तारींक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय भें दिया। गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 7465 विनाक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 15-10-1984

प्रकप आइ. टी.एन,एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्तूबर 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5675—अतः मुझे, जे० एल० गिरधरः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो नन्धपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुए किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्व में कनी करने या उससे वचने में बृविधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरिसयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यानी में सुविधा के लिए;

शतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधील निक्तिविकत व्यक्तियों, वर्धात क्रिक्ट  श्री मखा मसीह पुत्र लभू रामः वासी गांव नन्दपुर, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) दी नैशनल कोअप्रपरेटिय हाउस विलिधिंग सो-साइटी लिमिटेड रिज जासन्धर मार्फर श्री विजय मित्र महाजन सैंक्ट्री, वासी एस० एफ 36, किला मोहला, जालन्धर।

(अन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षांच बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की आरील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितमक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अर्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृषा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

## प्रमृत्या

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 6497, विनोक फरवरी 84 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालंधर लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्वर

विनीक: 16-10-198**4** 

# प्रकार बार्ड . ही . एन् . एन् नु नवस्थान्यक्रम

जायफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के व्योग स्वात

#### भारत तरकार

# कार्याक्य, सहायक गायक र नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्ड, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/3389/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, 2री मंजिल, क्तुराज को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, प्लाट नं० 71, जुहू रोड, साताकुज (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 7-2-84

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) नौर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क से निम्निसिस उध्देश्य से उच्त अन्तरण निम्वित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नया हैं:——

- (क) अन्तरभ संहुई जिल्ही बाव की बावता, उपह अविनिधन को अधीय कर वेने के अन्तरक की वाधित्य में कनी करने या अवसे मचले में वृधिधा यो निष्; और/वा

(1) श्री सुरेश सन्द्र छाबङ्ग

(अन्तरकः)

(2) श्री सतीण कुमार खन्ना।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू कारता हुं।

## उक्त सम्मतित के अर्थन के सम्मन्ध में क्षेत्र भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्यास में दिया गया है।

## नम्स्वी

फ्लैट नं० 9, 2री मंजिल. रूतुराज को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 71, जुहू रोड, सांताकुज (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/3389/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सञम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्द**

चिनांषा: 12-10-1984

भोहर:

कतः अव, राक्त विधित्तवम की धारा 269-ग की, अनुस्रण भी, भी अभित अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधित, निम्निजिखित व्यक्तियोँ, वर्षात ६— 10-326 GI|84

प्रस्य आहु<sup>1</sup>. टी. एन . **एस** .-----

घायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के शकीन स्**यमा**ं

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, यमबर्ध

वस्वर्ध, दिनांक 12 मस्तूतर 1984

निदेश सं अई-2/37ईई/3462/83-84--अत: लक्ष्मण दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'अक्त अधिनियम', कहा गया हैं)., की भारा 269-पु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार 25,000/- स्त. से आधिक हैं

भ्रौर जिसकी संवपलैट नंव 1, जो, 2री मंजिल, प्लांट नंव बी-51, वरोड़ा रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और इसका करास्तामा श्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 4-2-1984

को पर्वाक्त सम्परित के उचित वाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई **है और मुक्ते यह विश्वास** करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके खर्यमान प्रतिकल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत सं अधिक ही और अंतरक (अंतरका) आर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए, तथ ामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'अस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) कर रण से हुए किया आय की बावत, उक्त अध्यानियम के अधीन कर दोने क अन्तरक की अभित्य में यानी। कारने या उसने बचने भी सविधा हा (अंग, हीर/कार
- (ब) एंसी कियाँ जाय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या ननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गरिया के लिए;

अत: अग, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण ग, में, ध्वत अधिनियम की पारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीयः, निम्नरिक्तित व्यक्तिसों, कथीतः :--

(1) भी यशक्त चिन्नमण साठ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंदना चंदनेखर कामता।

(भ्रन्तिरिती)

को यह सुबना लागो बाएके पर्योक्त मन्त्रीत के अर्जन के लिए कायवाहियां कारता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मंं मं किएति व्यक्ति शक्तियाः
- (स) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहस्ताक्षरी है पास विक्रित में किस जा वर्कींगे।

लम्बीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्षा क्षेत्र

# ग्रनुसूची

फ्लैट नं 1, 2री मंजिल, नियोजित नया बिल्डिंग, प्लाट नं० बी-51, बरोडा रोड, (म्युनिसिपल हाउसिंग नं० 30 और 30-ए) बांबा (परिचम), धरवई-50 में स्थित

श्रनुमूची जैला कि ऋ० गं० श्रई-2/37ईई/3462/83-84 ग्रोर् सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा टिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अवसण दास यक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, बम्बई।

ितांक: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एवं. एस. - - - --

जायकार अधिनियम, 1051 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) को अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर, 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्रो यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 कि स्थावर सम्पत्ति,

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 403, जो, रिझवी महल, बाभा हास्पिटल के बाजू में, वाटरफिल्डस रोड, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित हैं (और इस उपायद्ध श्रनुसूधी में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-2-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ४१यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरफ (अंतरफों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसं अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण संह्यं कि जी जान का बाबत, उक्त अधिनियम के सभीत कर दीने के अंतरक के दायित में कमी करने या उससे अचने में तृतिभा के लिए, और/या
- (ज) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 1994) के उद्देश अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिय (द्वारा प्रकट अहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिमियम की धारा 269-च की उपकारा (1) के बचीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अश्रीत .----

(1) बिहारीलाल लक्ष्मणदास सामंत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इसामभाई मोहमंदयली

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना आरो करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सन्बन्ध में काई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामींस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिमी व्यक्ति स्वागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर डक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति एक्टर अभारक्तकारी की पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनस्र,

फ्लैंट नं 403, जो रिक्सवी महल, बासा हास्पिटल के बाजू में, बाटर फील्ड रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि फ़र्व संव ग्रई-2/37ईई/3463/8-3-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 12-10-1984

# प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . ------

# प्रायकर मिनियम, 1981 (1981 था 43) की घारा 268-थ(1) के धनीन सकता

आगरहा सर्आहर

# कार्यालम्, सक्षमक वायकर वायुक्त (निर्धिक्न) श्रर्जन रेंज, -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं े र ग्रई-2/37ईई/3465/83-84--- ग्रत:

बाबकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गयाह"), कि पारा 269-इ के मधीन मक्स प्राप्तिकारी की यह विस्तास करने का फारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रा. से **अधिक है** 

भौर जिसकी सं ुफ्लैट नं 6, 2री मंजिल, स्मोकी हिल को लिमिटेड भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी पालीमालाहिल रोड₁ (प०), बान्द्रा 400050 (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर भ्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के उस कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

की पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिकल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त उन्तरण लिखित भें बास्तिविक एण से किश्ति नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबत, जक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्सरक दायिएव में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क्ष) एंसी किसी शांध या किसी भगवा जन्म कारितवी को, जिल्हा भारतीय जाय-कर गिधनियम, 1922 (1922 का 11) मा अवद अधिनयम, जा **पन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रसट महीं किया गया वा या किया भागा वाहिए वा, कियाने में स्विभा के सिए;

करा करा, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती फातिमाबाई ग्रब्दुल हमीद वजीर (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कृबेरबेन श्रार० पटेल। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकः क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा बभाइस्ताक्षरी के पाल लिक्ति में किए पा सकींगे।

स्पच्छीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो विकत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यवा है।

## धमुसूची.

पलैट नं 6, 2री मंजिल, जो, स्मोकी हिल को-मापरेटिय सोसायटी लिमिटेड, 44, पाली माला हिल रोड, बान्त्रा (प०) बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/34.65/83-84 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड कियागयाहै।

> लक्षमण दास प्राधिकारी सक्षम सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेम रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 12-10-1984

माहर 🛓

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवंश स० अई-2/37ईई/3466/83-84—अत: मुझे, लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुव किसी जाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसं फिसी आद्रां को अन मा अन्य आस्तिमों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित् व्यक्तियों, अधीत् हः—

- (1) श्रो क्वोद जौहर भाईसाह बूरहानुदान साहेय (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेमनाथ हेंहन, श्रीमती मीरा आर० प्रेहन। (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीक्त सम्मात्त के कर्जन के जिले, कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति को कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र हुन्य

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्येत्र की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीस में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जनुसूची

फ्लैट नं० 8, 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत में जो प्लाट नं० एस० नं० 70 थ्रीर 287, ईली नाला, जुह, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3466/83-84 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप भाष .टी.एन.एस. -----

(1) कुमारो परवान मरर्चेन्द्र।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधार कुमार शुक्ला।

(अन्तरिती)

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के म्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 अन्त्रवर 1984

निवेष सं० अई-2/37ईई/3495/83-84---अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ जि. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं फ्लैंट न 2, जो, 5वीं मजिल, ग्रान अपार्ट-मेंट्स, आफ काटेज रोग्न, बम्बई-28 में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबत अनुसूच। में भ्रौर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रौर जिसका फरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में में रजिस्ट्रा है, ताराख 14-3-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य सकते दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किष्वित में बास्तिक रूप से विभिन्न नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिशा के लिए; और/या
- (श) एसं किसी बाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः तम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦩

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) यस सूचना के राजपन में अकाक्षन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इस्से प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 5वीं मंजिल, शान अपार्टमेंट्स, आफ कडेल रोड, बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/3495/83-84 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. जन्माना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के अधीन सुधना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3500/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो ब्लाक-7-ए, संगिता अपार्टमेंट्स, जुहू रोड, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के, अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में क्रिक्ट जिस्ट्री है, दिनांक 14-2-1984

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिह्त में बम्दायिक स्पार्ग कि शिव नृहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आप की बायत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सामी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, बिक्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना धाहिए था छिपाने से स्विधा के सिक्:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु— (1) श्रामतो खुर्शीद सुल्ताना।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो सविहा क्योपः

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विम की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

## अन्सुची

फ्लैट नं ० 4. जो, ब्लाक 7-ए, संगिता अपार्टमेंट्स, जुहू रोड, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/3500/83-84 और सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनोंक 14-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहााक आयकर आगुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बभ्बई

दिनांक: 12-10-1984

# प्रकृष् बाइ'. टी. एम्. एस.,- - : =---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश मं० अई-2/37ईई/3502/83-84--अतः **॥** मुझे, लक्ष्मण दांस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 10, स्कायलार्क आपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 6 डी, चूइम, पूनायन पार्क, खार, अम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख -के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 29-2-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उधित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास कच्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उधिक बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधन अन्तरण विश्वित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जत्। जन, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैंं, लक्त अधिनियम की धारा 269-थ को सपधार (1) के अधीर, निम्नेजिसित व्यक्तियाँ, अधीर क्षरक (1) श्री सरफराज एम० कुरैणा।

(अन्तरक)

(2) श्रा गुलाव चेवार्गा।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में मंपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसूची**

पतिह नं 10, स्कायलार्क जपार्टपट्न, प्लांट नं 6 डी, चूहम, यूनीयन पार्क, खार, में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि कि नं अई-2/37ईई/3502/83-84 ग्रीप जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई ब्राण दिनांक 29-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

दिनांक: 12-10-1984

# प्रकृष जाइं.टी.एन.एस.-----

# अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेण सं० अई-2/37ईई/3750/83-84—-अतः मुझे. लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धर्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीरि जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, जॉर्जीना सी० टी एस नं० सी/1308, 1284, 1283 भीर 1304, विलेज, शेली राजन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भीर इस से उपासद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधोन, बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, और विनांक 20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जि़ली जाय की बाबस, उपस विभिन्तिम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उपसरे वचने में सुविधा के लिए:
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिधा के सिक्ट;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 11—326 GI|84 (1) मैस्सं रेशमा कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

- (2) श्रो दिवाकर केणवदास नरसियन। (अन्तरिनी)
- (3) अन्यरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग भें सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

ब बत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो। उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्र्यी

फ्लैट नं० 501, जो, 5 वीं मंजिल, विंग-बें(०, जॉर्जीना विलेज गोली राजन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूच। जैहा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3750/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहावक प्रायकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 1 1-10-1984

अस्प , अरक्<sup>र</sup> , टी , एन , एस <sub>रा</sub> ⇒ ≥ ≥ ≥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई,दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सँ० अर्ड-2/37ईई/3751/83-84—अतः मुझे, **लक्ष्म**ण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

जिसका सं० पतिट नं० ए०-23, जो, 2 रो मंजिल, पारीजात-ए, प्याट नं० 5, बांबा रिक्लेमेशन, बांबा (प०), बम्बई50, में स्थित है (और इससे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से बिंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राविकारा के कार्यलय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-2-84
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है दु—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर यान के अन्तरक के बाबित्य की कारी कारों या उससे प्रचने में स्विधा के सिए; बाँद/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धनु या जन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से अविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री फोसिस आर० फारीया।

(अन्तरक)

(2) श्रं। जीसेपा डिक्सूस ।

(अन्तरिनः)

(3) अन्तरितः ग्रौर उनका परिवार । (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## .**बन्**स्**ची**

पलेट नं॰ ए-23, जो, 2 री मंजिल, पारीजात "ए", लाट नं॰ 5, बांद्रा रेक्लेमेशन, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्षि अई-2/37ईई/3751/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 25-2-1984 को रजिस्टैंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षेम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

मोहरः

मस्य भार्च . बी. एवं . युक्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सुभान

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० भ० ६०-2/37 ६० ६०/3753/83-84--भ्रतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचिन बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो नाडीया प्रपार्टमेंटस्, प्लाट नं० 3/30 ग्राफ टी० पी० एस०— III, एस० नं० 383 (पार्ट), सांताक्रूज (पूर्व), बस्बई— 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम, 1991 की घारा 299 क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वरिय से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्यारण से हुन्द किसी जान की बानवू, उनक जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्यारक की बायित्व में कभी करने या उत्तरी बच्नों में सुन्तिया से निष्ठ; मोद्द/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिवाँ। को, जिन्ह भारतीय नाय-कर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिया के निए;

कतं क्यं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंटस् प्राईवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गणेश राजाराम वेलिंग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नुर्वन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# वनुसूची

पलैट नं  $\sim 502$ , जो, नाडीया भ्रपार्टमेंटस्, प्लाट नं  $\sim 3/30$  भ्राफ टी॰ पो॰ एस॰ $-1I_I$ , एस॰ नं  $\sim 383$  (पार्ट). सांताकूज (पूर्व), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० झ० ई०~2/37 ई० ई०/3753/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्रकृप बाई. टी. एक. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० श्र० ६०-2/37 ४० ६०/4167/83-84--श्रन: मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पूनिट नं 302, केन्या, लिकिंग रोड़, बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिमोक 1 फरवरी 1984

को पूर्वाकत सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशस्य से उच्ने अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुद्दे किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे अधने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क्षं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री परसराम भवानदास श्रवतानी, प्रोप० मैसर्स एम० बी० इम्टरनेशनल ।

(ग्रसरक)

(2) मेसर्स रामन एंड कमल ब्रसोशिएटस् ।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिल्ला का सकोंगे।

स्वध्योकरण: ----इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जी अवत जीभीनयभ के अध्याय 20-क मी परिभाषित है वहीं वर्भ होगा, जी उस अध्याय मी दिया वया है।

#### ated

यूनिट नं 302, 3री मंजिल, "केनया", प्लाट सी उटी उ एस अनं एफ/704, फायनल प्लाट नं 250-बी, टी अपी अपस्य उ बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्सं श्राव्य ई०-2/37 ई०ई०/4167/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास पृक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बुक्बई

विमांक: 12-10-1984

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भः(1) की अभीत सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अन्तूबर 1984

निर्देश सं० प्र० ई०-2/37 ई० ई०/4176/83-84— श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 1लो मंजिल, फ्लाट नं० 375, सिम्पल श्रपार्टमेंटस् को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 16वां रास्ता, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 फरवरी 1984।

कैने पूर्वोवत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितंपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुबंदिय से उन्तर बन्तरण सिमित में सम्विक रूप में कोचन गरी किया गया है

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाय की भावत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी थन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धरा-उरा अधिनियम, या धरा-उरा अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तिसां, वर्धात् ह— (1) श्री श्रक्षेष्ठ किनिय शुक्रला ।

(ध्रम्तरक)

(2) श्रार० श्रब्दुल रेहमान शेख।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ द्वीगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

## नगर ची

पलैट नं ० 1, जी, 1ली मंजिल, प्लाट नं ० 375, सिम्पल ग्रापर्टमेंटस्, को-ग्रापरेटिय सीसाईटी, 16 वा रस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

प्रमुम्मी जैसा कि क० सं० ग्र० ६०–2/37 ६० ६०/4176/83–84 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 3-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

विनांक 12-10-1984

प्रक्ष बाह्न", टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक, 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अ० ई०-2/37 ई० ई०/4179/83-84--मत: मझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4. जो, पाउंड फ्लोर श्रमर कुंज, बेसेंट स्ट्रीट, सांताकूस (प०), बम्बई—54 में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में आस्तिविक हम में किशत महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की वनुसरण को, को, सब्बत अधिनियमं की भारा 269-ए की उपभाग (1) को अधीन, मिस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गोवामी बिल्डर्स ।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री गुणवंतलाल धासुखनाल मेहता।

(भ्रम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र भी प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से कि ही स्पन्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकर्गे।

स्युष्टिकर्णः — इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, वहीं अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में विकेट्टिंग नवा हैं की

## मन्तुर्या

पर्लैट नं० 4, जो, ग्राउंड पलोर, ग्रमर कुंज, बेसैंट स्ट्रीट, सांताकृक्ष (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्र० ई०-2/37 ई० ई०/4179/ 83-84 मीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास यक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज→2, बस्बई

विनांक: 12-10-1984

मोहरः

प्रक्ष काई. टी. व्य. एव. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भाग 269-म (1) के अभीन सुमृता

भारत सहकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्राजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 म्राक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/4181/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, बिल्डींग नं० बी-71, एम० आई० जी० कालोनी, गांधी नगर, बान्त्रा (पू०), बम्बई 400 051 में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि- ारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनाक 3 फरवरी 1984।

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विध्वास करने के कारण है कि बभापवाँकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, असके ध्रममान प्रतिकल से, एसे ध्रममान प्रतिकल का पन्दह प्रतिवत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत्।— (1) मैप्टन बी० सी० मिनोचा।

(ग्रन्तरक)

(2) कैप्टन एम० एम० मनीचा।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितीः।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

ज्ञवत संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापीर-भाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## मम्ब्र्यी

पलैट नं० 702, बिल्डींग नं० बी--71, एम० माई० जी० कालोनी, गांधी नगर, बाम्द्रा (पूर्व), बम्बई--400 051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्राई-2/37 ई ई/4181/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 3-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

# अस्प जाई.टी.एन.एस.-----

- अर्थकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ई ई/4182/83-84--मतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, राम निवास, 14वा "ए" रोड़, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधड़ अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अश्रोन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 3 फरवरों 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रीतफल के निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाय्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से ऐसे बच्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उव्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नदः नभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है अभीम, निम्मलिखित अधिकार्यों, सर्भात :---- (i) क्षी ए० बी० राख।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रब्दुल रहोम चौहान ।

(श्रमिंशी)

का ग्रह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्

## मनस्थी

फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, राम निवास, 14वां "ए" रोड़, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क० सं**० भ ई**-2/37/ई ई/4182/83-84 भीर जो समाम प्राधिकारों, बस्बई बारा दिनांक 3-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम, मक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्घ

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्भाना

#### मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० अर्ह-2/37-ईई/4200/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं प्रलैट नं ० 301, जो, 3सरी मंजिल, और पार्किंग स्पेस नं ० 2, वि खार राम लक्ष्मी प्रिमायसेस को-श्रापरेटिन्स सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं ० 527-ए, 16 वां रास्ता, खार, बम्बईबं 52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उजित बाजार प्ल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अ्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण में निधित बास्तिबक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाव की बावत उक्त सीधितयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुदिशा के निए और /या
- (क) एसी किसी शय या किसी धन या जन्म जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ जन्ति श्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया आया की लिए;

कत अस, उथन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा,(1) के अधीन, निम्नतिस्तिन व्यक्तियों, अधीन, निम्नतिस्तिन व्यक्तियों, अधीन, 1. श्रो प्यारमणी शामसुद्दीन चारानिया

(भ्रन्तरक)

(1) श्री शिरीष छगनलाल झवेरी, श्रीर
 (2) श्रीमती सुनिता शिरीष झवेरी

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रि<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी सन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्रिरण:----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विद्या क्या है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो 3रो मंजिल, श्रीर पार्किंग स्पेस नं० 2, दि खार राम लक्ष्मी प्रिमायसेस को-ग्रापरेटिक्स सोसायटो लिमिटेड, प्लाट नं० 527-ए, 19वॉ रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37—ईई/4200/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 5-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर:

12 -326 GI/84

प्रक्रम अवहाँ.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेण मं० श्रर्ष्ट-2/37—हर्ष्ट/4204/83—84—-श्रप्तः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 59 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का एण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 5.000/- रो. में अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 40, जो गाउंड फ्लोर, "हरी मार्केट" बिल्डिंग, 4था रोड, खार, बस्बई-52 में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रध न बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं, तारीख 9-2-1984

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
त्रतायान के निष् अन्तरित की गर्ड हैं और मृश्वे यह विश्वास
त्रान का कारण हैं कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार
ृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अध्यत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वक्ते में सृविधा रुपलागृ; और /था
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चे सिए।

अतः अस् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण ं में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखिए अधिकत्वयों , अर्थात् ह 1 श्री कठवरराम रेवाचन्द मूलचन्दानी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हेमा सुन्दर ग्रहुजा

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचमा आरी करके पृबोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म संपति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवेशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकरों।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्कत अधिनियम, के अध्याय 2()-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 40 जो, हरो मार्केंट बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोग्रर 4था रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रसप साह".टी. एन . एस . ------

आयव र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारतं सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 प्रस्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/4205/83-84--ग्रतः मुझे. लक्ष्मण दास्,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाकार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो ग्राउड फ्लोर, "ग्ररिवंद ग्रापिंग मेंटर", प्लाट नं० 69, टी० पा० एस० नं० सांताशुज (पूर्व), वस्बई-55 में स्थित हैं (ग्रार इससे उपावध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विशेषत हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्दा है, तारीख 7-2-1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त- विक कम से किया नहीं किया च्या है थे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय ना किसी भन या लन्य जास्त्या कर्रा, जिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विभा के सिए;

सतः वशः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जमुमरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभा कि अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अभीतः :—

1. मेसर्स श्री श्रामल बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्राकमल कृष्णदत्त शर्मा

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है , दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूक की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नशीतन्दाकरी क गास निचित्त में किए या सर्वेगे।

## मन्त्रची

दूकोन नं 9, जो ग्राउंड फ्लोर, "ग्रर्शवद गार्पिग सेंटर", प्लाट नं 69, टा॰ पो॰ एम॰ नं॰ 5, मोताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि मिं भई-2/37-ईई/4205/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ग्राराख: १२० छ । ८

नोहर

- 18-3C : 17717T

प्ररूप बाइ<sup>‡</sup>्टी. एन. एस<sub>ः</sub> ••••<u>•</u>

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं ॰ अई-2/37-ईई/4206/83-84--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 जो, ग्राउंड फ्लोर, ''श्रपरा-जिता'', 443-ए, 14वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क,ख के स्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का प्रचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- र्रेंक) जनसरण से हुई किसी आय की आवस, अवस जीभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिका के सिए; भौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- 1. (1) श्री इन्द्रजित विरभद्रा सोलंकी, भौर
  - (2) श्री प्रजित विरंगद्रा सोलंकी।

(भ्रन्तरक)

2 (1) श्री प्रशोक मुखंद बिजलानी, ग्रीर

(2) श्रीमती देवीं मुखंद विजलानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविथ, जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, "ग्रपराजिता", 443-ए, 14वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37–ईई/4206/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-2-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारोख: 12-10-1984

प्रस्प बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वाय्वत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-2/37-ईई/4295/83-84-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5 जो, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग 'सी० साइड", प्लाट नं० सी० टी० एस० 363, 18-ए, चिमबाई रोड, बांद्रा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारों के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 22-2-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्मनिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्मित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के शायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविशा के लिए; और/बा
- (व) होती किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की विद्ध;

मतः मय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---मोहर : 1. मेसर्स ग्रंबर इटरप्राइजेज।

(भन्तरक)

2. श्री जयकुमार किशिनचंद मंजानी, श्रौर श्रीमती गोमिनाई किशिनचंद मंजानी । (ग्रन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्रिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं., वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

### वनस्यी

फ्लैट नं० 5, जो 5वीं मंजिल, बिल्डिंग "सी साईड", चिमबाई रोड, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37-ईई/4295/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दा कि विनांक 22-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख: 12-10-1984

प्रकृष आहे . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-2/37-ईई/4296/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 - रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो 6वीं मंजिल, बिल्डिंग मी साईड, 18-ए, चिमबाई रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रेनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा स्नायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से ऐसे दश्यमान अतिफल का पंत्रह अतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उक्किया से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जांध-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भागतीय आधकार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सृतिथा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिशक व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. मेसर्स भंबर इन्टरप्राईज ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती गोमींबाई किशिनचंद मंजानी, श्रीर श्रीमती गीता प्रभु मंजानी ।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

## श्रनुसूची

प्लीट नं० 6. जो 6वीं मंजिल, बिल्डिंग सी साइड, प्लॉट नं० सी० टी० एस० 363, 18-ए, चिमवाई रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रानुस्की जैसा कि कि से श्राप्ट 2/37- ईई/4296/83-84 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्ट ई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रस्य बाह् .टी. ध्न , एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८९० व (1) के ग्रधीन सुबना

#### मारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रन्तुबर 1984

निदेण सं० श्रई-2/37ईई/4256/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो कृष्ण कुंज को-श्राप० सोसायटी, सेनापित बापट मार्ग, मांट्रगा, बम्बई-16 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, तारीख 18-2-1984

धारी 269क, ख क प्रधान, ताराख 18-2-1984 को प्र्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफाल के लिए अंसरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रस्तरक (धन्तरकों) भीए प्रस्तरिधी (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतरण लिखन में बास्तबिक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिजित्यम क अधीन कर देन के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उग्य बचने में शुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, था बन कर भिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्थिका के लिए ;

कतः अव, उक्त किधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, वर्षात ह— 1 श्रीमती क्वरबेन विनोद शहा

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती पुतलीबाई गाबिदराम दादलानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, वांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास अयिक्तयों में से किसी श्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय भी दिया गया है।

## अनुसूची

दूकान नं० 6, जो कृष्ण कुंज को-म्रापरेटिव सोसाईटी सेनापित बापट मार्ग, माटुंगा, बम्बई-16 में स्थित है। म्रानुसूची जैसा कि कि० सं०, म्रई-2/37ईई/4256/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बस्बई ।

तारीख: 12-10-1984

ोहरः

प्ररूप शाई. टी. एन. एंस. -----

भायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

#### भारत सहसार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984 निवेश सं० श्रई-2/37ईई/4257/83-84-श्रतः मुझे, मण दास,

अग्रह्म अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गोडाउन नं० 3, बिंदू शार्षिण सेंटर प्रिमा-यसेस, को-ग्रापरेटिव्स, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 77 टिलक रोड, सान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्न रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वेक्त संस्पित के उचित बाजार मृल्य मं काम के दश्यमान पितकन को सिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निस्तिवित उद्देष्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के नियुष् बौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-गं कौ जनुसरणं कौ, सी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-नं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीन:——  मेससं पटेल ब्रश कंपनी (द्वारा पार्टनर, जै० एम० पटेल)

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स बिपिन एजेन्सी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समएत होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अथिक्त द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

गोडाउन नं० 3, जो बिन्दू शार्षिग प्रिमायसेस को-आपरेटिक्स सोसायटी, लिमिटेड, 77, टिलक रोड, सान्ताऋुअ (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37ईई/4257/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आर्ड्युटी ु एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/4258/83-84-- म्रतः मुझे, लक्सण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, ग्रीन फील्ड, टी० पी० एस०-4, ग्रन्मोडा पार्क, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18-2-1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) चे अधीन जिम्मिलिकत व्यक्तियों. अर्थात ह——  श्रीमती सीरिन श्रार० नानावटी ग्रीर श्री रुमी नानावटी

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० विरराघवन ग्रौर श्रीमती जानकी विरराधवन (ट्रस्टी, कृष्णासन ट्रस्ट)।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पहिर-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगराची

प्लाट नं० 3, जो ग्रीन फील्ड, टी पी एस-4, अरुमेडा पार्क बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्राई-2/37ईई/4258/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लर्क्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर:

--326 GI]84

# प्राक्ष जार्द हो . एन . एत ..------

# भायकड जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यान्य, सञ्ज्ञक नायकर भागुक्त (रिनरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1984 निदेश सं० घई-2/37-ईई/4259/83-84---भ्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 4, शिल्पा ं को-ग्रापरेटिय हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड, 7वां रास्ता, प्रभात कालोनी, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-2-1984

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूर्ल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूर्ल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है हि—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अअने में सुनिधा के सिए; जीट्र/या
- (ष) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती कस्तूरबेन हरखचंद शाह।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेमणी नरपार ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त क्षांती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा संकी।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों शीर पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा थीं उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्त्वी

वुकात नं 4, जो ग्राउंड फ्लोअर, शिल्पा को-आँपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड 107 टी पी एस 5, 7 वा रस्ता प्रभात कालोनी सौताऋज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37—ईई/4259/83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12−10−1984

प्ररूप आह**्य द**्वि पुरान एस<sub>्या</sub>न्नान्यसम्बद्धान्यस्य

शायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/4267/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गमा हैं), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो सनबेम को-ग्राप० बिल्डिंग, पेरी काँस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-2-1984

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार गिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निस्तिनिक्त व्यक्तियों, अर्थात :— 1. मेसर्स कला रानी इन्टरप्राईसेस ।

(प्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती गुलशन एम० हुडा,

(2) श्रीमती गेनाझ एम० हुडा, भीर

(3) श्री धमीर भलीमोहम्मद हुडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुमूची

दुकान नं० 5, जो सनबेंग को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी विल्डिंग, पेरी काँस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37-ईई/4267/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण प्राप सज्जम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर अहुहा (निरीक्षण) श्रावीन रोज-2, बम्बर्ध

तारीख: 12-10-1984

# **इक्य आहे** , दी<sub>ल</sub> एन्<sub>ल</sub> एस् , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) से मधीनं सूचना

## भारत सुरकार

शार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, विनांक 12 प्रमत्वर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/4270/83-84--यत:, मुझे,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/-ाउ. संविधिक है

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क क्ल निम्नसिवित उद्देश्य से उसत अन्तर्ण कि बिद्ध में बास्तविक क्ल निम्नसिवित उद्देश्य से उसत अन्तर्ण कि बिद्ध में बास्तविक क्ल से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत सकत अभि किया के अभीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; अहैं /या
- (च) एसी किसी बाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिष्ट:

अंतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स भ्रार० के० कन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला डिमेलो ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाड्त ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्पृत्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के ग्रम्थन में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीन से 30 दिन की वृद्धि, भो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी स्थानत दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थानर संप्रति में हित- ब्यूभ किसी अन्य स्थानत द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्थल्लीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्वा है।

## वन्सूची

फ्लैट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, ''सेसेलियन विला'', 209, कांतवाडी स्कीम, पाली मार्केट रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/4270/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12~10-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/4279/83-84--यत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-13, जो 3री मंजिल, एफ० पी० नं० 839, टी० पी० एस० 4, कालेज लेन, आफ काशी-नाथ धुरु रोड, ग्रागर बाजार, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कर्यालय में रजिस्ट्री है, 20-2-1984

को पूर्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक की क्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी कार्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स बी० ए० नेरूरकर, ग्रीर ए० एम० स्थाजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनुराधा श्रवधूत केलकर, ग्रीर श्री वसंत भास्कर मराठे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंक्त सम्पाँत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमसूची

फ्लैंट नं∘ टी-13, 3री मंजिल, एफ० पी॰ नं० 839, टी॰ पी॰ एस० 4, काक्नेज लेन, ग्राफ काशीनाथ धुरु रोड, व्यागर आजार, बस्बई-28 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37-ईई/4279/83-84 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/4280/83-84—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, कालूमल इस्टेट, ए-बिल्डिंग, ए० बीं० नायर रोड, पोस्ट आफिस के सामने, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से बिणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-2-1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लि। खत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स भीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के दिल्ए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, िन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती जे० बी० उल्लाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विणा वी० देवगण।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरे उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 4, कालूमल इस्टेट, [ए-बिल्डिंग, जो ए० बी० नायर रोड, पोस्ट श्राफिस के सामने, जुहु, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० ग्राई-2/37—ईई/4280/83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-न (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्होश सं० ग्राई-2/37-ईई/4281/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कि पलैट नं 2, कालूमल इस्टेट, ए-बिल्डिंग, ए० बीठ नायर रोड़, डाक्यर के मामने, जुहू, बम्बई-400049, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री, तारीख 20-2-1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क)' जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नीलिकित स्थितियों, अर्थात् ः— (1.) श्री वरद एल० उल्लात्त ।

(ग्रन्तरक)

(2.) श्री विरु एच० देवगण ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## जनसङ्गी

फ्लैट नं० 2, कालूमल इस्टेट, ए-बिल्डिंग, जो ए० बी० नयर रोड़, डाकघर के सामने, जुहू, बम्बई-400 049 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/4281/83–84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12<del>-</del>10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/4285/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो 2री मंजिल, शिवाजी पार्क रों। नं० 5, माहीम, बम्बई—16, सागर मंदिर को- आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि- प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20—2—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्रीमती (डा०) गैला प्रभाकर कर्णिक । (झन्तरक)
- (2) डा० सुरेश रामचद कुमार।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके धिक्षोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं: [1]

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न० 7, जो 2री मंजिल, शिवाजी पार्क रोड नं० 5, सागर को-म्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सर्क सर्व अई-2/37-ईई/4285/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 20-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-10-1684

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई. दिनांक 12 अक्सूबर 1984

मिर्देश मं० अई- 2/37-ईई/4288/83- 84— यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 11, जो 1ला मंजिस, बिल्डिंग नं० 1, श्रींकार अपार्टमेंट, एफ० पा० नं० 28, टा० पा० एस० 6, एस० वा० रोड, सांताकृष्म (प०). बम्बई में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूचः में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरंण संहुइ किसी काय की जाबत. उचत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मो कमी करने या उसमें बचने गा मुक्किशा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

- (1) श्रामना इंदिराबाई सामुदेव पटवर्धन । (अन्तरक)
- (2) श्री साईप्रासाद जनार्दन सबनंत्म (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (क) इस सुभना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45। दन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

## अन्सूर्चः

पसीट नं० 11, जो, 1लो मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, भ्रोंकार अपार्टमेंट, एफ० पो० नं० 28, टा० पो० एस० नं० 6, एस० वो० रोड, सांताकूझ (पश्चिम), बस्बई-54 में स्थित है।

अनुसूचं। जैसा कि कै० सं० अ ई 2/37-ई ई/4288/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा विमान, 21-2-1984 को प्रजिष्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप मार्च. दीं. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/4293/83-84-----यतः, मुझ/, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मधाम प्राधिकारी की यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/- रु. से मधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104-ए, जो 1वी मंजिल, शालि-मार अपार्टमेंट, जंक्शन आफ टागोर रोड भौर एस० टी० रोड, साताकूस (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित है (भौर इससे उपाधन अनुसूकी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कल के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं: तारोख 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित राजार मूल्य उसके बर्यमान प्रतिफल से, एसे बर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण स हुइ किसी आप की आवस, जनस अधिनियम के अधीन कर बाम क अनसरका क बायित्व मी कामी अगरने या सससे बचना में मुक्ति अ के निस्तु और कि
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आर्थिस्वयी का, जिन्ही भारतीय आय-कार श्रीसिन्यम, १२०० (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1967 का १९०६) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती धुनारा प्रकार नगी किया आसे साथित का या किया आसे का साथित था, कियाने में स्विया असे किया

जताः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण जो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जभीन निम्नतिथ्या स्वक्तियां, अर्थातः:— (1) श्री मंगेदथ साईदू, ग्रीर श्रीमती शामा एन० साईदू। (अन्तरक)

- (2) **बा**० राहुल पारसनाथ मिश्रा । (अन्तरिर्ताः)
- (3) अन्तरक ।
  (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में .कोहां भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवध्य था तत्सम्बन्धी अवध्यत्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवध्य, जो भी अवधि बाद में सम्प्राप्त होती हों, के भीतर प्रवार कि किस्तार में ने प्रवार क्यांकर क्यांकर क्यांकर में
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए का सकोंगे।

स्थाकीकरण:--६समें प्रयुक्त शंक्यों और पर्वो का, जो जक्त ब्रीभनियम की अध्याय 20-क भा गर्न जिल्ला हैं, बहुति क्यों होंगा जो एक शब्दार भी दिया स्था ही

## अपमधी

फ्लैंट नं 104-ए, जो ाली मंजिल, शालिमार अपार्टमेंट, जंक्शन आफ टागीर रोड श्रीर एस० टी० रोड, सांताकूझ (पश्चिम) बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/4293/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के उभीन मुकना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/4299/83-84--- यतः **मुझे**, <sup>/</sup> लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० फ्लैंट नं बा-1, जो ग्राउड फ्लोर, चांद को-आपरेटिव हार्जीन सोसाइटा लिमिटेड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका कराएनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-2-1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है औं अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष क्य, जिम्मोलिश्वत उद्योद्य सं उक्त जन्तरण चिक्तित में वाद्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (या) अन्तरण स हुई किसी जाय की बाइते, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए जा छिपाने में सुविधा के लिए;

लत. अब. उपत अभिनियम की भारा 269-स के बनुसरण मो, मी, उसत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) श्री आर॰ बी॰ पाटील (अब लोकनाथ स्वामी)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टो॰ मुजूमदार, भौर श्री बी॰ मुजूमदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्पत्त सम्पत्ति के अर्जन के यम्बरूप में कोई भी गार्क्ष :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनार!
- (क) इस नुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् विकास में जिल्हा का सकता ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्में हैं।

## धनुसूची

पर्लैट नं बो-1, जो ग्राउंड फ्लोर, चांव कों-आंपेरेटिव हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०-2/37-ई ई/ 4299/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 22-2-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

हार/ख : 12-10-1984

मोइर:

# प्रक्रम बार्ड. टी. एन. एक.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### नारत दरकार

# कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

म्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश स० अई-2/37 ईई/4300/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० पलैट नं० 101, पहली मंजिल, नवर्जायन गृह को-आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड, एस० वो० रोड, सान्ताकूझज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, ताराख 22-2-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में काथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबस उक्त अधि-किस्त में अधिन कर बोने के अन्तरक के शोधन में कमी करने मा उससे बचने मो सुविधा के लिए। और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अपित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मूक्षिया के लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन , निम्निसिक्त व्यक्तियों , अर्थात :--- (1) श्री मोहन महादेव नेरूरकर श्रीर श्रीमतो मिरा मोहन नेरूरकर ।

(अन्तरक

(2) श्री दिवाकर सकप्पा गेट्टा भौर श्रीमर्ता भारती दिवाकर गेट्टो ।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाकित सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्मारत को वर्षन के सम्बन्ध में कीर्द्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उत्रत रथावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

पलैट नं० 101. जो पहली मंजिल, नवजीवन गृह को-आपरेटिव हार्जिसग सोसाइटी, लिमिटेड, एस० बी० गोड, भान्ताकृक्षज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/4300/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा विनोक 22-2-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस. ------

-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### नारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/4309/83-84----यतः मुझे, अक्सण दास,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मस्य 25,000/- रा. से अधिक है"

और जिसकी सं० दुवान नं० 2/ए, जो "शाबीस्थान" 319/ए, डा० अम्बेडकर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयक् अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य स कम को दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्क अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभारण में हुई किसी आब की आसत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दर्भ के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (स) एसी किसी बाव या किसी भन वा अन्य बास्सियों को जिन्हीं भारतीय बायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिनयस, या धन-कर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स कानकार्ड इन्टरप्राइसेज ।

in the contract of the contrac

(अन्तरक)

(2) मृन्ती वर्मा (श्रीमती एस० मोहन)।

(अन्तरिद्धीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर राम्पत्ति में हिलबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

न्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशाः गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 2/ए, जो "शाबीस्थान", 319/एं, आ, अमबेडकर रोड, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है (सीता श सामान के साथ)।

अनुसूची जैसा थि श्र० सं० अई-3/27- हुई/4309/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा है निका 25-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्षम ण दास सक्षम प्रा धिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (नि रीक्षण) अर्जन रेंज-: 2, बम्बर्फ

**तारीख: 12-10-1984** 

प्रकप आइ<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-----

बायकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना.

#### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्गायक नामकार नाम्नल (निरीक्षका) अर्जन रेज-2, सम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अ ६-2/37 ई ई/4320/83-84-- अतः मुक्को, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, है तथा जो, 6थीं मंजिल, पुष्पा अपार्टमेंट, प्लाट नं० 711 और 712, हिल रोड, ब्राह्म (प०), बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से मूचिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल का निम्नीसित उद्देश्य से उक्त बंतरण निम्नीसित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की गायत, अका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; बांदु/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या अन्य अस्तिका काँ जिन्हों भारतीय अध्यक्त अध्यक्ति । १०१० (1922 का 11) या उक्त बाँधनियम, या भनक्र बाँधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्द्रिरी द्वारा प्रकट नहीं सिमा गया था या किया काना जाहिए था, अपनाने मा स्विभा के लिए,

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्निचिक्क व्यक्तियों, जर्थात् ड— (1) मैसर्स दयाल बिल्डर्स

(अन्तरक)

- (2) 1. दिलीप जी० दर्यनानी,
  - 2. रमेश जी० दर्थनानी और
  - 3. श्रीमती कमल डी० चोतदानी।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हुं:

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काइ भी वाक्षप:--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिभ या जत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षत में जिल्ला स्थान

क्थर्व्याकरणः -इसमा प्रज्ञासः शब्दो बार एदा का, आं उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित इ<sup>‡</sup>, वही वर्ष हारेगा जो उस अध्याय मी विका कराहरी।

## बनुसूची

फ्लैंट नं० 601, 6वीं मंजिल, पुष्पा अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 711 और 712, हिल रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अ ई०-2/37 ई ई/ 4320/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-10-1984

मोहर ;

## प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयक्षर अधिर्वानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**चना** 

#### भारत सरकार

गण्यात्रयः महाश्रद्धः त्या ६२ आग्रन्तः (निराधिण) अर्जन रेज-२, यम्बर्धः

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अ ई-2/37 ई ई/4324/83-84---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य (5,000/- क रोजाधिक हो

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, सोनल को-आपरेटिय हाउसिंग मोजाइटी लिमिटेड, सेंट जोसेफ एयेन्यू, सान्ताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (और इमसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उवित्त बाजार मृत्य में कथ के एश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिसिसित उव्वर्थ से उक्त अन्तरण लिश्वित में शम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

(क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्स में कमी धरने या उससे बचने में स्विधा हे लिए; और/या

ा निरामि उत्य या किर्णा शत या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्राथणी गणितिया, १९५५ (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के अयोजनार्थ जन्तरिनी द्वारा प्रकार कही किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिका के किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) है अभीन, निम्नीलियन व्यक्तिस्थां, अक्षति --- (1) श्री अबदुल गर्नी अब्दुल सत्तार और श्री अब्दुल मजीव अब्दुल सत्तार

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती अनुप्रीता सी॰ माणूरे और श्रीमती (डा०) शैला पी॰ कर्णिक।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरां के पास सिक्षित में किए जा स्कींगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसची

पलैट नं० 2, जो, सोनल को-आपरेटिव हाऊसिंग सो-गाइटी लिमिटेड, सेट जोसेफ एवेन्यू, सान्ताकूज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि कि के ले अ ई-2/37 ई ई/ 4324/83-84 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रिजस्टिंग किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्**

तारीख: 12-10-1984

भोहर:

## प्रकण बाइ . टी. एन. ६स. -----

कायक र लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांल 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अ ६-2/37-६ ६/4325/83-84---अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उब्धत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने इस कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका दिवत बाजार मृज्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाँप नं० 12, तलमाला, गणेण भयन सी-बिल्डिंग, 434, सेनापती बापट मार्ग, महिम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिगला करारनामा आयत र अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-2-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिता बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल मो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह श्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (कानरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्तिक उद्देषिय में उक्त अन्तरक विम्तिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुर्य किसी आयकी बाब्द, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) वा जिल्ले अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वादिए जा, जिलाने में स्विधा के लिए;

नतः नव उक्त निर्मित्यमं की भारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं. उक्त अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

**६**त. ---- (1) मैनुजल अलैंक्श दसीजा

(अन्त्रक्

(2) श्री मुख्तार भूरा मन्सूरी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सोसाइटी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबङ है)।

ध्य यह मुखना भारा करके पृषाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तितारों मो स किया व्यक्ति दुसारा.
- (अ) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अफ्त स्थानर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी अस्य व्यक्ति दुवारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा क्षरींगे।

स्थाकीकरणः — इत्रज्ञे त्रवृष्य चन्यों और पर्यों का, यो उपर विभिन्यम, के मध्याम 20-क में परिभावित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

## **अगुस्**ची

शाप नं० 12 जो, तलमाला, गणेश भवन, सी-बिल्डिंग, 434, सेनापित बापट मज, माहिम बम्बई--400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा हिः कि भ र भ भ ई-2/38 ई ई/ 4325/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

लाहर:

प्ररूप भार्द . टी. एन. एस.-----

आयकर सीधनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० श्र० ई०-2/37 ई० ई०/4328/83-84--

म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो 2री मंजिल, निर्माणा-धीन इमारत, एफ० पी० नं० 1262 (ए), टी० पी० एस० नं० 4, माहीम प्रभावेवि, बम्बई-25 में स्थित है (ग्रौर (इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का निन्दाह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक अन्तरण के लिए तथ किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वं यायित्य में कमी कारने या जनमें बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त राधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अनः अज्ञः सक्त अधिनियम की धार 269-म के अनुसरण में भैं. सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—— 15—326 GI/84 (1) मैससं संकेत बिल्डसं

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामजी पंचम विश्वकर्मा ग्रौर श्री दिनानाथ ग्रार० विश्वकर्मा ग्रौर छोटेलाल ग्रार० विश्वकर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्प्ट

फ्लैंट नं० 4, जो 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, एफ० पी० नं० 1262 (ए), टी० पी०एस०नं० 4, माहीम प्रभादेवि, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र ई-2/37 ई  $\frac{1}{2}$  4328/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1984 को रजिटर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० प्र ई-2/37 ई ई/4342/83-84---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, पहली मंजिल, राधाकृष्ण सोसाईटी, पहला रास्ता, टी० पी० एम०-6, सान्ताकृज (प०), ब्रम्बई-400054 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक्ष ग्रनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-्व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्टिट ट्यक्तियां. अर्थात् :--- (1) श्री लास निहःलचंद सजनानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलम जनकराज श्ररोरा वह व्यक्ति जिसके अधिमीण में सम्पर्दस्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क में तिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सची

पर्लंट नं० 10, जो पहली मंजिल, राधाकृष्ण सोसाईटी, पहला रास्ता, टी० पी० एस० 6, सान्ताकुज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र० ई०-2/37 ई० ई०/4342/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 29-2-1984 को रजिस्टई किया तथा है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 12-10-1984

मोहरहः

प्रकृप आई.टी.एन.एस.; -----

बायकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुजुना

#### धारत बरकाड

## कार्यक्षय, सञ्चयक नायकर भाग्यस् (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० म्र ई-2/37 ई 6/4343/83-84—म्बत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 1ली मंजिल, "ए" बिल्डिंग, किसेंट को-श्रापरेटिंग सोसाईटी लिमिटेड, फ्लाट नं० 318, खार, पाली हिल रोड, बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), तथा जिसका करारनामा श्रायकर श्रिश्तित्यम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख फरवरी 1984 को पूर्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिरफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करून का कारण है कि यथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान शितफल से, ऐसे ख्यमान शितफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास मुझेनिवित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक स्थ से किंग्त नहीं किया वया हैंड---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सभिनिवस के न्यीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व से काबी कड़ने वा उन्हों बुबने में श्रुविधा को विद्युः कोह/या
- (का) एंती किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा चन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ मंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-म के अबुधरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री मोहिन्दर सिंग

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किमोरी दत्तावय

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सक्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थाबत द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तेंगे।

स्वष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्द जिभिनयम, के अभ्याय 20-क में प्रिकाणित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस विभाय में दिवा गया हैं।

## वनस्यो

फ्लैंट नं० 2, जो 1ली मंजिल, ए बिल्डिंग, क्रिसेंट को-श्रापरेटिय सोसाईटी लिमिटेड, प्लाट नं० 318, खार पाली हिल रोड, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि = फ़िं॰ सं॰ श्र ई-2/37 ई ई/4343/83-84 श्रौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक फरवरी 1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. पुस⊴ = = =

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुबना

#### MISO ASTIN

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० श्रई ०-2/37 ई ई/4376/83-84— अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,010/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कार्माशयल प्रिमायसेस नं 8, जो ग्राउंड फ्लॉर, मंगेश ग्रपार्टमेंट्स बिल्डिंग, फिरोज शाह मेहता रोड, सांताक्र्ज (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1984

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्णक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में जुनिधा के निए; अदि/बा
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः । पान, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स माधव इंटरनेशनल लिंक्सी।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मिना शास्त्री श्रौर कुमारी नीता शास्त्री

(भ्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्डोकरण :---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्यो

कामिशयल प्रिमायसेस नं० 8, जो, ग्राउंड फ्लोर, मंगेश ऋपार्टमेंट्स बिल्डिंग, फिरोज शाह मेहना रोड, मांताकूज (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० म्र ई-2/37 ई ई/4376/83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रकृप भाइ . सी. एन्. एस. ------

नायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० मा ई०-2/37 ई ई/4682/83-84--- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/17, जो, चांद को-श्राप-रेटिव हार्कांसग सोसाइटी लिमिटेंड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ना निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्टु; और/वा
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी भग या जन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या भन-कर विधिनयम, या भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में वृदिशा को सिक्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--- (1) श्रीमली प्रमिला सेठी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर नाथ नंदा

(अन्तरिती)

को सह अनुवान आही करके पूर्वों कर सम्मरित के अर्थन के हिस्स कार्यनाहियां करता हूं।

उन्हा सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यप ह---

- क्कि) इस स्वान के रावपण में प्रकासन की तारीब है 45 बिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 बिन की अविभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति एतारा, अभोहस्ताक्षरी के
  पास निचित्र में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हागा, जा उस जभ्याय में दिया गया हैं।

## श्र<u>त</u>ुमु**ची**

फ्लैट नं॰ एफ॰/17, जो, चांद को-श्रोपरेटिव होऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जुह, बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्र ई०-2/37 ई० ई०/4682/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-2-1984 को रजिस्ट कें किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

## TIME STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आ र्व०-2/37 है र्व/4692/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-इ के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारू है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य, 25,000∕-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 1/2 ग्रेश्नर इन फ्लैट नं० ए.०-3, णाममू पैलेंस, 98, हिल रोड. बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 23-2-84 को

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित थाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान श्रीसफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिचित में शास्त्रिक क्य से किया नहीं किया गया है:-~

- (कां) अन्तरण से हुई फिसी आय की वाजता, उपल अभिनियम के संभीत कार दोने के अन्तरण के संविद्य में कनी अपने या उससे स्थाने में सुविधा के खिए; नीए/या
- (का) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिवियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को नधीन, निम्निलिनित क्यक्तियों, नथीत् :--- (1) श्री गिल्म सेलबाय रोझारीयो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इल्ला मरी रोझारीयो।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुवारा;
- (क) इस स्वापन के राजपन में प्रकाशन की दारीख है 45 दिन के भीतर शक्त स्थावन सम्मतित में हित्यक्ष किसी वन्य स्थावन क्षांत्र अभीहस्ताकरी के पास विस्थात में किए का सक्षेत्र ।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अध्या और पर्यो का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वनसची

1/2 घोश्चर इन पलैट नं० ए-3, जो, शामसू पैलेस, 98, हिल रोड, बांब्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रा ई० $\sim 2/37$ -ई० ई०/4692/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**च** : 12-10-1984

प्रकथ आहाँ .टी . एत . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 श्रन्तूबर 1984

निर्देश सं० प्रांई०-2/37 ईई/4758/83-84 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, 12वीं मंजिल, सा-विंग, कांती श्रपार्टमेंट्स, माऊंट मेरी रोड, वान्द्रा (पिष्वम), सम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रीम सम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1984

को पुर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियफ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उल्ल प्रक्रितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया अधनः चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भी मुकेश के० भाटीया

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पावा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारण की नारीण में 45 दित की अवधि या नस्मंत्रंधी शाक्तियों पर सूचना का लामील से 30 दिन की अविणि, जो भी अवधि साथ में सप्याप्त होती हो, के भौतर प्रावेशन क्यांकेताणें में या किसी क्यांबित दारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन भी नारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर भम्पत्ति में हिराबद किसी भन्य स्थापत दारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पान लिखिल में किये जा सफेंगे।

इयदशोकरण म्च-स्तर्में प्रमुक्त अध्यों पीर पर्टो जा, अर उक्त पश्चि-नियम के अध्याय ३०-क में परिमाणित हैं. **वाही** अर्थ होगां, जो उस श्रव्याय में दिवर गरः है ।

. फ्लैट नं० 3, 12वीं मंजिल, सी-विंग, जो, कांती श्रपार्ट-मेंट, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा (पश्चिम), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूधी जैसा कि कि सं श्रांह०-2/37 ही 4758/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लत्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व**: 12-10-1984

प्ररूप आइ<sup>‡</sup>. टी.. एम., एस.,----

नायकार व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० श्राई०-2/37 ई० ई०/10795/83-84---ग्रतः मृत्ते, लक्ष्मण दास,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० ए-6, जो, निर्माणाधीन इमारस, तृप्ती ध्रपार्टमेंट्स, कोलडोंगरी रोड नं० 2, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-2-1984 को

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती रिसी (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त बिक रूप से किया गया है :——

- (भां) अंधारण से हुएं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक को वायित्य में कामी कारने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (1) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपारी में साजिधा की लिए?

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैं० दिप्ती बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० के० ग्रागासकर।

(ग्रन्मरिती)

(3) ग्रन्सरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्हां सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, बहुरे तथे तांक का का अध्याय का विका गना है।

## मन्स्ची

पलैंट नं० ए-6, जो, निर्माणाधीन इसारत—-''तृप्ती अपार्टमेंट्स'' कोलडोंगरी रोड नं० 2, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

श्रमुस्**ची** जैसा कि क्र० सं० श्राई०-2/37 ई० ई०/ 10795/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रकम बाइ . टी. एन. एव:------

आयकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीव स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, विनांक 12 शक्तूबर 1984

निवेश सं० मई-2/37-ईई/4229/83-84--- मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25.000/- रहे. से अधिक है

25.0007- र. सं शाधक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202 (पिछे), जो 2री मंजिल,
विस्तारित एफ० पी० नं० 611, टी० पी० एस० III,
माहिम, "जार्जेन हाउस", एल० जे० रोड, माहीम, बम्बई
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम,
1961 की धारा 269क, ख के ग्रीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-2-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिबत उच्चदेस से उच्च गंतरण लिखत में बास्तिक
रूप से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरन से हुई किसी नाय की वावत, उक्त शिंतियम के जभीत कर दोने के नंतरक के बायित्व में कमी करने या उसते क्यने में सुविधा क जिए; भौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

न्नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---16---326 GI|84

1. श्र सुहाइल कंस्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

- 2. श्री बेकरीबाला मोहमद इक्बाल ग्रब्दुल शाकूर। (श्रन्तरिती)
- 3. भाड्त ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्राधभाग में संपत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में काहे भी वाक्षेप र---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याम में दिया क्या है।

## नग्तुची

पलैंट नं 202, (पिछे) जो, 2री मंजिल, बिस्तारित—
एफ पी नं 611, टी पी एस एस III, माहीम,
"जार्जेन हाउस", एल जे रोड, माहीम, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/4229/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 12-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 12-10-1984

मोहर 🥫

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस. -----

बायकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
धर्जन र्जेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 धक्तूबर 1984
निदेश सं॰ धई-2/37-ईई/4234/83-84--धतः मुझे,
लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उनके अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, फायनल फ्लाट नं० 13, टी० पी० एस० नं० 10, बांद्रा, बम्बई शहर भीर बी० एस० डी० में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करार-नामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, तारीख 13-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ६२ बमान प्रतिफल से एसे ६२ यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग्रा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा े269-ग के अन्सद्रण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री ग्रेटा रेगो

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी शाहिन खान

(भ्रन्तरिक

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

4. मेसर्सं जी० एस० बिल्डर्स

(वह ध्यक्ति, जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जादी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षर :~-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताप्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसूची

फ्लैट नं॰ 2, जो ग्राउंड पतीर विजेज बांद्रा, फांयनस प्लांट नं॰ 13, टी॰ पी॰ एस॰ 10 बांद्रा, बम्बई गहर बी॰ एस॰ डी॰ में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37—ईई/4234/83—84 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 12-10-1984

प्रक्षम **भार**े, दी, पन्,्**एस**्, = -- न

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्काश) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/4235/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 45.000/- क में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो 1ली मंजिल, रेजिलैन्ड को-ग्रापरेटिव हर्जिसिंग सांसायटी, लिमिटेड, 3, मेरी लेन, टी० पी० एस० 111, 14वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-2-1984 को पूर्वींगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूखे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपन्ति का डिंगत बाजार मूल्य उराके दश्यमान श्रतिफल से एसे इंग्यमान श्रतिफल का न्द्रह प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्नलिकित उद्युष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से इंग्रित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकार अधिनयम, या धनकार अधिनयम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ जन्तिरी दूर शा प्रकट नहीं किया गया था दा किया लाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

भेती: भेग, धेनेंत नीभीनयम की भारा 269-न ने अनुसरक मी, मी, उसत मिथिनियम की भारा 269-न की उपधार (1) के नधीन, निम्निसिस व्यक्तिसों, न्धीत :--- (1) श्री यूसुफ हसन,
 भौर (2) श्री शिरीन हसन

(भन्तरक)

2. श्री सालेह मोहमद ग्रम्बुल्ला मर्चन्ट

(भन्तरिती)

3. धन्सरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा स्कारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 7 जो, 1ली मंजिल, रेजिलैंडन्ट को-ग्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग प्लाट नं० 98, 3, मेरी लेन, टी० पी० एस० 111, 14वाँ रास्ता, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि स्रई-2/37-ईई/4235/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बद्दै

(तारीख: 12-10-84

मोहर 🐞

प्रकृष मार्च हो। एन , एस , ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सहस्रार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निवेश स्ं श्रई-2/37-ईई/4247/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं फ्लैंट नं 17, जो 1ली मंजिल, मेहता में भान, सितलादेवी टेम्पल रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा प्रार्यंकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसले दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उच्त जन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण से हुद्द किसी जाय की वावस्, उपस् अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धण या अल्थ् आस्तियों का जिल्हा भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

1. श्रीमती शांता के अ दर्यनानी

(मन्तरक)

2. श्री हेमनदास रामचंद ग्रमरनानी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानतयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्यों और वदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### पग्तुत्री

फ्लैट नं 17, जो 1ली मंजिल, मेहता मेंन्शन, सितला-देवी टेम्पल रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं प्रार्ह -2/37 - ईई/4247/83 -84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17 -2 -1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम् प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

कतः सन्, उकत सीधनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, सथात :---

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप नार्षं.टी.एन.एस.------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 धक्तूबर 1984 निदेश सं० घई-2/37-ईई/4248/83-84--श्रतः मृझे, लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25.000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं पर्लंट नं 301/302, भौर कार पार्क स्पेस, भानू अपार्टमेंट्स में जो, जूह, जूकर रोड, जूह नार्थ, अम्बद्ध-69 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भायकर भिष्ठिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित प्सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 17-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया द्रशा प्रतिफल निम्नसिवत स्वृद्धिय से उच्त अंतरण निवित्त के अस्तिक कम से कियत वहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाय की बायता, उक्त विभिन्न के बधीन कर देने के बंतरक की वासित्य में कभी करने या उसने वधने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में स्विभा के सिए;

नतः जन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनस्यक में, यें, अनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीय, निम्नीसचित व्यक्तियों, अधीत ह 1. मेसर्स भानू इंटरप्रायजैस

(म्रन्तरक)

श्रीमती विमला वक्शी,
 वाईफ भ्राफ सुदर्शन वख्शी।

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्पक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## वन्तुवी

फ्लैंट नं० 301/302, श्रीर कार पार्क स्पेस भानू श्रपार्ट-मेंट्स, में, जो जुड़, सी० टी० एस० नं० 94, 94/1 से 94/6 भीर 95/1 से 95/4, जूकर रोड, जुड़ु नार्थ, बम्बई-49 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं प्रद्र-2/37-ईई/4248/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🖫

मक्रम् ह बार्च हो. एव. एव. :----

बायकः क्रीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-थ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार कार्यालय, सहार्यक सायकर सायक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/4251/83-84--मृत: मृक्षे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो 1ली मंजिल, सिम्पल ग्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 375, टी० पी० एस० नं० 3, 16गी रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है, तारीख 17-2-1984

को प्योक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्य में कमी करने या उससे क्कने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ही भारतीय आय-अर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इम-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, 'स्डिएमने में क्विया की किया की किया की किया की किया की किया

कतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभात् :-- 1. श्रीमती उषा गुक्सा

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती मिन् किशिनचंद मूलानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उन्हें सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकारण:--- रसमें प्रमुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्तुची

पसैट नं० 3, जो 1ली मंजिल, सिम्पल अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 375, टी० पी० एस० न० 3, 16वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37-ईई/4251/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीजण) ग्रजैन रॅज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आहे, टी. एव. एस. .....

नायुक्त समिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) र्धानर्ज रेज-2, अम्बर्ध

बम्बई, विनोक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश मं ० श्रई ०-2/37ईई ०/4253/83-84--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लैंट न० 9, जो दूसरी मंजिल, लिट्ल गिफ्ट को०-श्रापरेटित्र हार्ऊसिंग सोसाइटी, प्लाट नं० 641, 19वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है श्रौर (श्रौर इससे उपावड़ धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित याजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयं पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-किक एप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को पायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वार्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्ष्म अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के सिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमुरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की जयभारा (१) के बधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों हु वर्षात् ६—- (1) श्रीमती रेनू जुल्लार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीयशपाल हीरालाल मेहरा।

(ब्रन्तरिती)

(3) श्रीमती चन्दा देवी दत्ता।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किलाह मा किस अन्य का सकारा ।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 9, दूसरी मंजिल, लिटल गिफ्ट को० ग्रापरेटिय हाऊरिंग सोसाइटी प्लाट नं० 641, 19वा रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसाकि कम सं० श्चर्ड०-2/37 हेई०/4253/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीखा : 12-10-1984

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं ० प्रई०-2/37ईई०/4255/83-84---- प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

श्र यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो कृष्य कुंज को-प्रापरेटिय हाऊ सिंग सोमाइटी, सेनापति बापट मार्ग, माट्गा, बन्बई-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 • की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18 फरवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) को अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक्न (1) श्रोदलीय एम० मेहरा, श्रीर श्री निर्मेल एम० मेहरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुतलीबाई गोबिन्द राम दादलानी । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रची

दुकान नं० 5, जो कृष्ण कुंज को० भापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, सेनापित बापट मार्ग, माटूंगा, बम्बई-16 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई०-2/37ईई०/4255/83-84--भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 फरवरी, 1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप काई. टी. एन. एस.------

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्हाई

वम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भाई०2/37 ईई०/10841/83-84-म्रतःमुझे सक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 708, सातवीं मंजिल, 'माधवा प्लाट नं० सी'०-4, ऑफ ब्लाक नं० ई ऑफ बांद्रा-कुर्ला, कम्पलेक्स, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनिय, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन विम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 फरवरी, 1984

कौ पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिकत्न के निए जन्तरित की गई है, और मुर्से यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके एशमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पेद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रक्रिकन, निम्मुसिचित सब्बोध्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीभ-जियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए: बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किमी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

सत: अवा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अथित :── 17—326 GI|84 (1) माघवा यूनाइटेश हाटेल्स इन्टरनेशनल लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष कुटिन्हो।

(भ्रन्तरिती)

की ग्रह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रसम् किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहरताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थास्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया है।

## **गन्**स्**पी**

श्राफिस नं० 708, जो सातवीं मजिल, 'माधवा', प्लाटन० सी-4, श्राफ ब्लाक नं० ई बांद्रा कुर्ला, कॉम्पलेक्स, बम्बई में स्थित हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 12-10-1994

प्रक्रम बाह्र", टी. एन. एस. -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन ज-2' बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवम सं अई-2/37ईई/3461/83-84--

अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ज़मीन श्रीर इमारत फायनल प्लाट नं० 15 पर जो टी० पी० एस० 5 हनमान रोड, बिले-पार्ले (पूर्व) अम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री की तारीख 11/2/1984

को प्यों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान गितफन के निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिकात से अभिक है और जंतरक (जंतरका) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सिवधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्रीमती यमुनाक्षाई पटवर्धन

(अस्तरक)

(2) मैंसर्स विश्वास बर्वे एण्ड एसोसिएटस (अन्सरिती)

को वह सूचना जॉरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसुधी

, जमीत श्रीर इमारत फायनल प्लाट नं० 16 पर जो टी०पी०एस० 5, हमुमान रोड. विले-पार्ले (पूर्व), बम्बई- 57 में स्थित है।

अनसूची जैसािक क० सं० अई-2/37ईई/3491/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन **र्रे**ज-2 बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रस्य नाहाँ, टी. एन्. एस्. : - - - -

नायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्ब, इदिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई०-2/37 ईई०/4180/83-84-अन: मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 15,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, निकिता विस्तारीन, दावाभाई कास रो। नं० 3, रेलवे फाटक बाजू में, विल पार्ले (पश्चिम), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री र तारीख 3 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कैम के दश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का ज़िल्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया जवा प्रतिकल, निम्निसिक उद्घेष्ट से उक्त बन्तरण के लिए तम पाया जवा प्रतिकल, निम्निसिक उद्घेष्ट से उक्त बन्तरण है अधित वे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण से हूर किसी बाय की वायस. उपस् अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना वाहिए वा, जिनाने में सुविधा के बिए;

भतः अब, उस्त अधिनियमं की धारा 269-मं की अनुसरण में, में उस्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनाज गोराडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर चन्द्र परमानन्द दास व लाखानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा कथोहरूताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकाय।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रची

पलैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, निविता विस्तारीत दादाभाई कास रोष्ठ नं० 3, रेलबे फाटफ के बाजू में, विले पार्ले (पश्चिम), वस्बई-56 में स्थित हैं।

अनसूची जैसा कि कम सं अर्ड ०-2/37 ईई ०/4180/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12—10−1984 **मोह्र ■**  प्ररूप आहें टी शुर्व एस् .------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अन्तुबर, 1984

निवेश ग्रई०/एस्यू०/37ईई/-4222/83-84-ग्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान बेअरिंग नं० 2/3 जो प्राउंड फ्लोर, तन्वर अपार्टसेंट्स' बिल्डिंग गुजराती मंडली रोड, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 12 फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्क अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुन्दें किसी जाय की वाबस उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कभी करमें या उससे अधने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस निधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

बतः बब, उक्त बिभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग, निमनिवित्त व्यक्तियों, अभीत् ह----

(1) अल्ताफ हुसैन एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) मै॰ अल्ताफ हुसैन कांस्ट्रेक्टिंग एण्ड ट्रेडिंग प्रा० कम्पनी लि० ।

(3) अन्तरिती (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

## **अनुस्ची**

दुकान बेअरिंग नं० 2/3, जो ग्राउंड फ्लोर, "तन्वर अपार्टमेंट्स" बिल्डिंग गुजराती मंडली रोड, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई -57 में स्थित हैं।

अनुपूर्वा जैना हिक्रम तं । तार्हि -2/37 ईहे \/422 2/83 84 - -और जो सजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख 12-10-1984 मोहर:

## ंप्रकल् आर्ड्ड. टी., एन., एस.------

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुनीन सुबना

## शारत सुरकार

## कार्यासय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/4223/8 3-8 4---अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान वे अर्थिंग नं० 1, जो जाउंड फ्लोर ''तन्वर अपार्टमेंट्स'' बिहिंडग गुजराती मंडल रोड, विले-पार्ल (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाचढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कम्तरण सं हुई किसी शाव की बाबत सबस श्रीमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नतिश्वित स्थितियों, अर्थाकु:— (1) मैं अल्ताफ हुसेन एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

- (2) तम्बर ट्रेबल सर्विस।
- (3) ग्रन्तरितयों

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत ब्लाय वधोहस्ताक्षरी के वास लिकिन में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का के उधा मिर मिर में परिर भाषित हैं, यही अर्थ होगा, को उस कल्याम में विया गया है।

## **मनु**सूची

मुकान बेअरिंग नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'तन्वर अपार्ट-मेंट्स' बिल्डिंग, गुजराती मंडल रोड, विले पार्ले (पूर्व), धम्धई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4223/8 3-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 फरवरी, 198 4 को रजिस्टर्ब किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीखा : 12~10~198 4

मोहरः

प्रकम नाइ. टी. एन: एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984 निदेश मं० आई०-2/37 ईई/4243/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कही गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंड नं० 6 जो तीसरी मंजिल निर्माणाधीन इमारत साई राम, फिरोजाणाह मेहना रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई -57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उकित बाजार मृस्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मृन्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उपत बाँध-विश्वम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचर्न में सुविधा के सिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, क्रिक्सिलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ६(1) मै० आनन्द लक्ष्मी इण्टरप्राइसेस।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती रश्मी राजेन्द्र पोतदार।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस बध्याय में दिवा गया है।

## वन्त्र्यी

पर्लीट नं० 6, जो तीसरी मंजिल, निर्माणाधीत इमारत— 'साई धाम' बिल्डिंग, फिरोजशाह मेहता रोड, बिल—पार्ले (पर्व) बम्बई—57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37 ईई/4243/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 14 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बर्फ** 

तारीख 12-10-1984 मोह्रुद्ध

## प्ररूप साई, टी., एन. एस<u>.,</u> -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (प) (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज -- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/4249/83-84---अतः म्झे, लक्ष्मण दास,

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजॉर मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो दूसरी मंजिल सब प्लाटनं० 12 ऑफ प्लाटनं० 3, बेअरिंग एस०नं० 70 ऑफ जुहु और सर्वे नं० 287 ऑफ विले—पार्ले और सी०टी० एस० नं ० 196 (पार्ट), जुह बिले पार्ले, स्किमि में स्थित है (और ·इससे उपा**बत** अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सेक्षम प्राधिकारी के कार्यालय जुह विले-पार्ले स्किम में रजिस्दी है तारीख 17 फरवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उख़ित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:---

- (क) बतरण स हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उसमे अधने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी विसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षातु:—

- (1) मं भोहसिन भाई मुनिम एण्ड एसोसिएट्स । (अन्तरंक)
- (2) श्री मोहसिन आरीफ (अन्तरित) और श्रीमती रिशदा मोहसीन आरिफ।

अन्तरिती

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परिव है) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर यावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मां किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भन्**स्**धी**

पलैटनं० 2, जो तीसरीमंजिल, सद्यप्लाट नं० 12 आफ प्लाटनं० 3 बेअरिंग एस०नं० 70 आफ जुहु और सर्वे नं० 287 आफ विले-पालें और सी०टी० एस०नं० 196 (पार्ट), जुहु विले-पालें स्कीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कम सं० अई-2/37 ईई/424 9/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12-10--1984 मीहरः प्रक्ष बाह्र . टी. एन. एस. =----

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269'-भ (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेसंग्र० अई०-2/37ईई/4304/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्मित्स, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 'जमीन स्ट्रक्चर के साथ, जो, ओरीजनल प्लाट नं० 48 —ए और 50, टी० पी० एस० नं० 5, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई लिथत सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पत्कृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्यू पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तुबिक रूप से कृषित नहीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे असने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के सिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्रीबाधा राम नारायण गिरप।

(अन्तरक)

(2) मै० होम लेण्डस कार्पोरेशन।

(अन्तर्भिती)

(3) अन्तरिती।

(अह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भाषता

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तांक्षरी जानतां है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अ सकेंग।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाटनं० 48-ए और 50, जो फाइनल प्लाटनं० 64, ष्टी० पी० एस०नं० 5, बेअरिंग सी०टी० एस० नं० 832, 832 (1) से 832 (4), प्लाट जमीन स्ट्रकचर के साथ विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई/4304/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख • 12--10−1984 मोहर प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्बई दिनांक 12 अक्षूबर 1984

निदेणसं० आर्ष०-2/37ई६०/4316/83-84---अत मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार यूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो 'ए' विग्रभमित अपार्टमेंट दादाभाई कास रोड नं० 3, विले—पार्ले (पिषचम), बम्बई—56 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विजत हैं), और जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में एजिस्ट्री है तारीख 12 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को किया जाना जीहिए था. छिपाने को स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिन्यम की धारा 269-म की उपधाए (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 18-—326 GI 84 (1) गैव कांति जिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ के॰ सदावर्ते द्वाराः श्रीएसं० के॰ सदावर्ते ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगी।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 403 जो चौथो मंजिल, 'ए' विंग, अमित अवार्टमेंट, दांदाभाई काल भोड नं० 3, विलेपालें (पश्चिम), वस्वई -56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई०-2/37 ईई०/4316/83→ 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनों 25 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास गुक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **यम्बर्ध**

तारीख: 12--10--1984

परूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आरक्त आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, ाँ 1984

निदेण सं० आई-2/37ईई/4317/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, अभित अपार्टमेंट, दादाभाई कास रोड़ नं० 3, विले-पार्ली (प), वस्बई-56 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-2-1984

को प्र्वोक्त स्मात्त के उपित बाजार म्ल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्मरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1( भेमर्स कार्तः जिल्ह्स

(अन्तरक)

(2) मोहस्मद अस्लाम कास्ट्रेक्टर।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की उविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिसिसत में किए जा सकोंग।

स्पब्दिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का गें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु*सू*ची

फ्लैट नं० 503, जो 53ों मंजिल , "ए" विंग, अमित अपार्टमेंट, दादाभाई कास $\sqrt{2}$ , नं० 3, विले-पार्ले (पश्चिम) सम्ब-56 में स्थित है ।

अनुसूचं। जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/4317/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सद्गाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्रक्ष बार्ड . दी : एम . एस . 🕾 - - 🚐 🗝

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

नप्रयालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर, 1984

विमेक मं ्यार्ट १/२५% में ४२१०/२-१०४ - अन्य

निदेश सं० आई-2/37ईई/4318/83-84--अत: मुझें, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वतस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

25,000/- . से अधिक हुं
भीर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो णिरीन सोहराब
प्लेस, प्लाट नं० 225 नरीमन रोड़, विले-पार्ले (पूर्व) बम्बई57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-2-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्यींक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरण के लिए स्थ पाया गया
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिमित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की आवतं, उक्तं अधिनियम् के अधीन कर सभी के अपान्य के किया। में कमी करने या उससे बचने में म्विधा के लिए; आर/या
- (म) चंकी विकी बाज वा किसी अन रा अन्य करिस्तमों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-सार्थ अन्तरिती व्यास अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखिल व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

(1) सवानं फेमिला दूस्ट ।

(अन्सरकः)

(2) शेख अब्दुरुला ग्रौर शेखे नोगाद।

(अन्तर्रता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी वाक्षेप.ाः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकेंगे।

स्मक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय .20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

दुकान नं 10, जो, बिल्डिंग क्रिरीन सोहराब प्लेस, प्लाट नं 225, नरीमन रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई-2/37ईई/4318/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12-10-1984

प्ररूप बाइ.टी.एम.एस. -----

कायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई; दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

ं निदेश सं० आई--2/37ईई/4323/83--84----अतः मुझे सक्ष्मण दास

इत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203. जो नंद-दिए 2री मंजिल, विलेज चकाला, तरुण भारत को० ग्रोपरेटिय हाउसिंग सोसायटा रोड, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-2-1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के न्द्रिह प्रौत्शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंध्य से उक्स अन्तरण निज्ञित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन हुन्य

(1) मेसर्स अस्पा कम्मद्रम्मान कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुमन तुकाराम पाध्य, श्रीर श्रो अभय तुकाराम पाध्ये ।

(अम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पस्त किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## यत संदर्भ

फ्लैंट नं० 203, जो बंद-विम, 2री मंजिल, बिलेज चकाला, तरुण भारत को० श्रोपरेटिब हार्जामन मांभायटा रोड, बिले-पार्ले (पूर्व) वम्बई में स्थित है।

अनुसुधो जैसा की फ्र० सं० ग्रई-2/37ईई/4323/53-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 26-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज]--2; बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) भाको कम्सद्रक्शन कंपनः ।

(अन्तरक)

(2) रिटा नोशिर, इरानी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/4329/83-84---अतः मुझें, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/-रु. में अधिक है'

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 102, जो 1ली मंजिल, शाको अपार्टमेंटस, क्रुपा नगर रोड़, टेलीफोन एक्सचेंज के बाजू में, विले पार्ले (प), बम्बई--58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर आयनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्हों है तारीख 27-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्मितिसित उद्देश्य से उद्भत अन्तरण निस्मित में वास्तिक स्प में अधिक नहीं किया गमा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुमरण मों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (।) के अधीन, निग्नलिणित व्यक्तियों, अर्थातु ्र-- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 102, जो 1ली मंजिल ,शाको अपार्टमेंट, कुपा नगर रोड़, टेलोफोन एक्सचेंज के बाजू में, बिले-पार्ले (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4329/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारोः गहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस.------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/4335/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं ० नं ० पलेट नं ० 6, जो 1ला मंजिल, स्मृतो अपार्ट-मेंटस खिलेपालें, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूचा में ग्रीर पूर्ण कत से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क. ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दों है दिनांक 28-2-1984

कां पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके पश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (अ) अन्तरण सं हैं इंकिसी बाय की बाबत, उसत बाँध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की बारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) विश्वास वर्वे एन्ड एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) था एम० आर० जोशी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खनिभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी था की 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितक्ष्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनद्या

प्लैट नं० 6, जो 1लो मंजिल, स्मृतो अपार्टमेंटस, मंहत रोड़, विले-पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है। अनुसूचो जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/4335/ 83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶2, बम्बई

दिनाक : 12-10-1984

## प्रकृष आहे. टी. एन. एस्. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### शास्त बरकार

## कावीसय, सहायक जायकार जायकत (निरीक्षक) ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तुबर 1984

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/10691/83-84--श्रतः मुझे सक्ष्मण वास

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं नं पर्लंट 1, जो सैयद कंपाउंड टी॰ एस॰ नं॰ 90, सहकार ोड़, जो गेषवरी (प), वस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करानामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-2-1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिकित में अस्तिवक रूप से कि धित नहीं किया गया है क्रिक स्प से कि धित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की नावत, उक्त विधिनियम के अभीग कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तसे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अल्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया धाना चाहिए था. क्रियाने में तृतिथा के लिए;

भतः अभ, सन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवस अभिनियम की भारा 269-म की सपधारा (1) के नधीन, निम्मनिसित् व्यक्तियों, अभित्।—— (1) श्रसवावश्रली श्रहमदिमियां ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मकबूलिमयां मालोमियां, श्रीर याबूमियां मालोमियां । (अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## बनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्पिचतयों पर वृष्णा की तामील से 30 दिन की कविध, या भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकर व्यक्तियों में से किसी स्पिचत द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मा हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

रनक्ष्मीकारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पर्वों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्रा गया है।

## मस्युधी

पलैट नं० 1 , जो 5वी मंजिल, सैयद कम्पाउन्ड, सी• टी॰ एस॰ नं० 90, सहकार रोड़, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई-2/37ईई/190691/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप भार्यः टी. एत. एव. ----

अध्यकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के कधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, त्रम्यई वम्बर्ह, दिनांफ 12 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/10726/83-84--वतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर विश्वितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रत्य 25,000/- रापयं से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० डी ०/101, जो 1ली मंजिल, "मिनल श्रपार्टमेंटस", श्रोल्ड नागरदास रोड़, <mark>श्रंधेरी (पश्चिम</mark>) बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-2-1984

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिशिषों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एट पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में गास्तविक एप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के ए जिल्ला में कामी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आधारा किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्ियधाके सिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) गोयल जिल्हार्स प्राइवेड चिसिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री वैशाध केसरी प्रसाद ठाकुर ।

(ग्रन्त(स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स् व्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का जो उक्<del>त</del> अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यह्म-में दिया गया है।

## अनुसूची

पर्लीट मं ० डी ०/101, जो 1ची मंजिल, "मिनल भ्रपार्टमेंटस" श्रोल्ड नागरदास रोडू. श्रंभेरी (पर्य), वस्वर्ध-69 में स्थित

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-2/37ईई/10726/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 5-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् ं यक्षम प्रोधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्भन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप बाहाँ, दी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० श्राई—2/37ईई/10737/83—84——प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 7—2—1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उह्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धामिल्ल में कमी करने या उक्षसे बचने में सविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः्⊢ 19 ---326 GI∣84 (1) शीरक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भन्तरक)

(2) श्री के० एस० मुल्ला, श्री एम० के० मुल्ला भौर श्री एल० के० मुल्ला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुनन

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं पर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

### वन्त्र्वी

फ्लैट नं० 10, जो 2री मॉजल, बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, मोल मरोगी रोड, प्रधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई-2/37ईई/10727/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, अस्बर्ष

दिनांक : 12-10-1984

मोहर ;

# प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.------

# बायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-प (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० घाई-2/37ईई/10746/83-84--यतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो ग्राउंड फ्लोर, किगोर ग्रपार्टमेंटस, ग्रमृत नगर, ग्रोशिवरा गार्डन रोड़, जोगेश्वरी (प), बम्बई-60 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-2-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क न निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिस्तित में वास्तिक क्ष

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बावस, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्भ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया विश्व भा वा किया जाना वाहिए भा कियाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण वा, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्मिलिन्स व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स ग्रमृत बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दत्तात्रय लक्ष्मण टेंबे ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) अन्तरिती वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)
- (4) जोग्रना पी० मिरांडा ग्रीर ग्रन्य। ( (क्ह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यवह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वों कत सम्मित्त के वर्जन के निए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारास्त स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### <u>सन्स्</u>ची

षुकान नं० 6 को ग्राउन्ड फ्लो,र, किशोर अपार्टमेंट ध्रमृत नगर, घोशिवरा गार्डन रोड अजित ग्लास फैक्टरी के बाजू में, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई—में स्थित है। ध्रमुसूची जैसा कि क्रम) 60 सं० आई—37/ईई/10746/ 83—84 श्रीर जो सज्जम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7—2—1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक : 12-10-84

मोहर 🛭

\_\_\_\_\_

# प्रकृष बाह्" टी. एन. एस. -------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260- (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालयः, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं अर्ध-2/37ईई/10760/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रत्ति, जिसका उचित याजार मृस्य 25,000/- रा से अधिक है

ष्मौर जिसके सं० जय महाले र इंडस्ट्रियल इस्टेट युनिट नं० 7, जो, ग्रंधेरे कुर्ली रोड़, मोहिले विलेज, काउन प्रांसेसर्स के बाजू में, साक नाका, बम्बई 72 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबंध अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनांक 10-2-1984

को प्योंकत सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत: क्षत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन: निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रामता सुगोला ए० शेट्टी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विकी सिल्क मिल्स।

(अन्तरितः)

(3) अन्तरिताः ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इसं सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीब वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगें।

स्पध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विद्या मधा है।

### अनुसूची

जय महावीर इन्डस्ट्रियल इस्टेट यूनिट नं० 7, जो, अधेरं-कुर्ला रोड़, मोहिला विलेज क उन प्रोसेसर्स कें बाज़ में साकानाका, वम्बई-72 में स्थित है।

अनुसूत्रं जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10760/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12-10-1984

मोहरं :

# व्रक्त् बार्षं . धी . एन् . एस . -------

बाव्कर निभ्नियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के नभीत सूचना

### सार्व करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बाई दिनांक 12 अन्तूबर, 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/10764/83-84-अतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्रापर्टी नं० एंट मरोल नाका, जो, श्रंधेरी कुर्ला रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59, सी० टी० एस० नं० 1595/1, 1599 (पार्ट), 1597, एस नं० 116/8, 116/1 (पार्ट) स्रोर 166 (एस०) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अतिरित्ति) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए-मरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों सुर्धात् है— (1) अब्बुलभाई हफिल्लाभाई, ग्रौर र्श्वामतः आयिशा अब्दुल्लाभाई।

(अन्तरक)

(2) श्री रहीमतुस्ला नसीबदार कादी ।

(अम्तरितो)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मास्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

# उक्त संभारित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्रक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

#### ≝रमची

प्रापर्टी बेंबरिंग सी० टी० एस० नं० 1595/1, 1599 (पार्ट) 1597, एस० नं० 116/8, 116/1 (पार्ट) भौर 116 (एस०), मरोल नाका, भ्रम्भेरा-कुर्ला रोड़, भ्रम्मेरो (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10764/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/10770/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो विद्यादानी को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है .--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निशिवत व्यक्तियों, वर्भात् :----

(1) मैसर्स इंडिको कन्सट्क्शन कंपनो ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनिका डिमेली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे। गया है।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्क

# **मन्**स्यो

पर्लैट नं० 404, जो, 4थो मंजिल, विद्यादानी को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), ग्रम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/10770/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) गर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोफ : 12-10-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई--2/37ईई/10776/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण दास

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका संव फ्लैंट नंव 205, जो, 2र मंजिल, श्रोम-कारेश्वरा कोव श्रोपरेटिव हाउसिंग सोमायटी ज वन विकास केन्द्र रोड़, श्रंधेरा (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 10-2-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण है सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुई फिसी मार्य की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रामतः प्रभात बार भागवा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो रामकुमार केशवराव शिक्केनाविया। (अन्तरिती)

कार्य यह सूचना जारो करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन् के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उजत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थिकतयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- हंभमें प्रयुक्त अब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

पलैट नं० 205. जो, 2रो मंजिल, श्रोमकारेम्लरा को० श्रोपरेटिव हाउसिंग सोपायटो, जावन विकास केन्द्र रोड़, श्रंधेरो (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋम सं० आई-2/37ईई/10776/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई हारा विनांक 10-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर<sup>ं</sup> आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** 

दिनांकः: 12**-10-1984**°

प्रकृप बाह<sup>र</sup>. टी. एव. ए**व**.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन स्वनः

### ब्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्धई दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० पलैट नं० 12, जो, 3 रो मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लॉट नं० 16, भवानो नगर, मरोल मरोशा रोड, श्रंथेरो (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से निणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम, 1961 की धारा, 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, ताराख 12 फरवरों 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त-विक क्यू से कथिस नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; डॉर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किरा गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः नव, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निक्षित्र व्यक्तियों, सुर्थात् :--- (1) श्री दिवक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री अन्टोनिओ फान्सिसको जोसेफ डिसोझा। (श्रन्तारती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रिक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेद∴ल

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद् में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

फ्लैंट नं० 12, जो, 3 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लांट नं० 16, भवानी नगर, मरोल मराशो रोड, श्रधेरी (पूर्व), बस्बई-59 में स्थित है।

भ्रनुसूचो जैसा की कल्सं आई-2/37ईई/10782/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा विनांक 12 फरवरो 1984 को रजास्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~−2, सम्बर्ष

तारोख: 12-10-1984

प्ररूप आर्हे. टी एन एत. ----

जायकर जिथानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन स्थना

#### भारत तरकार

कायलिय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/10787/83-84-- अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. संशिकिही

भौर जिसकी सं० बी/22, जो, नंदिकशोर इंडस्ट्रियल प्रिमाय-सेस को-र्प्रांप० सोसाईटो लि०, महाकालो केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा म्रायकर म्राधिनियम 1961 को धारा 269 कख के भ्रघोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजोस्द्रों है, तारोख 13 फरवरो 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्।ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवस्य से **उद्यासन्तरण** लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि। नयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम,, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🛋 संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) श्रोमती सुलाचना आई०, केवलरामानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चेतन सी० देसाई।

(म्रन्तरिती)

[सांग ]II--खण्ड 1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निगा गया है।

# अनुसूची

बी/22, जो, नंदिकशोर इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-प्रॉप-रेटिव्ह सौसाईटो लिमिटेड, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

मनुसूची जैसा की क∘ सं∘ ऋई – 2/37ईई/10787/83 ⊸ 84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 13 फरवरी 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> लग्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निराक्षण) मर्जन रेज-2, बम्बई

तारोख: 12-10-1984

प्ररूप, बाई. टी. एन. एस. - - - -

कायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० 2/37 ्हेर्ह/17099/83-84. अतः मुझे लक्ष्मन दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 32, जो, 4 थी मंजिल, विजय संघ मित्र की-श्रॉप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०., मामणवाडा, मिगारेट फैक्टरी के बाजू में, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई -59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 14 फरवरीं 1984 के उचित

को पूर्वोका सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुक्ष फिसी भाग की अबस, उक्स बॉधिनियम के अधीन कर वाने के खुन्सरका की वायित्व में कमी करते या उक्स यक्षी हैं सुविधा की सिष्; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्यारा प्रका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री निर्मल कुमार गंगवाल, श्रीर श्री रामावतार एन० मंधानिया।

(ग्रन्तरित)

en <del>- 12 12 : 1 22 | 1 22 | 1 22 |</del>

(2) श्रं। गिरीराज गोपोकिशन साबु।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से चिन्नी व्यक्ति ह्यारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, बनी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### जगस की

पलैट नं० 32, जो, विजय संघ मित्र को-भाँपरेटिव्ह् हाउसिंग सोसाइटी लिगिटेड, वामणवादा, सिगारेट फैक्टरी के बाजु में, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैमा को कल्पं आई-2/37ईई/10799/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 12 फरवरी 1984 को रजिस्टई किया गया है!

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-10-1984

# मुख्य आहें..टी.एन.एस......

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 प्रक्टूबर 1984

निवेश सं∘ आई—2/37ईई<sup>/</sup> 10804//83→84 अतः मुझे, लक्ष्मन दास गयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिस

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिग्रम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उविक साजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 8. जो, 2री मंजिल, गंगा निवास, हरदेवांबाई को-औं 10 हाउमिंग सोसाईटा लिं , स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाजू में, जोगेंग्वरी (पूर्व), बम्बई – 60 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण की विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम 1991 को धारा 299 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजास्ट्रो है, ताराख 14 फरवरी 1984 की

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण कि सिता में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस, अर्थ अधीन कर दोने के अपलयक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के सिए;

क्ल. तर्न, सक्त विधिनियम की धारा 269-ए के विमुश्तरक मा, में नम्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) के जमीन निर्मालिकिन व्यक्तियों, अर्थान:—— (1) श्रामती शकुंतला भगवान ग्रहवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) डॉ॰ हेमंत प्रभाकर पोतनीस, श्रीर श्रामतो मृदुला प्रभाकर पोतनीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकालन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एउट लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों काः, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### अन्स्ची

फ्लैट नं० 8, जो, गंगा निवास, प्लॉट नं० 2, हरदेवी बाई को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग मोसाईटा लिमिटेड, स्टेट बैंक आफ इंडिया के बाजू में, जोगेण्यरा (पूर्व), बस्बई-60 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा का कल्मल श्रई-2/37ईई/10804/83-84 श्रीर जो सक्षम शाधिकारा, तस्बई द्वारा दिनांक 14 फरवरा 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षय प्राधिकारो सहायक आयक्ष्म आयक्ष्म (निराक्षण) श्रवीन रेज-2. वस्पई

नारोम्ब : 12-10-19**8**4

प्ररूप आहु<sup>2</sup>.टी:एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अन्तूबर 1984

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/10816/83-84-- **ग**तः, मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं 1, प्लॉट नं० 14, भवाना नगर, मरील मरागा रोड ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजीस्ट्रा है, तारीख 14 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उकके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितृश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों काो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः सब उक्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्ः——

- (1) श्री दापक बिल्ड से प्रायवेट लिमिटेड ।
- (ग्रन्तरक) (2) श्री भन्हयालाल बी० चंगानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी। भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धमुस्ची

फ्लैट नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 1, प्लांट नं० 14, भवानो नगर, मरोल मरोशो रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37/ईई/10816/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनोक 14 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

प्रकप बार्ड्, टर्ड, एन. एस. -----

भायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत बहुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10817/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961'(1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० फ्लैंट न० 1, जो, प्लांट न० 14, भवान: नगर, मरोल मरोशा रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारतामा आयकर अधिनयम, 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्रा है, ताराख 14 फरवरी, 1984,

कां पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीन एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित जहां किया गया ही कर्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरे कर अधिनियम, या धरे कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— (1) मेसर्स दापक बिल्डसं, प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रो विजाहम हुसैन खॉन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास निधित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुभूची

फ्लैंट नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, ब्रिल्डिंग नं० 3, प्लांट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई--2/37ईई/10817/83--84 श्रीर सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 14 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

**प्रकथ कार्य**. थी. ध्व - एक . .----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांद: 12 अक्टूबर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10818/83-84---अतः मुझे. लक्ष्मण दास,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य ३५,०००/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसका संव बा/34, जा, नंदिकिशोध इंडस्ट्रियल प्रिमाय-सेस की-आपरेटिक्ह सोक्षाइटा लिव. महाकाला केव्ज राड, अधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (श्रीध इससे उपानढ़ अनुसूचा में श्रीस पूर्ण रूप से विजन है), श्रीध जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम, 1961 कि धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में एज स्टू. है, तारीख 14 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में राम्निक इप से किंपत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त को पार कार के अभीन कर कर का अन्तरक के दारिक्य में कभी कारने या उससे अवन में सुनिधा के निए; और/या
- (ण) एसी किसी अध्य या शिल्मी धन या राज्य आहिता।
  को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  स्योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना जाहिए भा, स्थिपाने में सृविधा
  के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा चैतन सा० देसाई।

(अन्तरक)

(2) श्रामता फिला एक० खेती।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

जनत सम्पतिस के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षण:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियां घर सूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ाकाय बाद में समापन होगी हो, की भीतर द्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब के 45 विन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त दक्षितियमः को जन्मस्य १० कः में परिभाषित है वही चर्च दोगा जो उस प्रष्टवाय में दिया स्वाही।

अनुसूर्यः

बी/34, जो, नंदिकशोर इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ऑपरे-टिब्ह सोसाईटा लिभिटेड, महाकता केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा का ऋ०स० आई-2/37ईई/10818/83-84 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

बुक्य बार्यं , की, एन , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्बेश सं० आई-2/37ईई/10839/83+84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ छ. सं अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० माला नं० ए-101, जो, हिंद सौराष्ट्र सिंवस इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुर्ला श्रंधेरा रोड, बस्बई-59 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजास्ट्रा है, ताराख 17 फरबरों 1984

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान शितफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुंघ किसी भाग की मानत, सक्त अधितिसम्बंधि अभीत किसे उन्नेच बारतरक अं पायरण में क्यी करने या उत्तर्भ नणन स सुन्त्रण के सिए; भार/या
- (क) एसी किसी बाय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवाजनाथ अन्तरिती द्यारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अर्थ: अस्, अन्त अभिनियम की भारा 269-ग को जन्मूर्य में, में, उन्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के विधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्मान (1) श्री अलान अल्मेडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रांटा०के० करुणाकरन .

(अन्तरिता)

की यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के क्षिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शरीब बं 45 दिन की नंबीध या तत्सम्बन्धी कार त्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की न्वचित्र, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीषर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें अपृथ्य शब्दों और पदों का, जो जबस विभिन्नम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को जस अध्याय में दिका युवा हैं।

### असुसूची

माला नं ए-101, जो, हिंद मौराष्ट्र सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेंट, कुर्ला ग्रंधेरी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाको क०मे० आई-2/37ईई/10839/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 17 फरवरा 1984 को रजास्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 12-10-1984

# **२क्प भार**े, दी<sub>र</sub> एत्. एत<u>.</u>- - - - =---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~2. बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10863/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मोल, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० 3/41, जो, एच०आय०जा० कांलना, जे० व्हि०पा०डा० स्किम, विल-पार्ल (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप स्वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकार के कार्यालय में रजीस्ट्र है) नाराख 18 फरबरी 1984

कां पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्सारत की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्य में कमी करने या उससे बचने में भ्रविका के लिए; बार/या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिया कारे जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना राहिए था, छिपान में स्विधा के निए:

कतः अब उबत अधिनियम की धारा 1999-ग के अनुसरण मो, मो, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) श्रां श्रांनियासा गुंखू घेटटा ।

(अन्तरक)

(2) डॉ० केशव कि० मगन।

्(अन्तर्रात्।)

(3) अन्सर्रिता ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी ग्राक्षप :---

- (क): इस सूचना के राजपत्र में प्रकृशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरी

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयूवन गब्दों और पर्दो का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

3/41, जो, एच०आय०ज.० कांलना, जे०व्हि० पी०डी० स्किम, विले-पार्ने (पिष्टिम), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा को क०मं० आई-2/37ईही/10863/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनांक 18 फुरवरा 1984 को रजन्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2, बस्बई

नार्राख : 12-10-198**4** 

# 

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

#### भारव सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्देण सं० आई-2/37ईई/10879/83-84-अत: मुझे, लक्ष्मण दास ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं बा—11, जो, गिराराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाला केटज रोड, प्रवेरा (पूर्व), वस्त्रई--92 में स्थित है। (प्रौर इसा उताबद अनुसूचा में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), बीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधान बस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजास्ट्रा है, ताराख 7 फर- वर्रा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विद्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निय्नीलिखित उद्योदय से उपत जंतरण निवित्त में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आअत उक्त अधिनियम के अधीन कार दन के असरक ± धायित्य में कमी कारने या उसमें बचन में स्विष्ण के लिए; और/या
- (स) एसी जिसी अध्य भ विसी पन म अस जिल्ला को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 1) भा उक्त अधिनियम 27) भा भागा अधिनियम अधिनियम

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) व्यामता लक्ष्मा शिलक्तेतन, ग्रीर एन० जानको रामन ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती शालिनी भदन अगरवाल।

(अन्तरित7)

\_(3) गेसर्म इंडस्ट्रियल आसोसिएटस्।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह भूषना जारी करके पृथींकन सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ज्ञान्त करता है ।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आं तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, लहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बी-11, जो, गिरिश्ज इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केंड्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि फर्निर आई-2/37ईई/10879/83-84 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रासा दिनांक 7 फरवरी 1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारग् सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज→2, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

क्त हुर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 प्रक्टूबर 1984

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/10887/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण बास

वायकर मिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वार (जिले वाधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-12, जो, गिरीराज इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है दिनांक 9 एरबरी 1984

भते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उन्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथिसा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंक्तिरती द्वारा प्रकट निविध गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः बाब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात : --

21 -326 GI 84

(1) श्रीमती लक्ष्मी निलक्तन श्रीर एन० जानकीरामन्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विनोदिनी राजकुमार ग्रगरवाल । (ग्रन्तरिती)

(3) मेसर्स इंडस्ट्रियल द्यासोसिएटस् । (वह व्यक्ति जिसके द्राधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 विच के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो सम अध्याम के दिया गया है।

### श्रन्मूची ।

बी-12 जो गिरीराज इंडस्ट्रियल इस्टैंट महाकाली केट्ज रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुषुची जैसा की फ्र॰सं० ग्रई-2/37ईई/10887/83~84~84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 9 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षिण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 12-10-1984

प्ररूप आहूरै.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ष

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10900/83~84~-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित जानार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 18, 4थी मंजिल, बिल्डींग नं० 1, प्लांट नं० गी०टी०एम० 397, 398, 399 ग्रांबीवली, ग्रंधेरी वम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4 फरवरी 1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलियत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की अधित उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे अधाने में स्विधा के लिए; आर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

जतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण बाँ, बाँ, उक्त अधिनियसं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :--- (1) मेसर्म वैधरा विष्डर्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गरोफृष्तीसा विणर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 18 जो 4थी मंजिल बिल्डींग नं० 1, (निर्माणाधीन), प्लांट नं० मी०टी०एस० 397, 398 श्रौर 399, श्रांबीवली व्हिलेज श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है)

भ्रनुसूची जैसा की क्र०सं० श्रई-2/37ईई/10900/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरवरी 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, वम्बर्ट

तारीख: 12-10-1984

The first of

प्रकृष बाइ . टी. एन्. एस. -----

भागकर अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 शक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10903/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 217 जो गी जम्बो दर्णन को-श्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, श्रंघेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारोख 4 फरवरी 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् नाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् साबार मून्य उसके स्थमान प्रतिफल को पंन्यह प्रतिकृत से सिंधक है और जंतरक (जंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त जिथिनियम, या भनकर मुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा किया में सूर्यिंग के सिए;

कतः जैव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---- (1) श्री जी० विषयनाथन्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री व्हिं बी० मनकोडी श्रीर श्री एम० व्हिं मनकोडी।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- **स्वतः** सम्पर्ततः के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वास्त्रेष थ—-

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तित्रयों पर स्थान की तासी सु से 30 दिन की अविधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळके करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक जिभिनियम्, के अभ्याय 20-क में परिभाषिस् इं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया एया है।

# ग्रनुसूची

''फ्लैट नं० 217 जो गी जम्बो दर्शन को-म्रांपरेटिव्ह हार्जासंग सोसाईटी [लॉमटेड ग्रंधेरी (पूर्व) वम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० भ्रई-2/37ईई/10903/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर् ग्रायुक्त (निरा**क्षण**) ग्रर्जन रेंज-2, **वम्ब**ई

तारीय : 12-10-1984

त्रक्य वार्ड .टी. एन .एस . ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### मारत् सुरुवाड

# कार्यस्य, सहायक नायकार भागुनत् (निर्वेशक)

श्चर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रस्टूबर 1984

निदेण सं० प्रई-2/37ईई/10904/83-84--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा \$69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउंड फ्योग्रर विंग "बी", "मिनल श्रपार्टमेंट्स", श्रोल्ड नागरदास रीड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1981 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रीनिटी, तारीख 20 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नलिंखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे गस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र् अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिम्

अवश्व अवत् जनतः जीभीनयमं की भारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उपक्त अभिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ८—— (1) मेमर्स गोयल बिल्डर्स, प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पेटविला इण्टरनेंशनल ।

(श्रन्तरित्।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी जन्म व्यक्ति दूवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किसे का सकेंगे।

स्पच्छीकरण : — इ.पर्मे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या इं

### ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोग्रर, विग-बी, "मिनल अपार्टमेंटस्" श्रोल्ड नागरदात रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37/ईई/10904/83- 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 फरबरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्प्र

**नारीख**: 12-10-1984

# प्ररूप नार्ष्, टी.एन.एस. -------

नायकर निभानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्भना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10905/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-203, जो, 2 रो मंजिल, "भिनल अपार्टमेंट्सं", श्रोल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), वस्वई-69 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण क्य में विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 के खे के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 20 फरवरी 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिसित उद्विस्य से उक्त अन्तरण निचित में अस्तरिक कम् से किया नहीं किया गया है —

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त लिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— ⁴ (1) मेसर्स गोयन बिल्डर्स, प्रायवेट लिभिटेड ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती जिन्नोदेवी एम० केडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शांद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

# नन्स्भी

"फलैट नं० डो-203, जो, 2 री मंजिल, "मिनल श्रपार्ट-मेंटस्" श्रोल्ड नागरदास रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थल है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० ग्रर्ह-2/37ईई/10905/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 20 फरवरी 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

লাহাঁকা : 12−10−1984

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के विधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, त्रम्बई

वम्बई, दिनांकः 12 अक्तुबर: 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10911/83-84-अत: मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 1लो मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, राजेंद्र कुपा, को-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लि०, मनिष्टदर्शन सहार, संधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जास्ट्री है, तारीख 20 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती सरस्वती कल्याणजी सोनी।

(अन्तरक)

(2) श्री गणपत नारायण वालनेकर, श्रीर श्रीमती ताराबाई गणपत वालनेकर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु सूर्चः

फ्लैट नं० 4, जो, 1 ली मॉजिल, बिल्डिंग नं० 3, राजेंद्र क्रुपा को-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, मनिष दर्णल सहार, श्रंधेरी (पूर्व) वश्वई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०मं० अई-2/37ईई/10911/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 फरवरी 1984 को रिजस्टर्ङ फिया गया है।

लक्ष्मण दास ब्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

मोहरः

# अक्य बाह्र दी . एन् . एस् , ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10914/83-84--अनः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-303, जो, 3 री मंजिल, "मिनल अपार्टमेंट्स", श्रोल्ड नागरदास रोड, श्रंधेरी (पूर्व), वस्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकार अभिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अश्रीन बस्वई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 करवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उधित बाजार मृत्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाथ की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के बासित्य में कमी करने या उससे अधने में सुक्रिधा के निग; बार/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आफित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सित्या वी निया:

अतः त्रज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अग्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निरमीलिकित व्यक्तियों, अर्थातुः (1) मेसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रा विजय हर्राकशनदाम व्होरा श्रीर श्री हरिकशनदाम छगनलाल व्हीरा।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी अयिकत इवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

"फ्लैंट नं० ए-303, जो.  $3 \stackrel{.}{\tau}$ । मंजिन, "मिनल अपार्ट-मेंटस्", श्रोल्ड नागरदास रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बन्ब $\stackrel{.}{\epsilon}-69$  में स्थित है।

अनुसूचो जैसा की कर्ण अई-2/37ईई/10914/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 फरबरी 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रसपं बाई • टी॰ एन्॰ एस॰

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० अई-- 2/37ईई/10916--83-84---अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० सी-102, जो, 1 ली मंजिल, "मिनल अपार्टमेंटस्", श्रोल्ड नागरवास रोड, श्रंधेरी (पूर्व), अस्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 फरवरी 1984

को पूर्वाचित समपित के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रियमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण किवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गदा था किया जाना बाहिए था. छिपाने में मिनिया के लिए;

लत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीरमेश सावचंद वाविशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में क्रितबद्ध किंदी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० सी-102, जो, 1 ली मंजिल, "मिनल अपार्ट-मेंटस्", ग्रोल्ड नागरदास रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बस्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क०सं० अई-2/37ईई/10916/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 फरवरी 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

प्ररूप मार्च'. टी. एन्. एस्.------

प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुभना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/10917/83 - 84—-यतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मौर जिसको सं पलैट नं बी/203, जो 2 री, मंजिल, "मिनल अपार्टमेंटस्", श्रोल्ड नागरदास रोइ, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—69 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 फरबरी 1984

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेक्ति सम्परित का उचित आजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निकित के गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निए और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ही, ही, इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) में अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स गोयल विल्डर्स प्रीयवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल भिखालाल दवे।

(अल्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं ।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिम की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थळीळरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया एया है।

#### नगसधी

फ्लैट नं० बी/203, जो 27ी मंजिल, "भिनल अपार्ट-मंटस", झोल्ड नागरदास रोड, झंधेरी (पूर्व), यम्ब $\xi$ -69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कर्नर अई-2/37ईई/10917/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 20 फरवरी 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर:

22-326 GI]84

# प्रकृत बार्व . हर्ति . एव . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

### **मार्क सहस्रह**

कार्याल्य, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक. 12 अन्तुबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10918/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, जो अमिता अपार्टमेंटस्, को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, कोलडोंगरी, विलेपार्ले (पूर्व), वस्बर्ड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बस्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 फरवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रायमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बन्तिश्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में शस्तिक रूप से किंचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए; और/या

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वाय० एन० शास्त्री।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती स्ट्रिं० जी० रायकर, श्रीर 2. श्री जी०डी० रायकर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिया शरु करता हो।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लैट नं० 2, जो अमिता अपार्टमेंटस्, 4 यो मंजिल, कोलडोंगरो रोड नं० 2, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई 2/37ईई/10918/83~84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 फरवरी 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

प्रकप नार्ह्, टी. एन ् एस.,------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बभ्बई

बम्बई दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10922/83-84—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कल्चरल हॉल, रेसिडेंटल फ्लैंट और स्टिल्ट इन फ्लॉट नं० 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रामड, भ्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 21 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जनः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मैसर्स वीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स काश्मिरी पंडित श्रासोसिएशन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त, स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रन्**स्ची

कल्चरल हॉल, रेसिडेंटल फलैट ग्रॉर स्टिल्ट इन प्लॉट नं॰ 16, भवानी नगर, मरोल मरोगी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० ग्रई-2/37ईई/10992/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 फरबरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप . आहें . टी . एन . एस् . - - -

# नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्चना

### बारत सडकार

# कार्यासय,, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/10923/83-84---यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो 4थीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लॉट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायंकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 21 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निखित वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी आय की वावत, अक्त अभिनियम के अभीन कुर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सृविधा औं सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैसर्स दीपक बिल्डसै प्रायवेट लिमिटैंड।

(ग्रन्तरक)

(क) श्रीमती उमिला वामन मीरे।

(ग्रन्तरिती)

भी यह स्थना बारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसर्ची

फ्लैट नं० 15, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लांट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मराशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०मं० श्रई-2/37ईई/10923/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 फरवरी 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🎍

इस्य बाह्", टी. एव. एव. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

### मारवः बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विमांक 12 प्रश्त्यर 1984 निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/10924/83-84---प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से विधिक है

भीर जिसको सं० फ्लैट नं० 6, जो 1 लो मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, फ्लांट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्याक्षय मे रजिस्ट्री है, दिनांक 21 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल, से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं. और संतरक (अंतरकार्गे) और अंत-रिती (अंतरित्यार्गे) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बतरण से हुई किसी बाब की वाबय, उक्त बिधिनयम के अधीन कर देने के बतरक के दापित्य में कबी करने या उससे बचने में स्प्रीबधा के लिए; बौर/या
- (वा) एसी किसी जांव या किसी भन वा जन्म जास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए।

अतः अंव, उनत अधिनियमं की भाषा 269-म के, जनुतरण मों, मों, उन्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी०एस० डिसोजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो 1 ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लॉट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ब्रधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा को कल्सं० ग्राई-2/37ईई/10924/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

# प्रारम् वादं .टी <u>.एन् .पस् ह</u>ुक्तान्त्रकारमञ्जा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984 निवेश सं० श्रई-2/37ईई/10925-83-84-श्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17 श्रौर 18, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोगी रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसीचत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण घे हुइ किसी बाव की बावत, अक्य मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म भा या किया नाना नाहिए भा कियाने में कृष्यिं औं सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैंसर्स दीपक बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुधीर पेंडणेकर ।

(ग्रन्तरिती)

# सी बहु स्थान आही कहके प्राधित सम्मित्त से अर्थन से सिए कार्यशाहियां कहता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रन्यां करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वपूर्व

फ्लैट नं० 17 श्रीर 18, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ध्रई-2/37ईई/10925/ 83-84 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंजें च 2, बस्बई

विनोक : 12-10-1984

माहर:

# प्ररूप काइ<sup>द</sup>. टी., एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

#### भारत चरकार

कायीलय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बग्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/10944/83-84--श्रतः मुझें, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल गाला नं० 78, जो रस्त-एयात इंडम्ट्रियल इस्टेट, इर्ला लेन, विलेज विलेपालें (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था, छिपानी में स्विधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मेसर्सं भलमेच इन्टरप्रायसेस ।

(मन्तरक)

(2) श्री बलवेव सिंह।

(म्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्विधि, जो भी वृविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीन्यमा के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं, वहीं भूषें होगा को उस कथ्याय में दिया गया हैं।

## **मनुस्**ची

इंडस्ट्रियल माला नं० 78, जो बिल्डिंग रत्न-ज्यांत इंडस्ट्रियल इस्टेंट, इर्ला लेन, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-59 में स्थित है ।

मनुसूची जैसा कि कम सं० [ग्रई-2/37ईई/10944/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 क. रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 12-10-1984

# ं प्रकम काई. टी. एन. एस.------

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

### **जारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 म्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10955/83-84---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० युनिंट नं० 17, जो बिल्डिंग नं० एफ० 1 ली मंजिल, नंद धाम इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, मरोल मरोगी रोड़, श्रुंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित स म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-2-1984

रहे पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्के वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत बन्तरण निम्बत में बास्तर्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुई किसी भाग की बावस सक्त वाधि-निवन के बंधीन कर दोने के जम्म रक्ष के दावित्व के कभी करने ना कससे वचने में सुविधा के जिने: और या/
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण धें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्सं बाइटो प्रोचक्टस ।, प्रोप्रायटर श्री भास्कर एस० रोयाचेर । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसमँ एस० ए० इन्डस्ट्रीज । (म्रन्तरिती)

को वृह कुषना चारी करके प्रवेक्त संपरित के अर्थन के सिए कायवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जयिं। या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी केंद्र पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ंत्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयूवत कटों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वना है।

# नगुसुनी

यूनिट नं० 17, जो, बिल्डिंग नं० एफ०, 1ली मंजिल, नंद धाम इंडस्ट्रियल इस्टेट, मारोल मरोशी रोड़, ग्रधेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम स० ग्राई-2/37ईई/10955/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लैक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज–2, बम्बई

विनांक : 12-10-1984

मोहर

प्ररूप आहें , टी. एन. एस. १४००००

आयकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/10960/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ल के अपीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेंड नं० 144, जो, 1ली मंजिल पी० नं० 111, शिवशिक्त इंडस्ट्रियल इस्टेट मरोल विलेज, श्राफ अंधेरो कुर्ली रोड, श्रंधेरो. बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 को धारा 299क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है दिनांक 27-2-1984 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीरिवी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है किया निर्मा का स्थान के विषय से का स्थान की स्थान

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23—326 GI|84

(1) मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स विना बरानवाल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### चनुस्की

इंडस्ट्रियल शेंक नं० 144, जो, 1ली मंजिल, पी० नं० 111, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, एच० नं० 15, एस० नं० 80, एस० नं० 1, श्राफ मरोल विलेज भाफ श्रंधेरी-कुर्ली रोड़, श्रंधेरी, बम्बई--59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10960/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 27-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1985

मोहर 🛊

# प्रकृष काई.टी.एन.१व.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10969/83-84--- झतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. में अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट गं० 101, जो 1ली मंजिल, देव दर्शम, राधाकृष्ण मार्ग, ग्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 27-2-1984

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में जिन्मा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्रो सत्यनारायण एन्ड विजयकुमार बगारिया (भ्रन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती पदम बेन पानालाल दंतारा,
  - (2) श्री नरेशचंद्र पानालाल दंतारा, श्रीर
  - (3) श्री विषककुमार पानालाल दंतारा । (भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूचाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवान्त्रिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वय्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकते अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

पलैट नं० 101, जो 1ली मंजिल, देव वर्णन, राधाकृष्ण मार्ग, अधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10969/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण घास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज–2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्रकप बाई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अन्त्वर, 1984

निवेश सं० अई--2/37ईई/10960/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसके। संव पर्नेट नंव 217, जो, गीव अम्बो दर्शन कोव ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अधेरी, (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनोक 18-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रातफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चिष्ठ हो और अंतरकों और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गवत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षम अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ै. अब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिवित स्थितियों, अर्थात् :--- (1) श्रां जी० विशवनाथन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० बी० मतकोड़ी, और श्री एम० वी० मतकोड़ी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितिःयां। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मम्सूची

फ्लैट नं० 217, जो, जी अम्बो वर्गन को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड़, अंबेरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10990/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

विनांक : 12-10-1984

मोहरः

# प्रकृष बाह् ी दी , एत , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बाई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/10674/83-84-अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, पहली मंजिल, ए० जे० राधिष्याम की० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहु लेन, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्घ। में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अभारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या जनसे बचते में स्विधा की सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया में सुविधा हो किया

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) विजय विनायक गोटगिरी ।

(अन्सरक)

(2) हेमंत मगेश वरेरकर ।

(अन्सरिती)

(3) अन्तारिती । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, त्रों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उन्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्ध्यो

फ्लैट नं० 12, जो पहली मंजिल, ए० जे० राधेश्याम को० ओपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 207, जुटु लेन, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुचची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10674/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप वार्ष दि . एन . एसं . -----

आयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/10679/83-84/अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव 3, जो, 2री मंजिल, "शांती सदन", तेल्ली गल्ली, अंग्रेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित हैं (और इसने उराबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारामा आयकर अविजियम 1961 की धारा 269 के, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंडू किसी अप्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाक़े लिए;

अतः जब, उयतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसंस्था में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिद्धतं व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती खोर्गेद मेहरबानपूर ।

(अन्तरका)

(2) रास होटल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वां के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### वन्स्ची

पलैट नं० 3, जो 2री मंजिल, "शांती सदन" तेली गल्ली, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/10679/83-84 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1984 को रिजस्टक किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12-10-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10681/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० दुः। नं० 7, जो ग्राउन्ड पलोर, "एथरेस्ट" बिल्डिंग, जयप्रशाम नारायण रोड, वर्सोवा, अंधेरी (पिष्चम) बन्बई-67 में स्थित है (ओर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण का पे विगः है) ओर जिसका करारनामा आयार अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सभम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 3-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (गन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधरण (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) नहार शेड एन्ड जोगानो एसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शोभा रमेश असरानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं,-वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्त्वी

दुकाम नं० ७, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, (एवरेस्ट) बिल्डिंग जयप्रकाश नारायण रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई 61 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० /रई-2/37ईई/10681/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप वार्द. टी. एन. एस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 धक्तूबर, 1984

निर्देश सं० मई०-2/37ईई/10704/83-84----म्नतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  $2\varepsilon_9$ -ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 305, जो 3री मंजिल, "ए" बिल्डिंग, "सुन्वर पार्क", ग्राफ विरा देसाई रोड, ग्रंबिवली व्हिलेज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4/2/1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रित्ति को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से बिधक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियत के अधीन अर दोने के बन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे ककते में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिक्त व्यक्तियों, अधीत् ६—

1. मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रक्यान्स कंपनी

(धन्तरक)

2. मैसर्स माला बिल्डसं

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिंग कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविधि, को भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राग्र;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः — इस्कां प्राक्तां शब्दों की को तक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क मीं, परिभाषित हैं, वहीं अधे हागा जा उस अध्याय में दिया सवा हैं।

#### वनस्यी

फ्लैट नं० 305, जो 3री मंजिल, 'ए' बिल्डिंग, "सुन्दर, पार्क" ग्राफ विरो देसाई रोड, श्रंबिवली व्हिलेज, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ध्रई०-2/37ईई/10704/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 4-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 12-10-84 मोहर: प्रकृष बाह्य हो, एन . एत . ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### हाउठ इंडकार

# कार्यांसय, सहायक सामकर नायुक्त (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई०-2/37ईई/10712/83-84--- प्रतः मुझे लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305,जो 3 री मंजिल, 'सी' बिल्डिंग, "सुन्दर पार्क", ऑफ बिरा देसाई रोड, श्रंबिवली व्हिलेज, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रासूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-2-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल तो, एसे स्थयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा स्थाय स्थाय

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, बब्त प्रक्षित्यन के प्रधोत कर देने के धन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सीर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या अप-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जन्ती चाहिए था किया ने स्विभा के जिए।

सत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (≰) को सभीन, निस्नलिखिस व्यक्तियों, क्योंत् :-- 1. मैसर्स मुन्दर कत्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मिन् ई॰ मिनोचेरहोमजी श्रीर श्रीमती श्रमी मिन् मिनोचेरहोमजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास निक्रित में किए जा सकाय।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्र्य

पर्लैट नं ० 305, जो 3री मंजिल, ''सी'' बिस्डिंग, ''सुन्दर पार्क'' ऑफ विरा देसाई रोड, ग्रंबिवली व्हिलेज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रमुस्ती जैसा कि कि के सं० भ्रई०-2/37ईई/10712/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बर्ष

विनाक: 12-10-84

मोहर 🚜

**प्ररूप नाइं., टी., एन. . एस.,-----**

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर, 1984

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्रत्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० इंटस्ट्रीयल यूनिट पी० एफ० नं० 23 जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड, भ्रोशिवर, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से बिजित है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-2-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) चै अधीन जिल्लासिबत व्यक्तियों, वशीत् ह— 24—326 GI∣84 1. लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट

(अन्तरक)

2. मैसर्स सुपर कोट्स इंडस्ट्रिंज ।

(श्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

## वनस्थी

इंडस्ट्रियल यूनिट पी० एफ० नं० 23, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, घोणिवरा, बम्बई-58 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्ड०-2/37ईई/10736/83-84 घोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 7-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-10-84

प्रस्प आहु . टी . एन . एस:. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्वेष सं ॰ प्रई ॰ - 2/3,7ईई/10759/83-84--- प्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं इंडिस्ट्रयल यूनिट पी० बी० नं 27, जो लक्ष्मी इंडिस्ट्रयल इस्टेट, न्यू लिकींग रोड, श्रोशिवरा, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 10-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गईं और मुझे यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्ट्रयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कें "तिए;

जत: अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट।

(भ्रन्तरक)

2. मैससं भासभाई मदन फैमिली ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦫 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट पी०ंबी० नं० 27, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल, इस्टेट, न्यू लिंकींग रोड, ग्रोशिवरा, बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/10759/8 84 में श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासं मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन् रेंज-2, बम्बई

विनांक 12-10-84 मोहर:

and the same of the same

## प्ररूप आई.टी.एन.एस------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/1078/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं भाप नं 10, तलमाला, "एव्हरेस्ट", जयप्रकाश नारायण रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400 061 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 10-2-1984

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण सिवित मे बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिथितियमं की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त जिथितियमं की भारा 269-च की उपभारा (1), के अभीत्, निम्नितिस्त व्यक्तियों, जुर्थात् ः— 1. नहार सेठ एंड जोगानी, एशोशिएट्स,

(प्रग्तरक)

2. श्रीमती गीला हिरेकर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यों शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीप :---

- (कं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

शाप नं ्री 10, जो सलमाला, "एक्हरेस्ट", जयप्रकाश नारायण रोड, वसोषा, मंधेरी (प०), बम्बई-400 061 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/10780/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई द्वारा विनोक 10-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, यम्बई

विनाम 12-10-84 मोहुर:

## हुक्तु बार्ष , ब्री , पुन् , हुव .-----

नावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के वृथीन सुख्ना

### धारत स्टब्स

श्रावांसय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रम्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/10788/83-84--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रें इसमें इसके परवात् 'उनत् विधिनियम' कहा गया हैं) की वाख 269-व के अधीन सभान शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित् विसका स्वित वाचार बृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 64, 'श्रविनाश', प्लॉट नं० 121, वसोंवा, सात बंगला, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 12-2-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्येंक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-कस निम्नीनीयत उद्देश्य से उसत बन्तरण सिविश्त में वास्त-विक स्थ ने कथिय नहीं किया क्या हैं।--

- (क) बन्दर के बंधि कियों नाम जी बावस करने की भ-निवन के अधीन कर वोने के जन्दरक के बायरन में करने करने वा करने क्यों में बुविधा के निवे; और/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) की क्षीन, जिल्लिसित व्यक्तियों, अधित् :--- 1. सुरेन्द्र खन्ना,

(झन्तरक)

 गुणवंतीलाल मंगलवास मेहता और निरंजना गुणवंतीलाल मेहता

(बन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

## क्षमक बुम्बरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई की वाक्षेत्र हम्म

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 वित की अविभ मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर श्यक्य की तामील से 30 दिन की अविभ, कांभी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों वे किसी क्रिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकोगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### नग्रंची

फ्लैट नं० 64, जो, 'ग्रमिनाम', वैस्ट कोस्ट, को-ग्रापरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 121, वसोंबा, सात बंगला, वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/10788/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 12-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

महिद्र ध

# पुरुष बार्ष , दी , पुष्, पुषा, ----

## नायकर वीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-मु (1) के नधीम सुन्ता

### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रम्तुबर 1984

निर्देश सं० द्याई-2/37ईई/10793/83-84—प्रत: मुझे लक्ष्मण वास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्यू 25,000/-रा से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 52-ए, पर्ल बीच, वसोंवा बीच को-भ्रापरेटिव्ह हीऊसिंग सोसायटी, प्लांट नं० 1076, जयप्रकाश रोड, वसोंवा, बम्बई-400 061 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-2-1984

को पूर्वो नत् संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कारणान प्रतिफस के सिए अंतरित की गई है बार मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाय्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देशसमान प्रतिफाल से, ऐसे देशसमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और मन्तरक (जन्तरकों) जौर जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तस पासा गया प्रतिफाल, निम्नीविच्या उन्देशकों से कन्तर वन्तरण कि जिल्ला में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरण वेह्दं कियी बात की बावत्, अथत गरिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के द्वित्य के कमी करने वा बन्नचे स्वयं में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी वन वा अस्तः वास्तिक्षें को विन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविवा को जिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा- 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, भूभात् :—

- हसमुख डी० शेठ और श्रीमती मिना सेठ (धन्तरक)
- श्री सिन् के० मिस्त्री घौर श्रीमती मणी एम० मिस्त्री (घन्तरिती)

को यह ज्वा बारी करके पूर्वोक्स अभिति के वर्षन् के खिए कार्यवाहियां वारा करता हूं।

## बक्त सन्पत्ति के शर्वन के सम्बन्ध वो कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ---- इसमें प्रवृक्त सन्यों बौद्ध पर्यों का, वा स्ववस्व विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिखा नेवा हाँ।

## **अन्**स्ची

फ्लैट नं० 52/ए, जो, ''सी पर्न'', बसोंबा बीच को-श्राप-रेटिव्ह हार्ऊिसग सोसायटी, प्लॉट नं० 1076, जयप्रकाश रोड, बसोंबा, बम्बई, 400 061 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं अर्ध-2/37ईई/10793/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रायक**र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **ग्रम्बई**

**विनोम : 12-10-84** 

मोद्वर:

प्रकार **वार्ष**ः **टी. एव**ं, युद्धः, -::--::---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्य (1) के अधीन सूचना

#### THE STATE

## कार्यानय , सहायक आयकर नायुक्त (निर्दाक्तक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अन्तूबर 1984

निर्देश सं कू आई०-2/37ईई/10800/83-84 सात: मुझे, खक्ष्मण वास आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् उत्त प्रविनियम कहा गया है), की बारा 269 के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-द से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 510/5, वीं मंजिल, (गेरेज नं० 10 के साथ), "एक्हरेस्ट", ज्य प्रकाश रोड, वसोंवा, भ्रधेरी (प०) बम्बई-400 061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-2-1984

ां पूर्वोक्त संपत्ति के उपित काजार मृत्य से कम के द्रवयमान्
तिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास
कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित दाबार
बुक्त, उसके क्रयमान प्रतिकत से, ऐते क्रयमान प्रतिकल का
गंग्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिका, निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वालाविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एती किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के ट्रिसए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यृक्तिस्यों, अर्थात् ः——

- श्री राजेश तलकार धौर तिलकराज वजीर चन्च, एक० यु० एक० ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती निर्मला पी० बादवानी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हूं।

बनत सम्पर्रित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शावपत्र में प्रकाशन की सारीय हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दावा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्हात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उस्त प्रशिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित के वही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

पर्लंट मं० 510, भीर गैरेज नं० 10, जो, "एक्हरेस्ट", प्लाट एस० नं० 59, हिस्सा नं० 1 भीर 3, भीर सिटी० सर्वे नं० 1116 (पार्ट), जयप्रकाश रोड, श्रेधेरी (प०), वसोंवा, बम्बई -400 061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि ने सं प्रई-2/37ईई/10800/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मूर्जन रेंज-2 बम्ब्रई

विनांक: 12-10-84

मोहर

प्रकृष बाहै. दी. एन , एस. -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुभना

### मारत सरकार

कार्यांत्रम, तहायक नायकर भागुक्त (निरक्षिण) धर्जम रेंज 2, तम्बई

बम्बई, दिनांक 12 म्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्रई०-2/37ईई/10803/83-84—-श्रत: मुझे सक्ष्मण दास,

शानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० एम-3, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरा देसाई रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा झायकर श्रधिनियम 1961 की झारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम, की धारा 260-व से अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिकित न्योंक्तवी, वर्षात् --- (1) मोसर्स इंडिया इस्तेक्ट्रीक पोल्स व मोन्यूफोक्चरीं ग कंपनी।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स अपेक्स होट ट्रान्सफर्स प्रायचेट लिमिटोड। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पक्तिकरण हिन्समाँ प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया गक्ता है।

## नन्त्री

गोला नं. एम-3, जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, विरा दोशाई रींड, अधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा की क. सं. आई-2/37ईई/10803/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक), अर्जन रोज -2, सम्बद्धी

षिना के :12-10-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## नप्रयासिय, सहायक नायकाह नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निर्देण सं० अई-2/37ईई/10831/83-84~-अत: मुझें, लक्ष्मण दास

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/-रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी शाप नं० 12, लिला, अपार्टमेन्ट्स यारी रोड, वसींवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 17-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उभित बाजार मृत्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्यं) जंतरण ने हुई किसी नाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अपकर अधिनियम, या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. मैसर्स एशियन कन्स्ट्रक्शन, कंपनो

(अन्तरक)

2 सुरेश एम० शामदासानी

(अन्सरितो)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं हैं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वान को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विषय किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

शाप नं० 12, जो तलमाला, लिला अपार्टमेन्ट्स, यारी रोड, बसोंबा, श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई०-2/37ईई/108-31/83-84 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1984 को रिजस्टडं फिया गया है।

> लक्सण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष**्र)** अर्जन रेंज 2, **बस्बई**

अतः असः, उक्त किंधिनियमं की धारा 269-यं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) है अधीनः निम्निलियसं व्यक्तियों, नुषत्ः—

तारीख 12-10-84 मोहर प्ररूप हाइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुचटा

#### भारत सरकार

कार्यालय, गढायक थायकर आधुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० अई-2/37ईई/10874/83-84--अतः मुझे, लक्षमण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ। से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० पलैट नं० 601, 651 मंजिल, प्लाट नं० 25, वीच अपार्टमेन्ट्स, को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटा लिमिटेड, वसोंवा, श्रंधेरं (प०) बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थिन प्यक्षमप्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टों है दिनांक 18-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित काजार मूल्य से कम के दरयभान अतिफल के किए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल का पंतर प्रतिकात का पंतर प्रतिकात के पंचर प्रतिकात का पंतर प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्निसिंद उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा अकट नहीं किया गया था जिया जाना साहिए था। कियानी स

श्री गौरो शरण महाजन

(अन्तरक

श्रीमती हर्पा दिलीप बजाज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिसिन में किए का स्कारी।

स्यच्छीबःरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और ५वाँ का जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### THE PARTY OF

पसौट नं 601, जो 6ठा मंजिल, नाच अपार्टमेन्ट्स को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटा लिमटेड, वसोंबा, ग्रधेरा (प०), श्रम्बई-61 में स्थित है। को र्जिस्टर्ड किया गया है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं अई-2/37ईई/10874/83-84 फ्यौर जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनींग 13-2-84

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 12-10-84 मोहरः

## श्रुक्य वार्<u>ष</u> ...........................

धायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सुरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 अस्तूबर 1984

निर्देश स॰ आई०-2/38ईई/10920/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 31-एम, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड, विस्तारित श्रंघेरा, (पश्चिम),वम्बई-58 श्रीर इसमे स्थित है उपायद्ध अनुस्ता में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनाक 21-2-1984

को प्वांक्स सम्परित को उचित नाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके एरयमान प्रतिकल से, एसे एरयमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिथों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नसिक्ति उद्देश्य से सकत बन्तरण सिमित में अस्तिमिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) यन्तरच संहुई मिसी बाय की बाबत, उबत किरिनियम के क्यीन कर दीन की अन्तरका और दासित्व में कमी करने या उनमें क्याने में स्कृतिच के सिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्तो, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए बा, स्थिपाने शें स्विधा के निस्तुः

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म की उपधारा (३) को अधीरा, विकासिक व्यक्तियों, अर्थात् हु—— 1. मैसर्स लक्ष्मा इंडस्ट्रियल, इस्टेट

(अन्तरकः)

2. मैसर्स एम०जो० इंडस्ट्रिज

(अस्तिरितः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति प्तार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उसत स्थानर संपत्ति में दितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्बब्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उन्हत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं।

### श्रनुसूची

यूनिट नं० 31-एम, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, विस्तारित श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/10920/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, वम्बई

िरिक 12-10-84 मो**हर** ॥

# प्रकप्त बाईं हो. एन्. एस. उस्त

1. श्रीमती आर० एस० राव और श्री एस० व्हा० राव ।

(अन्तरक)

अग्यकर मिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्मा  श्री नाथालाल डी० जोशी, भ्रीर बाबू लाल डी० जोशी।

(अम्सरिती)

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, धम्बई बम्बंई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10954/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० प्लैट नं० 26, राधेश्याम अपार्टमेन्ट्स, जुहू, लेन, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के आयीलय में रजिस्टी है दिनांग 22-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुइ किसी माय की वाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अल्सरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग ए सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-जर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबयुध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पर्वो का, ओ उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 26, राधेश्याम अपार्टमेन्ट्स, प्लाट नं० 2, एस० नं० 207, जुहं, लेन, ग्रंधेरी (प०), अम्बर्ध-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि लें अई-2/37ईई/10954/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 22-2-1984 को रिजस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

कतः कतः, उक्त किंपिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण भं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिधित स्पिकतां, अर्थात् :---

दिनांक 12-10-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई; 2/37ईई/10959/83 ·84 अत, भुक्षे, लक्ष्मण दास्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संवन नैट नंव 501 निवील, 5वां में जित, तिला अपाट-मेंटस, गुलमोहर गार्डन केतामने यारी नोष्ट्र, अंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयदार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफलः के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने से तृत्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धभ या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविना के शिया

अतः अव, उक्त अभिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण भे. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अभारत :--- (1) मैसर्स एशियन कन्स्ट्र दशन कंपनी ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीई० एन० रेनीसन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलट नं० 501 च्वी, जो, 5थी मंजिल (निर्माणाधीन इमारत में), "लिला अपार्टूमेंट," गुलमोहर गार्डन के सामने, यारी रोड, अंधेरी (प०), वसोंवा,अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क'० सं० अई-2/37ईई/10959/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 125~2~1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी एहायक आयहार आयुवह (किरीक्षण), अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 12~10~1984. मोहर ' अस्य बार्ड. थी. एत. एस. ----

NATIONAL PROGRAMMENT OF MANAGEMENT OF THE STREET OF THE ST

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांतः 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/3614/83-84—अतः मुझे; लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित उत्तर मुन्य 25,000 ∕-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको स० मकानो सहित जमान जो प्लाट न्यू सर्वे नं० 38 (पार्ट), सा० एस० नं० 1/1020-साहिम डिकीजन, विर सावरकर रोड, माहिम, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबट अनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारतामा आयाए अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनांक 2-2-8-1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ने कम के इष्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकाल कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) इस र्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कर विधिनयम, या अव-कर विधिनयम, या अव-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधिश के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रं/ नारायण दास पुँख्योत्तम दास

(अन्तरक)

2. रामेश्वर एल० अग्रवात, ग्रौर कस्तूरबाई आर०अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रक्रायन की तारीय वे 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-बब्ध किसी अन्य स्थाबत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के यान निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पट्योकरण: -- ४समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

अनुसूर्च: जैसा कि विलेख सं० बाँम 2607/81 श्रीर उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारी दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड क्षिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम (प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, बम्बई

तारीख 12-10-1984 मोहर : प्रकप बाह्र हो. २५. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बर्ह, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० अई-2/37जो/3615/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की 269-स के अरोन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने। का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **अधिक है** 

ग्रीर जिसको सं०नवल काटेज, एन० ए० नं० 378, मी०एच० नं० 212, टिलक रोड, सान्ताऋज, (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप जी पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकृती अधिकारो के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रोकृरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 20-2-84 करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिली (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्त किम रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) जैरबाई मिनाचर रतनणा झवेरोः,
  - (2) श्रा जाल मानेकणा, झवेरा, श्रीर
  - (3) बान बाई होरमसजः दामानःया

(अन्तर्क)

- 2. (1) श्री एस० बी० शर्मा
  - (2) श्रो आर० एच० चौबे, श्रीर
  - (3) एल० एस० चौत्रे, (भगवतः बिल्डर्स)।

(अन्तरिती)

3. 5 माडूत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

का यह स्चना जारी कारके पृत्रोंकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप "--

- (क) इस मुच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की टारील से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, केभीतर पूर्वोंकत अमिक्समाँ माँ मी जिसी व्यक्ति वजाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध . िकसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में निरुष् का सकेंगे।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सूची

अनुसूर्वा जैसा कि विलेख सं० 940/78, श्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2. बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:---

दिनांक 13-10-84

मांहर:

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बर्ड

यभ्बई, विनांक 12 अन्तूबर 1984

निदेश सं० अई०-2/37जः/3617/83-84—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वार करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसका सं० जमीत स्ट्रक्चर के साथ, जो फायनलं प्लाट नं 64, माहिम डिवाजन, सं० एस० नं० 167, भाहिम डिबोजन, रानडे रोड, दायर, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रंक्टर्ता अधिकारों के कार्यालन बम्बई में रिजस्ट्रंक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-2-84

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का यन्द्रश्च प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक स्प से विथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बलने में मुलिधा से लिए; और/य।
- (ख) एसे किसी बाय या िक्सी भन या अन्य शास्तियों की, दिन्हीं भारतीय प्राप्ताप्त शीर्णानाम, 1922 (1922 का 11) या अवत अनिविध्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गता था या किया जाना चाहिए था, क्ल्याने ब्री धृतिथा के लिए:

कत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. फिलिय डेव्हिड, परेरा,

(अन्तरका)

 श्रं सुरेन्द्र क्रुमार एस० संगोई, नवोन जन्द्र एप० पंगोई, श्रौर शान्ति लाग एस० संगोई

(अन्सरितः)

3. श्री फिलिय डेव्ह्रंड, परेरा, (वडुव्यक्ति जिसदे अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सहाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किसे जा सकरें।

स्थष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## ममुस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम 2647/81 फ्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई हारा विलोक 23-2-1984 को रजिस्त्रर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

विनांक 12-10-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

मिर्देश सं० अई०-2/37जी/2442/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं व्यू सिटी सर्वे नं व 321/43, 44 भौर 45, माहल सर्वे नं० 109, एच०नं० 11, सी०टी० एस० नं० 321. न्य सिटो सर्वे नं० 321/17 श्रीर 18, माहल सर्वे नं० 109, चि०नं० 11, सी०टी० एस० नं० 321, स्रीर न्यू सिटी सर्वे नं० 321/35, 36, 40, 41 श्रीर 42, माह हुल सर्वे नं० 109, एच० नं० 11, सो०टी० एस० नं० 321 में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-और जिपका करारनाम आयक्ता प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्चई स्थित सक्षम प्रधिकारी केकायीलय में रजिस्दी हैं। दिनांक 28-2-1984 की को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (भंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिविक रूप में कथित नष्टी किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सोराब भागनगर दिवेचा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रा के०टा० सा० मोहम्मव अला ग्रौर
  - (2) श्री टी० एम० ए० असीलार ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आर्रा करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां भूरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काहां भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उपलास्थानर सम्पन्ति भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी की पाड लिखित भी किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रगुत्त क्षज्यों और दसों का, शो उक्त अधिनियमः की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विद्या गया है।

#### मुनस्की

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० न० 3269/83 **ग्री**र जो उप रजिस्ट्रार, वस्थई द्वारा विनास 28-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांकः: 12-10-84

# मुक्त बार्ड ्टी एन . एर .------

अभिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीर स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

्निर्सेश सं० अई० 3/37-जी/2446/83-84—-अतः बुझे ए० प्रसाद

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

त्रौर जिसके। सं० प्रोपर्टी सिचयूएटेड, एट पहाडी गोरेगांव (पूर्व) सो० टी० एस० नं० 232-डी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इस उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 17-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योशों से उच्त अन्तरण सिबित में बास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा को सिए:

वतः वतः, उकतः विधिनियमं की धारा 269-गं के वनुस्रकः में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के विधीन, निम्निटिसित व्यक्तियों, वर्थांस् :— 26—326 GI|84

ा. श्रें: राम राव रंगनाथ करंबेलकर ।

(अन्तरक)

2. गोरे गांव भास्कर को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के विष् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए चा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूचा जैसाकि विलेखसं० एग० 983/83 प्रीर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा विनांक 17-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सक्षमक आयाहर आयुक्त (विराक्षण) अर्जन रेज-3, वस्बदी

विनाक 12-10-1984 मोहर: चक्त्य साइ . टी. एस. एस. ------

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन ेंग्र 3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनोक्ष 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश गं० अर्ह०-3/37-जो/2447/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० जमान बेअरिंग सा० टो० एस० नम्बर्स 3, 3/1, ग्रीर 3/2 म्युनिसिपल असेसमेंट नं० पो-3408(एए) 381/एसी, विवेकानन्द रोड, ए० सी० क्वोन ग्रीर पो-3410 ग्रीर 19 (1) 381/4 ग्रीर 381/5 एस० व्हि रोड चिचवला मालाड, बम्बर्ड में स्थित है (ग्रीर इस उपानद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित थाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम बाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण है निष्त से अन्तर्ण के निष्

- (क) जन्तरण के कृष्टि किसी आंब की बाबस, कक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कथी करने या उससे बचने में सुविधा की किए; हारि/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आंना चाहिए था. किया में सुविधा के लिए:

अत: अब, उसन अधिरियम की धारा 269-म के अनसरण मा, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्टिनियित व्यक्तियों, अर्थात :--- ा श्रामतः भौतिनी ग्रामानिय

(अस्तरक्र)

2. इब्राहिम नोमनभाई सीर अन्य

(अस्तिरता)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

अवैत सम्पत्ति को अर्जन को मंदोर में सरोपी भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की नविधि से तत्मक्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की प्रवित, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवासत कालियों में से किसी व्यक्तित सुनारा,
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहरताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा स्थान।

स्थाकिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ हारंग जा उस अध्याय में दिया गया ही।

# पनूस्ची

अनुसूची जैंगा कि बिनेज सं० एक० 3006/82 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बें दारा दिनांक 21-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पंजन प्राधिकारी सहायाः आयुक्त (निर्माक्षण) अर्थन निर्मात सम्बद्ध

दिनांक 11-10-1984 मोहर: प्रस्थ आहे. हो. एन. एस.-----

अन्यकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्याच्य, सहायक गताबार आवक्त (निराक्षण) अर्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देण सं० आई०-3/37-जी/2448/83-84—अत; मुझें ए॰ प्रसाद

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संधीत्त जिन्नका लोचत बाजार मून्ध 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसका संव साव टाव एसव नंव 3, 3/1, श्रीर 3/2, म्युनिसिपल असमिनेट, नंव पी -3408 (1एए) 381/एव सीव विकानन्य रोड, एव सीव केशिन श्रीर पी-3410 श्रीर 19 (1), 381 (4 श्रीर 381/5), एसव व्हिव रोड, रामबाग फैक्टरो रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप विजित है) रिजस्ट्रावर्त अधिकार के कार्यालय बम्बई से रिजस्ट्रावरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांच 21-2-1984

को पूर्वेक्स सम्पति के उपित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और गुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उपित शाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी केय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए:

गतः भाग, उम्बत वाधनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी, अपका कि विकास की तथा 160-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३1. महाराजकुमारं दिग्विजय सिंग जा।

(अन्तरवः)

इब्राहिम नोमनभाई श्रीर अन्य

(अन्तरिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी
  अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किस शिअन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ंस्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम संची

अनुसूचो जैसा कि विलेख सं० एस० 3007/82 स्रीर जो ऊपरजिस्ट्रार वम्बई द्वारा विनांक 21-2-1984 को रजिस्टर्ल किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बर्ध

दिनांक 11-10-1984 मोहर : प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 3, बम्बर्ष

नम्बई, दिनश्चि 11 श्रक्तूबर, 1984

निर्देश मं० भाई-3/37-जी/2449/83-84---- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० सो०टी० एस० नं० 12/1, म्युनिसिपल श्रमेसमेंट पी-3403(2ए)/378/5एए, वी० रोड़ , ए०. सी० एस० नं० 2/4, म्युनिसिपल असेसभेंट नं० पी०-3408(3)/ 381/1ए० एस० फैक्टरी शेड रामबाग, चिचवली विलेज. शेड और सी० टी० मालाइ, बम्बई-94 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध भन्सूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकृती के कार्यालय, बम्बई में रजिरदीकरण ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन, तारोख 21 फरवरी 1984 का पुत्रोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है <mark>और मुझे यह विश्वास</mark> करने का कारण **ह**ै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उ**चित बाजा**र मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिकतः, नियनसिमित उद्देश्य हो उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, अवल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आम या किसी धन या जन्द आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री महाराजकमार विग्विजय सिंगजी।

(अन्तरक)

2. श्रोमती मोती इक्राहिम घौर प्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रभा के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य विकत स्वारा जभोहस्त्याक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वाकिस्ण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूर्च?

भनुसूची जैसाको विशेख सं० एस०-3008/82 और जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरःक्षण) श्रजैन रेज-2, बस्बई

तार<sup>्</sup>ग्य : 11-10-1984

प्ररूप भार्द. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 स्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37-जो/2450/83-84—-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूस्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मी० टी० एस० नं० 2/2 श्रीर 2/3, म्युनिसिपल असेसमेंट नं० पी-3408 श्रीर 3409(1)/381-281/1. चिचोली बंगलो. पो-3408(ए०बी०)/381/ए० डी० एस० विवेकानंद रोड़, ए० मी० शेंड भीर टाइल्ड शेंड, सी-1 शेंड, ए० सि०, शेंड, रामबाग, चिचवली, मालाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रोकर्ला के कार्यालय, वस्बई में रजिस्ट्रोकरण श्रीधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन

रिजस्ट्रोकरण श्रीधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षोन नारीख 21 फरवरो 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-जिक रूप से कांश्यत नहीं। किया गया है ::—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) एस फिनी लाग या फिसी बन या अन्य आस्तियों गर्ग के गर्भ करी का गर्भ शिवयम का १८८० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-१० अधिनेश्वयम (937 (1957 को 27) को प्रवक्तिक का ली हनाय का कहा किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिभा के तिए;

अत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात क्रे- 1. श्रो महाराजकुमार दिग्विजयसागजी।

(अन्तरक)

2. श्रोमती मोती इन्नाहिम भौर मन्य।

(ग्रहारिक्षीः)

की यह सूचना जारी करके पृषींक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस सूचना के एजमत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनक्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्थी

श्रनुसूची जैसाकी विलेख सं० एस० 3010/82 श्रीर जी उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1984 की र्राजस्ट्राई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 11-10-1984

प्ररूप साइं.टी. धन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीम सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज 3, बम्बई

वस्बर्घ, विनाक 12 प्रस्तूबर 1984 निर्देश सं० श्रई-3/37-जो/2451/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हां कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

स्रीर जिसको मं० जमीन बेस्ररिंग एस० नं० 346, एच० नं० 7, भिटा सर्वे नं० 3034. 3035, स्रीर 3036 के कोले कल्याण, तालुका: संधेरो, बो० एस० डी० वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उत्तबद्ध प्रनुस्त) में स्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्राकर्ता स्रधिकारा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्राकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन ताराख 16-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारिष्ठियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंश के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वज्ने में सुविधा के सिए: अपि/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बट: शब, उबस अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, विकासिकित व्यक्तियों, अर्थान्

(1) नेलसंन डेविड मोन्साल्वीज श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) डी॰ जी॰ देवल भीर धन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पर्कत के अर्जन के रैंब्स् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गमा है।

### वन्त्वी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2396/1983 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-2-1984 को रिजस्टर्ड कियां गया है।

> ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज⊸3, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्रस्य बाइ .टी. एन. एक. -----

अगयकर अधिनियम, 1951 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 भ्रक्तूबर, 1984

निदेर्हण सं० त्राई-3/37ईई/5973/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, जो मालाड जय-णांती, को० श्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मामलतदार बाडी रोड़ विस्ताारित, लिबर्टी गार्डन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णा रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1991 को धारा 299 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-2-1984

का प्यायत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुंबों क्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के बिए सब पाया प्रतिकृष्ट तियों के बीध एसे अन्तरण के बिए सब पाया प्रतिकृष्ट ति निम्निलिक्त उद्यादार है उन्त बन्तरण निष्टित में बास्सिलक क्या में किंधन नहीं किए। गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयन्कर निवित्तिक्ष्म, 1923 (1922 को 11) या अक्त लोगितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाड़िए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उकत अधिनियम की धारा 269-म की नपथारा (1) के अधीन विकास विविध व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्रो वैयाव हिसरी प्रसद ठाकीरे।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जॉर्ज शॉमस ।

(अन्तरिती)

का यह सुबना कारी करके प्रतितर सम्परित के अर्जन के सिक् कार्यनाहियां करता हैं।

जबत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़" भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में श्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्यारा
- (व) इस सुचना के रावपत्र में प्रकासन की तारीच से

  4.5 दिन के भार र उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवक्ष

  किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिवित में किए जा एकोंगे।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रभूक्त शब्दों और पयों का, जो उपस् अभिनियम, की अध्याय 20-क में परिश्रावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गदा है।

#### बरात की

फ्लैट नं० 1 , जो मालाख अय-मांती को० स्रोपरेटिव हाउसिंग सोतःयो लिमिडेड, मागना शरवाडा रोड़ विस्तारित लिबर्टी गार्डन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० पाई-3/375ई/5973 / 83-84 और जो सक्षम गारिकारों, वसाई दार दिसाँक 2-2-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाव सक्षम पानिकारा सहायक श्रायकर ब्राध्वका (निर्दोजण) श्रमेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप बार्च ! टो. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)
शर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० श्रार्ड-3/37ईई/4084/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्रत अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, 'ए.'' विंग, मनसरोवर श्रपार्टमेंटस, जक्णम श्रॉफ एस० वी० रोड गोविंद नगर रोड़, मालाड (पी. बम्बई-94 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 2-2-1984

करे पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, चिम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिमित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/सा
- (पा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ध्रुविधा के सिए।

शत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्र, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निमित व्यक्तियर, अर्थाक क्र-ज () श्रीमती रजनो प्रकाण सिंधको ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामती निर्मला यशोक नवारी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख सैंट 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिजिन मों विष्णु जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

फ्लैट नं० 406, जो अशे मंजिल, "ए" विंग, मनसरीवर अपार्टमेंटस,जनभन श्राफ एस० आ० रोड और गोविन्द नगर. रोड, मालाड (पश्चिम), बस्वर्ट-64 में स्थिन है।

भनुसूची जैमा कि क्रम मं० ग्राई-3/37ई\$/4084/83-84 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारा, बम्ब\$/2-2-1984 की रजिस्ट\$/3 किया गया  $\frac{1}{6}$ 

ए० प्रसाद शक्तम प्राधिकःय• सहायक प्रायकर ऋत्युक्त (िराजण) भूजीन रेंज−3, बस्बई

दिनांक : 11-10-1984

# प्रकप बाद. टी. एव. एव.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 सम्बद्ध

बम्बई, विनांक 11 भ्राक्तूबर, 1984

निवेश सं० श्राई-3/37ईई/5971/83-84-श्रतः मुझे ए० प्रसाद.

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जी, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्राजित पार्क, सोघवार बजार रोड, मालाड (पिष्चम), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रश्रीन बस्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-2-1984 का पूर्वोयत सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के अवमान श्रीक्षण के लिए अन्तरित की गई है कि मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहवमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिक्षण का पन्छ प्रतिकत रो अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपल अन्तरण निस्त में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्स अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुतिभा के सिए; आर/मा
- (क) प्रसी किसी बाप या किसी भन या अस्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभाषा की के अधीन. निम्निचित व्यक्तियों, वर्णात् प्र— 27—326 GI|84 (1) देशभ्या विरुद्ध प्रा० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गजनाल सिंह नेगी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचणा के राजपत्र में प्रकाशन की तालेख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यविस बुबारा;
- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकरेंगे?

स्मब्दीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## भग्तुची

पलैंट नं० 6, जो, ग्राउन्ड पलोर, ग्राजित पार्क, सोमवार बजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूचो जैसा कि कम सं० श्राई-3/37ईई/5971/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई हारा दि तंक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद सक्षमे प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांवः : 11-10-1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

शायकर व्याधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धार 260-च (1) के अधीब स्चना

मारेड संग्रहार

कार्यालय, महास्था अस्तर जानूकत (निरीक्षण) श्रजीन रैज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ध, दिलांक 11 अन्त्रवर, 1984

श्रायकार राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269 से के अधीर राक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्वाप्त सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मृत्य 25,0607 - ५७, से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो 1ली मंजिल, महाप्रभु मार्ने रोड़, मालाड (प), बम्बई-94 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रयमनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यिलय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-2-1984

को पूजीयत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके व्हयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व का शक्ती करने या उसमें बचने में मृतिका के लिए, अंग/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या अक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर जिस्की स्थित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मैमर्थ केन पटेल गरा बस्कारी

(भ्रन्तएक)

(2) श्री रमधोडमाई पी० परेन ।

(भ्रन्सरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए - कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अयोध का नामकार्या व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
- (स) उस गुलगा के पालपास में प्रवासन ही तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य लगाति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित की किंग् के बक्तेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमी अञ्चल शब्दी और पर्यो का, जो उक्स अधिनियम के जय्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षर मधी

पलैट नं० 103, जो 170 प्रजित महाअभू, मार्वे रोड. मालाड (पश्चिम), बस्तई-64 में स्थित है।

श्रानुसूनी जैला कि कम सं > श्राई: 3/37ईई/6014/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, वस्तुई हारा विनोक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> ए**० प्रसाद** एक्षण प्राप्तिकारी स्हायक प्रायक्षण धायुक्त (वि**राक्षण)** भवीब एक**-3 बम्ब**ई

विनां कः 11-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर मायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 अपनुबर, 1984

निदेश सं० प्राई-3/37ईई/5874/83-84---भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० सं०-304, तूलन ग्रायोजन नगर को० ग्रोप० हाउसिंग सोसायटी निर्मिटेड, निवर्टी गार्डन कास रोड़ नं० 4, मालाड (प), बम्बई-94 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आवज्य ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधान वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्हा है दिनांक 2-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लीस में वास्तथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, जिस्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमतो ग्रमोनबाई भलोमोहम्मद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम्तलाल प्रेमजी बोहरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पर्के करण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

सी-304, नूतन भायोजन नगर को० भ्रोपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिबर्टी गार्डन क्रास रोड न०. 4, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० ब्राई-3/37ईई/5874/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को राजस्टर्ड िया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-10-1984

प्रकृप बाह्\*.दी.एव :एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संरकार

कार्यांसय, सहायक शामकार काम्यस्त (निरक्षिण)

प्रजन रेज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1984

निर्देश स० श्राई-3/37ईई/6144/83-84--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/-छ। से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० पलैट नं० 12, जो, उरी मजिल, 'साकेत' बिल्डिंग, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्वीक्त संपत्ति को अलंबत बाजार मूल्य से बाम के इस्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुन्हें यह विश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देवस्य से उकत अन्तरण पिलिया में भास्तिकल, निम्मिलिखत उद्देवस्य से उकत अन्तरण पिलिया में

- (क) अन्तरण संहुम् किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हैश्ए:

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (८) भी क्षीत्र क्रिक्ट व्यक्तियों, संशीत्र क्रिक्ट (1) सचिदानंद एस० सिंहु।

(ग्रन्सरक)

(2) कपुर फैमिली ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सर्कोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नग्सूची

पर्लंट न० 12, जो, 3री मंजिल, "साकेत" बिहिडग. मालाड (परिचम) में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कम सं० श्चाई-3/37ईई/6144/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा स**हायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरोक्षण) श्रजैन रें**ज-**3, बस्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्रकप बाहै ही एन एस -----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई दिनाक 11 श्रक्तूबर, 1984

सिदेश सं० आई-3/37र्ह\$/6254/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित याजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सं10/305, जो, उरो मंजिल, ''ला चंपैले'' विल्डिंग, प्लाट नं० 51, श्राफ मार्वे रोड़, मालाड (पिचम), तम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रोर पूर्ण कर में बोणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 का धार। 2555 खा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है नार्ेख 2-2-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृत्य सं क्षम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति गों) के बीत एपि अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिस्त अद्वंच्य से उस्त अन्तरण निवित्त में बास्तिका स्प से अधित महीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: को निया
- (क) एसी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कोशी एम० चूगानी।

(भ्रस्तरक)

(2) श्रीमती चन्नमा जे० हेगडे ।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मो हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निषित मों किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### यन्सूषी

प्लैंड नं॰ सी/305, भी, 3री मंजिल ''ला-चपैले'' बिल्डिंग प्लाट नं॰ 51 ऑफ मार्वे रोड़, मालाड़े (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई-3/37ईई/6254/83-84 प्रीर जी सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक . 1,1-10-1984

प्रक्ष बाह् .टी.एप.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यांसय, सङ्गरक गायकर भाग्यत (निराक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तुबर 1984

निवेश सं व अई-3/37ईई/5918/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 42, जो 4थी मंजिल, ''सात्तानी' चेंबर्स', विहिंडग, ए० ह्वि० रोड, पोलिल स्टेशन के सामने, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है (और इसमे उपाबढ अनसूनी में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वायिलय में रिजस्ट्री है, विनांक 2—2—1984,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदिय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिमिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए ुं और/मा
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या पन-कर अधिनयम, या पन-कर अधिनयम, या पन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अन्यरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया अला जातिए जा, क्रियाने में सृविधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, जक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्नितिश्चित व्यक्तियों, अधित् हिन्स (1) श्री प्रफुल्लचन्द्र जे० रावल ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरकुमार अमीचन्द शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य न्योंकत बुवारा नभोहस्ताक्षरी के शास मिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्ल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

## **मन्स्यो**

आफिसनं० 42, जॉ, 4थी मंजिल, "वात्तानी चेंबर्स" बिस्डिंग एस० ह्नि० रोड, पुलिल स्टेशन के सामने, मालाड (पश्चिम), बम्बध्-64 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/5918/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्बई,

विनांक 1(-10-1984 मोहर प्ररूप आहु".टी.एन.एस: \*\*\*\*\*\*\*

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुधन

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3. बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/5924/83-84--अत, मुझे ए० प्रसाद,

बायकर सिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसते अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका व्यक्ति बाजार मूल्य 25.000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लैट सं० 19, जो, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग न० 1 प्लाट नं० 1, सुन्दर नगर, मालाङ पिचमी बम्बई –64 में स्थित है और इससे उपाश्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है और जिसका उरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 2-2-1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अविकास से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफाल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में गस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की अन्यत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के निए; अरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा एकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिव्याने में मित्रधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अन्यवण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- की जपधारा (1) के अधीन, नियमित्रिक अधिनयों, अधीत:--

- (1) श्री संतोषकुमार नारायण असाद पेहार कर्ला आफ अरुणकुमार संतोषकुमार (हि० अ० कु०) (अन्तरहा)
- (2) श्रीमती निर्मना अगोद जानन, जीर श्री प्रमोद सत्यनारायण जानन ।

(अन्तरिसी)

को यह स्थाना जारी करके प्रविकत संपंत्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन, की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी न्यिंसत द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
  45 किन के भीतर उन्ह स्थावर शम्मिन में हिनबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
  निकास में किए जा एकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दा छा, जो उन्से अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ ताया जो उस अध्याय में विका यथा है।

#### मन्स्सी

पलैटनं ० 19, जो 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं ० 1, लाटनं ० 1 बन्दर नगर, मालाड (पश्चिम), अम्बद्द -64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं 37 ई ई-/5924-83 84 और जो सक्षम प्राधि गरी, वस्बई द्वारा दिनां ह 2~2~1984 को रिक्टिई लिया गया है ।

> ए० प्रकाय नक्षम प्राधिकारो राहस्यक आयपप्र आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रोजनात, वम्बई

दिनांक: 11-10 1984

मोहर

मुख्यः आही हो. एन्, एस्, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांस 11 अक्तूबर 1984

निदेश पं ० अई ~3/37 ईई/6243/83~81~~यत\*, मुझे, ए० प्रसाद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मूल्य 25.000/-रा. से जिथक है

और जिज़की सं० हुकान नं० 3, जो, याउंड फ्लोर, विहिंडग 'बी'', मालाड णापिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, बिहिंडग 2, 15. मिलेट्रो स्केअरलेन, पहली मंजिल, वम्बई -23 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णस्प से विणित हैं, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिदगरी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2-2-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उनके उत्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल निम्नलिशित उत्वश्य से उक्स अम्तरण सिश्चित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अचने में सविधा के लिए; और/या
- (बा) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य जान्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

- (1) माला**ड** शाधिम सेण्टए प्राध्वेट लिमिटेड । (अन्तरङ्)
- (2) श्रीमती रुक्षमणियेन मणिलाल सोमयूया । (अन्तरिक्ती)

को यह शुनना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तारील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षणी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्धों और पद्धों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

### अससची

दुकान नं 0 3, जो, प्राउंड फ्लो", विक्डिंग "बी", मालाड शार्षिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, बिल्डिंग 2, 15, मिलेड़ी स्केअर लेन, पहली मंजिल, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्धः 3/37 दिर्धं 6243/83 -84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बर्ध द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड दिया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राप्तिकारी महायक आयक्षर आपुदा (निरीक्षण) अर्थन रेंज∼3, **बम्बई**

दिनोंक : 11-10-1984

मोहर 🕆

प्रकृष नाइ. ही. एन. एस. ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत स्वना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनोक्त 11 अक्तूबर 1984

निवैश सं० अर्ध-1/37र्ध्ह/5959/83-84--अत, मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संव पीजव एनव कोठारी इस्टेट, सर्वे नंव 32, 33 और 36 (पार्ट), सीव टीव एसव नंव 70 से 75, 4/1 से 7, 95/1 से 4, कुरार, माला (पूर्व), बम्बई -64 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-2-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिशत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक स्थ से कृष्ति नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी साम की वास्त्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वासित्व में कभी अरने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या बन्धू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्तु अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, किया ने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ण के जनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की जपधारा (1) के जधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत् :--- 28-326GI/84

(1) पी० एन० कोठारी।

(अन्तरक)

(2) दिपक कांचनलाल ग्रहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बाब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे!

स्पक्तींकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

### पनस्त्री

पीज एन कोठारी इस्टेट, सर्वे नं ० 32 और 33 और 36 (पार्ट), सी टी॰ एस॰ नं ० 70 से 5, 4/1 से 7, 95/1 से 4, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई -64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/5959/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोनः 11→10--194 मोहर ध

# अस्य बार्ड टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकात

कार्यात्तव, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्रम्तूबर 1984

निदेश सं॰ मई-3/37-ईई/6319/83-84---श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० बिल्डिंग सं० एस०/2, जो, 4थी मंजिल, मालाड कोकोल को॰ श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटा, एस० ह्वि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद श्रृतसूची में श्रीर पूर्ण का से बाणत हैं) श्रीर जितका करारतामा श्रायकर श्रिवियम, 1961 को तारोख धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-2-1984,

का प्यों वस संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एँसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्न में बास्तविक रूप से कांधित नहीं किया गया है:—

- (क) अनुतरण से हुई किसी आय की बावत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दाणित्य में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; बीर/या
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमः कौ भारा 269-ग के अनुसरणे वै, मैं, उक्त-अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्षाद्ध ६—० (1) श्रोमती पुष्पा ह्वि० मेहता ।

(म्रन्तरक)

(1) 1 दिनेश कुमार के० गुप्ता ग्रीर 2. मनोज कुमार के० गुप्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा क उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

बिल्डिंग नं० एस०/2, जो, 4यो मंजित, मात्रांड को होत को०आपरेटिव हाउसिंग सोतायडो, एस० ह्वि० रोड, मालाड में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/6319/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई ढारा विनांक 2-2-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भागकर भागुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-3, वस्वई ।

विनांक : 11-10-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकाड

मार्यासय, सहायक झायकर आयक्त (निरीक्षण).
 प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्र, दिनांक 11 भ्राक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/6033/83-84—श्रतः भुक्षे, ए० त्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५२थात् 'उकत बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसको सं ० फ्लैंट नं ० 3, जो, बिल्डिंग नं ० 4, भगवती भ्रार्ट-मेंटस, मालाड मां भगवतो को ० भ्रापरेटिव हा उसिंग सोप्तायटो लिमिटेड, चिचोलो, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के भ्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, दिनांक 2-2-1984,

को पूर्विषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल गरे लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषठ से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण किच्छित में आस्तिक है पास्ति कर से कार्या गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

भतः अव, उपते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपते अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अधात :— (1) श्रो मूथ्पंडो ।

(भन्तरक)

(2) श्रीए०ए० निलकण्ठन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्मण्डीक रूण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नगुसूची

प्लैट नं० 3, बिल्डिंग नं० 4, जो, भगवती भाषार्टमेंटस, मानाड मां भगवतो को०-प्रावरेटिव हार्डीयग पोतायटो लिमिटेड, चिचोलो, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि कि के सं अई-3/37ईई/6033/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिशारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-10-1984

भोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनोक 11 प्रक्तूबर 1984

निर्वेग सं० प्रर्द-3/37ईई/5963ए/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं व दुकान नं 5, जो संतोषी नगर को व ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नरिंसग लेन, मालाड (पिण्चम), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 2-2-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, पुसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या कम्य आस्तियाँ कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरेश टिकमदास धडवानीः ।

(भ्रम्तरक)

(2) श्रीमती उमा विष्णु गुप्ता भौर श्री विष्णु कुमार पूरणचन्द गुप्ता ।

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांबी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में कियो जा सकती।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जलत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# मगुजुची

दुकान नं० 5, जो संतोषी नगर को० भापरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड; मरसिंग लेन, मालाड (पश्चिम), बम्बई— 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र श्र श्र श्र श्र श्र श्री र जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्रकृत वार्षं, टी. एत. एस्.---

# नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म-(1) के न्धीत सूचता

#### नारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-3 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 11 प्रस्तूबर 1984

निदेश सं० भाई-3/37ईई/5965/83-84--- श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रः से अधिक है

श्रीर जिसको सं० दुकान नं० 10, जी, ग्राउन्ड पग्रलोर, "मनाली, बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नम्बर्स 48, 49, ग्रीर 50 वालनाय विलेज, मालाड 7 (प), बम्बाई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-2-1984,

को पृथित संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसं क्षयमान प्रतिफल का बन्दरित विश्वास क्षयमान प्रतिफल का बन्दरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ज के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषत उद्विष्य से उक्त क्ष्यरण विश्वित के बारतिक क्ष्य से क्ष्यर मही क्ष्य नवा क्षर

- (क) अन्तरण संह्यं किसी बाय की वाबतः, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा 'के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-फर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः सब, बक्त सीधीनयम की धारा 269-न के सम्बर्ध भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों सथित :--- (1) मैसर्स मनाली कारपारेशन ।

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रमरजित सिंग भसिन।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्यॉक्त संप्रितः के वर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की जनधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माप्त प्रकारणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया हाँ।

### नगुस्की

दुकान नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "मनालो" बिस्डिंग नं० 1, प्लाट नम्बर्स 48, 49, ग्रौर 50, बालनाय विलेज, मालाड (प) बम्बई—64 में स्थित हैं।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० आई-3/37—ईई/5965/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनोक 2-2-1984 का रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज∽3, अम्बई ।

दिनांक : 11-10-1984

मोहर 🦈

प्रकृष कार्द्र'.टी. एन ; एस . . --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० ग्रई-337ईई/5963/83-84---ग्रतः मुझे, प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 13, जो, ग्राउंड फ्लोर, "श्रीराम टावर्सं" टैन्क लेन, श्रालेंग चर्च के बाजू में, मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृनुसूनः में श्रीर पूर्णरूप वणित है) /श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रयान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टा है, दिनांक 2-2-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सायत, उचत अधि-नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः सम उस्त निधिनियम की भाग 269-ग के सनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाष (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीतः—

- (1) श्रो राम कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड । (भन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० सिक्वेरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपर्तिः के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीक रणः - • इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उन्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

दुकान नं ० 13, ग्राउन्ड फ्लोर, "श्राराम टावर्स", टैन्क लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में , मार्वे रोड,मालाड (पश्चिम), बम्बई-6 4 में स्थित है ।

श्रतुसूत्रो जैसा कि कु० सं० श्रई-3/37-ईई/593 3/83-84 श्रीर जो सञ्जन श्राधिकारा, बम्बई द्वारा दितांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिमांक : 11-10-1984

प्ररूप आर्थ. डी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्रन्सूबर 1984 निशर्दे सं० ग्राई-3/37ईई/5949/83-84--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो दूसरी मंझिल, प्रजित पार्क, सोमवार वाजार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 को घारा 269 क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 2 फरवरों 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यकने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनक अधिनियम, या जनक अधिनियम, या जनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाडा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स वेशम्य बिल्बर्स प्राइवेट लिमिटेड । (भ न्दरक)
- (2) श्री पास्कल प्रान्सिस सिक्वेरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्यो

पलैट नं 204, जो दूसरी मंझिल ग्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई—64 में स्थित है। कि श्रानुसूचो जैसाको का संव श्राई—3/37—ईई/5949 83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरो 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-10-84

मोह्नुर 🗈

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्राधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 ग्रक्तूबर, 1984

निर्देश स॰ ग्राई-3/37/ईई/5943/83-84--ग्रतः मुझे ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिन्नहो स० पलैट न० 203, जो 2री मजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिष्चम), पम्बई-64 में स्थित है। भीर इससे उपाबढ़ अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 299 क, ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय रिजस्ट्री है, तारोख 2-2-1984

को प्वंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वथने में सुन्तिभा की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिवों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः ग्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्रो देशमुख बिल्डसं प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ल्यूसी पास्कल सिनेवेरा

( प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### गग्सूची

पर्नेट नं० 203, जो, 2रो मजिल, प्रजित पार्क, सीमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। ध्रतुसूचो जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/5943/83 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारो सहायक मायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेज-3, बम्बई ।

दिनोब : 11-10-1984

मोहर ::

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. -----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रषत्बर 1984

निर्देश सं० **गई-3/77-ईई/5974/83-84--**ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० एं 604, जो 6 बी० मंजिल, शितल छाया बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 652,77 एस० बी० रोड, मालाड (प0), बम्बई—64 में स्थित हैं। (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेद्य से उचत अन्तरण लिचित में बाप्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त वॉधिपियन के वशीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या असर्व वसने में नृतिधा के लिए. वौर्यां वा
- ) एसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत . अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , मी , उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन , निम्तिनियत व्यक्तियों , अर्थात् :——
29--326 GI|84

(1) श्री चन्द्रविजय बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती, चन्द्रवती चिमणलाल दोशी, श्रीर
  - (2) श्री जयेण चिमणलाल दोशी

(ग्रन्तरिती)

**को यह सूचना वारी करके पृद्धाँक्त सम्मिति के अर्जन के निए** कार्यवाहियां शुरू करता हो।

### तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्चाना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि श्रव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्स्ची

फ्लैंट नं० ए.604, जो, 6वी मंजिल, शितल छाया बिल्डिंग, मी ०टी ०एस० नं० 652, 77,एस० वी ०रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई—64 में स्थित है।

ग्रन्सूनो जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/5974/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई ।

विनांक 11-10-1984 मोहर ; प्ररूप आइ. टी. एन. एस्. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पुना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 प्रक्त्बर 1984

निर्देश सं० श्र $\hat{\mathbf{r}}-3/37-\hat{\mathbf{r}}\hat{\mathbf{r}}/5920/83-84$ —श्रतः पुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 410, जी, 4थी मिजल, ग्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुभूजी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की श्रारा 269 क, ख़ के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए लो पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य में उत्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शिवभ के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सृविधा के निए. करि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अंत: इक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वेशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भैला सुधाकर घरत

(भ्रन्सिंग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविश्व या तत्नमध्वन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांकत स्थितता में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपित्त में हिस- कब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए आ सकत्ये।

स्यक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ---

फ्लैट न. 410, जो 4थी मंजिल, श्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिष्चम), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूर्व। जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/5920/83→84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद ॄसक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक: 11-10-1984

# प्रकल कार्यः, यो , एक , दक्षः, ५ - - ----

# भावकर विभिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वभीत क्षता

### भारत बर्डकार

फार्यालय, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निर्वेश ,सं० ग्रई-3/37-ईई/6321/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, स्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिण्चम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ स्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकों (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्मिर्क में कमी करने मा उससे वचने में स्विधा के किए जौर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् र—— (1) देशमुख जिल्डर्स प्राइवेट, लिमिटेस ।

(ग्रन्सरक)

(2) कुमारी नन्दा एस० शिकें।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को भर्जन को संबंध में कोई भी शाओंष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

फ्लैट नं ० 101, जो, 1ली मंजिल, ग्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बश्बई--64 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/6321/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्ब**र्ध**।

दिनांक 11+10-1984 मोहर 3

# प्ररूपः, बाइं. टी. एन. एसं.-----

काथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

**फाय**लियं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/5969/83~84--न्ग्रंतः, मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उद्देशत (उक्त अधिनियन) कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्स 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3रो मंजिल, पिटर श्रयार्ट-मेंटस, सो०टी० एस० नं० 497, 499 (पा), विलेज, वालनाय, श्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायरकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिवारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984 •

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे संतरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नितित उद्देष्य से उसत अंतरण निविद्य में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाष्ठिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अप. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, अक्ट अधिनियम की धारा 250-थ की अपयारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) यू० के० बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० जा० मोझारीया

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उयत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदी का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नमृत्यी

फ्लैट नं ० 301, 3री मंजिल, पिटर ग्रागर्टमेंटस, सी० टी० एस० नं ० 497, 499 (पी), विलोग वालनाय, ग्रोर्लेम, मालाड (पश्चिम), वस्वई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/5969/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-10-1984

मीहर:

1. 180 9

प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ७ फ्लैट नं ० एल/4, जी, 1 श्री मंजिल, बिल्डिंग हिरिहार—1 फ्लाट नं ० में 18, 19, 20ए, बिलेज वालनाय, मालाड (पिज्नम), बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-तिमम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिन्हों है, तारील 2-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एंसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धाँगित्व में कभी करने या उससे बचने यें सविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य ग्रास्तियों का जिल्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट किया गया था वे किया भाग का दे हैं।

कतः कवः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-च के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्थार अधितः— (1) श्रोमती मुलीचना गिरधारीलाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिचर्ड फ्रान्सिस डिसोसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त नगर करण को किसी व्यक्तित दशरा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य स्थित ब्वारा भाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुस<del>ुची</del>

फ्लैंट नं॰ एल/4, जो ाली मंजिल, बिल्डिंग हरीद्वार-1, फ्लैंट नं॰ 18, 19, 20ए, विलेज वालनाय, भालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37/ईई/5987/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई।

दिनोक: 11-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

भायकर शांधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, ब्रम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 श्रवनुबर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37—ईई/5972/83—84—-श्रतः मुझे, गृ० प्रसाद,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 1, जो, बिल्डिंग "बो" मालाड ग्रापिंग सेंटर, एसव वो रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रयोन बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारोख 2-2-1984

को पूर्वित सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विक्यास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इंग्यमान प्रतिफल का पन्तर जी और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविवा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाः, अधीत्:--- (1) श्री निलेश भ्रनंतराव विरानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेणुका इन्द्रवदन देसाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---भ्रसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

दुकान -नं 1, जो, बिल्डिंग "बी", मालाड प्रापिंग सेंटर, एस० बी॰ रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई—में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/5972/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा ॄदिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, वस्वई ।

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, अम्बर्ध
बम्बर्ध, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं ० अर्ह-3/37-ईई/6025/83-84--यत:, मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १८69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारंण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/51, जो 5 वी मंजिल, नालन्दा-1, ज्वाट नं० 32, 33, बिलेज बालनाय, ग्राफ मार्वे रोड, मालाड (ए), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रद्धीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टूडहुहै, तारीख 2-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी आव या किसी भने या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्री धशोक पी० ढोलकीया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विमल कुमार एस० श्रगरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर मंगित्त में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्तु जी

फ्लैट नं 0 सी/51, जो, 5 वीं मंजिल, नालंदा-1, प्लाट नं 0 32, 33, विलेज वालनाय, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि सं श्र ग्रई-3/37–ईई/6025/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिका**री**, बस्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्ट ई किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, बम्बई ।

दिनांक: 11-10-1984

# प्ररूप आवाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, वस्बर्ध

बस्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/6312/83-84—यतः, मुझे ए० प्रसाय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रां. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 305, जो 3री संजितः श्रजित पार्क, सोमबार वझार रोड. मालाङ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इपसे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, गारीख 2-2-1984

को पूर्वांचित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिहित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 को 11) या उक्त आंधिनियम, यो उति-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उकल अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) देणमुख बिल्डर्स प्रार्श्वेट, लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विल्यम राङ्गिज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निगए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध भी कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवहरताकरों के पास निक्ति में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमी प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय (गिन्क मी पीरिमाणि। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया क् गया है।

### अनुसुधी

पत्रैट नं ० 305, 3री मंजिल, ऋजित पार्क, सोमवार बझार, रोड, मालाड (पश्चिम), वस्बई-64 में स्थित हैं ।

अनुसूत्री जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37ईई/6312/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनोक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्र**रूप आर्ड**.टी.**ए**न एस. -----

अल्कर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

भाषान्य, महासक आयकर अध्यक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बाम्बर्ष, दिनां ः । । अक्तुबण १९८४

निर्देश सं ० अई -3/37--**ईई**/6318/83 -34 - यत:, असे, ए० प्रशाद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम **इस**के **परचा**त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 208, जो 2री भी घल, अजिल पार्फ, सोमबार बझाण गोड, मालाड (प), बम्बई--64, पें स्थित है। और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। जिल्लामा रागापनामा आयाप अधितियम, १९६१की धारा २६७७ ख के अधीन बम्बई स्थित प्रथम प्राधि गरी के गायनिय में रिजिल्ही है, तारीख 2 -2 -1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुक्ते यह जिल्लाल करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित याजार मुल्य, उसके इष्रयमान प्रतिफल से, एसे इष्रयमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्वं में कमी कारनं या उसर्गधनन मा सविधा कं लिए; और/सा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जार चाहिए था. कियाने मी सुविधा के लिए:

अत अत, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अभूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🐔 🗝 ि रिनिस्ति स्यक्तियों अर्थात :----

30 -- 326 GI/84

(1) देशमध्य विलड्ड अइदिए लिमिटेड

(अन्तर्भः)

(2) कुमारी मार्टीना हस्टेलिनो ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अशंवाहियां **करता ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविविधा तत्संबधी व्यक्तियों अर गचनाकी तामील सं 30 दिन की अवधि, की भी अविधि बाद में समाण हाती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में सं किमी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इस सुखना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उपस स्थावर संपरित में हितबदम फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के भार र्लिम्बित में किए अर सकरेग ।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदा का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उप अध्योग में दिया गया है।

## वनस्यी

फ्लैंट नं० 208, जो 🖁 2री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बझार, जोड, मालाष्ट (पश्चिम), तस्बई -64 में स्थित है।

अन्तसुची जैसा ि ऋ० सं० ाई -3/37 ईई/6318/83--84 और जो नक्षम प्राधि ारी, बम्बई हारा दिनांः 2-2 -1984 को एकिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रशाद उक्षम प्राधिकारी सहायक आपार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई -ा

दिनांच 11-10~1984

मोहर

त्ररूपुत्राइ र टी. एन. एस. - - - ----

# नायकर जीभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, अम्बद्ध

बम्बई, दिनोश 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई—3/37/ईई/6256/83—84--—अत:, झोमु, ए० प्रसाह,

कृत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं क पर्लंट नं कि. तो, 4थी मंजिल, प्लाट नं कि. 11, सर्वे नं कि. 480 (पार्ट), आफ मामलतदा वाडी रोड विस्तारित, लिंबर्टी गार्डन के बाजू में, मालाड (प), बम्बर्ड-64 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिल है और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिभा के जिल्ला और /गा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्री सलिम बी० माला हवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपक जे ॰ झाटा किया और श्री निति जे ॰ झाटा किया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ।र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### an are

पलैट नं 18, जो, 4थी संजिल, प्लाट नं 11, सर्वे नं 480 (पार्ट), आफ मामलतदार वाडी रोड, विस्तारित, लिबर्टी मार्डन के बाजू में, मालाड (पश्चिम), धम्बई -64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई  $\cdot 3/37 - 25/6225/83 - 84$ और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनोक 2 - 2 - 1984 का रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई (

विनांक 11--10--1984 मोहर थक्ष्य बाह्र<sup>2</sup>. टी. **एव . एस** . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अई--3/37--ईई/6260/83--84----यत:, मझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इत अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 2, जो, प्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० ई-2, मुन्दर नगर, मालांड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के ख्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके ख्यमान श्रीतफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्नसिचित उष्वरेय से उसत अन्तरण निचितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भगवंती पी० सुखिजा

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीए० के० बचानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ध 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया

## अन्त्ची

फ्लैटनं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंगनं० ६-2, सुन्दर नगर, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई~3/37-ईई/6260/83-84और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-2-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**),** अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई।** 

दिनोकः : 11-10-1984

प्रकल आहाँ, टी. एन. एस.------(1) श्री महेंद्र पी० देखाई

(अन्तर्हा)

बागफर मीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६७-७ (1) **के बधीन स्च**ना

(2) श्रीरमेश जीव गोयलानी

(अन्तरिक्षी)

### भारत सरकातु

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश मं अ**र्ज -** 3/37-ईई/6253/83-84--अत:, मुझे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **ब्लाके पम्ब**नशा 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की 26-9-का के क्लभीन सक्तम - प्राप्तिकारी को , यह विश्वास का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~एत. में **अधिक हैं** 

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल; "ई" विंग, 'िता, रार'' विहिडा, एउ० वी० **रोड, मब्राड (पश्चिम)**, वेंस्थितहै। और इतले उनामद्ध अनसूचीमें और पूर्ण रूप सेवर्णितः, है। और जित्रहा हरारतामा आयहर अधितियम, 1961 की बार 269 त. ब हजारात ग्राष्ट्रीयत सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय में पित्रहों है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके रूरयभान प्रतिफल में, एंसे रूरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एें मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक निम्नसिवित उबदेश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप स क**ियत नहीं फिल्मा गया ह**ै अ——

- (क) अभ्तरण से हार किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन धर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर/पा
- (चं) एोसी किसी अगय या किसी भन या अन्य अगस्तिया को. जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-**कर विभिनियम, 1957 (1957 क**ा 27) की प्रमोचनार्थ जन्तरितौ व्यारा प्रकट नहीं किया गण **था गरीका**ण हाता.चरीकाण्या, हाझिन हो गावन्। के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पुनामित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि गा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचक को तामील से 30 विन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ट न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति व्वादाः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को प्रारीख स 45 दिन के भीतर उपत स्थावर नम्पत्ति मा हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दशारा अनोहरनाध्या अ पास सिर्मित में 'किए का राजा के

**श्यव्यक्तिरण**.---इसर्या प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उ**क्**ट अधिनियम के अध्याय 2.)-क म परिभाषित है, वही अर्थ होंगा को उस्स क्रमाण मी जिला मवा है।

### नम्स्ची

पलैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, 'ई'विंग ', ''बिना नगर'' बिहिडग, एस० बी० शोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० आई -3/37--ईई/6253/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-2-1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11~10~1984

मोहर

And the state of t

# बादकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यात्रक, बहाराच अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, वम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्र**न्**तूबर, 1984

निर्देश सं० ग्राई-/3 37-ईई/5994/83-84--ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. में अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए.603, जो, 6वीं मंजिल, शितल छाया विल्डिंग, प्लाट सी० टी० एस० नं० 652, 77, एस० बी० रोड, मालाड, (पश्चिम), यम्बई-64 में स्थित है। कीर इसमें उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या से विणित है। ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 2-2-1984

का प्रतिका संपरित के अधित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान 'प्रतिकल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल का निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रशास में हुए एउटी साम की सानते, उसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस के बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस के बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस के बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस कि बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस कि बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के एउट है। उस कि बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा करने वा उससे बचने मों सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा करने वा उससे बचने मों सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मों सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मों सुविधा के लिए हैं। उससे बचने मां सुविधा के लिए हैं। उससे हैं। उससे हैं। उससे हैं सुविधा के लिए हैं। उससे हैं। उससे
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१८०० कर १८ १८० कर १८०० कर १८०० कर १८०० कर १८०० के प्रयोजनाथ अन्यरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्रत अब, उक्त अधिभियम की धार 269-ग के अनुसरण भी, भीर, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्तालिक्ति व्यक्तियों अथोतः :- (1) श्री चन्द्रविजय बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्रकुमार हस्तीमल खांटेड, श्रीर श्री रमेशकुमार हस्तीमल खांटेड ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

टक्स भग्गीरत को जनन को सम्बन्ध में को**ए भी आक्षेप**:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 15 फि की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान को तामीय से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपक म अकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेतस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमः प्रयूवतं शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिसा गया है।

#### अनुसुची

फ्लैट न० ए६०३, जो 6वीं मंजिल, शितल छावा बिल्डिंग, प्लाट सी० टी० एस० नं० 652 77, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक करु सं रूपई-3/37-ईई/5994/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष ।

दिनांक: 11-10-1984

# प्रकम नाई. दी, एन. एस.------

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

### भारत् शरकार

कार्यासय, सङ्घयक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 11 ग्रक्सूबर 1984

निर्वेश सं० आई-3/37/ईई/6225/83-84--आतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो बिल्डिंग नं० सी० ग्राउन्ड फ्लोर नूतन ग्र योजन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, लिह्मार्टी गार्डन, म्युनिसिपल कास रोड नं० 4, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है। ग्रीर इससे उपावक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित भक्षम ग्राधिकारी के क योजय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान पित्रकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास निम्मिलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्त्रिक रूप से किथन नहीं किया गया है अन्तर

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की नावत, उक्त लिधिनियम के अभीन कर दोने के अभारक के दासित्व में कमी करने या उससे मचने में मृतिधा के निष्; आदि/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जारितकों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा को सिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्गात कें--- (1) श्रीमती मिनाक्षी बकुल राय।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विष्या प्रफुल्ल गहा, ग्रौर श्रीप्रफुल्ल बन्द्रलाल शहा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# वनुष्यी

फ्लैट नं० 2, जो, बिल्डिंग नं० सी०, ग्राउन्ड फ्लोर, नूतन ग्रायोजन नगर को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, लिबर्टी माडर्न, म्युनिसिपल कास रोड नं० 4, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कं∘ सं० श्रई-3/37-ईई/6225/83~84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11--10--1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

काथकर व्याधानियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ड, विनाक 11 ग्रस्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/5873/83—84—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 769- के लेथीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्ट्रमण अध्यति का का कि कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25-000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-404, जो, 4थी मंजिल, "भ्रायोजन नगर", लिबर्टी गार्डन, म्युनिसिपल कांस रोड नं० 4, मालाड (प), वम्वई-64 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रीर जिसका करारनासा भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, खक श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूआ यह जिक्बास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के मिए द्वय पाय प्राप्तफल, निम्निवित उद्योग्य से उचत बंतरण सिवित में सम्मिति उद्योग्य से उचत बंतरण सिवित में सम्मितिक उद्योग्य से उचत बंतरण सिवित में सम्मितिक इस्टें का स्था हैं:--

- (क) जंतरण ते हुइ किसी बास की बायता, अक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व व कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थिता
- (भा) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्म नास्तियों की, जिन्ही भारतीय नायकर प्रीभिन्यम, 1922 (1922 का १1) या उक्त निभिन्यम या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती द्वारा शक्ट नहीं किया गया वा या किया वाना जाहिए था कियाने ने मृतिभा के लिए,

अतः थवः, उपत अभिनियम का धारा 269-ग के अनुमरण मॅं, मॅं, उक्त अभिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** के अभीन<sub>ा</sub> निम्नसिणित व्यक्तियों, कर्षात् ः— (1) भी गुलाबचन्द भिखालाल परमार।

(मन्तरक

(2) श्री दवाभाई वोसजी ाई पटेल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

बक्त सम्परित के बर्जन के शम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से \$5 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तानीस से 30 विन की अवधि, से भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर परिकत्याँ में में किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (व) इस सुचना के राषपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास मिसित में किए वा सकीय ।

स्यव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पवां का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स्यी

परौट नं० ई-404, जो 4 थी मंजिल, "ग्रायोजन मगर", लिबर्टी मार्डन, म्युनिसिपल क्रांस रोड नं० 4, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37-ईई/5873/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्राजैन र्रेज-3, बस्बई ।

दिनांक : 11-10-1984

माहर 🖫

प्रकृष आहुर हो . एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 अक्लूबर, 1984

निर्देश सं० भ्रर्ड-3/37-ईई/5998/83-84--भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 216, जो, 2 री मंजिल, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 428/!, देवउखकर, वाडी, चिंजोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं। श्रीर श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास धरने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक ल, निम्मलिखित उद्देश से अक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथिन नहीं किया गया है .---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ठ अधिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुक्ति। कलिए; और/या
- (ष) एसी कि हो अस या कि सा कि सा कर या कर कार कर को है। जिल्हों भारतीय अधिकार अधिक्यिम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्यिम, या धनकर अधिक्यिम, 1957 (1957 का 27) के ब्रवांक्यार्थ जंदिर्दर्श द्वारा अंकट नहीं कि है। या था या किया जीना चाहिए था; किएकों के सविधा के लिए;

अत: अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती स्भिला गानिलाल जैन

(अन्तरक)

(2) भैसर्म आईट मेटल फिनिशर्स ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सुबाग के राजपात मा काशन को तिला की अविक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्म किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिकिन में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम तो अध्याय 20-क हो। विश्वभाषत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

#### अससची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 216, जो, 2री मंजिल, विनय इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 428/1, देवरुखकर वाडी, चिचोली बन्दररोड, मानाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रमुची जैसा कि क० सं० श्र $\xi-3/37$ — $\xi\xi/5998/83$ —81श्रौर जो सक्रम प्राधिकारी, बस्बई झरा दितांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप भा**र**ै. टी. एन. एस. -----

नावकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचरा

#### भारत तरकार

# कार्यांलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

**≣ॅं**प्रर्जन रेंज−3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्राक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/5980/83-84--- प्रत: मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00 /- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 3, जो, 3रो मंजिल, नरिंसग श्रपार्ट-मेंटस, निंसग लेन, मालाड (पिण्चम), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पृत्रों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को एक्यमान — प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विदवास किरने का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-का निम्नसिवित उद्देश्य के उन्त अन्तरण विवित में बास्त-दिक कय वे कवित नहीं किया कमा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विश्वन के बणीन कुछ को के बन्तरक के बावित्व में क्वी कुछने ना बच्च कुन में सुनिधा के किए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए आ छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नवः, उक्त निर्मित्यमं कौ धारा 269-त के अपूत्ररणं वे, मैं,, उक्त विधितियमं की धारा 269-त की व्यभारा (1) र के अधीन, निम्मिलिखतः व्यक्तियों, अर्थातः ः— 31---326 GI/84

- (1) राजा बहादुर मोंतीलाल पूना मिल्स लि०। (मन्तरक)
- (2) श्रीमती दिपिका दिलिप दोशी

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह निक्षित में किए जा सकोंगे।

क्षास्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ॰ 3, जो, 3री मंजिल, नर्रांसग आपर्टमेंटस, नर्सिंग छेन, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित ।

धनुसूची जैसा कि क० सं० भई~3/37-ईई/5980/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बर्ड डारा दिनांक 2-2-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद; सक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 11-10-1984

# 

बाबकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अस्तूबर 1984 निर्देश स० ग्रई-3/37/ईई/5999/83-84--धतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. स अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्रिमायसेस न० 1, जो 2 री महजल, केडिया चेंबर, एस० व्ही० रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269,क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री

सारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल सं, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक तो बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्डि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

क्तः, व्या, उक्त विधितियमं, की धारा 269-त की अनुसरक कीं, मीं, धक्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) क व्यक्षित, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैसर्श मेहरा एण मोगा आसासिएटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद ग्रार० सिंग

(ग्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचल संपुरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## जन्सूची

प्रिमायसेस न० 1, जो 2 री मजिल, केडिया चेंबर, एस० इही० रोड, मालाड (पश्चिम), अम्बर्ड-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-3/37-ईई/5779/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज-3, **बम्बई**।

दिनांक: 10-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

### शाद्व स्टब्स्ड

# कार्यांत्य, सहायक वायक र वायुक्त (निरोक्षण)

ध्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तुबर 1984

निर्वेश सं० अई-3/37ईई-/5967/83-84--श्रतः मुझे, ए०प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रामये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 28, का लक्ष्मी नारायण शापिंग सेंटर, पोहार रोष्ठ मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है। श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिकारी श्रीधिनियम, 1961 की धारा क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

- की प्रांचिस संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है ---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-विवस को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में अभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिये; आहे/वा
  - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिनों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेबोचनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया सा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

कतः। अव, उक्त वाँभाँनगम की भारा 269-ग के अनुसरण वाँ, वाँ, उक्त वाधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीम, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अभीच ः—- (1) श्री कनक कुमार बेनी लाल स्रोझा, स्रीर सन्य।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सुभाष के० महेंद्रकर।

(मन्तरिती)

को बृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कींद भी बाबोद ध—

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें
  45 दिन की नवीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राष्यम में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मध्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्थी

दुकान नं० 28, जो लक्ष्मी नारायण गापिंग सटर, पोहार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/5697/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्तम प्राधिकारी तहायक बायकर बायुक्तं (निरोक्षण)। बर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 10-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/5599/83-84--- प्रत मुझे, ए० प्रसाद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन श्रौर बिल्डिंग श्रान प्लाट नं० 4-बी सर्वे नं० 47/49, गवाणपाड़ा रोड, मुलुड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुइ किसी आय की बासत, उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)। के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मै० श्रीज़ी इन्टरप्राइसेस

(धन्तरक)

(2) श्री ग्रविनाश एस० सालवीं षीफ श्रोमोटर श्राफ श्रार० बी० श्राई० इम्पलायर्स शुभांगी हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुष्यी

जमीन भौर बिल्डिंग ग्रान प्लाट नं० 4-बी, जो सर्वे नं० 47/49, गवाणपाड़ा रोड, मुलुड (पूर्व), दम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-3/37ईई०/5599/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीब: 10-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूर्यना

### भारत बरकार

आयितिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई०-3/37 ईई $\circ/6042/83-84$ --श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० बंगलीज इन 'लोक प्रिय बंगलोज स्कीम', जो श्राफ 90 फीट, घाटकोपर मुलुंड लिंक रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि—नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिशियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्त-किक क्य से कथित नहीं किया गया है।

- (क्य) अंतरण वे हुई किसी बाद की बादए, उक्ट वीधिन्यम् के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उद्युधे स्वाने में सुविधा के निए; जौर∕या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

जतः तर्भ अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कों अधीन, निम्नलिचिद्य व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— (1) लोकप्रिय हाऊसिंग डेवलपंमेंट प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रविन्दर कृष्णा राय;

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाँप हुन्न

- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बंगलो इन 'लोक प्रिया बंगलोज स्कीम' माफ 90 फीट घाटकोपर मुलुंड लिंक रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कम सं० ध्राई०-3/37 ईई०/6042/ 83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज−3, बस्बई

नारी**य :** 11-10-1984

प्रकृष् जार्च, ट्री. एत . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1984 -

निवेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5962/83-84--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके ध्रध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं प्लैट नं 301, जो तीसरी मंजिल, तूरल पाखाडी रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया नया करितफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निचित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—-

- (क) वंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वुने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया स्विधा के सिए;

वत: गथ, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मो, औ, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपवादा (1) चे अभीना निम्मलियित व्यक्तियों, जनति क्र-- (1) मै॰ एम॰ एस॰ पदर्स।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मूणाल एम • देसाई।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यमं में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि जो भी जनभि नाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये था सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वपूज्यी

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, तूरल पाखाडी रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/5962/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, अस्वर्ध

तारी**य** 10--10--19#4 भोड्डर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं• म्राई०-3/37ईई०/5966/83-84--- प्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो क्षीसरी मंजिल, तूरल पखाड़ी रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक म्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) इत्तरण से हुई किसी नाय को बाबत उपत निध-नियम के अभीन कर दीने के बत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; बौद/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

बतः सव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-न के समुखर्ष कें, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिवित व्यक्तिकों, अर्थान् ध— (1) मै॰ एम॰ एस॰ ब्रवर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्री मिलिट ई० वेसाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### श्चन संस्थि

फ्लैंट नं० 302 जो तीसरी मंजिल, तूरल पखाडी रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-3/37 ईई०/5966/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बस्बई

तारी**ख** : 10-10-1984 मोहर प्ररूप आइ. टी. एन. एसं. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० घाई०-3/37 ईई०/6261/83-84--- प्रत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग 'निरज' पोद्दार पार्क, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ब्रुयमान प्रतिफल से एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उव्वष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वार्यित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तिया को जिन्हें भारतीय आयकरं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नतः गण, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिन्ति स्थितियों, अधीत् ः— (1) मै॰ राष्ट्रल ट्रेडिंग कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्याशा एम० गाला भ्रीर श्री सी० एम० गाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कं में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध क्रोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **भनुसूची**

दुकन नं ा, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिस्डिंग, किरज', पोद्दार पार्क, सालाङ, (पूर्व) बम्बई 164 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क सं श्राई ० – 3/37 ईई ०/6261/83 – 84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई ।

तारीख: 10-10-1984

प्ररूप साई : दी. एन. एस.,-----

शायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रवतुबर 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/3609/83-84--- भ्रत सुझे, ए० प्रसाव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जन करुयाण नगर स्कीम, विलेज मालवणी, तालुका बोरीवली, बेग्नीरंग सर्वे नं० 84, एच० नं० 1(पार्ट), 2, 3 श्रीर 6 पार्ट) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल्ब के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयंतान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्निविचित्त उच्चेस्य से उन्त बन्तरण मिनित में बास्तिबाह रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं हुक् किसी जाय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थाद्य :--- 32-326 GI|84

(1) मै० शांग्रिला कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० मिनल इन्टरप्राइसेस।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं [8]

#### नगराची

जन कल्याण नगर स्कीम, विलेज मालवणी तालुका—मोरीवली सर्वे नं० 84, एच० नं० 1, 2, 3 और 6 (पार्ट) में स्थित है ठ

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० भाई०-3/37 ईई०/3609/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख 10-10-1984 मो**इर** ≣ प्रकल आहोत हो। एवं ह एतह उपन्यान

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) से सभीन स्पना

### बाउक बडकाउ

# कार्यांत्रय , सहायक बावक हु नायुक्त ([नर्डीकान)

धर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/5796/83-84---भ्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-28, जो वासूकी सातवां रास्ता, रजवाड़ी, विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है (श्रौर इससे उपायदा श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1962 की धारा 269 कि ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भ्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उच्त अन्तरण लिचित में बास्तिक हम से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-"भवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसते अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्निलिमिल व्यक्तियों, भ्यात् ्रा—— (1) मै० श्रर्पित लिभिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेणू गोपाल नारायणन् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवर्ज में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की समित को भी समित बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स स्पष्टितयों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ध्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो समस जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है ।

### वन्स्की

फ्लैट नं० बी-28 जो वासूकी सातवा रास्ता, रजवाडी विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है ।

ध्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-3/37 ईई०/5796/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-10-1984

मोहर 🎍

प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

# नाय्यार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मुभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

क्षम्बई, ियनांक 11 श्रक्तूबर 1984 निदेश स० श्राई०-3/37 ईई०/5678/83-84-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान सं० 2 श्रीर 3, जो ग्रा उन्छ फ्लोर, प्लाट बेग्नीरंग सी० टी० एस० नं० 1524, कोले-कल्याण सेंट श्रन्थोनी मागं, वकोला सांताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की की धारा 269 कक्ष के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापुनों कत सम्पत्ति का उचित्त वाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवत उद्देश से उसत बन्तरण लिजित में बास्तिक रूप से कीमत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं का बाबत, उत्कत विश्वम् के वृथीन कर रोने के अन्तरफ के पारित्य में कभी करने वा उससे वचने में भूषिमा के लिए और/या
- (ध) एली कि की आय या किसी धन मा गन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के ह्यांधनार्व बन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, क्षिपार्व में स्विधा के निष्ह

श्रतः, अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध के अगृमरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभाराः(1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० बी० एच० कन्स्ट्रमशन्स कम्पनी।

(मन्तरक)

- (2)1ंश्रीपी० पी० खून ग्रहमद सन ग्राफ ग्रब्दुल्ला ग्रौर
  - 2. श्री एम० वी० हमजाकूंह सन श्राफ हसीनार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वांचत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्ये ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध वाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थण्डीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उज्जत जिथिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्त्रची

दुकाग नं० 2 और 3, जो ग्राउन्ड १ लोर, प्लाट बेग्निर्रण सी०टी० एस० नं० 1524, कोले-कल्याण, सेंट ग्रन्थोनी मार्ग, वाकोजा सांसाकूस (पूर्व), में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/5678/83-84 ग्रोर जोसक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारादिनांक 2 फरवरी 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

# मुक्त मार्च हो पुरु पुरु क्रान्य

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बायुन्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1984

निवेश सं ० श्राई ० – 3 / 37 ईई ० / 5679 / 83 – 84 – – श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, प्लाट बेग्रारिंग सी० टी० एस० नं० 1660 के, के—1 श्रौर के—2, मिलेट्री कैम्प के सामने, कालीना, सांताकूर्जा (पूर्व), बम्बई—98 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से थिंगत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से जिभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। तिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में तस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कंडने या उससे अथने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या. किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) मै० बी० एच० कन्स्ट्रवशन्स कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हनीफ सन ग्राफ श्री इस्माइल परकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ा

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### धनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, प्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 1660के, के-1 श्रौर के-2, मिलेट्री कैम्प के सामन, कालीना, सांताकूजो (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/5679/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप : बाइं. टी. एन्. एस : -----

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्मय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई विनास 11 अक्तूबर 1984

निदेश स० आई०,3/37 ईई०/6127/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-फ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो किर्ती विहार को आप-रेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एल० बी० एस० मार्ग, घाटको पर, बम्बई – 86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से विणितहै), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित समन प्राधिनारों के कार्यालय में रोजस्ट्रों है तारीख 2 फरवरी

को प्रशेषित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितेषल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के सिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उव्योध्य से उसत अन्तरण निचित में बास्तिक क्य से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) ज्न्तरण से हुइं किसी आम की बाबत, उक्स जीभिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

जतः अव. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्री सतराए० परवत

(अन्तरक)

(2) श्रीपटेल हंसराज पाथा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं (।;

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो किर्ति विहार को० आपरेटिव हाऊरिंग सोपाइटो लिमिटेड एल० बो० एस०मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम)बम्बई -86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं आई०--3/37 ईई०/6127/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गयाप्है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

# मुक्त वार्षं हो पुन् पुन् सामानामानामा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-म (1) की मधीन सुन्ना

#### नारत चरकाड

# कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजंग रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अन्तूबर 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/6228/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उण्जित गाजार मृत्य 25,000/- रह. से निधक हैं

और जिसकी सं० प्लैंट नं० 19, जो पहली मंजिल, कैलाश बिल्डिंग, नेहरू रोड, वंकीला ब्रिज, साँताकूज (पूर्व), धम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रामान प्रतिफल से, एसे द्रामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बृत्तरक भी दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विया के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं विलोक कन्स्ट्रक शन्स कम्पनी

(अन्तरक)

(2) मैं० राजाफिबल्डर्स्।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पृष्टिंग्य सम्पत्ति के धर्मन के विद् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।,

### इसत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त खुब्बों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हीं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्स्यो

पसीट नं 19, जो पहली मंजिल, कैलाश बिहिंडग नेहरू रोड, बाकीला बिज सांताकूस (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37 ईई०/6228/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड कियय गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

ताकीख: 11-10-1984

प्ररूप बाद्दें ही एन एस . -----

# नाय्कर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

### भारत संस्कार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-3/37 ईई/6123/83-84-- अतः मुझे, ए० प्रसाद

भावकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिवम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० औट नं० 1, जो 166 गिता अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसजा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को घारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं लारीख 2 फरवरी, 1984

"को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार सृत्य, उसके ध्रममान प्रतिकल हे एसे ध्रममान प्रतिकल के बीच प्रसि अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल , निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त बंतुरण निचित में बास्सिवक क्ष्म से कियत नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण् वे हुइ किसी बाव की कावत्, अवस् अभिनियम् को जभीन कार दोने के अस्तरक को बादित्व में कभी करने वा अवसे वस्त्रे के बृद्धिया के के सिए; जरि/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन् या नन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्नम 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्मम, या भन-कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना थाहिए वा, जिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनृतरण , मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत ः—— (1) तेख्वेगदाचारी सदागोपालन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमहेन्द्र कुमार मनी लाल शेठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोतन्तु संपरितः के अर्थनः के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्स विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उत्त वध्याय में दिया गया हैं।

### पनुषुर्वी

फ्लैट नं० 1, जो गीता अपार्टमेंट, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई--77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/6123/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० ऋगात सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3 बम्बर्फ

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप नाइ .टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई०3/37 ईई/6103/83-84--अनः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह तिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंल्य 25.000/- का म क्षीएक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो पहली मंजिल, गगन विहार, प्लाट नंबर्स 13 और 20, रिफल रेंच, घाटकोधर (पश्चिम), नम्बई में-86 स्थित है (अन्र इसमे उपाबद अनुसूध और पूर्ण रूप मे विजान है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा \$69 क्या के अर्धन, नम्बई स्थिन मक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 2 फ्रवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत अप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बाँ दायित्व में कमी करने या उससे क्चमे में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, कियाने में मृविधा के लिए।

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनूसरक बो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रोमती केशरबेन पथाई।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पथेनवेटटी रामकृष्ण मेनन और
  - 2. श्रीमती शारदा रामकृष्ण मेनन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 विन की अविध या तत्सविधी व्यक्तिनों इर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सक्ते।

स्पर्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्जू जी

फ्लैंद नं० 4, जो पहली मंजिल, गगन बिहार, प्लाट नंबेंसे 13 से 20 रिफल रेंज, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई/6103/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एज० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-3, बस्बई ।

तारीख: 11-10-1084

सांहर 🕄

१८ १ - स्ट ६ १ स्टब्स्ट १,००० स्थापना १८१ १,००० स्थापना स्थापना । प्रकृष आहे . स्वी. एन् , एस , १००० - २००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 **का** 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज-3, बम्बई

बम्बई. दिनांकः 11 अवत्वर 1984

निर्देश सं० आर्ट०--3/37 ईई/6099/83--84---अमः मझे, ए० प्रसाद

आग्कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट न० 46, जो सवानी अपार्टमैंटम, आठवीं मंजिल, एम० जी० रोड, राजवाड़ी रोड के सामने घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूचा में और पूर्व रूप से बीतित है), और जिसका कर रिनामा अधिकर अधिनियमं, 1961 की धारा 269 कख के अधीन कि क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ही है तारी ख 2 फरवरी,

को पूडी कित सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित मे बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्नरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, नियमितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—
33—326 GI/84

भ<del>व्यक्ताम्य स्थानम्य स्थानम्य । १००० विकास</del> स्थानम्बद्धाः स्थानम्बद्धाः स्थानम्बद्धाः ।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमथरादास केंट्र शंह।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृषीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूँचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुगा हो।

### अन्**स्**ची

प्लैट नं 46, ब्राठकीं मंजिल, सवानी व्यपार्टमेंटस्, एस० जी० रोड, रजावाडी रोड, के नामने वाटकोपर (पूर्व), अम्बर्ध-77 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्चा जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37ईई/6099/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्ट है किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽3, वस्वर्ध ।

तारीख : 11-10-1984 मोहर: प्ररूप बार्दा, टी. एन्. एस.=--==

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अभीन मुखन।

भारा सम्पार

कार्यात्वय , महाथक अध्यार आयुक्त निरक्षिण) अर्जन रेज--3, नम्बर्ध

वस्बई, दिनांक 11 शक्त्बर 1984 निदेश स० श्राई०~3/37 ईई०/6047/83—84**---श्रतः** ,मुझे, ए० प्रसाद

अभ्यास का कर कर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके का का 1975 की भारा 269-श के अधीन संप्रत प्राधिकारी कर यह विश्वास धारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- एउ. सं अधिक ह

(श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो छठी मंजिल, विंग डी, बिल्डिंग नं० 3, 'दामोदर पार्क', एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

की पर्वोक्त नगर्गाम के रियान याभार मृत्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापनोक्त सम्पत्ति का उपनि वाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाषतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने भें सुविधा के लिए,

अतः अब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं---

(1) श्री प्रदीप कुमार मंडोता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद युन्स

(ग्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुशारा अधोन्नस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए वा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया हु<sup>8</sup>।

#### अनुसूची

प्लैट नं 2, जो छठषीं मंजिल, विग डी, बिल्डिंग नं 3, 'दामोदर पार्क', एल बी व्यप्त मार्गे, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-56 में स्थित है ।

ग्रन्स्नी जैमा कि कम मं० शाई०-3/37 ईई०/6047/ 83-84 सौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद नतम् प्राचित्रासी सहायक् थायक्र भागकः क्रिकेशः प्रजेन केंजे∸ऽ, तम्बर्ध

्तारीख 11+10−1984 मोहर :

# वरूप वार्ष . भी . एन . एक .....

बाधकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्राई०-3/37 ईई०/6087/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 15, जो पहली मजिल, प्लाट एफ-1, 'भागीरथी विला', अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाट-कोपर, (पश्चिम), वम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में वींणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम, 1961 की धारा 269 क, खं के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं काम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और भूके यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और मृत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक कुप से कथित नहीं किया गया ही दे—

- (क) अन्तरण न हुइं किन्त आय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बोर-/या
- (ख) एसं किस्रो आय या किसो धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कक्षः अ्व, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्क अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात हु—— (1) मैं० शेठ इन्टरब्राइसेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती झरीना भ्रन्वर मुल्ला।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृशेक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूर्क करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 विन को भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो पहली मंजिल, 'भागीरथी विला', प्लाट एफ-1, भ्रमृत नगर, घाटकोपर (पश्चिम). एल०बी० एएक मार्ग, बस्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-3/37 ईई०/6087/ 83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा विनांक 2 फरवरी, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्र**सा**द सञ्जम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

तारीख : 11-10-1984

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.....

**बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-व (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/6080/83-84-म्प्रसः

मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो श्री कृषा, प्लाट नं० 159, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), ब्रम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

कां प्रांधित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य म काम के उसमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुई फिसी आय को बाबत, उक्स ऑयनियम के अधीन कार वान के पत्रा के दासित्व मी कामी कारने या उस्म अचन मी मृजिधा के लिए: बॉर∕मा
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था किया जाना जातिहरू ता, छिपान में गुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कुसुम श्रार० क्षिवेदी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामास्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कामभाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्फ़न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर गम्मिक भी हित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शक्तिकालिक के पास जिल्ला मी किए जा सकींग।

स्भव्हीकरणः — हममें प्रयुक्त इच्चों और पदा का. जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजापित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **नग्**त्र्यी

पर्लंट नं० 12, जो श्रीकृपा, प्लाट नं० 159, गराडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अम सं० श्राई०-3/37 ईई०/6080/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

तारीख : 11-10-1984

प्ररूप आहुर.टी.एन.एस.-----(1) मैं० शेठ इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम नलाबडे।

(अन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984 कार्यालय, महायक ग्रायकर अ।युकत

निदेश सं० आई०--3/37 ईई०/5806/83-84--अप्त: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मत्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 26, जो दूसरी मंजिल, 'भागी रथी। विला, प्लाट एफ-1, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंके अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भिन्नस्द्री है साराख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के उपप्रात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वाक्त सम्पत्ति ा उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिसिन त्रिक्तियों, अर्थात् ू---

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिनं की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाको तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अम्स्ची

फ्लॅंट नं० 26, दूसरो मंजिल, 'भागीरधी दिला प्लाट एफ -1, अमृत नगर, घाटकोपर (पश्चिम), एल०की एस० मार्गं बम्बई - 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०~3/37 ईई०/5806/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (किर्रक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीखा : 11−10−1984

प्ररूप माई⁴. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन सृभुना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-- 3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं⇒ आई०∵3/37 ईई०/5884/83-84——अस: मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक हैं अगर जिसका संविक्त के विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक हैं अगर जिसकी संव्यवदेग 405, जो चीथा मंजिल, 'बाँ विंग, विक्रम अवार्टमेंट, त्यू माणेकलाल इस्टेट, एल० बीं एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), वस्वई—86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधान बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिक्ट्रों है तारोख 2 फरवंरी, 1984

को पूर्वेक्त सम्पित के उचित थाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में नारतिवक हुए में किथत नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण सं हुई भिन्दी नाय की बायत, उक्क गिंधनियम के जधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसे बचने में सृणिधा कालए; बाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन वा अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था ख्याने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विश्राम मावणः पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो नानीबेन दयालाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के वर्षन के ट्रिस्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

पर्लंट नं० 405, जो चौधी मंजिल, बी धिंग, िक्कम अपार्टमेंट, न्यू नाणे क्लाल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाट-कोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में क्थित है । अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/58/84 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई बारा दिनौंक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ष

स्तरी**ख** : 11-10-1984

मोहर 🖫

# त्रक्ष्य वार्ड , टी., एन., एच्.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जः रेज--3, अभ्वर्ध

बम्बई,दिनांक 11 अक्तूबर 1984

् निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/5666/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विष्णाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 2, जो महेस्वरक्षण कीव आपरेटिय हार्क्सिंग सोवाइटा लिमिटेड, आरव बीव मेहता मार्ग, घाट-- कोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्या के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पृत्रीयत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्मत्ति का उचित बाजार बुल्म, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिविक रूप से कारित नहीं किया थया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्थः, ७वतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भी, भी, इकत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो मांसि लाल जै वोशो।

(अन्सरका)

(2) श्रीमती शिरेकंबर देवी बीक फाफत ।

(अस्त(रत्।)

को यह सुचना पारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षंप :---

- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो जबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्दर्भी

पलैट नं० 2, जो महेख्यर प्रा की श्रावरेटिय हार्कीसम सोपाइटो लिमिटेड, आर० बी० मेहता, मार्ग घाटकोरपर (पूर्व), बम्बई -77 में स्थित है।

अतुसूचो जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/5666/ 83-84 और जो सक्तम प्रक्षिणारो, बम्बई हारा दिनांस 2 फरवरी, 1984 को रिजिट्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद , सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आपुक्त (लिरीक्षण) अर्जर रिंग–3, अम्बर्ट

हारोष . ||---0--1984

# प्रकार आप्ट हो ए हैं है है । मान विकास कर विकास

# **भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की** भारा १६०-घ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 स्रन्तूबर 1984

निदेश मं० ग्रई-3/37-ईई/5803/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

**बायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000 / - रह. में अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जी ग्राउंड फ्लीं₹, दर्शन बिल्डिंग, विशा दर्शन प्रिमायसेस कान्प्राप० सोसाईटो लिमिटेड, 7वां रास्ता, राजावार्डा घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावह अनुमूचा में और पूर्ण सप से वणित है), और जिसका करारनामा ऋष्यकर ऋधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के श्रधीन, ताराख 2--2-84

का ध्वाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास **कर**ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उ**थि**त बाजार धुरुध उसके इत्यमान प्रतिफाल से, एमें अध्ययान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-िना (अन्ती के तथा) के अन्य गुण अन्तरण के निग् तथ पाया गया प्रीतफल निर्मालीयस उप्याप्य से उपत अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी आप की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधाकी लिए,

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधार्ग (1) के अभीन, निम्नीलिधित व्यक्तिया, अभीत् .---

ा भोगानी अवित येगी रमेगचन्द्र महला

(ग्रन्तरक)

2. था। चन्द्रकांन कं (णनसिंह ठाकूर)

(भ्रन्त(रता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की "तारीख से 45 विन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी मविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया चया 🐔

# वन्स्ची

दुकान नं० 3, जो ग्राउंड फ्लोर, विद्यादर्णन बिल्धिंग विद्या , दर्शन श्रिमायसेस को-श्रापरेटिव सोसाईटा लिमिटेड, **7वां रास्ता, राजाबाडी, वाटकीएर (पूर्व), बन्बई-७७ में** स्थित है।

**ग्रन्भुच**े। जेमा ऋ० म० ग्रई-3/37-ईई/5803/83-84 श्रीर जो सक्षम पाधिकार।, वस्वई ब्रारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> সত কুরার नाक्षम पश्चित्राहरू महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) स्रजीन शेज-3, यम्बर्ध

दिनांके : 11--10-1984

'<mark>는</mark> 평가 :

प्ररूप नाहरे. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेण मं० ग्र**ई-**3/37-ईई/5666ए०/83-84/ध्रतः ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 33 श्रीर 1/34, जो डंकब कॉजवे रोड़ (एन० एस० माणकीकर मार्ग), सायन चुना भट्टी, बस्बई-22 फल 2 न० सी-28, 7वां रास्ता मज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पमान श्रीतफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदम से उक्त अन्तरण जिल्लित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ज़लाइण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज़लारक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/पा
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

नतः अस, उक्क अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, कथीत हम्म

- 1. मेसर्स श्रो समर्थ कन्स्ट्रक्शन कंपनो प्रा**ई**वेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सुहासिनी गणिकांत रेवणकर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी शाक्षोग् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

#### अससर्वी

फ्लैट सी-28 7वां मजिला, प्लाट नं० 33 श्रीर 1 34, जो डंकब कॉजवे रोड़, (एन० एस० मणकीकर मार्ग), सायन चुनाभट्टो, बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-3/37-ईई/5666ए०/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-10-1984

# प्रक्ष वाद्ै.टी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ल (1) के अधीन स्वना

#### भारत बहुन्मर

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बक्बई, दिनांक 10 श्रम्तूबर 1984

निर्वेश सं० प्रई-3/37-ईई/5802/83-84--प्रनः मुझे ए० प्रसाद,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रत. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो हिल व्यू श्रपार्टमें हिमालया पार्वेनीया को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड नेताजी पारकर मार्ग, श्रमल्फा, घाटकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, तारीख 2-2-1984 की प्रविक्त संपत्ति को उपित बाजार मुख्य से कम की करवमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्परित का उचित बाबार मुल्य उसके करयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा प्रतिफल निम्नलिसित उद्योच्य से जनत अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्स अधिनिमम के अधीन जर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए, जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधार्तः— 1. श्री गणेश कल्स्टक्णन कार्पोरेणम

(भ्रन्तरक)

2. लखता प्रसाद एस० गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्मस्ति के वर्जन के लिए--

### उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी विषय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थानित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किस वा सकींगे।

#### ग्रनुसुची

दुकान नं 1, जो हिल ब्यू भ्रपार्टमेंट, हिमालया पार्वतीया को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नेनाजी पारकर मार्ग, ग्रसल्फा, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-3/37-ईई/5802/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 10-10-1984,

मोहरः,

# प्रकृप बाइ . टी . एन् . एच . -------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### नारव बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निदेश स॰ ग्रई-3/37-ईई/5791/83-84--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० दुकान नं० 8, जो हिल ब्यू अपार्टमेंट
हिमालय पार्वतीय को-आपरेटिव हाउससिंग सोसायटी लिमिटेड
नेताजी पारकर मार्ग, असल्फा, घाटकापर, बम्बई-84 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम,
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है, तारीख 2-2-198
को व्यक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वरमान
परिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पार्या
प्राथा प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित
के वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिक्तमों, अर्थात् ः—- 1. श्री गणेश कन्स्क्ट्रेशन्स कार्पोरेशन

श्रन्तरक)

2. श्री गोपाल एन० अमीन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

दूकान सं० 8, जो हिल ब्यू प्रपार्टमेंट, हिमालय पार्वती को-प्राप० हाउसिंग सोसायटो लिमिटेा, नेताजी पारकर मा सञ्चलद्धा, बम्बईब84 में स्थित र।

ग्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रंह-2/37—ईई/5791/83—84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ब्रारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, **बस्बई** 

दिनांक: 10-10-1984

मोहरः ं

भूक्ष नार्डं... टी., पून., एस<sub>.,=----</sub>

1. श्री गणेश कन्स्ट्रेक्शन कार्योरेशन

(ग्रन्तरक)

2. श्री धरन मुथायन

(श्रन्सरिती)

# काषकर विधितिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

निदेश सं० अई-3/37-ईई/5653/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उदत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अभिक है

ग्रौर जिसको सं दुकान नं 4, जो, हिल व्यू हिमालया कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटा लिमिटेड, नेताजो पारकर मार्ग, ग्रसल्फा, घाटकोपर, बम्बई मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 का धारा 269क, ख के प्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है ताराख 2-2-1984 को पूर्वेक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य संकम के इत्यमान प्रसिष्यस के लिए अन्तरित की गई है औड मुभ्ते यह दिव्याय कर्डन का कार्य है कि युधापूर्वोक्त सप्रित का उचित् बाबार मुख्य, उसके ध्रयमान प्रविक्षल से एस ध्रयमान प्रतिकल का पदह प्रतिचात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिंहित उद्देश्य से उद्दे बन्तरण चित्रिक न नास्तिन्क रूप से किमत नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्यद्वण ने हुई किसी नाग की नाम्य, उनक मांचित्यम के मृत्यीन कुट दोने के अन्तरक के वाचित्य में कभी करने या उन्नर क्याने में सुनिधा के सिए; मांद्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपान में सुविधा के लिए;

अतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्ध में, में, उनत अधिनियम की धारा-269-च की उपभारा (1) के गधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जा भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वीं

दुकान नं० 4, जो, हिल ब्यू अपार्टमेंट, हिमालया पार्वतीया को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसाईटी लिमिटेड नेताजी पारकर रोड़, असरुफा, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० सर्ध-3/37 - देई/5653/83 -84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा विनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बर्ष

दिनांक: 10-10-1984

प्रक्ष बाह<sup>र</sup>् टी<sub>स</sub> पुन<sub>्</sub> पुरु<sub>न</sub>-----वन्तर

1. श्रो वी० बी० रामारान

(ग्रन्सरक)

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमता 2. कें रामचन्द्र जी० पै

(ग्रन्तरितो)

#### भारत सङ्कार

कार्याबव. सहायक आयक्तर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रवनुबर 1984

निदेश सं० श्रष्ट्र-3/37-**१६**/5692/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० फ्लैट नं० 12, जो प्लाट नं० 75. "हमसिका दर्णन' गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप
में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम,
1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, ताराख 2-2-84
को पूर्वेषित सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उिषत बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध से उक्त बन्तरण सिचित में
बास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुंग्रेक्शा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां जिन्हें भारतीय आय-कार अभिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम. या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

को यह तृचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### नन्त्र्ची

फ्लैट नं० 12, प्लाट नं० 75, ''हमसिका दर्णन'' गरोडिया नगर, घाटकोषर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि श्र० मं० श्रई-3/37-ईई/5692/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-10-1984

मोहर 🖁

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ......

# नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रन्तूबर 1984

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/5603-ए/83~84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

्रश्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो प्लाट नं० 14 बिल्डिंग द्वारका, सुभद्रा की-श्रापरेटिल हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, साईनाथ नगर, घाटकोपर (पण्चिम) बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन, तारीख 2-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जावत बाजार मृल्य उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्दह श्रतिशत से अविक है भीर प्रन्तरण (प्रन्तर्को) श्रीर अन्तरित (अन्तर्को) के बीच ऐसे प्रन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक कर में कियन नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाग की योवत, उका ग्रांकि किम के भाषीत कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बचने में मुक्किंग के लिए। ग्रीर/या
  - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्देडिटी ब्वास प्रकट नहीं किया बा वा वा किया काना चाहिए था, खियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रिसिंह व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री के० लक्ष्मणन्

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० हरिहरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अप्रिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अप्रिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभार्षित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसूची

फ्लैट नं० 2, जो प्लाट नं० 14, बिल्डिंग द्वारका सुभद्रा कोम्रापरेटिव हाउसिंग सासायटी लिमिटेड, साईनाथ नगर, घाटकोपर (पश्चिम), बस्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37- ईई/5603- ए/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षन प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-10-1984

भोद्दर 🛚

# भक्क बार्च , टी<sub>र्स</sub> एक प्रवासन------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के कभीन स्पना

# भारत बरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० **प्रई**—3/37—ईई/5693/83—84—⊷ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ब्लाक नं 11, जो प्लाट नं 75, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), गौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, तारीख 2-2-1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि संभापवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीक रूप में कथित नहीं किया गया है ॥——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सुवित्य में कमी शहने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बाडि/ब।
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री कें रामचन्त्र जी पै

(अन्तरक)

2. श्री पी० एम० शहा

(ग्रन्मिर्सी)

को यह सृष्ता वारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त ब्रम्मित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रं संधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ब्लाक नं 11, जो प्लाट नं 75, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बन्बई-77 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/5693/

अनुसूच। जना कि निर्ण संध्या अर्थ अर्थ 3/3/-र्द्श 5093/ 83-84 स्नीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्द द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजब3, बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

मोहर:

भतः अथ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, क्यांक —— प्रकृप् आस्र हो. एन. पुत्त .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत बुद्धार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निदेण सं० अअ-3/37-ईई/6050/83-84--असः मुझे, ए० प्रसाद,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो न्लाट नं० 122/सी ग्राउंड फ्लोर, मी० टी० एस० नं० 11/24, व्हिलेज निरदाम ग्राउंड फ्लोर, मी० टी० एस० नं० 11/24, व्हिलेज निरदाम ग्राउंड फ्लोर, मी० टी० पबई के बाजूमें बम्बई में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 2-2-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृज्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बम्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे व्ह्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/बा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या किस आपस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कव, उन्त निभिनियम की भाए 269 ग के अनुसरभ में, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

- 1. बम्बे हाऊस बिल्डर्स रोड मेक्स
- (अन्तरक)
- 2. श्रोमतो हेमा वसंत मोरन

(अन्सरित)

को यह सूचना बारी करके पृवांक्षत संपरित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्र
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकित्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकासका है।

# नम्स्ची

प्लाट नं 122/सी, जो ग्राउंड फलोग्नर, सी टी एस० नं 11/24, फ्लट नं 1, विहलेज तिरंबाज, आ० आय० टी० पर्वाई के बज़में भें, बम्बाई में स्थित है। अनुसूर्णा जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6050/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बाई द्वारा दिनांक 2-2+1984 को रिजस्टाई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेंज-3, बम्बई

दिनांबः: 10-10-1984

प्रका बाह्". टी. एत. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांश 11 अन्त्बर 1984

निर्देश सं० अई-- 2/37--ईई/5585/83--84---अतः, **भुक्षे**, ए० प्रसाद,

अध्यक्षन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्थे नं० 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 (पार्ट), 16 (पार्ट), 17, 18 (पार्ट) और 19 (पार्ट) आफ बिलेज पबई और सर्वे नं० 2 (पार्ट) और 3 (पार्ट) आफ बिलेज कोगारो, साकी बिहार रोड, आई० आई० टी० के बाजू में, पबई स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन निरोध 2-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि कि में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अंतरण स हाई किसी जाय की बादस, उक्त बिधिन्यम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण् में, में, उक्त अधिक्यिम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अधित् ः~~ 35—326GI84

- 1. मेसर्स एन० लजपत राय धारीया एंड कम्पनी। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स लेकव्यू डेबलपर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोएं भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 जिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्पथ्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

#### मनसभी

बेअरिंग सर्वे नं० 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 (पार्ट), 16 (पार्ट), 17, 18 (पार्ट), और 19 (पार्ट), विलेज पंवई और सर्वे नं० 2 (पार्ट) और 3 (पार्ट) आफ विलेज कोपारी, पवई, आई० आई० टी० के बाजू में, साकी विहार रोड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37–ईई/5585/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2–1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11--10--1984

प्रारुप बाइ . टी. एम. एस.------

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 अक्टूबर 1984

निवेश सं० अई--3/37--ईई/5680/83--84---अत: मुझे, ए० प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 201, जो 2री मंजिल, प्लोट बेर्आरंग सी० टी० एस० नं० 2072 में 2075, सेंट मालिज कॉन्फ्हेंट स्कूल के बुजू में, वाकीला, सांताशूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभात ः—

1. मेससं बी० एस० कन्स्ट्रेन्शन कंपनी

(अस्तरक)

1. (1) श्रीमती कलारानी वाईफ आफ राजा मुदलियार, और

(2) राजा सन आफ मुनुस्थामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>4</sup>गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

### वम्स्ची

फ्लैंट नं० 201, जो 2री मंजिल, प्लांट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 2072 से 2075 सेंट चार्लिज कोनवेंट स्कूल के बाजू में, वाकोला, साताकुज (पूर्व), बम्बई-55 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-3/37-ईई/5680/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

प्रक्ष नाइं. टी. एम्. एस्.----

्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/5619/83--84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त निभीनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के निभीन् सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- एउ. से निधक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 5, जो ग्राउंड फ्लोर, निवन मंजू को-आपरेटिव प्रिमायमेस सोसायटी लिमिटेड, मेवाराम लालवानी रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984 की पूर्विकत तम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान धितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिकत उद्श्वेष्यों से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण सं श्रष्टा किसी आध को आअल, उसत ऑजनियम के जुलीर कर उन्ने म्लास्य के साथस्य मा कमी जरने का उत्तर जयने या स्थिता के लिए; और/सा
- (का) एसा किसा आय था किसी धन या अन्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निस्:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्दिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— ा श्री अशोक दामर्जीलालन।

(अन्तरक)

2. श्री अणोक दामजी लालन अंग द्रस्टा अंक जालन फेमिनो द्रस्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्स्वस्वन्धी स्मित्रियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मित्रियों में से किसी स्मित्रिय द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्व में किस् था सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

युक्तान नं० 5 जो, ग्राउंड फ्लोअर नविन मंजू कोआवर टिघ प्रिमायसेस सोसायटी लिमिटेड, सेवाराम लालवानी रोड मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/5619/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बद्ध

दिनांक: 11-10-1984

प्रकथ नाहै. टी. ए॰ एम ------

भायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कायांत्रिय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/5718/83-84---अन: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० दुकान न० 1, जो ग्राइड फ्लोर, निलकंट कुटीर, सी० एस० नं० हूं 629, कॉजूर हैं विलेज, भांजूप (प०) वस्वर्ध-78 में स्थित है (और ६पसे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बस्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित भाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक के वास्तियक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गग्ना था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानें में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग तं अनुसरण कें., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्निसिस अधिनयों, अधीत च 1. मेगर्स भानेप्रवर इण्टरप्राहरेत

(अन्तरक्)

2. श्री मनोज कांतीलाल मोनी

(अन्तरिती)

के पह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उप**ता सम्पतित के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षंप:---

- (ह) इन भूजनः हे राजान में प्रकारत की तारीक से 45 दिन की भ्रवित या सत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर मूजना की ताभीन से 30 दिन की भवधि, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का मुकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गर्यों है।

#### नगसची

दुक्सन न० 1, जो ग्राउंड फ्लोर, निलकठ कुटीर सी० एस० नं० 629, क्षांजूर विलेज, भांडूप (पश्चिम) बम्बई-7 में स्थित है।

अन्सूची जैमा कि कि सं अई-3/37 ईई/5718/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसांवः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्-3, बम्बई

दिनांक: 11~10~1984

धस्य बाद'. दी. युन्. एस.-----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक अधकर अधक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेज-३, बम्बई

वमबर्ड, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निद्या मं० अर्थ-3/37 र्डर्थ/6095/83-84--अन मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से प्रधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/2, जो याउंड फ्लोर, निलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एप० मार्ग, भांडूप, बस्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्ना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की बारा 269म, ख के अधीन, बस्बई

स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोतन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय अध्यार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ज्यहिए था, खिपान में सुविधा के जिए.

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत है—— 1. मेसनं गणेश बिल्डसं

(अन्तरक)

2. श्री गाम गंकर पुरकाइत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो तस अध्याय औं दिया गया हैं!

# ग्रन<u>्</u>मूची

फ्लैट नं ० ए/2, जो ग्राउंड फ्लोर, निलिमा अपार्टमेंट्स एस० पी० एस० मार्ग, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6095/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ्ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकाी महायक आयवार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. अम्बर्ष

अस्बई, दिनांक 11 अन्तूबर 1984

निदेश स० अई-3/37-ईई/5591/83-84--अतः मुझे<sup>7</sup> ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 12 जो, ग्राउंड पलोर, निलिम अपार्टमेंट्स, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 विशे धारा 269 में, ख के अधीन, बम्बई स्थित समम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण ही कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया वित्तक्त, निम्दलिबत उद्बर्धों से उक्त अन्तरण कि बित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानो था, छिपाने में मुविधा के लिए;

1. मेस्सं गणेश बिल्डर्स

(अन्तरम)

2. श्रीमती वर्षा वसंत सावंत

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

#### वगस्यी

दुकान नं० 12, जो ग्राउंड फ्लोर, निलिमा अपार्टमेंट एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/5591/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टिश किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहाय*व* आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज-3 वस्**वई**

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियमें, अधीन है—

दिनांक: 11--10--1984

भोहर:

# प्रस्प नाइ टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/5837/83-84--अतः **मुसे**। ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रश्वक परमात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-53 जो 8वीं मंजिल, ''निलिमा अपार्टमेंट'' जंगल मंगल रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृथिक नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए, बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त सिधनियम, या धन-कर विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अथात्ः— 1. मेसर्स गणेश बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री सीक्षाराम विठोबा सक्स्पाल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त बन्यत्ति के नर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 फिन की अविधि या तरूसैम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकति।

स्वक्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, वा उससे अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या है।

#### अनमूची

पलैंट नं ए-53 जो, 5वीं मंजिल, "निलिमा अपार्ट $\frac{1}{8}$  मेंट्,", जंगल मंगल रोख, भांडूप, बंम्बई-78 में स्थित है। अनुभूची जैसा कि कि से अई-3/37–ईई/5837/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कक्ष्म

दिमांक: 11-10-1984

प्रकप् आई.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक भायक र नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/5781/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 303, जो सीरभ अपार्टमेंट्स, 3री मंजिल, नाहूर, विलेज रोड, मुलंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269थ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बारतिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के क्षीत्र, निम्लिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— 1. मेसर्स एन० एन० विल्डर्स

(अन्तरक्)

श्री हरी बाल ज्णान अध्यर,
 और श्रीमती सिथालक्ष्मी एच० अध्यर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनु**भूवी

फ्लैंट नं० 303, जो सीरभ अपार्टमेंट, 3री मंजिल, नाहूर, विलेज रोड, मुर्लुंड (पिष्चम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि में० अई-3/37-ईई/5781/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

प्ररूप आध्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3. तम्बई

वम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अर्क-3/37-र्दर्5/5758/83-84---अतः मुझें, ए० प्रनाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 310, जो उरो मंजिल, के० के० गुप्ता इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, मुलुंड (पं०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के तिए, और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

36-326 GI[84

1. श्रो उमेशचंत्र स्वामी शर्ण

(अन्तरक)

 मेसर्स सिलिकॉन रेक्टिफिअर्स एण्ड कन्ट्रोल्म कम्पनः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कावाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्भाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

यूनिट नं० 310, जो 3र्रा मंजिल, के० के० गुप्ता इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डा० राजेन्द्र प्रमाद रोड़, मुलंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37—ईई/5758/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-३, बस्वर्ड

दिनांक: 11-10-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निर्देण म० अर्थ-3/37-ईई/5976/83-84--अत मुझे, ए० श्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रास्ति से अधिक हैं

प्रग्नैं जिसका स० फ्लैंट २० 306 जो उरी मंजिल, अजित पार्क सोमबार बाजार राड, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित हैं (प्रांग इपासे उपाबड़ अनुसूच: में प्रांग पूर्ण सप में बेजित हैं), प्रांग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का बारा 269 के, ख के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्षारा के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल सं, एसं रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिरायम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को पयोजनार्थ अन्यारित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 मसर्स देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्रामता तेरेमा फिग्यूरेडो

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### वन्स्ची

पलैट नं० 306, जो 3रो मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), धम्बई-64 मे स्थित है। अनुसूच। जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/5976/83-84 श्रीप्र जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

दिनांक 12-10-1984 मोहर: प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### बारत रहकाह

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निर्देश सं अई-3/37-ईई/6053/83-84--अतः म्झे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिय्म' अन्हा ग्या है"), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुख्य 25,000 /- रु. से अधिक ह

ग्रौर जिसको सं० यूनिट नं० 109, जो 1ली मंजिल, शिव कुषा इण्डस्ट्रियल इस्टेट; एल० बः० एस० मार्ग, विक्रोली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम , 1961 की धारा 269 क, खके अधीन अम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारः के कार्यालय में रजिस्टी है. तारीख 2-2-1984

को पर्नोक्त संपत्ति को उपित काजार मुस्य से कम के असमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित वाबाद मृत्य उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिकास, निम्नुसिचित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कामत बढ़ीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्रेष की वाबत, उस्त अभिनियम को सभीन कर पनि के अन्तरक को दायित्य में कमी करने मर उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ग'सं किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियी को, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- ा. श्रोमतः रेखा एच० वास्वालिया श्रीर अन्य (अन्तर्क)
- 2. मेसर्स हरमना म्युजिक प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्य संस्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही शरू काला हो।

प्रयत्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींख के 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों : कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवास:
- (ब) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण: -- इसमा प्रथावन शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के निष्पाय 20-ा में परिश्विविद्य हैं, बही अर्थ हासा जो उस सध्याक में धिया गया 😴 ।

# अनुसूचे।

युनिट नं० 109, जो 1ला मंजिल, शिव कुपा इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली (पश्चिम्), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6053/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाक 10 - 10 - 1984मोहर :

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/5721/83-84----अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० युनिट नं० 115, जो 1 ला मंजिल गुप्ता इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित (हैं श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-2-1984कों को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिय्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रां एस० जे० इझरा, श्रोर ई० जे० इझरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दमयंती हंसराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, दो भीतर प्रक्रिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य न्यिक्स द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के गस निविद्य भी किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# ममुस्यी

यूनिट नं ० 115, जो, 1 लं । मजिल, गुप्ता इण्डम्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कर स० अई-3/37-ईई/5721/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनां इ: 11-10-1984

प्रत्यम् अद्भि . द्वी . एव . ए**स** . ...-------------------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/5589/83 84---अनः, मुझे, ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित्र बाजार भूत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस को संव युनिट नंव 23, जो, ग्राउंड फ्लोर, रामगोपाल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डाव राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुंड (पव), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारोख 2-2-1984

की पृष्टिक्स संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के रहयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित की उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्ब्रिटियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित भ नाम्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा औ लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना नाहिए भा, स्थिना में सुनिधा को लिए;

बत: अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमतः देविबेन गोकल दास

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मः मेटल इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती,)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अनुभिया तत्सं हों । व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिल की अविश्व आ भी
  अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा क्कोंने।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नं० 23, ग्राउंड फलोर, रामगोपाल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुंड (पिच्चम), बम्बई-80 में स्थित हैं।

अनुसूर्चः जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/5589/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

अक्य बाई टी. एन. एस.----

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भार १६६ ग (1) के प्रश्रीन भूनुना

#### ारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, बिनांक 11 अक्तूबर 1984 निर्देण सं० अई-3/37-ईई/6126/83-84——अतः, मुझे ए० प्रसाद

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट इन न्यू उपानगर को-आपरेटव हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, भाडूप विलेज रोड, भाडूप (प), बम्बई-78 में स्थित हैं स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणत हैं। स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारोख 2-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बंधने में सुविधा के शिए; बॉर/या.
- (स) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उत्त अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथः, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) (1) श्रा पंकज मंगलदास ठक्कर

(अन्तरक)

(2) श्रा ईश्वर एल० राष्ठ

(अन्तरितः)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृतित के अर्जन के तियू कार्यवाहियां करता हुं।

अबत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करायों में से किसी क्यं कित दुशारा
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया व्यक्ति हैं।

#### प्रमुखी

पलैट इन न्यू उषानगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, भांडूप विलेज रोड, भांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित है अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/6126/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11 अक्तूबर 1984

प्रस्य आई. टी, एन., एस.,-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई बम्बई दिनाक 11 अक्तूबर 1984 निर्देण स० अई-3/37-ईई/5687/83 84--अत मुझे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु मे अधिक है

ग्रील जिसकी स० फ्लैट न० 8, जो प्लाट न० 82, निर्माणाधीन इसारत---लाजूर को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, क्षाजूर मार्ग भाडूप, बस्वई-78 में स्थित है ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रील जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 का धारा 269 ल, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है ताराख 2-2-1984

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यभाभ प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है .----

- (क) अम्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोत के अन्तरक के रित्य में कमी करन या उसन बचन में सुविधा के लिए, और या
- (क) ऐसी किसी बाय या फिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए थां, छिपान से स्विधा के निए;

क्रिय अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मैंसर्स माहनं बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) श्रेश थॉमस फर्नाडिस

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित- बद्धभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभाहम्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पध्योकरण --इसमी प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुसूची**

फ्लैट न० 8, जो प्लाट न० 81, नियोजित बिल्डिंग-काजूर को-आपरेटिव हाउसिंग सोभाइटी लिमिटेड, काजूर मार्ग, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अर्ट-3/37-ईई/5687/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 की रजोस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकार। सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-3 श्रम्बर्स

दिनाक: 11 अक्तूबर 1984

मोहर

# प्रकथ बाइ. टी. ए४ इ.स. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्य (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय स**हायक मायकर वाय्यत (निरीक्षण)** अर्थन रेज-3, बस्वर्ष

वम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1984 निदेश स० आई -3/37ईई/5610/83-84--अत, मुझे, ए० प्रपाद,

बायजा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ज को जीन सक्षम प्राधिकारी केंग, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा में अधिक है

और जिसकी स० दुवान त० 4, जो सिल व्हिथू, ग्राउन्ड पलोर, मुलुड (पूर्व), धम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसवा क्राप्तामा आवरूर अधिनिमिय 1961 की धारा 269व, ख के अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिनारी के नार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जतरण के जिए तय पाया गया प्रति कल निम्नितित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिविक इप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण संहुर्ज किसी बाय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या प्रस्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के मुविधा के सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मै० शितल उत्सद्दक्णन कपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पदमनाभन निवयार ।

(अगारती)

का यह सूचना पारी कारके प्वॉक्त मंपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मिपित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, दो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

### बन्स्यो

दुकान न० 4, जा शितल व्हयू, ग्राउन्छ पलोर, मुल्छ (पुर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा ि कम स० आई -3/37ईई/5610/ 83 -84 और जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-2-1994 का रजिस्टई विधा गया है।

> ए० प्रनाद प्रकास प्राधिकारी सहायक आयक्त (निर्राक्षण) अर्जनरेज-3, बम्बई

दिनांत' 11-10--1984 मोहर प्रकप नाइं.टी.एन्.एस.,------

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

(1) मैं आशापुरा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री शशिकौत एन० शाहा।

(अन्तरित)

#### भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984 निदेश स० आई-3/37ईई/5738/83-84--अत , मुझे, ए० प्रसाद

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० पलट न० 8, जो अरिहत कृपा बित्डिम जिक्साने ऑफ बी० पी० रोड और सेवाराम लालवाकी रोड़ मुलूड (पूव), बग्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 कि, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 2-2-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमात प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विह्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कृष्णि नहीं किया गया है है—

- (क) वस्तरण ते हुइ किसी काय की नावत, उचल विभिन्यम के वभीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गयभ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए अ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३— 37—326GI/84 को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 फिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, धो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकींगे।

स्पथ्डिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उक्ट अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं न्यें होगा जो उस अध्याय में दिया भूषा हैं।

#### अवसर्वी

फ्लब्द न० 8, जो अरहित कूपा बिलंडिंग, जंक्शन ऑफ बीर पीर रोड, और सेवाराम लालवाली रोड, मृलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई-3/37ईई/5738/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, बम्बंर्ष

दिनाक ' 11-10-1984 मोहर 🛭

### प्रकृषाद् , दी., एन . एवं 3

# नाम्कर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नमीन सुभना

#### बारत करुकार

### कार्यानय्, सङ्गयक नायकर नायुक्तु (निर्शिक्)

धर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/5798/83-84--अतः मुझे; ए० अप्रसाद

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25 000/ रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 33, जा फाल्गुनी बिल्डिंग, 3री मंजिल, लादीबाला दालोनी, माइल टाउन, बाल राजेश्वर राइ, मुलूंड (प), बम्बई—80 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णह रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2—2—1984

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत बन्तरण किथित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त क्रीविष्यम् की स्वीत कर दोने की सम्बादक को दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा की किस्कृष्ट काँड/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्नारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

आत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न औ अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थीन्:—— (1) तुषार फोमली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द एच० शाहा और अन्य। (अन्तरिती)

का यह सूचना चारों करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्मित्ति में नर्जन के सम्मृत्य में कोई भी भारतेप्?--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अवधिया तस्सेवेधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी व्यक्तियों में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### नगृस्वी

फ्लैट नं० 33, जो फाल्गुनी बिल्डिंग, 3री मजिल, सादीवाला कालोनी, माडल टाउन, बाल राजेम्बर रोड, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई-3/37ईई/57983-84और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई ।

विनांका 11--10--1984 मोहरः

### प्रसम् भाष्ट्रं, टी. एनः १६ ुननननननननन

## बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाः 11 अक्तूबर, 1984

निदेश स० आई-3/37ईई/5717/83-84- अत मुझे, ए० प्रसाद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह निस्नास करने का कारण हैं कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका जीवत नाजार मृन्य 25,000/रा. से बिधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नं 7 और 8, जो ग्राउन्ड पलोर, निलकंठ कुटीर, मीव एसव 629, कांजूर विलेग, मांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (और इसके उपाबक अनुसूत्री में और पूर्ण रूप नं विणित हैं) और जिसका अगरनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री हैं नारीख़ 2-2-1984

का पूर्वोक्त सपित्त के उभित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित का गई है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उभित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वायित्व में कृमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्षः अब , उन्त अधिनियम को बारा 269-ग के अनुसरण हैं, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निंसिक व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मेसर्स भानेक्वर इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री जलाराम भक्त मंडल ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उनत् कृष्टित् वी वृजीन् के सम्भूत्भ में कोई भी नासोप्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन को अविधि या सत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विस्था किसी अन्य व्यक्ति त्यारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिक्ति में किए जा सकार्य।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **भनुस्**ची

हुकान न 7 और 8. जो भाउन्छ फ्लार, नीलकठ कुटोर, सी० एम० 629, आजूर विलेज, माडूप (पश्चिम) बस्बई 78 से स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋम स० अई-3/37ईई/5717/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 2-2-1984 को रिकस्टर्ड निया गया है।

ए० प्रसाद सद्धाः प्राधिकार। सहायक आयवस्र आयुक्त (निर्शेक्षण) अर्जन रेंज्र - ३, दम्बर्द

दिनाक : 11-10 1984

माहर 🛎

प्रकल कार्ड . टॉ , एन , एस . "----

जामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### हारह ब्रकाड

### कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 अक्तूबर, 1984

निदेश स॰ आई-·3/37ईई/5716/83-84--अत<sup>-</sup>, मसे, ए॰ प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स॰ दुकान न॰ 3, जो ग्राउन्ड फ्लोलर, निलकठ कुटीर, कांजूर विलेज, मांडूप (प), बम्बई -78 में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित

है) और जिसका बारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को प्रोवास सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बेव्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कितिफल, निम्नलिक्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से क्थित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः क्व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरम मं, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्वे अधीर, क्विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) मेसर्स भानेश्वर इन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी अजना अग्रवाल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

### अनुस्पी

दुकान नं० 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, नीलकंठ कुटीर, काजूर विलेज, माडूप (पश्चिम), बम्बई-78 मे स्थित है। अनसूची जैसा कि कम स० अई-3/37ईई/5716/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, **बम्बई**

विनांक 11-10-1984 मोहर प्ररूप आई. ट. एन . एस. - - ---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिाक 11 अक्तूदर, 1984

निदेश स० आई- 3/37ईई/5715/83 84---अत', मुझे ए० प्रसाद

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं० दुक्तान न० 6, जो प्राउन्ड फ्लोर, नीलकंठ कुटिर, सी० एस० नं० 629, काजूर विलेज, भारूप (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनसूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयक्ष अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की शावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे गचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,--- (1) मेसर्न भानेक्वर इन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेशकुमार रंगलाल हरिकशका। (अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन केंभीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वि पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कींकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्यायं 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्यो

दुकान नं० 6, जो ग्राउन्ड फ्लोर, नीलकंठ कुटीर, सी० एस० नं० 629, काजूर विलेज, भांडूप (पश्चिम); बम्बई-78 में स्थित है।

अनंसूची जैसा कि ऋम स० आई-3/37ईई/5715/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-2-1984 को रस्जिटई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~3, **बम्ब**ई

दिनांक: 11-10-1984

### प्रकल बाइ दी एक एक -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेज-3 वम्बर्धः

बम्बई, दिनांह 11 अक्तूबर 1984

निदेण सं० अई--3/37-ईई/5714/83--84---अतः, मुझे ए० प्रसाद

कायकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकान नं० 2 जो ग्राउन्ड पलोर नीलकंठ कुटिर सी० एस० नं० 629 कांजूर विलेज भांडूप (प०), बम्बई - 78 में स्थित है (और इसने. उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की बाल 269क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय में रिजस्ट्री है तारीख

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्न है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम करी भारा 🛵 😘 🏴 है अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 🥦 69-च की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 (1) मेसर्स भानेश्वर इन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) डा० पूर्णिमा धनेंद्र झा ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (च) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखिन में किए जा नकीगे।

स्थब्दीकरण : "- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

दुकान नं० 2 जो ग्राउन्ड फ्लोर तीलकंठ कुटिर सी० एस० नं० 629 काजूर विलेज भांडूप (पश्चिम) बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कम सं व अई--3/37-ईई/5714 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनोंक: 11-10-198 4

मोहर

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बंधीन स्वमा

#### भारत बरकाह

### कार्यास्य, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बाई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/5713/83-84--अत मझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं.

और जिसकी दुकान नं 5 जो ग्राउन्ह फ्लोर नीलकंठ कुटिर कांजूर विलेज भांडूप (प) बम्बई 78 में स्थित हैं (और इससे उपावड अनमूची में और पूर्ण रूप से विजा है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायिलय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-2-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए इन्सरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिषत बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के बायित्व में कमी करने या अससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-य के अनुसरण चें, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (६) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, जर्थात् १—— (1) मेसर्स भाने म्बर इन्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स झवेरचन्द्र क्रास (अदर्स)। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्नुख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

### अनुसूची

दुकान नं० 5 जो ग्राउन्ड फ्लोर नीलकंठ कुटिर सी० एस० नं० 629 कांजूर विलेज भांडूप (पण्चिम), बम्बई-78 में स्थित है ।

अससूची जैसा कि कम सं० आई-3/37ईई/5713/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिआरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक 11-10 1984 मोहर प्ररूप आई. दी. एन. एस. - - -

मामकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई--3/37ईई/6000/83-84---अत:, मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुनान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिस्डिंग नं० 6, "संदेश" आफ मालाड संदेश को० ओपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, आफ भावें रोड, मालाड (प०), धम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय मे रिजस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे हास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम क्रे अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य म कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (का) एसी किसी काय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री रिवचंद्र बी० दास ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र पृथ्वीराज उपाध्याय। (अन्तरिती)

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता होंदू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्थंध्दीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भगुत्रुची

दुकान नं० 9, जो प्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 6, "संदेश" आफ मालाड संदेश को०-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भर्वे नं० 26 (पार्ट), एच० नं० 1 (पार्ट), मिथ चौकी, उष्मा नगर आफ, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि ऋम सं० आई-3/37ईई/6000 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ह ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनीक: 11~10~1984

### प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई---3/37ईई/6035/83--84---अत:, मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० दुशान न० 18, जो जानेश्वरी बिल्डिंग आरे रोड, पेठ गोरेगांव (पूर्व), बम्बई -53 में स्थित हैं (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण कप में विशिष्त हैं) और जिसणा शारारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-2 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यभाम्बोंक्त सम्परित की उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से एसे रवयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रतः स्वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) में बार्टीत, निम्नीलिणित व्यक्तियों, अर्थात :—— 38—246GI∣84 (1) मेसर्स विलोक अन्सद्रकणन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० जोसफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायित ;
- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अभोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### *अ*नुसूची

दुकान न० 18, जो जानेस्वरी **वि**रुक्त, आरे रोड, पेस बाग, गोरे गांव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/6035/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायय आयक्र आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज∼3, **बम्बई** 

दिनांकः : 10−10−1984

मोहर

**प**र्म = 122 = 123 = 124 = 124

### प्रकप आईं. टी. एन. एस.-----

### बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, यहायक जायकार कायुक्त (निरक्तिका) अर्जन रेंज~ 3 बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 10 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई--3/37ईई/5815/83--84---अनः मुझे ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० सी० टी एस० नं० 15, 16/1, 16, देवनार पाडा रोड़, देवनार, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनिमय 1961 की धारा 269, की ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 2--2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगृष्ठि में धारा स्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उत्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अवने में मुधिया के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसे अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्ति रती दवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में मुविधा के लिए;

नत: अब, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के नृत्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कीए टिक्स अस्स्युक्यान्सः।

(अन्तरक)

(2) संदिप एस० भेटये ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्धथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वच्छीकरणः -----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

### भनुसूषी

प्रापर्टी बे अरिंग नं सी विशेष एस वं 15, 16 और 16/1, देवनार पाड़ा रोड़, देवनार, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्षम सं आई-3/37ईई/5815/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-10-1984

### प्रक्प नाइ . टी. एन . एस . -----

(1) क्रिलोक रान्सद्रेक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

आयकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

(2) श्री धिरेत एम० जोकसी ।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

अधिसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/6036/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 239-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिनहीं सं० दुशान सं० 19, जो, जानेश्वरी बिहिडम, आरे रोड़, पेश्वाम, गोरेगांव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस्हा करारनामा आयहर अधि-वियम 1961 की धारा 269 स. ख के अधीन बस्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख़ 2-2-1984

को प्वांसत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निधिवित उव्वोदय से उकत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- ्रक) अन्तरण संशुद्ध किली नाम की बावरा, अक्त अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के दामिल्य में कभी कारने मा उससे अभने में सुविधा के लिए; बॉड√वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विभा के सिए;

जतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### वनुसूची

दुकान नं० 19, जो, कानेग्वरी बिल्डिंग, आरे रोड़, पेरुवाग, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। अनुसूची जैसा विकाम सं० आई-3/37ईई/6036/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, **बंग्बई**

दिनांक: 10-10-1984

मोहर 👔

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीसभाल के० ध्रुयाः

(1) मेसर्स शिक्षोरचन्द्र एन्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, यम्बई

बम्बर्ष, दिनांदा 10 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० आई-3/37ईई/5780/83-84--अत मुझे, ्ए० प्रसाद

भागकर गिंधनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें [सके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रु. से अभिक **है** 

और जिसकी संबद्धशान नंव 12, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, अरिहत गोपाल इंट्रण गोजल शेष्ट्र, मुलूड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इसमे उपायद अनुमूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका लरारनामा आयशर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए, ख के अधीन बम्बई स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्गायस्ट्री है तारीख 2-2-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान पितफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया **ण्या प्रति**फल निम्नलि**सित उद्द**ेश्य से उक्तः अन्तरण लिसित मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- 😘) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिभिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों **फ्रें**, जिल्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविभाके लिए:

अन्तः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 2.69-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपर्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्विथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श्र) इस सूचनाको राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जंन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उसा अध्याय में दिया।

### अनुसूची

दुकान न० 12, जो ग्राउन्ड फ्लोर, अरिहंत, गोपाल वृ:डण गोखले रोड़, मुल्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं०आई--3/3*7-*ईई/5780/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिदारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्श किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंग--3, **बम्बई**

दिनांबा: 10-10-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

### मारत तरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांदः 10 अन्त्रवर, 1984

निदेश सं० आई-3/387ईई/5983/83-84--अस :, मुझे ए० प्रसाद

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- एतः से मिशक हैं

और जिसकी सं० प्लाट न० 14, जो, दिपक अपार्टमेंट, लोअर गोविंद नगर, पवन बाग रोड़, चिचोली, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है तारीख 2--2--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देन के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ए'सी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922. (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्तरण में, में, उक्त अधिन्यिम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनं, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ४---

- (1) मेसर्स नामशियल डेबेल्पमेंट नारपेरिशन । (अन्तरकः)
- (2) आरी ए० एन० काम्रत । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वाराः
- (श्वा) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्पकरीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### जन्सची

प्लाट नं० 14, जो, दितपक अपार्टमेंट, लोअर गोबिद नगर, पवन बाग रोड, चिचोली, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अन्सूची जसा कि कम सं० आई--3/37ईई/5983/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रिजस्टर्फ किया गया है।

> ए० असाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन,एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के बोग स्वामा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 अक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्राई-3/37ईई/6012/83-84--भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,0(0/- रुपए से बिधक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 3—डी, जो, पूष्पा चंद्रा, एस० ही० रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई—63 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनमिय 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख़ 2—2~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 'क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए, बीद/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के हिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में में, जकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अभीन, मिस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) एम० बी० शाहा, दस्टी, दावल दस्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वतीबेन बी० पटेल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का, जो उन्तेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका

#### वन्स्वी

फ्लैंट नं० 3-डी०, जो. पुष्पा चंद्र ,एस० ही० रोइ, मालाड (पश्चिम), बम्बर्ड-64 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि कम स० श्र $\hat{\xi}$ -3/37 $\hat{\xi}\hat{\xi}$ /6012/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब $\hat{\xi}$  द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्० प्रसांद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-*3, बम्ब*ई

दिनांक : 10-10-1984

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्र $\frac{5}{3}$ -3/37 $\frac{5}{5}$  $\frac{5}{991}/83$ -84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, संतोप नगर को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, नरिंसग लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भ्रौर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरण से हुई किसी काय की वावत, उक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अधीत् :-- (1) श्री हरंग टिकमदास ग्रडनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रार० बी० गांगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्ठियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्स्धी

दुकान नं० 8, जो, संतोष नगर को॰ श्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी नरसिंग लेन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-3/37ईई/5991/83-84 और जो सक्षम प्राधिकािंरी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, **अ**स्ब**र्**ट

दिनांक: 11-10-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकार निर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन मृभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊷3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/6146/83-84--श्रत: मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, पूजा बिल्डिंग, माहूल रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक कप में अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली बाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिबों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्रीमती फेन्सीबाई जीव जैन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार मेहरा ग्रौर श्री सुरेश कुमार मेहरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित - है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

### वन्स्ची

फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, पूजा बिल्डिंग, माहूल रोड़, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है।

ममुसूची जैसा कि क्रम सं० क्राई-3/37ईई/6146/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दि**ष**ांक 11 प्रक्तूबर, 1984 निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/5756/83-84—ग्रत:, मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट, 3री मंजिल पर, जो ने ल्लायस्र पार्टमेंट ''सी'' बिल्डिंग, प्लाट नं० 18, सर्वे नं० 14-ए०, सायन द्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (का) ऐसी किसी आयं या धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित स्थिक्तियों, अर्थात् क्ष्—— 39—326 G185 (1) मैं दि नेल्लाय को० भ्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(1) श्रीमती सिथालक्ष्मी मणी :

(ग्रन्तरिती)

क्ष्ये यह सुकना कारी करके प्वा<sup>म</sup>नत सम्पत्ति के सर्वन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖅

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अवधि बाद में समान्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

### अनुसूची

पलैट ग्रान 3री मंजिल, नेल्लाई ग्रपार्टमेंटस, "सी" विल्डिंग, प्लाट नं० 18, सर्वे नं० 14-ए०, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबुर, वम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37 हैई/5756/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸3, बस्बई

दिनांक : 11-10-1984

### प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) भूजीन रेज-3, तम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रक्तबर, 1984

निदेश सं० ग्रर्ड-3/37ईई/5757/83-84—श्रत., मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधित मक्षम प्राधिकारी का यह विस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिन्दार उचित ब्राजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट 3री मंजिल पर, जो, नेल्लाय श्रपार्टगेंटस, ''की'' विरित्तग, प्लाट नं० 17, सर्वे नं० 14-प्, सामन द्राम्बेरोड, चेंब्र, बम्बई-71 में रिशत है (और इससे उपाबह श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), ग्रीर जिसका करारनामा श्राप्तकर श्रिविमिय, 1961 की धारा 269क, ख के स्रश्रीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पर्वोदित रम्पिन के उचित ब्राजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक स्प से किशत नहीं किया ग्या है. --

- (क) अन्तरण सं हर्ड किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 के। 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 के। 27) के गयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उनन यथिनियमं की धारा १६९-घ को अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा १६९-घ की उपधारा (1) को अभीज निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान :— (1) मैदि नेल्लाय को० अप्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी रामानूजन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्व</sup>, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फैलैंट 3री मंजिल पर, जो, नेल्लाय श्रपार्टमेंट्स, "बी" बिल्डिग, प्लाट नं० 17, सर्वे नं० 14≒ए० सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/5757/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~3, वम्बई

दिनांक 11-10-1984

प्रक्ष आहे. ट्री. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निर्ीक्षण)

श्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मुक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/6145/83-84—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु<sup>3</sup>), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण हु<sup>4</sup> कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ह<sup>3</sup>

श्रौर जिसकी सं० पलैट 3री मंजिल पर, जो नेल्लाय अपार्टमेंट्स, सी० बिल्डिंग, प्लॉट नं० 18, सर्वे न० 14-ए सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनमिय 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री में तारीख 2-2-1984

को पूर्विक्स सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पक्ति का उज़ित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अंतः अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुस्रण वी, मी. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं ० दि नेल्लाय को० ग्रोपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० राघवन ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकार।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैंट 3री मजिल पर, जो नेल्लाय श्रपार्टमेंट्स, ''सी' बिल्डिग, प्लाट नं० 18, सर्वे नं० 14-ए, ट्राम्बे रोड़, चेब्र बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूवी जैसा कि ऋम स० श्रर्ड-3/37ईई/6145/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज–3, बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

### प्रकृष बाही, दी , एव , एव ,------

भागकर गीर्भानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्मृता

#### धारच अञ्चल

कार्यास्य, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, त्रस्बई

बम्बई, विनांक 11 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/5755/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह निश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से निधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-10, जो नेल्लाय श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 16, सर्वे नं2 14-ए, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्य (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफन, जिम्निविश्वत उद्वरेष से उद्य अन्तरण सिश्वत में अस्तिक के प से कि भित्र नहीं किया गया द्वी द्व--

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दाने के अस्तरक के विधिनियम के जभी करने वा उपने वृष्णने में सुविभा के निष्; बार्ट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिये वा, कियाने में सुविधा के सिक्;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपभाग (1) के अधीत, निम्मसिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) दि नेल्ला को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांतां लक्ष्मी रामास्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति-द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स्यी

फ्लैट नं॰ ए-10, जो, नेल्लाय श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं॰ 16, सर्वे नं॰ 14-ए, सायन ट्रॉम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई-3/37ईई/5755/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11--10--1984

प्ररूपः बाहै ही एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन, रेंज-3 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 🔢 श्रवतूबर, 1984

निदेश स० ग्राई-3/37ईई5754/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उनत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा में अधिया ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-II, जो नेल्लाय श्रपार्टमेंटस, जाट नं० 17, सर्वे नं० 14-ए, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर यम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धाण 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-2-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं क्थ्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) सौर अंत-रिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल निम्नीलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी धरने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (६.) एम किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९२२ कर 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दि नेल्लाय को० श्रोपरेटिव हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमा क्षुष्णानु।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना <mark>चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्</mark>चन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नन्स्ची

फ्लैट नं० बी—II, जो नेहलाय ग्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 17, सर्वे नं० 14-ए, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई-3/37ईई/5754/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-10-1984

प्रकृप बाही. टी. एन्. एष्.-===

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्चन।

#### शास्त सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 अक्टूबर 1984

निदेश सं ० अई-- 3/37--ईई/6103-ए/83--84---अत: मुझें ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करः का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो, शिविश्वरो, चेंपाझन्ती की-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोमाईटी लिमिटेड, पो० एल० लोखंडे रोड, श्री नारायण नगर, शिवाजा नगर पाश्री, बम्बई-43 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजास्ट्रा है, दिनाक 2 फर-वरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गावार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित, उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बुचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा से किए:

बक्तः वया, अक्त जिभीनयम की भाषा 269 व की अजलरका को, मी उतन अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सो० व्हि० वेंकटेशन।

(अन्तरकः)

(2) श्रोः एस० के० जोखी।

(अन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के सिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए का सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्पा

प्लैंट नं० 22. जो. शिवगिरी, चेंपाक्षन्ती को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोमाईटी लिमिटेड, पो०एल० लोखन्डे रोड, श्री नारामण नगर शिवाजी नगर पी०भ्रो०, बस्बई-43 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्सं० अई-3/37-ईई/6103-ए/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्बई

नारीख: 11-10-1984

मोहर 🛭

५६५ अहर दी ए एग - - ----

**बाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### वारंद राजवा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनाक 11 अक्टूबर 1984

निदेश स० अई-3/37-ईई/5590/83-84--अत मुझे, ए० प्रमुख

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा** 269-वासे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **फारण है** कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - एः. से अभिक हैं

ग्रीर जिसक सर फ्लैट नरु 14, जो, लाट नरु 109, अमरदाव को-आपरेटिव्ह हाउमिंग मोमाईटा, 16 वा पस्ता, चेबर, बम्बई में स्थित है श्रीर इतसे उपाबद्ध अनसूची में भीर पूर्ण रूप स वर्णित है। श्रीर जिसका जशास्तामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क्खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय मे रजोस्ट्री है, दिनाक 2 फरवर। 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एमे रहयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्देश्य स अक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सन्विभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १५२२ टा १४) या उद्धतं अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया **भागाकियाजानाचाहिए था छिपाने में** भेत्रिज के लिए,

तत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्य**क्तियों, अर्थात्** ६——

(1) श्र) पी० एस० रामारत्न ।

(अन्त्रसः)

(2) श्रोमतः स्कत्या रामचद्रन्।

(अस्तिमा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के कि। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्राध्यत्यी व्यावतया पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की *सारी*ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

फ्लैंट न० 14 जो लाट न० 109, अमरदीप को-आप-रेटिव्ह हार्जीयम सोमाईटः 16 वा रस्ता, चेनुर, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूच: जैसाकी ऋ०स० अई-3/37-ईई/5590/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधियारी वश्वई द्वारा दिनाक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किंया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम पाधिकारो महायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

नार ख 11-10-1984 मोहर

### 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत इंद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई दिनांक 11 अन्दूबर 1984

निदेण सं० अर्ध-3/37-ईर्ड/6049/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,006/-र; से अधिक है

श्रौर जिसका सं० फ्लैंट न० 4. जो, बिल्डिंग नं० 9 बी, नित्यांनंद को-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सीसाईटा लिसिटेंड, चेंबूर, बस्बिट-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण कप से बिणित है) श्रौर जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 का,ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांका 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को** शासित्य में कभी करने या उसमें वचने में गुजिश श्रीसए; **शर/वा**
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रो, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विभा से सिद्ध;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री जोगिदरसिंग अमोल हसिंग ।

(अन्तर्का)

(2) श्रामतः निलू विनोद लुगानः ।

(अन्तरिनं)

को यह सुचना जारी करक परास्थित सम्मान्ति के अवंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में ध्वर्ष भी जाओप हुन्न 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयोक्त शस्तों और पंथा का, जो उदर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### मन्त्रधी

फ्लैट नं ० 4. जी. बिल्डिंग नं ० 9वंत नित्यांनंद की-आंपरेटिव्ह हाउमिंग सोनार्षटः निमिटेड, चेब्र, बस्बई--7.4 में स्थित है।

अनुसूचः जैसाको क्रुब्संव अई-3/37 ईई/6049/83~84 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारा, यस्पर्व हारा दिनांक 2 फरवरो 1984 को रजभटई किया गया है।

> ्रायस्य - सञ्जनः प्राधिकारः सहायक् आयास्य आयुक्तः (निरोक्षण) अर्जनः रेज– ३, **बस्वई**

न(रेखि: 11−10−1984

मोहर 🕆

A CONTRACTOR

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ध दिनांक 11 अक्टूबर 1984

निदेश सं० अई-3/37–ईई/6015/83–84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 19, जो, 1 लीं मंजिल, साई-नाथ इण्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 2, कोटकार रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--62 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई 2 फरबरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर बीने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अप या किसी धन बा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रह किया जाना जातिए था, छिपान में सृविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---40-326GI/84

(1) श्रो आर० राजनू उर्फ रामय्या राजन्।

(अस्तरक)

(2) मेसर्स युनायटेड मेटल वर्क्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### अनुसूची

माला नं० 19 श्रो, 1 लो मंजिल, माईनाथ इण्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 2, कोटकर रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-62 अनुसूचा जैसाका क०सं० अई-3/37-ईई/6015/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरा 1984 को रजास्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, व्यस्तर्द

तारीखा: 11−10−1984

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . -----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

#### भारत सरकार

### कार्यालय सहाबक भागकण भाग्वस्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनाक 1! अस्ट्रवर 1984

तिदेश प्राप्त अर्ह-3/17 ईई/7901/83~8 ⊱—अत. मुझे, ए० प्रसार

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ल के पित सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिमदा उनित बाजार मृन्य 25,000/- रुपये में अधिक है

स्रीण जिएक स० फ्लैंट नं० 9, जो जिल्डिंग नं० 0-2, 2 क. सीए 1/1 मंजिल, प्लांट नं० 8, पर्वे० नं० 161 (पार्ट), एमं जे रोड बागूर त्यार गोरेगांत्र (प), बम्बर्ड- 90 में स्थित है (भीण इसमें उपायद अनुसूच, में श्रीर पूर्ण स्प । विधार है) और जिएका क्रिएनामा आसमर अधिपायम, 196! के धारा 269 क.च के अनंच नमाई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्जिकर में रजेरड्रे है, दिनांक 2 परवर 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह बित्रांत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक स्प म किथन नहीं किया गया है ---

- (क) त्राव्या श्राप्त गिल्मी आय की बाबता, जनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को लिए करूम से नमार बन्नम को मिकता के लिया क्ला ते
- ाहा गान् हिला अस्य पा क्षेत्र प्रस्त या सत्य व्यक्तियाः
  ता विकार प्रारत्तित सायकार स्विभित्रमः १०.५.
  ता भा ११ ते अका सिंपित्रमः यह स्वन्तियमः यह स्वन्तियमः यह स्वन्तियमः १८५७ ते स्वन्तियमः १८५० ते स्वन्तियमः १८५० ते स्वन्तियमः स्वन्तियमः अन्तियमः अन्तियम
- : ११ अने अधिनियम की धारा २६५-ग के अनुसरण मा, मी. उन्हें अधिनियम की धारा २६५-घ की उपधारा (1) क ल भिरुषात्रीभक समित्र अधित —

- (1) श्रा विरज्ञानंद गुण्या (हि॰স॰कु॰)। (अन्सरक)
- (2) शामतः सावित्री देति जवाला प्रसाद शर्मा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

फ्लैट नं० 9. स्रो, विल्डिंग नं० 0-2, 2 स्रौर 1/4 मंजिल, प्लांट नं० 8. सर्वे नं० 161 (पार्ट), एम०जी० रोड, बांगूप नगप, गोरेगांव (क्विंजा), बस्बई-90 में स्थित है। अनुपूच जैसाका करनं० अई-3/37-ईई/5901/83-84 जो पक्षम प्राधिकार, बस्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को एकोस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम पाधिकार। सहायक आयक्षर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज⊶3, वस्बई

নাৰে: 11-10-1984

भो गुण

प्ररूप बाई. टी एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन सुचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/5906/83-84---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया हो. की धारा 269 क अधीन सक्षम पाधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 26.000/-रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 02/39, जो, प्लाट नं० 8, जय विजय को-श्रापरेटिव्ह हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड, निर्माणा-धीन इमारत, बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है (श्रौर इससे उपायह श्रनुसूची भें श्रोर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984 व

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण हे हुई किसी बाय की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए अरि/या
- (च) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियं अधीन,

(1) श्री मुरारी प्रसाद शर्मा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वंदना दयाल मनशारामाणी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां शुरु करता हुं।

जन्त सम्पर्शिक निर्मान के सम्बन्ध मा कोई भी आश्चेत --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हों, को भी गर पर्धीकत क्यिक्तियों में से किसी क्यिक्त द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत्त में हिलाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्योकरण ---- इसमें प्रयक्त शाला और पदा का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 2()-क में परिभाषित है, वही अध होगा जा उस अध्याय मा दिया स्था है।

### अनुसूची

फ्लैट न० 02/39, जो, प्लांट नं० 8, जय विजय को-भ्रांपरेटिक्ट हाउसिंग सोगाईटी लिमिटेड-निर्मानाधिन इमारत-बांगूर नगर, गोरेगांव (पिक्चम), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०स० ग्रई-3/37–ईई/5906/83–84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन र्रेज,-3, बम्बई

तारीख : 11--10--1984 मोहर : Carrier Control

प्ररूप बाह्र दी एन एस . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 श्रवट्बर 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/5814/83-84--ग्रतः भुसे, ए० प्रसाद

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समंग्ति, िषसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, डिलाईट हाउस, स्टेशन भ्रव्हेन्यू रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विनांक 2 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्तरिती (अन्धरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियां को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चारमधी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री वाय०एन० शास्त्री।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, आरेड वस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 6, जो, डिलाईट हाउस, स्टेशन भ्रव्हेन्यू रोड, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रन्**सूची जैसाकी क**०सं० श्रई-3/3*7-*ईई/5814/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी ग्रायक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 11-10-1984

प्रकप् आईं. टी. पुन्. एस्.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 11 ग्रषटूबर 1984

निवेश सं० ग्राई-3/37-ईई/5957/83-84--श्रत मुझे, ए० प्रसाद

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उनुकत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-402, जो, 4थी मंजिल, "श्रीराम टावर्स", टेंक लेन, श्रोलेम चर्च के बाजू में, ग्रॉफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिचिए में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरूण संहुइं किसी बायंकी वाबत उक्त विधिनियस के अभीन कर दोने के बन्तरुक के दायित्व के कमी करूने या उससे बचने में सूबिभा के सिहु; बॉर्ट/मा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या जन्म नास्तियों की जिन्हों भारतीय नाम-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से विश्

नतः नद, उक्त निधिनयम की भारा 269-म के ननुसूरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम कन्स्ट्रमशन्स प्रायबेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्टन्ले डिसोजा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### **ग्र**मुस्**ची**

फ्लैट मं० बी-402, जो, 4 थी मंजिल, "श्रीराम टांवर्स" टेंक लेन, श्रोलेम चर्च के बाजू में, श्रॉफ मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० ग्राई-3/37–ईई/5957/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 11--10--1984 मोहर प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱिक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० श्रई-3/37—ईई/6072/83—84——श्रन मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-14, जो, वासूकी, 7वां रस्ता, राजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरबरी 1984। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित श्राजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिकित से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिकित से अधिक ही सीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिकित) के की अधिक से अस्थ से उस्त अस्थ प्रतिकत में बास्त प्रतिफल, अस्थ से अस्थ से उस्त अस्थ प्रतिकत में बास्त विक स्थ में अस्थ से उस्त अस्थ से सिंग के सिंग से बास्त

- (स) अन्तरण अ तुर्वे किलो लाय की शरकत खरल की क्रिक्ट निवस के नागीन नगर देने के अन्तरण के क्रिक्ट में कमी करने था असल बचने में सुविधा े लिए; धीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया घर पर किया अपना बाहिए था, हिण्याने में सुधियस के निस्प;

अत: अव, अक्षा अधिक्तिय की भाग 269-म से अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री ग्रर्पित लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जस्मिन बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संस्पत्ति के वर्षम् के शिए कार्यवाहिया करता है।

जनस सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्योंक्ट व्यक्तियों में से किया व्यक्ति होता है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसीमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्**या**

क्लैट नं॰ ए-14, जो, वासूकी, 7वां रस्ता, राजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क्र॰सं॰ म्रई-3/37-ईई/6072/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 11-10-1984

मोहर

### प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

भारते का गणपत्न, नवग्बर 17, 1981

## आयकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 12 श्रक्टबर 1984 निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/5786/83-84--प्रतः भुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिानयम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका डिचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 63, जो, 6 वी मंजिल, तिरूपती भ्रपार्टमेंट्स, एस०नं० 1000(पी), प्लांट नं० 1081, सी० एस०नं० 1056, देविदयाल रोड, मुलुंड, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थिति सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नस्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्ला से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या जससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ह<sup>4</sup> भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को प्रथीन, निम्दलिखिन "यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री निरंजन हरीराम बादीया, श्रीर श्रीमती कल्पना निरंजन बादीया । (अन्तर्क)
- (2) श्री प्रताप रमणिकलाल चंद्रना, भ्रीर उपा प्रताप चंद्रना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाें स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुस्**ची

फ्लैट नं० 63, जो, 6 वी मंजिल, तिरुपती श्रपार्टमेंटस्, एम०नं० 1000(पी), प्लांट नं० 1082, सीवएम०नंव 1056, देविदयाल रोड, मुलूंड, बम्बई में स्थित है।

म्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-3/37-ईई/5786/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोनर :

### त्रस्य बाह<u>ी.</u> टी. एव.. <u>एस्. २०१</u>-०-१--

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश मं० अर्ह-3/37—ईई/6316/83—84——अतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी फ्लैट सं० 5, जो, बारीया अपार्टमेंट, एस० हिंह० रोड, मालाड (पिष्टम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विनांक 2 फरवरी 1984 को पूर्वों कत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी बाय की बायत्, उच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के धासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा की निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कि अधीन, निम्नतिसिय व्यक्तियों, अर्थाम् :---- (1) श्री नटबरलाल मावजीभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री पितौबर ठाकूरदास तलरेजा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सिंह कार्यवाहियां क्रुक करता हो।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितनव्ध किसी बृन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुस्थी

प्लैट नं० 5, जो, बारोया अपार्टमेंट, एस०व्हि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा को ऋ०सं० अई-3/37-ईई/6316/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बर्ध** 

सारी वा: 12-10-1984

मोहर 🕸

प्ररूप आई. टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- म (1) के अधीन स्मता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्गन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देण सं 0 **अई-** 3/37ईई/6024/83-84--अतः मुझे ए॰ प्रसाद

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स्टेअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फलोर, प्लाट नं० "ए", सी०टी०एस० नं० 585, कृष्ण बाग, मुक्ताबाग लेन, मालाड, बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जम्म चाहिए था, ज्ञियान में अविधा के सिए;

(1) मेमर्स चैतन्य इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रंत केमिस्ट मालाड ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुण: - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

### मन्स्ची

दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं० "ए", सीं ०टी ० एस० नं० 585, कृष्ण बाग, मुक्ता बाग लेन, मालाड बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकी करुसं० अई-3/37-ईई/6024/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

अरूप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाक 12 अक्टूबर 1984 निदेश सं० अर्ड्ड्-3/37-ईर्ड/5744/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, "माबरी" कांजना की-आंप० हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड, 11 वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित मुक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विनांक 2 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भी कै० नारायणन्।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णोभा एस० अय्यर।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए ; कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### वनसूची

फ्लैट नं० 8, जो, ''साबरो'' कांचना को-आपरेटिष्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 11वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/5744/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

**सारीख**: 12-10-1984

प्ररूप. बार्ष. टी. धून. एस. - - - -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अक्टूबर 1984

निदेश स० अई-3/37-ईई/5665/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाव

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 17, जो, यूनिट न० 2, विरमानी को-आप० हार्जीसग सोसाईटो लिमिटेड, प्लाट न० 66, 66ए, बी, पेस्टम सागर, बम्बई-89 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्रो है, दिनाक 2 फरवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से इत्या मन्तरण निकत में

- (क) बन्तः अन्य सं क्ष्मं किसी नाय की वावतः, उसतः निर्धान्यम् के नभीन कर वाने के बन्तरक के बायित्व मों कभी करने या उससे अवने मो सुविधा के लिए, अप्रि./वा
- (ख) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं म सुविधा के लिए;

कतः नवः, स्वन्त मी० नियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त निधिनियभ की भारा 269-म की उपभारा (।) के अभीम, निस्तिविक्त स्वक्तियों, स्थीस् ≝--- (1) श्री वन्यूभाई उर्फ जवाहर जेथालाल परमार।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीशचंद्र पी० कलावाडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ज्यक्तियों में से फिक्टी ध्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकरें।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयो का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भग्सूची

प्लैट न० 17, जो, यूनिट न० 2, बिरमानी को-ऑपरे-टिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिभिटेड, प्लाट न० 66, 66-ए और बी, पेस्टम सागर, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसाको फर्नर अई-3/37-ईई/5665/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गर्या है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

### त्रक्ष्य कार्च. टी. २५. एस. -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निवेश सं० अई—3/37—ईई/6104/83—84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करन का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- तः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ब्लाक बं -7-154, जो, ग्राउंड पर्शाअर, रजवाडी को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, विद्या-विहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 का, ब के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त-

- (था) बन्तारण संहूवं किसी नाय की वायल, अक्ष्य विधिनियम् के भूभीन कार दोने के बन्तरक के दाबित्व ने कभी करने या उससे व्यूने में स्वीविधा के सिद्दा व्यूटिशा
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या धन्य आस्तिव्यों को, जिन्हों भारतीय बायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उपक्ष मीभनियम, बा धनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की बास 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, जर्थात्ः— (1) श्री व्हि० गणपथी राव।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मेन्द्र गुलाबचन सिराज।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के निष् भार्थनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन की अविभ या तत्स्वंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगां।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उचतः सिमान के अध्याय 20-कं में परिभाजित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्पी

ब्लांक बी-7-154, जो, ग्राउंड फ्लोअर, रजाबाडी को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, विद्याविहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई $\sim 3/37$ —ईई/6104/83—84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजीस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

नोषा: 12--10--1984

मोहरः

### प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्वई

ग्रम्बई, दिनांक 11 ग्रक्टूवर 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37—ईई/6031/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रहन से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 33, जो, जयश्री को-ऑपरेटिव्ह सोसाईटी, लिबर्टी गार्डन के बाजू में, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण कृप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कृख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्याफल कर स दुर्श्य सही किका गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए आभा वादिए था, खिपाने में सुविधा के शिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::— (1) श्री गणपतराम डी० इंजीनियर, श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चित्तरंजन के० बसू, ग्रीर भ्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाही शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्प्राध्तर में में किसी व्यक्ति हुए।
- (का) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन को तारी के मैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-नक्थ किसी का व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम को अध्याद 20 के में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्सैट नं० 33, जो, जयश्री को-ऑपरेटिव्ह सोसाईटी, लिबर्टी गार्डन के बाजू में, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०मं० ऋई-3/37-ईई/6031/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

तारीख: 11-10-1984

#### प्रक्ष बाहाँ, टी. एत. एस. ----

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ध्रक्टूबर 1984

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/3614/83-84---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, जो, हेमल ग्रपार्टमेंट, प्लीट नं० 19, 41, एस०नं० 85/5, 91/1, मौजे मालवणी, जिल्हा बोरिवली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफ ल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी थाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों सुविभा के लिए: और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा की लिए।

जतः अब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निस्तितिसित व्यक्तियों, अधीत ह—- (1) मेसर्स हेमल इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कानारन सिवदास श्रीर श्रीमती शम्बवी सिवदास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्र्ये :--

- (क) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यांकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० 40, जो, हेमल ग्रपार्टमेंट, प्लांट नं० 19,41, एस०नं० 85/5, 91/1, मौजे मालवणी, जिल्हा बोरीवली में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर्निं श्रई-3/37—ईई/3614/83—84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को रजीस्टर्क किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्यई

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🛊

रतपये से अधिक हैं

. प्ररूप साह<sup>2</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्श्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 श्रक्टूबर 1984 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/6013/83-84--श्रतः मुझे,

ए, प्रमाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, जो, महाप्रभू श्रपार्टमेंट, 1ली मंजिल, मार्थे रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की श्रारा 269 कष्त्र के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन्न के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अंगरिनों द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रधारा (1) के अधीम, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स के॰ पटेल एण्ड कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नटबरलाल व्हि॰ पटेल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननंत्रची

पर्लैट नं० 102, जो, महाप्रभू अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, मार्ले रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि अल्सं० अई-3/37-ईई/6013/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनाँक: 12-10-84

मोहरः

प्रस्प भाई दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयश्रर आय्क्त (निरीक्षण) पूर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 स्रक्टूबर 1984

. निदेण मं० श्रई-3/37–ईई/6037/83–84–-श्रतः मुझे,  $\sqrt[6]{2}$  प्रयाद

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो, ए—सबाह, सोमवार वझार, बाम्बे टाकिज के पीछे, एस०नं० 388/2, एन०एल० रोड, मालाड (पिष्टिम), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुए किसी जाब की बावल, उचल जिथितियमं के अधीन कर दोने के जनसरक के दृश्यित्व में कभी कारने या उत्तससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धौरा 269-ग के जन्सरण भा, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीग, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाशः :----

- (1) श्री करमाली इंटरप्रायजेस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हाजी इक्बाल ग्रहमद ग्रमीर वक्क्ष, ग्रीर (2) श्री इफ्तेग्डार ग्रहमद हाजी इक्बाल श्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

प्लैट नं० 301, जो, ए-1-सबाह, सोमवार बझार, बाम्बे टाकिज के पीछे, एस०नं० 388/2, एन०एल० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुस्वी जैसा की क०सं० अई-3/37--ईई/6037/83-84 और जो सम्मम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फर्बरी 1984 को रजीस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, वस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

राधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनोक 12 श्रक्तूबर 1984 निदेश सं० श्राई-3/37ईई/5602/83~84—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्आत् 'लकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित नाकार मूल्य 25.00/-रू से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सर्वे नं० 289, जो, श्रारनी श्रपार्टमेंट्स, एच०नं० 1(पार्ट), सी०री०एस० नं० 2921(पार्ट),
सरोजिनी नायद रोड, मनुंड (पिष्टम), वस्वई-80 में स्थित
है व श्रीर इससे उपायद श्रतस्वी में श्रीर पर्ण रूप से विणित
है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की
धारा 269 कृष्व के श्रधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984।
को स्वेवित संपत्ति के उत्तित बाजार मन्य में कम के द्वायमान
प्रतिफत के निए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विषयम
श्राप्त के विए अंतरित की गई है और सुभ्ने यह विषयम
श्राप्त असके दश्यमान प्रतिफत्त में एमें दश्यमान प्रतिफान के
पन्दह प्रतिशत से अपिक है और अन्तर्क (श्रन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसन में वास्तिक रूप से क्रिथन नहीं किया गया है

- िक) अन्तरण से क्रार्ड किसी बाग की कानता, नकता अधिनियम के अधीग कर दोने के अन्तरका गें यासित्य में कसी करने या उमरो दक्षतां में सुविधा के लिए; और√या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या करण अतंक्रतयहं की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, १००० अधिनियम, १००० अधिनियम, १०५० की प्रयोजनार्थ अन्तिरी देवारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अधिन्यम के लिए:

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं: उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 42 -326 GI/84

(1) श्रीमती विजया दिनेशचंद्र वाघ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चंद्रकांत ब्रजलाल दोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उयन राम्पतिन के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी माक्षेप : ---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रांस से 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर प्चना की सामील से 30 दिन की अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्थायनीतात्था - नारको प्रथमन बारमाँ और पर्यो का, जो उन्नत अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भग्य हो।

#### अनसची

प्लांट सर्वे नं 289, जो, श्रारती श्रपार्टमेंट्स, एव नं 1(पार्ट), सी व्ही व्यवनं 2921 (पार्ट), सरोजिनी नायडू रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई – 80 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसाकि क्र०सं० भ्रांई-3/37-ईई/5602/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽3, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

शरूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक नायकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 12 श्रवट्बर 1984

निदेश सं॰ ग्रई-3/37ईई/6063/83-84--- श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

अग्रयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह भित्रवाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

षीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 3 री मंजिल, विंग-ए, बिल्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क, एल०बी०एस०मार्ग, घाटकोपर (पिश्चम), बम्बई-86 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है। श्रौर जिसका करार-मामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उपित याजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिन्न बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेश्य से उज्ज्य अर्थण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की अबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या लसमें अपने में निकिश के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिक्त अधिनियम, गा धनकार अधिनियम, गा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री पारुल इंटरप्राइज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के०एस० रंगनाचन ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहिक करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपस्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्तित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 3 री मंजिल, विग-ए, बिल्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि फल्सं० श्रई-3/37-ईई/6063/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

अतः अध, उत्तर अभिग्रियम की धारा 269-ग के अन्मरण धे, मे, उक्त ऑधानियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख: 12--10--1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्थेष सं० भ्र० ६०-3/37-६० ६०/5779/83-84--भ्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हुँ

श्रीर जिसको सं० इडिम्ट्रियल यूनिट नं० 13 श्रीर 14 जो, ग्राउड फ्लोर, चुनाभट्टी, सायन चेंब्र रोड, बम्बई-22 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्टी है. दिनांक 2 फरबरी 1984

को पूर्विक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ोच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित एश्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) मेसर्स सुलसोदास बो॰ पटेल प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स हिन्दुस्तान टेरपेनेस ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण्ण में प्रकारन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसुची

इंडिस्ट्रियल यूनिट नं० 13 श्रीर 14, जो, ग्राउड फ्लोर, चुनाभट्टो सायन चेंबूर रोड, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि क० सं० अ० ६०-3/37-६० ६०/5779/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-3, बम्बर्ष

विनांक: 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकारु

### कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनोक 12 अक्तूबर 198,4

निर्देश सं० भ्रा ई-3/37-ई० ई०/5823/83-84--भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसम-इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 510, जो, 5वीं मंजिल, बिन्डिंग नं० "डो", ग्यू उथानगर को-श्रापरेटिव्ह हार्जसा मोनाईटा निमिटेड, भांडूप व्हिलेज रोड, भांडूा, बम्बई-78 में श्वित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा मे श्रीर पूर्ण छा मे विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के श्रिधान बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 2 फरवरा 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया श्रतिफन, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उसस बचन म मिंचया के लिए; आर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य असिस्यों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियान में स्विधा हो सिए;

्र**, नतः, जयः, जयःस अधिनियम को धारा 269-ग को अनुसरण** भौ, मौ, उक्त अधिनियम को धारा <u>2</u>69-व की उपधारा (1) भौ अधीन, निम्नलिसिक्ष व्यक्तियाँ, अर्थातः :--- (1) श्रां.मतः विना सवस्तः।

(ग्रन्तरक)

(2) मोसमा वागस ।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रियां करता हो।

उक्त सम्मल्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर रामत स्था के प्रकार स्था विस्ती अन्य स्थानन व्यवसार प्रकार के प्रमा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

प्लैट नं० 510, जो, 5वी मंजिल, बिल्डिंग नं० "डी", न्यू उपानगर की-प्रारिटेव्ह हाउसिंग सीमाईटो लिपिटेड, भांडप व्हिनेज रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र ई-3/37—ई० ई०/5823/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिक।र , बम्बई द्वारा दिनाक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायुक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण), ग्रर्जन रेंज-3, ब्रम्बई।

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाय 269-ज (1) को जभीन स्भान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाद: 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अ ई-3/37-ई० र्४०/5690/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृख्य 25,000/-स्त. से अधिक हैं

श्रीर जिनका संवयूनिट नंव 106, जो, दामज शामज इंडिन्ट्रियल इस्टेट, एनव बाव शामत मार्ग, विकीला (पव), यम्पई-83 में स्थित है (श्रीर इसमे उत्तबद्ध अनुसूबा में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका कराएतमा आवकार अधिनियम, 1961 का धारा 269, का, खेके अवान बम्बई स्थित सक्षम श्रीधि-कारा के बार्यालय में राजस्कृत है, दिनांक 2 फरवरा 1984

करें पूर्वीयत संपर्तित के जांचत नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का जिल्ह नाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती मिलारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नोलाकत जुद्दस्य स जनत अन्तरण सोखत में बाल्डिकक इप से किसत नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में मृतिभा के लिए;

जतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के जै, उचन अधिनियम की धारा 269-१ का जालका (1) के यथीन, निमर्भाविष्ठित व्यक्तियों, जर्थात् ्र—

(1) मेसर्स कमलेश द्रेडिंग कार्पेरेशन ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गुडडा पैकेजिंग सर्विसेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के दिवर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पृत्ति के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना जे राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वाकर क्यों क्तियों में स किसी क्यों कि बुदारा,
- (व) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी. के पास क्विक मा निष्ण जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः ----इसमी प्रयूवत शब्दों और पदों का, दी उक्स बिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया स्या है।

### वपृस्ची

यूनिट नं 106, जो, दान में, शाम में। इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन बाव शास्त्रा मार्ग, विकीला (पश्चिम), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूतः जैता कि कर् संर अ ई-3/37-ईरु ईर्/5690/ 83-84 फ्रोर जो सक्षम प्रोधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारोः, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज–3, बस्ब**ई**

दिनोंक: 12-10-4984

प्रकप बार्ष: टी. एन. एस. - - - --

श्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं जाने ने बेजरींग सिटा सर्वे नं 718, जो . प्लाट नं 42, दातार कालोनी, मौजे कांजूर, ताल्का कुली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकार अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन दमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्र है, दिनांक 2 फरवरा 1984 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के जिए अंतरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखत उद्वरेयों से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (अ) होसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ते

अतः अतः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में: उक्तः अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिधित व्यक्तियों, अर्थात् ४—— (1) श्रामतः गंगाबाई हूना कुरकुरे ।

(अन्तरक)

(2) राजराजश्वरतिबल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करक प्योंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### यनुसूची

जमीत बेंअरिंग नं शिदी सर्वे नं नं 718, जी, प्लाट नं 42, वातार कालीनी, भीजे सीग्रूर, तालूका कुली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37-ई० ई०/6081/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

धिनांबा: 12-10-1984

मोहर 🖫 🦠

#### प्ररूप नाहाँ, टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) कौ भार 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

भ्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 12 प्रक्तूबर 1984

निर्देश स॰ ग्रई॰-3/37-ई॰ ई॰/5724/83-84---ग्रतः मुझे ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसका स० फ्लैट न० 1, जो, ग्राउड फ्लोर, बिल्डींग न० 2 मुकद श्रायर्न स्टाफ एमोणिएणन को-श्रापरेटिक्त हाउसिंग सासाईट। लिमिटेड, गवाणपाडा, महात्मा फुले रोड, मुल्ड (पूर्व), बम्बई-81 मे स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रानुसूच। मे श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिन्हा करारनामा श्रायहर श्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधि— कारो के कार्यालय मे राजस्ट्री र, दिनांक 2 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान गष्ट्र ह प्रतिफल के लिए अन्तरित की और मभो यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वाक्त सप्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दोरय से उक्त अन्तरण लिखित मो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की कावल, उपन की बीतयम के अधीन कर की के अन्तरक के क्षांत्रित्य में कसी करने या उससे बच में गविधा के लिए बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं., मैं, उक्त अधिनियम की धन्रा 269-घ की उपधारा (1) अब्रिधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) श्रोके०ए० ऑन्थोनी।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी के० पक्षजमू, ग्रीर (2) के० पो० परमेश्वरा पन्नीकर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त सम्पत्यि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कर अविधि या तत्मम्बर्गी क्वित्तयों पर स्थान की तामील मे 30 दिन को अनिध . जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति देवार,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बहुध किसी अन्य अयिक देश अधाहस्नाक्षरी के पास क्रिया भें वित्य आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण ---इसमें पय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं 1, जी, ग्राउँड फ्लोर, बिल्डीग नं 2, मुकंद ग्रायनें स्टाफ एसीजिएणन को-प्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोमाईटो लिमिटेड, गवाणपाड, महात्मा फुले रोड, मुलूड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-3/37—ई० ई०/5724/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रजैन रेज-3, बम्बई ।

दिनाक 12-10-1984 मोहर.

### प्रस्य बार्ड, डी. एन्, एस.-----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भारा (1) के अधीन सुमना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निराक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रम्तूबर 1984

निर्देण सं० ग्रह-3/37-ई० ई०/5689/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 दा 43) (जिसे इरमों इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका छिषत बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० यूनिट नं ० 105, जो, दामजी शामजो इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० शास्त्री मार्ग, विकोलो (प०), बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनोक 2 फरवरी 1984।

का पालय में राजस्ट्रा है, दिनाक 2 फरवरा 1984 ।

को पूर्वीक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुमें यह विद्वास करने का कारण है

कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को
सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित
नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त किपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दासित्थ मो कमी करने या जयमे बचने में सृविधा के निष्; बार/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन मा अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारशीय अप्य-केंग्र ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसस अधिनियम, ध्य पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्श अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भग था व जिल्ला काला जाहिए था कियान में सुविधा कें लिए;

अतः व्या, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, जर्थात :— (1) श्रामतो क्रज्ञुवरकेन मधुलाल बारवालिया, श्रीर श्रो मनमुखलाल मधुलाल बारवालिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स इन्द्र पेकेंजिंग ग्रोन्ड बाय इदिरा चिल्ड्रेन ट्रस्ट । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथानित संपरित के वर्षन के निर्ण कार्यवाहियां कारता हुन।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हैं ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारित से 45 दिन की भीतर एकत स्थावर मर्माण्य मों हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाग अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, उही अर्थ होगा, जो उस अध्याय अं दिया गया हुँ।

#### नन्स्ची

यूनिट नं ० 105, जो, दामजीशामजी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल ० बी ० गास्त्री मार्ग, विकोली (पश्चिम), बम्बई—83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से प्रई-3/37-ई० ई०/5689/ 83-84 श्रीरजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारादिनांक 2-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज→3, बस्बई

विनांक: 12-10-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई०—3/37—ई० ई०/6094/83—84——अन: मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कैरने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 6, जो, लिंक टावर, हीरा नगर, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

- र को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई अरि मृझे यह विक्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण तिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं कया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 43-326GI|84

(1) हीरा नगर कन्स्ट्रवशन्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्री सलीम मोहम्मद हुसैन दिलेर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां वृद्ध करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, लिंग टावर, हीरा नगर, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कि० सं० अई०-3/37-ई० ई०/6094/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध री) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई दिनां र 12 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० ११६०—3/37—४० ६०/5737/83—84---अनः , मुझे, ए० प्रसाद

वायकर शाधिनयम, 1961 (1961 का 43) शिजसे इसमें ध्सक प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०-च के अधीन मध्यम प्राधिशाना का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पतैट न० 1, जो, 4थी मंजिल, विग—डी, विल्डीग न० ६ दामोडर पार्क, एल० वं।० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई—86 में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयापर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खबे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984।

की पूर्वों कर संपत्ति के उचित अजार मृत्य में कम के द्रियमान प्रतिका के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि सथापूर्वों कर संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, रक्ते इक्ष्यमान प्रतिकाल में, एसे द्रियमान प्रतिकाल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्नल भी वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हर्ष किसी अध्य की बाबत, उन्नत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ को अभी कारने या उपने बचने में स्विधा को लिए कौं? /या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्षण अधिनियम, या धन-क्षण अधिनियम, या धन-क्षण अधिनियम, 1957 का 27) के ए एक जिन्हों हुआरा प्रकार नहीं दिए। क्या शामा जिया जाना अस्तिए रा लिपार का स्विक्त के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) पारुल इटरप्राइज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राबीया बेगम चद बादशहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हो 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट न० 1, जो, 4थी मंजिल, विग—डो, बिल्डींग न० 6, दामोदर, पार्क, एल ०वी ० एस ० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) अम्बई - 86 में स्थित है।

अनुसूचे। जैमा कि कि० स० अई०-3/37-ई० ई०/5737/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो। बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनाक : 12-10-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्तः(निरीक्षण) कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अर्ड०-3/37-र्द० र्द०/6162/83-84--अन. मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 2106/5, जो, ग्राउंड फ्लॉर, ब्रिज-वासी: इंडिन्ट्रियल इस्टेंट, जे० बी० पटेल रोइ, गोरेगांव (पूर्व)। बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूच। मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, दिनांक 2 फरवरी 1984 ।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारित्यां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उपस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑबिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) भा अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राधारामण रामस्वरूप गोयल ।

(अन्तरकः)

(3) मेसर्स एम० के० मार्केटिंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पृथिकत भग्णित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाल निखन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशेष गया है।

#### अम्**सची**

गाला नं ० 2106/5, जो, ग्राउड फ्लोर, ब्रिजवासः . इंडिस्ट्रियल इस्टेट: जें०पो० पटेल रोइ, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूचं। जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37—ई० ई०-6162 83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारा, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन <sup>क्रे</sup>ज∽3, बस्बई

दिना ;: 10 · 10 · 198 t

भोहर:

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 25th October 1984

No. F. 2/34-SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of October 22, 1984 and appointed them substantively to the post shown against each:—

Sl.	No.	Name		Present post held	Post in which con- firmed
1		2		3	4
1.	Shri	Ved Prakash Sharma	ı .	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
2.	Shri	T. Bhattacharya.		Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
3.	Shri	S. Ghosh	•	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
4.	Shri	G.G. Avasthi .	•	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
5.	Shri	P.N. Likhyani .	•	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar

H.S. MUNJRAL, Deputy Registrar (Admn.J).

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 5th October 1984

No. A.32014|1|84-Admn.IU.—In continuation of this office Notification of even number dated 23rd August, 1984, the President is pleased to appoint the following Section Officers of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis, to perform the duties of Desk Officers for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier:—

- Sl. No., Name and Period
  - Shri N. P. S. Gujral—16-9-84 to 31-10-64.
     Shri M. N. Atora—17-9-84 to 26-9-84.
- 2. Further, Shri Anil Kumar, Section Officer is appointed to perform the duties of Desk Officer in the office of the U.P.S.C. for the period from 18-9-84 to 1-11-84,
- No. A.32014 184-Admn III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier:—
  - Sl. No., Name and Period for which promoted
  - 1. Shri Bhagirathi Kumar-19-8-84 to 15-9-84.
  - 2. Smt. N. Meera-17-8-84 to 6-9-84.
  - 3. Shri S. P. S. Sagar (SC)-3-8-84 to 16-9-84

No. A.32014|1|84-Admn, III.—In continuation of this office Notification of even number dated 7-3-1984, the President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier:—

- Sl. No., Name and Period for which promoted
- 1. Shri Bhagwati Charan-16-7-84 to 31-7-84.
- 2. Shri S. K. Bansal-16-7-84 to 31-7-84.

#### The 9th October 1984

No. A.32015|4|83-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri H. M. Biswas. Under Secretary, in the office of Union Public Service Commission to the post of Officer on Special Duty (Schemes &

Syllabi Revision) Group 'A' Rs. 1500-60-1800 in the Commission's Office on ad-hoc basis w.e.f. 26-9-1984 to 28-2-1985 or until further orders whichever is earlier.

The appointment of Shri H. M. Biswas as OSD(S&SR) is purely on ad-inoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or for seniority in the grade.

#### The 16th October 1984

No. A.12025[1]80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Phool Singh (SC) to the post of Programmer in the Office of Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-10-1984 until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 19th October 1984

No A.32013[3]83-Admn.II(i).—In continuation of this Office Notification of even number dated 20-4-1984. Cae Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Z. E. Sheikh, Senior Programmer, to the post of Manager (Systems Development & Chief Programmer) on ad-hoc basis in the Office of Union Public Service Commission for a further period of six months with effect from 13-10-84 to 12-4-85 or until further orders, whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Z. E. Sheikh for the above said period is subject to the approval of Union Public Service Commission.
- 3. The appointment of Shri Z. F. Sheikh as Manager (Systems Development and Chief Programme) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the Grade.

VIJAY BHALLA Section Officer (Admn. II) Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd October 1984

No K-3|69-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Krishneshwar Dayal, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Advisor in C.B.l. with effect from the forenoon of 29th September, 1984.

No. A-19036|13|80-ADV.—Appointment of Shri T. A. Jose, Dy. Supdt. (FP)|CFPB CBI Calcutta working as Dv. Supdt.-(FP)|CFPB stands regularised with effect from 2nd June,

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 22nd October 1984

No. C.II-1457/77-Estt.—Shri J. K. Chhibber relinquished the charge of the post of Dv. S.P., Group Centre, CRPF, New Delhi on 11-7-80 (AN) and proceeded on 20 days LPR w.e.f. 12-7-84 to 31-7-84. Accordingly he stands retired from Government service from 31-7-84 (AN).

No. O.I.-1861/83-Estt.—The President is pleased to allow Shri Sher Singh, Dy. S.P., 50 Bn, CRPF to retire voluntarily from service under Rule 43 (d) of CRPF Rules, w.e.f. 16-7-84 (FN).

#### The 25th October 1984

No. O.II-1118/73-Estt.—Shri G. S. Dahiya, Dy. S. P., presently on deputation to MHA is granted proforma promotion to the rank of Asstt. Commandant in CRPF in the pay scale of Rs. 1200-1700 w.e.f. 15-1-84 i.e the date when one of his senior officer (Shri G. S. Mastara) from the panel took over charge on promotion as Asstt. Comdt in CRPF. He will

take seniority below Shri Ram Murti Singh and above Shri S. S. Rawat.

2. This issues with the approval of MHA vide their U.O. No.  $4937 \mid 84\text{-Pers}$ . 11, dated 9-10-84.

#### The 16th October 1984

No. O.II-1899|84-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr Balwantvir Vikram Singh, GDO Grade-II (Dy.S.P.|Coy. Commander) in the CRPF, with effect from the forenoon of the 28th June, 1984.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 20th October 1934

No. F-32015(4)|157|84-Pers.L.—President is pleased to appoint Shri P. G. Rathor, on promotion as Assistant Commandant (Crime) CISF HQrs New Delhi with effect from the forenoon of 5th October, 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time appointments are made, whichever is earlier.

#### The 22nd October 1984

No. E-28017/4/84-Pers II.—On his voluntary retriement trom Government tervice, Shri R. P. Prabhakaran relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit CPT, Cochin on the afternoon of 31st May, 1984.

S. ANANDARAM Director General CISH

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 21st October 1984

No. 3/30/84-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the Government of Andhra Pradesh. Shri A. Sudarshan IPS (AP-SP3) has relunquished the charge of the post of Principal, Central Detective Training School, Hyderavad on the forenoon of 5th October, 1984.

> S. K. MALLIK Director General

# INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) MADHYA PRADESH

Gwalior, the 21st September 1984

No. Admn-I]PF.JKC[180.—Shri J. K. Chaudhary (01/86) a permanent Accounts Officer of the office of the Accountant General (A]cs) M.P., Gwalior will retire from Central Covernment Service on 31st October, 1984 afternoon on his attaining the age of superaunuation.

St. Dy. Accountant General (Admn.)

# MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FY, BOARD
D.G O.F. HORS, CTVIL SERVICE

Calcutta, the 19th October, 1984

No. 19/84/A/E-1 (NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against each:—

1. Smt. Anjali Dasgupta, Offg.

Asstt. . . Offg. Asstt. From 17-8-84
Staff Officer (FN) until
further order

2. Shri Priti Ranjan Datta .	Offg. Asstt.	From 17-8-84
Offg. Asstt.	Staff Officer	(FN) until
OEF Group Hqrs., Kanpur		further orders
3. Shri Tapan Kumar De	Do.	Do.
	Do.	ро.
Offg. Assit.		
OEF Group Hars. Kanpur.		
<ol><li>Shri Birendra Nath Das,</li></ol>	Do.	From 31-8-84
ASO (Ad-hoc)		(FN) until
•		further orders
5. Shri Benode Behari Kar., .	Do.	Do.
	DQ.	20.
Offg. Asstt.	-	_
6 Shri Bisweswar Biswas,	Do.	Do.
Offg. Asstt.		
<ol><li>Shri Arabinda Biswas</li></ol>	Asstt. Staff	Do.
Offg. Asstt.	Officer (AD-	
2	hoc)	
	110-7	

- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. Smt. Anjalı Dasgupta at 51 No 1 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 18-8-84 (FN), Shri Priti Ranjan Datta at Sl. No. 2 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 31-8-83 (FN) a ndShri Tapan Kumar De at Sl. No. 3 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 29-8-84 (FN). The Officers mentioned at Sl. No. 4 to 7 assumed the higher duties as ASO, w.e.f.31-8-84 (FN).
- 4. The officers mentioned at Sl. No. 1 to 6 will be on probation for two years from the date of promotion.

D.R. IYER DDGOF/Per for Director General, Ordnance Factories.

#### Calcutta-16, the 18th October 1984

No. 47 G/84 - On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. Ramamurthy, Offg. Jt. Director retired from service w.e.f. 30th September, 1984/AN.

V. K. MEHTA Director Estt.

#### Calcutta, the 19t1 October 1984

No 04/84/A/M—The President is pleased to appoint the following Specialist Medical Officers in Ordinance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders:—

Sl. Name & Post No.	Posted at	Date
1 2	 3	4
1. Dr. T.M. Nikhare .	 Ammunition	17-9-83
Splst. in Medicine	Factory Kirkee	(F.N.)
2. Dr. Upendra Kumar	Vehicle Factory	01-10-83
Splst. in Medicine	Jabalpur	(F.N.)
3. Dr. B.C. Bhadra .	Metal & Steel	10-10-83
Splst, in Gyn, & Obst.	Fy. Ishapore	(F.N.)
4. Dr. K.S. Charak .	Metal & Steel	10-10-83
Splst. in Surgery	Fy. Ishapore	(F.N.)
5. Dr. G.C. Agrawal	Ordnance Fac-	10-10-83
Splst. in Medicine	tory Ambajhau	(F.N.)
6. Dr. S.N. Sachan	Clothing Fac-	11-10-83
Splst, in Medicine	tory Shahjahan-	(F.N.)
-	pur	
7. Dr. Dilip Kr. Jaitly .	Ordnance Fac-	12-10-83
Splst. in Medicine	tory Kanpur	(F.N.)

Post held at present

1 2	3	
8. Dr. R.K. Chatwal Splst. in Surgery 9. Dr. D.P. Das Splst. in Surgery	Ordnance Factory Kanpur Vehicle Factory Jabalpur.	13-10-83 (F.N.) 27-12-83 (F.N.)

# R.K. CHELLAM, Addl.DGOF/ Member (Personnel)

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

## KANDI A FREE TRADE ZONE

(DEPTT. OF COMMERCE)

Gandhidham-Kachchh-370230, the 19th October 1984

No. F1Z Admn 7|2,79|15671.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch hereby appoints Shii M C. Gokani, Superintendent of Central Licence, Bhuj-Kutch as Security Officer, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)60.E.HI dated the 4th May 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from forenoon of 26-12-1983 for a period of one year in the first instance.

No. FTZ|Admn|7|2|79|15673.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch hereby appoints Shri M. K. Babu, Preventive Officer Grade-I, Cusoms Collectorate, Cochin, as Appraiser, Kandla Free Trade /one on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)60 E.III dated the 4th May 1961 as amended from time to time in the pay scale of Ro. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- with effect from forenoon of 21-6-1984 for a period of one year in the first instance.

V. S. GOPALAKRISHNAN Development Commissioner. Kandla Free Trade Zone.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd October 1984

No. A-19018(540) [81-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Programmer in the UPSC Shri Phool Singh relinquished charge of the post of Programmer in the office of the D.C.C. (SSI), New Delhi on the forenoon of 1-10-1984.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

## DIRFCTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 23rd October 1984

No.  $\Lambda$ -6|57(8)|X.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri M. Santhoor officiating Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, N. I, Circle, New Delhi substantivety to the permanent post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) with effect from 4-1-1978.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals.

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 22nd October, 1984.

No. A-1/42 (41)V.—The President is pleased to appoint the following Officers of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service) with effect from the 1st July, 1983: —

SI. Name of the Officer

No

(1) (2)	(3)
S/Shri	
1. Chandan Singh.	. Dy. Director of Supplies
2. S. Bansal	. Dy. Director of Supplies
	. Dy. Director of Supplies
3. S.L. Sakhuja	
4. I.S. Garg	Dy. Director of Supplies
5. K.S. Rangasai .	. Dy. Director of Supplies
6. J.N. Joshi	. Dy. Director of Supplies
	On deputation as Office
	on Special Duty in th
	Department of Rchabil
	tation.
7. M.C. Upreti	. Dy. Director of Supplies
8. P.V.R. Murty	. Dy. Director of Supplies
9. M.P. Gupta	. Dy. Director of Supplies
10. A.K. Chohda	. Dy. Director of Suppplies
II. Ravi Gupta	. Dy. Director of Supplie
II. Kavi Gupta	
	Secretary in the Minist
	of Health and Family We
	fare.
12. L.C. Wadhavan .	, Dy. Director of Supplies
13. V.L. Sharma	, Dy. Director of Supplies
<ol><li>S.R. Chandrasekaran</li></ol>	. Dy. Director of Supplie
	On deputation as D
	(Manual) in DGS&D.
15, O.P. Sharma	. Dy. Director of Supplies
16. K.K. Chakravarty .	. Dy. Director of Supplies
17. Arjun Dev	. Dy. Director of Supplies.
18. Mohd. Yunus	. Dy. Director of Supplies
19. A.D. John	. Dy. Director of Supplies.
20. Om Prakash	D D: / CO !!
21. G.V. Rajan (SC) .	Dy. Director of Supplies
	On deputation as Und
	Secretary in the Ministr
	of Information and Broa
	casting.
22. M.M. Ahuja	. Asstt. Director of Suppli
	(Gr. 1). On deputation
	AD (Purchase) in Embas
	of India Washington.
23. A.K. Jain	. Dy. Director of Supplies
24. B. S. Ahluwalia	Assit Director of Supplies Gr
25. R.K. Aggarwal	. Dy. Director of Supplies
26. V.P. Gupta	
	. Dy. Director of Supplies
27. A.K. Maheshwari	. Dy. Director of Supplies
28. S.K.Jain	. Dy. Director of Supplies.
29. B. Surayanarayana	. Dy. Director of Supplies.
30. Bhoop Singh	<ul> <li>Dy. Director of Supplies</li> </ul>
31. P.K. Saini	. Dy. Director of Supplies
32. K.N. Gupta	. Dy. Director of Supplies
33. Hitendra Prasad .	. Dy. Director of Supplies
34. R. Radhakrishnan .	. Dy. Director of Supplies. O
	deputation as Contrac
	Purchase Officer in
	Ministery of Defence
	TATION OF TACICION

(1)	(2)			(3)
S/Shri				
35. Ashok Kuma	ır Aggarwal	Dy, Director	r of Supp	olies
36. Yogendra K	ımar (SC)	Asstt. Direc	ctor of	Supplies
37. O.P. Khokha	r (SC)	Asstt. Direc	tor of	Supplies

RAJBIR SINGH,

Deputy Director (Administration).

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th October 1984

No. A 19011(179) 80-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Pimple, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 29th September, 1984, for a period of 6 months.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mincs.

# ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi-110011, the 23rd October 1984

#### (ARCHAEOLOGY)

No. 10|5|84-M.—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959. I, M. D. Khare, Director (Moflument.), hereby direct that the Archaeological Area of Red Fort, Delhi will remain closed to the visitors from 27th to 29th October, 1984.

M. D. KHARE Director (Monuments)

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd October 1984

No. 29|2'84-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ram Prakash Choudhary, Farm Radio Reporter, AIR, Jalandhar to the post of Farm Radio Officer on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200]—with effect from the forenoon of 1st October 1984 until further orders.

2. Shri Ram Prakash Choudhary assumed charge as Farm Radio Officer, AIR, Simla on the same date.

No. 1/20/84-SII.—The Director General. All India Radio is pleased to appoint Sh. S. V. K. M. Rao, Accountant, AIR, Cuttack to officiate as Administrative Officer. AIR on ad hoc basis, with effect from the 18th Sept. 1984 until further orders.

2. Sh. S. V. K. M. Rao assumed charge of the post at AIR, Jeypore on the same date.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director Administration
for Director General.

## DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd October 1984

No. A.32014|1|81(CRI)Admn.I|EPI.-The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Pritam

Singh, in a substantive capacity, to the permanent post of Stores Officer at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from 4th May, 1983.

NARAIN SINGH Dy. Director Administration (PH).

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

### DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 15th October 1984

No. F. 2-2[84-Estt.(I).—Shri M. P. Singh, Senior Hindi Translator of the Department of Agriculture and Cooperation has been appointed to Officiate, on ad-hoc basis, in the post of Hindi Officer, G.C.S. Group 'B' Gazetted Ministerial, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Deptt of Agri. & Coopn.), on transfer on deputation basis with effect from the afternoon of 28th September, 1984 for a period not exceeding one year or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

#### The 18th Ocother 1984

No. F. 2-4/79-Estt (I).—In continuation of this Directorate notification of even number dated 7th July, 1984, the ad-hoc promotion of Shri P. N. Chopra in the post of Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extention, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), is extended upto 31st December, 1984 or until further orders whichever is earlier.

R .G. BANERJEE Director of Administration

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 23rd October 1984

No. 05012 R5 OP 4197 — Chief Frecutive Heavy Water Projects, appoints Shri Shiv Charan Herma Birua, Upper Division Clerk, of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project in a temporary capacity on ad-hoc basis we.f. July 6, 1984 (FN) to August 21, 1984 (AN) vice Shri V. K. Potty, Assistant Personnel Officer, proceeded for Section Officers (Refreshers) course at Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi.

SMT K. P. KALLYANKUTTY Administrative Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE ISRO: SHAR CENTRE PGA DIVISION

Sriharikota 524 124 the 17th October 1984

No. SCF · PGA :FSTT : III : 1 · 72 — The Director is pleased to appoint on promotion—the following officials to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated—against each and until further orders:

Sl. Name No.			Designation	Date of appointment	
1	2		3	4	
	S/Shri VVSBSUM Sastry		Sci/Engineer-SB	1-10-84	
2. /	A Varahalu .		Sci/Engineer-SB	1-10-84	
3. 3	Y Krishna Prasad		Sci/Engineer-SB	1-10-84	
4. 1	K Laxman .		Sci/Engineer-SB	1-10-84	
5, 7	TK Rajendran		Sci/Engineer-SB	1-10-84	

RAJAN V. GEORGE, Head Personnel & Gen. (Admn.) for Director

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the October 1984

No. E(I) 05525.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 13-9-1984 of Shii L. M. Ratolikar, an officer of Indian Meteorological Service Group 'A' Gazetted, posted as Meteorologist Grade I at Meteorological Centre, Hyderabad.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL $\Lambda$ VIATION

New Delhi-110 066, the 27th September 1984

No. A-38013|1|84-EA.—Shri K. C. Chandwani. Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Civil Aviation Department, Bombay retired from Government Services on the 31st August, 1984 on attaining the age of superannuation.

No. A-38013|1|84-EA.—Shri H. S. Sandhu, Aerodrome, Officer, Office of the Aerodrome Officer, Amritsar retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 23rd October 1984

No. A. 32013/1/84-EC (·)The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officers on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:

SI. Name No.	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge	
1 2	3	4	5	
S/Shri		•		
1. Y.B. Bhopatkar	. ACS, Bhuj	ACS,	27-7-84	
		Ahmedabad	(FN)	
2. Ramchandra .	. ACS,	ACS, Delhi	18-7-84	
	Gwalior		(FN)	
<ol><li>K.L. Karmakar</li></ol>	. ACS, Cal-,	ACS, Moha-		
	cutta.	nbarı ·	(FN)	
4. S.V. Cholkar .	. ACS,	ACS, Bhopa		
	Jamnagar		(FN)	

G.B. LAL Assistant Director of Administration

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 20th October 1984

No. A-19012 1069 84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Bikash Chandra Dutta to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 6th September, 1984.

MEFNAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

# MINISTRY OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE ALIPORE

Calcutta-700 027, the 27th October 1984

No. G-318 A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. L. Ghosh, Stenographer (Gr.I), National Test House, Galcutta as P.A. to Director General in the same office for a further period of six months w.e.f. 9-9-84 (F|N).

Sd|- Illegible Deputy Director (Admn.)for Director General National Test House, Calcutta

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956
M|s. Marám Pram Markering Company Private Ltd.

Bangalore-9, the 18th October 1984

No. 4280|560|84.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration on three months from the date hereof the name of M|s. Manam Pram Marketing Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

Sd|- Illegible Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

In the matter of Companies Act, 1956 of M[s. Madrus Electronics and Chemical Industries Pvt. Ltd.

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. DN. 5834|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Madras Electronics and Chemical Industries Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M|s. Raja and Ebenazer Private Ltd.

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. DN 5761|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Raja and Ebenazer Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company

In the matter of Companies Act, 1956 and of M[s. Sri Ramalakshmana Mills Private Ltd.

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. 2496|560|84.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Sri Ramalakshmana Mills Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M|s. New India Trading Company Limited

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. 1850|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. New India Trading Company Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.

Juliance Pharma Private Ltd.

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. 7119|560|84.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ms. Jullance Pharma Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ms. Penmen Private Ltd.

Madras-600 006, the 22nd October 1984

No. DN|2022|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Penmen Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company is dissolved.

> Sd |- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies. Tamil Nadu, Madras.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M\s.

Auto Forgings Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 998 | TA.III | 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Auto Forgings Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolv-

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
The Friends Trading Company Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 302|TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of The Friends Trading Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Navecna Andhia Printing Industrial and Agricultural Company Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 1255 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Naveena Andhra Printing Industrial and Agricultural Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Sriharlkota Firewood Exporting Company Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 286|TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sriharikota Firewood Exporting Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and of M\s. Penmaraju Publications Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 1431/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Pemmaraju Publications Private Limited

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ms. Rasavahini Electricals Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 2106 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Rasavahini Electricals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ms.
The Kallnga Enterprises Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 868 TAJII 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of The Kalinga Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Padma Transport Private Limited

Hyderabad-1, the 25th October 1984

No. 1026 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sri Padma Transport Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Laxmi Forging Pvt. Ltd.

Ialandhar City, the 27th October 1984

No. G|STAT|560|7358.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Laxmi Forgings Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register, and the said company will be dissolved. register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Super Star Puper Mills Pvt. Ltd.,

Jalandhar City, the 27th October 1984

No. G|STAT|560|7354.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mls. Super Star Paper Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Goutam Paper Mills Limited

Jalandhar City, the 27th October 1984

No. G|STAT|560|7351.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Goutam Paper Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh.

#### FORM ITNS --

(1) Shri P. G. Page, 603, Laxmi Nagar, Pune-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60[61, I-RANDAVANF, POONA-4

Poong-4, the 1st September 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2970|84-85|857.—Whereas, I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. 1|2 portion, Plot No 35 in S. No. 89, 90 and 91|2,
Sahakar Nagar, Parvati, Punc-9 situated at Punc-411009
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
LA.C. Acq. Range, Punc on December, 1983
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(2) M/s. Modern Construction, 576, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 Portion, Plot No. 35 in S. No. 89, 90 and 91/2, Sahakar Nagar, Parvati, Pune-411009.

(Area:

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE|2970|83-84, in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 1-9-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60:61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|848.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 250001- and bearing No.

25,000]- and bearing No. Flat No. 3, 5th Floor, Devika Apartments, 2010-A, Gafar Beg Street, Puna, situated at Punne-411001,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range. Punc on February, 1984 for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jain Sharma Builders, 5166, Mira Society, Shankarshet Road, Pune-9.

(Transferor)

(2) Mr. Hemant P. Mehta, 270, M. G. Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 3, 6th Floor, Devika Apartments, 2010-A, Gastar Beg Street, Punc-1.

(Area: 1,444 Sq. Ft.)

(Property as described in the agreement to sale deed registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE|4245|83-84, dated ).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-9-1984

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27704

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Rct. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2910|84-95|849|S|9|84.—Whereas, J. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 3-B. 3rd Floor and Car Patking space stilted No. 7 on Ground Floor of 'B' Wing, Clover Terrace, Mangaldas Road, Nathan St. situated at Pune-411001, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair marklt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) A.B.C. Construction Co., 10-D, Everest, Tardeo, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. Harish Chandra Saxena and Mrs. Shashi Saxena, Clo. S. G. Talpade, Flat No. 3, Priyadarshini Apartments, Koregaon Park, Pune-411001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3-B, 3rd Floor and Car Parking space stilted No. 7 on Ground Floor of 'B' Wing, Clover Terrace, Mangaldas Road, Nathan St., Pune-411001.

(Area: 1.500 Sq Ft. built up area).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE 2910 84-85, in the month of February, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-9-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|5249|83-84|850|28|7|84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 1, Ground Floor, G. B. Patharli Road, Plot No. 23, Tilak Nagar, Dombivali (East) Dist: Thene. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Durable Construction Co., 1-A, Darashada Niwas, 11-Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Hombay-400086.
- (2) Mr. Parshuram Pandurang Deshmukh, 15, Kmlashgiri, Second Floor, G.B. Patharli Road, Gograswadi, Dombivali (East), Dist: Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. I, Ground Floor, G B. Patharli Road, Plot No. 23, Tilak Nagar, Dombryah (East) Dist: Thane. (Area: 547 Sq. Ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE 5249 83-84, in the month of February, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 28-7-1984

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POÓNA-4

Poona-4, the 9th October 1984

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37G|873|84-85|1184.— Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing

Survey No. 725/1-7-1-6, College Road, Nasik.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub Registrar, Nasik on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) modificating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) (1) Shii Narendra Kundanlal Varma,

(2) Shri Surendra Kundanlal Varma, College Road, Godavarl Housing Society, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Ananda Limbaji Yevale & 5 Others, Yevale Mala, College Road, Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 725[1-7-1-6, College Road, Nasik, (Area: 4,000 Sq. Metres.).
(Property as described in the sale registered in the tered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37G[873]84-85, in the month of February, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-10-1984

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) Sti M. Murugosa Naicker, 6, I irst Link St., Mylapore, Madras-4

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G. Bhuyaraghayan, 30. Giri Road, T. Nugar, Madras-17.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1984

Ref. No. 168|Feb. 84|R-II.-Whereas, J, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2|3 undivided share in Two grounds 2166 sq. ft. and 2000 sq. ft, unfinished ground floor and first floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 76|84 on Feb. 1984

at Madras Central Doc. No. 76/84 on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to whelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (?7 of 1957);

I and & Building Property as specified in schedule to doc. No. 76|84|Madias Central.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 AHMEDABAD-380009

Madras-600 006, the 12th October 1984

Ref. No. 226|Feb. 84|R-II --Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair and the said the immovable property. as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 26, Lajby Madhavan Nair Road, situated at Madhavan Nair Colony, Madras-600 034, in Nungambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration of the Packet ring officer of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandiights (Doc No. 104 84) on February 1984 reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such preparent consideration and that the consideration for such preparent consideration and that the consideration for such preparent consideration. alderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs I cela George, wife of Late T. K. George, No. 26, Lady Mudhavan Nair Road, Madhavan Nair Colony, Nungambakkam, Madras-600 034.

(Transteror)

(2) M|s. Exind Corporation Rep. by its Managing Partner Mr. K. S. Parameswaian, No. 22, Murali St., Mahalingapuram, Nungambakkam, Madras-600 034.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 26, Lady Madhawan Nair Road, Madhavan Nair Colony, Madras-600 034. Thousandlinghts Doc. No. 104 84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. Amır Jamal, No. 13.B, Maharaja Nagur, 19th Cross St., Tirunelveli.

(1) Sri P. M. Narayanuswami,

T. Nagar, Madras-17.

No. 22, Ncelakanta Mehta Ct.,

(Transferor)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 12th October 1984

Ref. No. 220|Feb. 84|R-II.-Whereas, I. Mrs M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8 grounds in R.S. No. 625|44, Layout L.A. No. 220 of 1959 situated at Mambalam Extension now in Nungambakkam, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering Officer at Thousandlights (Doc. No. 63|84) on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land of 8 grounds in R.S. No. 625|44, Layout L.A. No. 220 of 1959 situate in Mambalam Extension now in Nungambakkam, Madras-34.
Doc. No. 63|84|Thousandlights.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-45-326GI|84

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1984

Ref. No. 95|Feb. 84|R-H.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. T. S. No. 5553 (Part) Renganathan St., situated at Nagar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer T. Nagar (Doc. No. 260|84) on Feb. 1984

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha nuffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri K. Ramamurthy, No. 12, Ranganathan St., T. Nagar, Madras-17. (Transferor)
- (2) M|s. Sri Meenakshi Real Estates (P) Ltd., No. 2, Town Hall Roud, Madurai-1.
- (a) by any of the aforesaid crsons within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 5553 (Part) Renganathan St., T. Nagar.

Doc. No. 260|84|T. Nagar.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IJ. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1984

Rcf. No. 218 Feb. 84 R-II.—Whereas, I,
Mis. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
Rs. 25,000 and b

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri S. M. Guruswamy, so Sri Madurai Mudaliar, No. 23, Soundarapandian Salai, K. K. Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Master R Ramachandran, Baby R. Sathya, all children of Sri M. C. Ramamurthy No. 52, Sir Madhavan Nair Road, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 44, Veerappa Nagar, in 101, Valasaravakkam Village, Saidapet Taluk, Changalpattu Dist.

Virugambakkam Doc. No. 535 84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 12-10-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1984

Ref. No. 88|Feb. 84|R-II.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26, Ranganathan St., Madras-17 situated at T. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 135/84) on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than affects are consideration therefore by more than affects are consideration and that that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Rajagopalan and others, No. 30, Nathamuni St., Madras-17.

(Transferor) (2) (1) Mrs. Shanti Bai (2) Sri Ramesh Kumar D. Kuchar, (3) Sarala Kanwar (4) Dhanraj M. Kuchar, all at No. 54, Audiappa Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 26, Ranganathan St., Madras-17. Doc. No. 135|84|T. Nagar.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :---

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS -

(1) Shri Chandrakant J. Chacha, 13, Ravana Iyer St., Madias-600 003.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) NPF Type Foundry, 73, Maddox St., Vepeary, Madras-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th October 1984

ytAcqp 123456 ETAOIN ETAOINETAOIN ETAOIN7890 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Plot No. 19, Block No. 28, O. S. No. 41|2, 40|B and 38,
T.S. No. 27, Govindan St., Ayyavu Naidu Colony, situated
at Arumbakkam Village, Madras-29,
and more fully described in the schedule annexure hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 449|84) in Febrauary, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquialtion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land and building Plot No. 19, Block No. 28. O.S. No. 41|2, 40|B, and 38, T.S. No. 27 Govindan St., Ayyavy Naldu Colony, Arumbakkam Village, Madrus-29. Kodambakkam Doc. No. 449|84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th October 1984

Ref. No. 92|Feb 84|R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,0000|- and bearing No.
5, Kuppuswamy St., situated at Thyagarayanagar, Madras17.
[and more fully description.]

17.
(and more fully described in the Schedule anexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 181|84) in February, 1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Mrs. Lecla Appa Rao,

Mrs. Savitri Devi.
 Mr. M. V. Satyanarayana Appa Rao,

4. Mrs. Nischala Appa Rao, 5. Kuppuswamy St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mls. J. J. K. Trust, 104, Wallajah Road, Madias-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: No. 5, Kuppuswamy St., Thyagarayanagar, Madras-17, F. Nagar 181 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Modias, the 15th October 1984

Ref. No. 1Feb.84|R-II.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. T. S. No. 10, Ward D. Block No. 34 situated at Property as specified in schedule to doc. No. 320/84.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uraiyur Doc. No. 320|84 in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. S. Vijayalakshmi, S. Seethalakshmi R. Raja-lakshmi, R. Alamelu, J. Rukmani, S. L. Radha, K. Saraswathi, dlo A. S. Gopalakrishna Iyer, clo Vijayalakshmi No 5, 10th Avenue Harrington Road, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayalakshmi, Wio Padmanabhan, No. 5, 10th Avenue, Harrington Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land—Property as specified in Schedule to Doc. No. 320|84. Uraiyur|320|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 15-10-1984

#### FORM ITNS-

(1) Shri G. V. Siddappa, So G. S. Vecranna, Shivanand Colony, Arasikere Town,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Rashidkhan, S|o Khalandarkan.
 Shri Mohamed Noerulla, S|o Mehaboob Saheb, both partner of M|s, Kohinoor Traders, APMC, Yard, Arasikere.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C.R. No. 62|801|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. AS No. 2139, K. No. 2113 situated at APMC Yard, Arasikere

(and more fully tescribed in the schedule annexed hereto), and bearing

with the competent authority under section 269AB in his office at Arasikere on 22-2-84 under document No. 1512 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, ▶ 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1512, dated 22-2 1984

RCC building and Shed with land situated at APMC Yard Arasikere bearing site No. 34 A, No. 2139, Municipal Khata No. 2113 measuring 35X 100. RCC portion 35X12.

Godown shed front side: 35X20, Godown shed Back side: 35X68.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-10-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C.R. No. 62|802|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 · (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Sv. No. 202 situated at Betbalkonda Village. Tal:

Basava-kalyan Dist. Bidar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

with the competent authority under section 269AB in his office at Basava Kalyan on 27-2-1984 under document No. (and more fully described in the Schedule anexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate' proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -46—326GT|84

(1) Shri Dhondiba, Slo Janakiram Gurjar, r o Basav-Kalyan. Dist Bidar.

(Transferor)

(2) Shri Haji Shaikh Jailanisaab, So Mohd. Veziresab. Resident at Katalmandi Opp. Mysore cate, station Road, Basava-Kalyan, Dist. Bidar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1746, dt. 27-2-1984.

Agricultural land under survey No. 202 measuring 22 acres of land situated at Village Betbalkonda, Tal. Basava-Kalyan.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-10-1984

Seal ;

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27713

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C. R. No. 62|803|84-85|ACQ.|B.—Wherens, I. R. BHARADWAJ. R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
No Sy. No. 202 situated at Betbalkonda village, Tal. Basava-Kalyan, Dist. Bidar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the competent authority under section 269AB in his office at Basava-Kalvan on 27-2-1984

office at Basava-Kalvan on 27-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with the object of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with the object of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with the object of transfer with the object of transfer with transfer with transfer with transfer with the object of transfer w

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Sri Dhondisaab Slo Janakiram Gurjar, Resident of Basaya Kalyan Dist Bidai

-- \_\_ - ... - . . . . .

(2) Smt Ratikunnisa, Wio Haji Shaikh lailani, Resident at Katamalmandi, Opp Mysore Café, Siation Road, Basava-Kalyan, Dist. Bidar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1747, dt. 27-2-1984.

Agricultural land under survey No 202 measuring 22 acres of land situated at Village Betbalkonda Tal. Basaya-Kulyan.

> R. BHARADWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-10 1984

Scal ;

### FORM ITNS ....

(1) Shri DhonJiba, Slo Janakiram Gurjar, Rlo Basava-Kalyan, Dist. Bidar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jakarasaab, So Haji Shaikh Jailanisaab, Resident at Katalamandi Opp. Mysore Cafe, Station Road, Basava-Kalyan Dist. Bidar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C. R. No. 62|804|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Sy. No. 202 situated at Betbalkonda village, Tal. Basava-Kalyan Dist. Bidar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

with the competent authority under section 269AB in hoffice at Basava-Kalyan on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Registered document No. 1748, dt. 27-2-1984.

Agricultural land under survey No. 202 measuring 22 acres of land situated at Village Betbalkonda, Tal. Basava-alyan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ
Compttent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely.—

Date: 8-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C. R. No. 62/805[84-85|8|8|ACQ|B.--Whereas, 1, R. BHARADWAJ,

R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. '25,000|- and bearing No. Sy. No. 202 situated at Batbalkonda village, Tal.Basva Kalyan: Dist. Bidar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Bagustration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Nffice of the Registering Officer

at Basava Kalyan under document. No. 1749 on 27-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Jmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dhondisaab, Slo Janakiram Gurjar, Rlo Bosava-Kalyan, Dist. Bidar.

(Transferor)

(2) Shi Mond, Sameed Saab S<sub>10</sub> Han Shaikh Jailanisaab, Resident at Katalmandi, Opp. Mysore Cafe, Station Road, Basava-Kalyan Dist. Bidar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1749 dated 27-2-1984.

Agricultural land under Survey No. 202 measuring 22 acres of land situated at Village Betbalkonda Tal. Basava-Kalvan.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date - 8-10-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th October 1984

Ref. No. C. R. No. 62|806|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Rs. No. 10 situated at Anekonda village, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Davanagere under document No. 6.591 on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Gangamma, Davanagere City

2. Shri M. Mallikarjunappa, So Smt. Gangamma, Davanagere City.

- 3. Shri M. Vijayakumar, Sjo Smt. Gangamma, 4. Shri B. M. Chandrashekar Sjo Smt. Gangamma. 5. Shri B. M. Vishwanath, Sjo Smt. Gangamma. (Transferor)
- (2) Mls. Veerabhadreshwara Rice and Pohn Mill, Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person-interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 6591, dt. 3-11-1983.

The property being factory and Godown and plot situated at Anekonda village and within the municipal limits of Davanagere city. Building 44x98. Open plot: 166x148. Godown: 42x94. Foundation plot: 42x130.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1984

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th October 1984

Rel. No. C. R. No. 62/807/84-85.—Whereas, I. R. BHARADWAJ,

R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Sect.on 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. new survey No. 32 situated at Dongurli village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Satari, Goa, with the competent authority under section 269AB, in his office under doc. No. 190 dt. on 25-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 The Indian Hotels Company Ltd., Tai Mahal Hotel, Apollo Bunder, Bombay-400 039.

(Transferor)

(2) Tai Agricultural Research Centre, Chandralok, First Floor, Janpath, New Delhi-110001, GPA holder Str U. B. Surlikar, Advocate, B|5 Skylark Apartments, Menezes Braganza Road, Panaji-Goa-403 001.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 190, dr. 25-2-1984. This is an agricultural land known as Poisadeachimolli" and part of "METACHO-TEMBO" situated in the village of Dongurli, within the Grain Panchayat of Thanem Dongurli, Taluka Satari, District: Goa.

R. BHARADWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-10-1984

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th October 1984

C. R. No. 62|808|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000;- and bearing Survey No. 2|1B, 2|2, 2|3, 2|6, 6|1, 22|1, 22|2A, 22|2B1, 22|5, 22|6, 22|7, 22|8A, 22|8B, 22|10, 22|13, 22|14, 22|15 and 27 situated at Mudbhatkal village. Bhatkal Taluka Dist.

Rarwar (UK)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Honnavar under document Nos. 1328 dt. 15-2-84, 1329 dt. 15-2-84 and 1331 dt. 15-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sri Subray Vithal Bhat. Susgudi village, Bhatkal, Dist. Karwar.

(Transferor)

(2) 1. Smt Bibi Zubaida wife of S. M. Syed Miran, Khalifa Mohalla, Bhatkal, Dist. Karwar.

2 S. M. Sayed Miran by his GPA holder S. M. Syed Nasir, Khalifa Mohalla, Bhatkal, Dist. Karwar.

3. Smt. Bibi Aysha Abdul Wahab, Siddique Street, Bhatkal, Dist. Karwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the san in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1328 dated 15-2-84, 1329 dated 15-2-84 and 1331 dated 15-2-84].

The property being 1|4th share each transferce out of survey No. noted in page No. 1 together with 1|4th share from house situated in the said land and kumki rights in the land survey No 58 of Mudbhatkal village. Bhatkal Tilluk Karyar Diet Taluka, Karwar Dist.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th October 1984

C R. No. 62|809|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Survey No. 9|1, 10, 11|3, 106, 108, 109 and 110 situated at Ankihally village, Bicude Hobli, Belur Tal, Flassan district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belur under document No. 824 on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nasemunnisa wo Late M. H. Delvi, Ankihally Estate, Becudu Hoobli, Belur Tal. 2. Sri N. H. Delvi so Late M. H. Delvi, Ankihally Estate, Becudu Hoobli, Belur Tal. 3. Sri A. H. Delvi so Late M. H. Delvi, Ankihally Estate, Becudu Hoobli, Belur Tal. (Transferor)

(2) Sri (Dr) R. M Felix Serrao, 2. Smt. Regina Serro. both residents of Modern Clinic, Sakaleshapur Post Office, Hassan District.

(Transferec')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIUDULE

[Registered Document No. 824 dated 24-2-1984]. Estate bearing survey No. 9[1, 10, 11]3, 106, 108, 109 and 116 situated in Ankihally village Bicudu Hoobli, Belur Taluka, Dist. Hassan.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# (1) 1. Sri H. Subburao s o Manju Bhat;

Sri H. S. Satyanaiayana;
 Sri A. S. Manjunath;

4. Sri H. S.

ri H. S. Keshava Murthy, all residents of Aayanur village, Tal. Shimoga. (Transferor)

(2) Smt. Kamalabai wife of Ramachandra Naik, Mission compound, Shimoga city,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **RANGALORE-560 001** 

Bangalore-560 001, the 9th October 1984

C. R. No. 62|810|84-85|ACQ|B.-Whereas, I. R BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Survey No. 4/2, 4/3, 4/4, 5, 6/1, 6/2, 7/2 and 4/1 situated a Aathisa: vallage, Hoobli Harnabal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document No. 3115 in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

tal facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the consealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sun section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---47---326GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3115 dated Feb. 1984]. This is an agricultural land measuring 27 acres 12 gunthus sumted at Ansthisar Hoobli village.

> R, BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range, Bangalone

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 220|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Lands situated at Mallayapalem Gudivada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gudivada on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. S. Nagaratnamma and Others, Gudivada (Transferor)
- (2) M|s. The Krishna Voni Agro Oil Products (P) Ltd., Rep. by Managing Director Sri P. Bhaskara Rao. Gudivada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres 80 cents situated at Mallavapalem Gudivada, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Gudivada vide document Nos. 548, 565, 589, 590, 594, 611, 621/84, 870, 986 and 1001/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-18' Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

#### FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 221/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

29-116-35-B situated at Suryaraopet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 2.84

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sri P. Manohar Babu soo Subha Rao, Managing Partner Ms. Bharat Construction Co., D. No. 25-116|35-B, Ellure Road, Vijayawada.\_ (Transferor)

(2) Dr. Indla Rama Subba Reddy, Prasanthi Hospital. Suryaraopeta, Vijayawada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformaid persons within a perrod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Dr. K. V. Rao Street, Survaraopet, Vijayawada bearing D. No. 29-116-35-B, registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 1087|84, 1086|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

# FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 222 84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officulat Nellore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(U) macilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) Sri M. Anil Kumar and Others, Chebrole village. Tadepalligudem Tu., W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri N. Ramachandra Chowdari slo Venkaiah Naidu. Soath Amdui village, Indukui Taluk, Nellore Dt., Present Address:
Present Address:
PEMBURY HOSPITAL, PEMBURY TUN
BRIDGE, WELLS-KENT-TN 24 QJ, United King-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 206 in Ward No. 15 situated at Brindavan Main Road, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 658, 656, 655, 664 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984

beal:

# FORM ITNS----

(1) Sir A N rayara sjo Subbayya Setty Chinna Bazar, Nellore

(Transferor)

27729

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srr A Sree Ramula, Chinna Bazar, Nellore (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (AP), the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. 223|84-85.-Whereas. I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fau Rs. 25,000/- and bearing No market value exceeding

House situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as absressed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House property situated at Chinna Bazar, Nellore registered by the SRO, Nellore vide document No. 1150|84.

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

12-10-1984 Date Seal:

# FORM I.T.N.S. -

(1) Sri P. Kameswara Rao slo Krishna Murthy. Kakinada.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# E-1AA AC1, 1901 (45 OF 1901)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 224 84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House situated at Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(2) Sri P. Subba Rao slo Kanaka Raju, Main Road, (Printing Press), Kakinada,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given as that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building situated at Main Road of Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 1511 2 84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

## FORM ITNS ---

 Shri S. Lakshmi Devi wo Satyanarayana Murthy, D. No. 20-6A-3, State Bank Street, Kakinada and Other.

(Transferor)

(2) Sri P. Ramesh Kumar and Srinivasa Rao. Clo Lakshmi Talkies, Kakinada.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (AP.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 225|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Share situated at Laxmi Talkies, Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 2|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazcite or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Share in Lakshmi Talkies, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document Nos. 1582 and 1583 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1.X ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri G. Dayaram and Others, Gowripatnam, Kovvuru Tq., W.G. Dt. (Transferor)

(2) M/s. The Coastal Chemicals Ltd., Rep. by M.D., Sri S. V. Ratnam, Nidadavolu, W.G. Dt. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No RAC. 226|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-an! bearing No

Land situated at Nidadavolu W.G. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kovvuru on 2/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 17-72 acres situated at Gowrinatnam, Kovvuru, W.G. Dt., registered by the S.R.O., Kovvuru, vide document No. 292, 300, 301, 304, 305, 306 and 322|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri V. Suryanarayana and Others, Vedulavari veedhi, Anakapalli, Vizag Dt.

# (2) The Visakhapatnum Diocesan Corporation Rep. by Sri Thomas Pulical, Father Director so Cheriyan, Visakhapatnam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 227/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Author'ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land situated at Anakapally Vizag Dt, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 2|84 Vizag on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 115 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre and 477 sq. yds. situated at Anakapalli Vizag Dt., registered by the S.R.O., Anakapally vide document No. 555, 546. 550, 557, 552, 553, 554|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No. 228|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. V. V. Satyavathi, Wo Venkateswarlu, Kakinada Military Road, Ashoknagaram, Kakinada.

(Transferor)

(2) Smt. B. Sesharatnam, Wo Nagabhushanam, Veerabhadra Rice Stores, Ashoknagaram, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Kakinada admeasuring 258 sq. yds. of land and 1400 sft., plinth registered by the S.R.O., Kakinada vide document Nos 922|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1984

 Sri B. Varaha Narasimha Rao and Others, Commercial Road, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Garapati Kutumba Rao & Others, M|s. Eskay Enterprises, Canal Road, Eluru, W. G. Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No 229|84-85.—Wherens, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Lands

situated at Nuzvid

(and m re fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 135 acres situated at Nuzvid, Krishna dt., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document Nos. 213, 214, 215, 186, 364 and 212|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. 230|84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competent of the competence property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11|126 situated at Trunk Rd., Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nellore in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri K. Veeramma wo Lakshmayya, Santhapeta, Sundarsamamvari Street, Nellore.

(Transferor)

(2) Sri R. Gonala Krishna Murthy slo Venkataswamy, H. No. 11|126, Trunk Road, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property No. 11|126, Trunk Road, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1133/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dato: 12-10-1984

- -

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. 231|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

House situated at Prakashnagar Narasaraopet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Narasaraopet in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 5ri P. Audinarayana sto China Rama Swamy, Prakashnagar, Narasaraopet, Guntur Dt.

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

(Transferor)

(2) Sri M. Anjali Devi wo Sri Rama Murthy, Prakashnagar, Narasaraopet, Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Prakashnagar, Narasanaopet, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Narasanaopet vide document No. 641/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

# FORM No. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. 232/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing Land situated at Santhuravur villege, Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chirala on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hablinty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Y. Audi Seshu so Veeralah, Santharavur, Prakasam Dt.

(Transferor)

(2) Sri D. Subba Rao,
 s|o Guravayya,
 Executive Officer,
 The Prakasam Dt.,
 S. C. Cooperatve Society,
 Prakasam Bhavan, Ongole.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres 88 cents situated at Sauthuravur village, Chirala registered by the S.R.O., Chirala vide document Nos. 648, 649 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. 233|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rice M'll & Land Vaira situated at Khummam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madhira on 2 | 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperation of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. P. Ramaseethamma Rlo Kistapuram & Others, Hamlet of Thallada, Madhira Tq. Khammam Dt.

( Fransferor)

(2) Sii R. Bikshamayya and others, China Govathi Post, Khammam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EYPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Land admeasuring 48 cents and Rice Mill, situated at Vaira village, Khammam Dt., registered by the S.R.O., Madhira vide document No

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

### (1) Shri Jora Singh So. Dharam Singh, VIII. Sivian.

#### (Transferor) (2) Shri Gurbax Singh Slo Nagahia Singh, Vill. Sivian, Near NFL, Bathinda. (Transferec)

(3) As per sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. 5653.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bathinda on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkers has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1942 627 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4474 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely:-

Date: 15-10-84.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. 5654.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

BATHINDA on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liabulity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—326G1|84

(1) Shri Kulwant Rai S|o. Raja Ram Mukhtiare-am Saidi Devi Wd|o. Raja Ram, Vill. Sivian.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand So. Raja Ram, Maya Devi Wo. Harbans Lal, Vill. Sivian.

(Transferee)

\*(3) As per sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4517 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
Jalandha

Date: 15-10-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5655.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at

BATHINDA on Feb. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

 (a) facilitating the raduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, transly:—

(1) Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryam Singh & Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Slo. Hardwari Lal Clo Sham I al Slo. Lakhi Ram, M.C. Sirki Bz., Bathinda.

(Transferee)

(3) As per ar, 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as; are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4545 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition RangJalandhet

Date: 15-10-84,

# FORM I.T.N.S.----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5656.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at BATHUNDA on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and the consideration and

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukhdev Singh Slo, Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryam Singh & Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Asha Munjhal Wo. Satish Munjhal, Co. Sham Lal So. Lakhi Ram, M.C. Sirki Bz., Bathinda.

(Transforce)

(3) As per sr. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4546 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Islandbar

Date: 15-10-84.

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5657.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Shri Sukhdev Singh So Ganda Singh Mukhtiare-am of Gurdas Singh Slo Waryam Singh & Gurdev Singh So Jawala Singh, Rlo Sucha Singh Street Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath So Prabhdyal Co Sham Lal So Lekhi Ram. M. C. Sirki Bz. Bathinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4547 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR** 

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5658.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fell market value are additional. able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. as per schedule

situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on Feb. 1984

the for an apparent consideration which is less than I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Sukhdev Singh So Ganda Singh Mukhtiare-am of Gurdas Singh slo Waryam Singh & Gurdev Singh Sjo Jawala Singh. Rlo Suche Singh Street, Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Kumari Sudesh Rani Do Bihari Lal •So Ghani Ram Co Sham Lal Sjo Lakhi Ram, M. C. Sirki Bazar, Bathinda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4548 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-10-1984

# FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ret. No. A. P. No. 5659.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa.d Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

and bearing
No as per schedule situated at BATHINDA
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
BATHINDA in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryam Singh & Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda.
- (2) Shri Dharmesh Kumar Slo Shri Sham Sunder, Clo Sham Lai Slo Lakhi Ram, M. C. Sikri Bazar, Bathinda

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 2—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4681 of February 1984, of the Registering Authority, Bathinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhai

Date: 15-10-84."

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. .. o A.P. No 5660.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BATHINDA in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have ceased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryan Singh; Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda.
- (2) Shri Arvind Kumar So Shi Sham Lal So Shri Lakhi Ram, M. C. Sirki Bazar, Bathinda.
  - (Transferee)
- (3) As per Sr. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4682 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 15-10-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5661.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000] and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BATHINDA in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukhdev Singh So. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Warlam Singh Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Sarwan Kumaı Slo Shri Devkinandan, Clo Shri Sham Lal Slo Lakhi Ram, M. C. Sirki Bazar, Bathinda,

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)\_

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deluted in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4696 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 15-10-84.

### 27749

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5662.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at BATHINDA in Feb. 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56--326GI|84

(1) Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh So. Waryan Singh; Singh So. Jawala Singh Ro Sucha Singh, Gurdev Street Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

- (2) Smt. Vidya Wanti Wo Shri Jagan Nath, Co Shri Sham Lul S'o Shri Lakhi Ram, M. C. Sirki Bazar, Bathinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4697 of Feb 1984 of the Registering Authority. Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane Jalandhar

Date: 15-10-84. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

kcf. No. A.P. No. 5663.—Whereas, f, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at BATHINDA in Feb. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1987 of 1988)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryam Singh & Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowl, Bathinda
- (Tiansferoi)
  (2) Shir Parmod Kumai So Shii Shiyi Ram,
  Co Shii Shimi I al So Shri Takhi Ram,
  M. C Sirki Bazai, Bathinda

(Transferce)

- (3) As per St. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4698 of Feb. 84 of the Registering Authority. Bath nda

J. L. GIRDH A
Competent Authorsts
Inspecting Assistant Commissioner of Income-us
Acquisition Range
Jalandha

Date: 15-10-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No A.P. No. 5664.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 25,0001- and bearing

novable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at BATHINDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been mansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BATHINDA in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sukhdev Singh Slo. Ganda Singh, Mukhtiaream of Gurdas Singh Slo. Waryam Singh & Gurdev Singh Slo. Jawala Singh Rlo Sucha Singh, Street Mehna Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Gupta Woo Shri Madan Lal, Coo Shri Sham Lal Soo Shri Lakhi Ram, M. C. Sirki Bazar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- property, within 45 days from the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4899 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 15-10-84.

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX ACQUISITION RANGE-I, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5665.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at BATHINDA,

No. as per schedule situated at BALHINDA, (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BATHINDA in Fcb, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Khushi Ram So Shri Jeon Ram, Haji Rattan Gate, Bathinda.

(2) Shri Mitha Singh Soo Shri Harchand Singh, Madhuban Hotel, Near New Bus Stand, Bathinda.

(.Transferor)

- (3) As per sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4556 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No 5666.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and

bearing No as per schedule situated at

Bathinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

(1) Shri Khushi Ram slo. Jeona Ram, Haji Rattan Gate, Bathinda.

(Transferee)

(2) Smt. Baldev Kaur woo Mitha Singh, Hotel, Near Bus stand, Bathinda. Madhuban

(Transferor)

"(3) As per sr. 2 above.

"(4) Any other persons interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale Deed No. 4569 of Feb 84 of the Registering authority. Bathinda.

> J L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Jalandhar.

Date: 15-10.84.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5667.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 8, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bath nda in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harmail Singh s|o Roor Singh, Vill. Sivian.
  (Transferor)
- (2) Shri Roop Singh so Kaher Singh, Opp. NFL, Kothe Kamake, Sivian Road, Bathinda.

(Transferee)

"(3) As per sr. 2 above.

"(4) Any other persons interested in the property,

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given as that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4687 of Feb. 84 of the Registering authority, Bathinda

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. AP No 5668 -Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No as per schedule situated at Bathinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bath nda in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1923

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Majoi Singh soo Lal Singh, Prop. Standard Furnisher Amilk Singh Road, Bathinda, Mukhtiaream Jora Singh, Jagir Hagh, Sher Singh, Gurdiel Singh Ssoo Inder Singh; Mukhtiar Singh, Labh Singh Bikhai Singh, Nunnjan Singh Ssoo Chatin Kaui Welo Nand Singh, Kothi Amarpure, near Candle Colony, Bahtinda
  - (Transferois)
- (2) Smt. Devinder Cripta Wio Om Parkish, Ambala Now Bathinda (Transferee)
- "(3) As per st 2 above.
- (4) Any other persons interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and passan we mentioned in the Registered Sale Deed No. 4747 of Feb. 84 of Registering authority, Barunda.

J. J. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Rance Information

Date: 15-10.84.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No 5669.—Whereas, I, L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bathinda in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Major Singh solo Lal Singh Prop. Standard Furnisher, Amilk Singh R.1. Bathinda. Mukhtiare-am of Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Ssolo Inder Singh; Mukhtiar Singh, Labh Singh, Bikkar Singh Ssolo Chatin Kaur Wdo Nand Singh, Kothi Amerpute near GNDTP Colony, Bathinda.

  (Transferor)
- (2) Shri Pawan Kumar s|o Kidar Nath, Nabha.
  (Transferce)
- "(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are derived in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4748 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10.84.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5670.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Bathinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bath and in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

51-326GI 84

(1) Shri Major Singh so Lal Singh, Prop. Standard Furnisher, Amrik Singh Road, Bathinda, Mukhtiare-am Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Sslo Inder Singh; Mukhtiar Singh, Labh Singh Bikkar Singh, Niranjan Singh Sslo Chatin Kaur Walo Nand, Singh Kotha American Standard Children Singh, Kothe Amarpur, Near GNDTP Nand Colony, Bathinda,

(Transferee)

(2) Smt. Yash Gupta wld Om Parkash, Bathinda. (Transferor)

"(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property) "(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons mentioned in the Registered sale deed no. 4749 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. I. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10.84,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalan thar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5671.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Comoetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No. as per schedule situated at Buthinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on Feb. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unue. aubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Major Singh so Lal Singh, Prop. Standard Furnisher, Amrik Singh Road, Bathinda, Mukhtiare-am Jora Singh, Jugir Singh, Sher Singh, Gurd'al Singh Sso Inder Singh; Mukhtiar Singh, I abh Singh, Bikkai mgh, Niranjan Singh Sso Chatin Kaur Wd o Nand Singh, Kothre Amarpure, Near GNDT! Colony, Bathinda

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar slo Romesh Chander, Nabha now Bathinda,

(Transferec)

\*(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no 4750 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10 84,

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5672,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Bethinda on Beb. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Inderjit Slo Deputy Ram, Rlo Raman Mandi. (Transferor)
- (2) Shii Tarsem Kumar slo Ram Parkash, clo S. R. Bathinda.

(Transferee)

- (3) As per sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed no. 4838 of Feb. 84 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10.84.

#### FORM TINS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SYONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 16th October 1984

Ref. No A.P. 5673.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Bathinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 'Moga on February, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Ram Piari widow and Mangat Rain, Pardeep Kumar sons and Satya Rani, Chanchel Rain, Asha Rain daughters Ram Parkash, Purani Subzi Mandi, Moga.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

- (2) Smt. Harbans Kaur woo Gurbax Singh and Suraj Mohan soo Hukam Chand coo Mos Gurbax Singh Hardeep Singh, Purant Subzi Mandi, Moga. (Transfereo)
- (3) As per si. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property shop 1/2 share M.C. No B 1X-1056 situated in Purani Subzi Mandi, Moga and persons as mentioned in the registered sale deed No. 7464 of February, 84 of the Registering Authority, Moga.

J. J. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-10 84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5674.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per schedule situated at Moga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Moga on February, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daulat Ram s|o I abhu Ram r|o Purani Subzi Manui, Moga.

(Transferor)

- (2) Smt. Hatbans Kadr wld Gurbax Singh and Suraj Mohan slo Hukam Chand clo Mls. Gurbax Singh Hardeep Singh, Purani Subzi Mandi, Moga. (Transferee)
- (3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/2 shop No. MC-BIX-1056 situated in Purani Suzhi Mandi, Moga and persons as mentioned in the registered safe deed No. 7465 of February 84 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-10-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-FAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 16th October 1984

Rel. No. AP No. 5675.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No as per Schedule situated at Nandamour.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaudhar on February, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Makha Masuh slo Labhu Ram rlo V. Nandanpui teh: Jalandhar.

(Transletor)

- (2) The National Co-op. House Building Society Ltd.

  1cgd Jalandhar through Sh. Vinay Mitter Mahajan
  Scottany r/o NF-36, Qilla Mohalla, Jalandhar
  (Transferce)
- \*(3) As pet sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 2 K-19 Mls. situated in V. Nandanpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6497 of February, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhat

Date: 16-10.84.

Scal:

(1) Shii Suresh Chander Chlinbra.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumai Khanna.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3389 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 9, 3rd floor, Juhn Ruturaj Co. op. Housing Society Ltd. Santacruz (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomistax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Juhu Returaj Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 71, Juhu Road, Santacruz (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]3389[83-84] on 7-2-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS ....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY. ACQUISITION RANGE II,

#### BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR II | 37EF | 3462 | 83-84 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, Rs 25,000|- and beating
Flat No 1, 2nd floor, Plot No B-51, Waroda Road, Bandra (West) Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri Yashwant Chimaman Sathe.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Chandana Chandrashkhar Kamat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Second floor of the Proposed New Building on Plot No. 1, Second hoof of the Proposed New building on Plot No B-51, Waroda Road (Municipal Housing No 30 & 30 \( \) Bandia (West), Bombay-400 050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II | 37EF | 3462 | 83-84 on 4-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date , 12-10-1984 Senl :

#### FORM LT.N.S.-

(1) Bihatilal L. Samat.

(Transferoi)

(2) Ishkbhai Mohmadali.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3463|83-84.—Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 403, Rizvi Mahal Water field Road, Bandra, Bombay-400 050

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:-

52-326GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, situated at 4th floor, Rizvi Mahal building at Plot No. 106, TPS IV, Water field Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE|3463|83-84 on 4-2-1984.

I.AXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Scal:

(1) Patmabai Abdulhamid Vazir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kunverben R. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

#### BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EF13465|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 6, 2nd floor, Smoky Hill Co. operative Housing Society situated at 44. Palimala Hill Road Bandra (West),

Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Smoky Hill Co.-operative Housing Society Ltd. 44 Pali Mala Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II|37EE|3465|83-84 on 4-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984

Scal :

(1) Shri Quid Tohar Bhaisahe Burhanuddin Saheb (Transferor)

(2) Shri Premnath Trehan and Smt. Meera R. Trehan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3466|83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 7, 3rd floor at North of Irla Nalla on the S. No. 70 of Juhu and 287 of Vile Parle, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor at North of Irla Nalla S. No. 70 and 287, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3466|83-84 on 4-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

#### FORM TINS-

(1) Miss Perveez Merchant,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhir Kumar Shukla.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II | 37EE | 3495 | 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 2, 5th floor, Shaan Apartment, Off. Cadell Road, Bombay-400 028.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afacesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor ,Shaan Apartments, Off Cadell Road, Bombay-400 028,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|3495|83-84 on 14-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Bombay

Date: 12 10-1984

(1) Khurshid Sultana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26910(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sabiha Kabir.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II.

#### BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3500|83-84.-Whereau, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4, Block 7-A, Juhu Road, Sangeeta Apartment,

Bombay-400049,

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein \* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Block 7-A, Juhu Road, Sangeeta Apartment, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE|3500|83-84 on 14-2-1984

> LAXMAN' DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following necessary namely: persons, namely

Date: 12-10-1984

(1) Shri Sarfaraz M. Oureshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gulabchand Chechani.

(Tennaferrea)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-11. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3502|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 10, Skylark Apartments, Plot No. 6D, Chuim, Off. Union Park, Khar, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 6D, Chuim, Off Union Park, Skylark Apartments, Khar.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II|37EE|3502|83-84 on 29-2-1984.

> LAXMAN' DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II.

#### **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE|3750|83-84.---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 501, 5th floor, Georgina, CTS Nos. C 1308 1284, 1283 and 1304 at Village Sherly Rajan Bandra, Bombay-50, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis Resuma Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Diwakar Keshavdas Narsian,

(Transferec)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th floor, Wing-B, Georgina, at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Compatth Authority, Bombay under No AR II 37EE 3750 83-84 20-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Shri Francis Reginald Farja.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph D 'Cruz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II.

#### BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3751|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No. Flat No. A-23, 2nd floor, Parijat 'A', Plot No. 5, Bandra Re-

clamation, Bandra (West), Bombay-400 050. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-23, 2nd floor, Parijat 'A' Plot No. 5, Bandra Reclamation, Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3750|83-84 on 20|2|1984.

I AXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Liberty Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ganesh Rajaram Weling.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3753 83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 502, Nadia Apartments TPS. III, Santacruz (East) Bombay-400 054.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration end that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 502, Nadia Apartments, Plot No. 3|30 of TPS. III S. No. 383 (Part) Santacruz (East) Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3753|83-84 on 25-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following netsons namely 53 -- 326 GU84

Date : 12-10-1984

(1) Shri Parasran Bhawandas Awtani Prop. M|s. M. B. International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '43 OF 1961)

(2) M.S. Raman and Kamal Associates.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II/37EF/4167/83-84.--Whereas, 1,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Unit No. 302, 3rd floor, Kanaiya F. P. No. 250-B, TPS. III,

Eandra, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1984

at Bombay on 1-2-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same macning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Unit No. 302 on the 3rd floor of the building known as Kanaiya on Plot bearing CTS No F'704, Final No. 250-B, TPS III, Bandia, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4167|83-84 on

I AXM AN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitio . Fange-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Shri Alfred Kenneth Shukla.

(2) Ravisa Abdul Rehman Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. ARJI 37EE 4176 83-84,—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 375 Simple Apartments Co. operative Houshing Trylon, 16th Road, Bandra, Bombay-

400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the famarket value o t the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-85-ن بدت

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feelistame the concealment of any maxima any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purcoses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDILE

Flat No. 1, 1st floor, Plot 375 in Simple Apartments Co-operative Society, 16th Road, Bandza, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4176|83-84 on 3-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mis. Govani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gunvantlal Dhasukhlal Mehta.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 4179 83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4, Ground floor, Amar Kunj, Beseant Street, Santacruz (West), Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Competent Authority at Bombay on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Amar Kunj, Beseant Street, Santa-

cruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4179|83-84 on 2-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namey:—

Date : 12-10-1984

(1) Capt. V. C. Minocha.

(Transferor)

(2) Capt. M. M. Manocha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the Property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4181|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 702, Building No. B 71, MIG. Colony, Gandhi Nagat, Bandra (East) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is appeal to be tween the consideration for such transfer is up. It to be tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give: in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702, Building No. B 71, M.I.G. Colony, Gandhi Nogar Bandra (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Com-Authority, Bombay under No. AR.II]37|EE|4181|83-84 3-2-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 12-10-1984 Seal :

(1) Mr. A. B. Rao.

(Transferor)

(2) Abdul Rahim Chauhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4182|83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the recome tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Flat No. 5, Ram Nivas, 2nd floor, 14th A-Road, Khai,

Bombay-400 052

usual more fully described to the Senerale contexed as etg. has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the init market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ram Nivas, Ganesh Mandar Co-operative Housing Society Ltd., 14th 'A' Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II [37EE | 4182 | 83-84 on 3-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4200|83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor and parking space No. 2, the Khar Ram Laxmi Premises Co. op. Society Ltd., Plot No. 527A, 16th Road, Khar, Bombey-400 052.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tex Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sulsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Pyarali Shamsuddin Chrania.

(Transferor)

(2) Mr. Shirish Chhaganlal Jhaveri and Mrs. Sunecta Shirish Jhaveri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, & Parking space No. 2, The Khar Ram Laxmi Premises Co. op. Society Ltd., Plot No. 527A, 16th Road, Khar, Bombay-400 052,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III37EF 4200 83-84 on 5.2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS-

- (1) Mr. Kanwarram Rewachand Mulchandani. (Transferor)
- (2) Mrs. Hema Sunder Ahuja.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II·37EE|4204|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 40, Hari Market 4th Road Khar, Bombay-400 052, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period-expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 40, Ground floor in a building known as Market situated at 4th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37FE | 4204 | 83-84 on 6-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sec ion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Shree Shreemal Builders.

(Trasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kamal Krishnadutt Sharma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4205|83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Shop No. 6, Ground floor at 'Arvind Shopping Centre' Plot No. 69, TPS. No. V, Santacruz (East), Bombay-400 055.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ac

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor at 'Arvind Shopping Centre' Plot No. 69, TPS. No. V, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4205|83-84 on 7-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inco.ne-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—326 GI[84]

Date: 12-10-1984

(1) Shri Indraject Veerbhadra Solanki & Shri Aject Veerbhadra Solanki.

(Transferor)

(3) Shri Ashok Mulchand Bijlaney a Smt. Davi Mulchand Bijlaney.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ret No. AR II | 37EE | 4206 | 83-84.—Whereas, I, 1 XMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair murket value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 2 (Ground floor) Aparajita, 443-A,

Khar, Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Har persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, (Ground floor) Aparajita, 443-A, 14th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4206|83-84 on 7-2-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS ...

(1) Mis Amber Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaikumar Kishinchand Manjani, Smt. Gomibai Kishinchand Manjani.

(Transferec)

#### COVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4295|83-84,--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 5 on 5th floor of Bldg. Sea Side, Plot No. CTS 363,
18A Chimbai Road, Bandra, Bombay 400 050.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 22-2-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor of buldg. 'Sea Side' Chimbal Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4295|83-84 on 22-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

#### PORM ITNS-

(1) Mis. Amber Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Gomibai Kishinchand Manjani Smt. Geeta Prabhu Manjani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|4296|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 6, 6th floor of Bldg. Sea Side 18A, Chimbai Road, Bandra, Bombay 400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 1,1872 reason to believe that the fair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 on sixth floor of Bldg. Sea Side Plot No. CTS 363, 18A, Chimbai Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|4296|83-84 on 10-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) Smt. Kuverben Vinod Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Futlibai Gobindram Dudlani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

вомвлу

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II)37EE|4256|83-84.-Whereas, I,

1.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 6, Krishna Kunj Co-operative Society, Senapati Bapat Marg, Matunga, Bombay-400 016,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Krishna Kunj Co-operative Society, Senapati Bapat Marg, Maunga, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11[37EE]4256[83-84 on 18-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely:-

Date: 12-10-1984. Seal:

(1) Mis Patel Brush Company.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Binpin Agency.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II,37EE|4257|83-84.---Whereus, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Godown No. 3, ground floor, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-400 054 on Plot No. 77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

sombay on 18-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio n269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 3, Ground floor, Plot No. 77, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Santacruz (West) Bombay-400 504.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 4257 83-84 on 18-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Mr. R. Veeraraghavan & Mrs. Janaki Veeraraghavan.

Mrs. Sireen R. Nanavati

Mr. Rumi Nanavati.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-11 **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 4258 83-84.--Whereas, I.

Ref. No. AR.II[3/EE]4250[05:04:--vinctess, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 3. Green field, TPS 4 Almeida Park, Bandra Bandray 400 050

Bombay-400 050.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Green Field, TPS 4, Almeida Park Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under No. AR.II/37FE/4258/83-84 on 18-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Sint. Kasturben Haikhchand Shah.

(Transferor)

(2) Shii Tremji Narpai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37FF | 4259 | 83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Shop No. 4, Shilp a Co-operative housing Society Ltd., 7th Road, Prabhat Colony Santacruz (East) Bombay-400 055. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby luitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Shilpa Co-operative Housing Society Ltd., 107 TPS V, 7th Road, Prabhat Colony, Santacruz (East) Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EF|4259|83-84 on 18-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984 .

(1) M|s Kala-Rani Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Gulshan M. Hooda. Mrs. Shenaz M. Hooda and Mr. Amii Alimohamad Hooda.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR.II|37EE|4267|83-84.—-Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 5 Sunbeam Co op Society Buldg. Perry Cross Road, Bandin, Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—
55—326 GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 5 in Sunbeam Coop Society Bldg. Perry Cross Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR 11 37FE 4267 83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M|s R. K. Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Vilma D'Mellow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenant.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLY OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Bombay, the 12th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No AR.II 37EF 4270 83-84. -- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have acason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 4 Gr. floor, 'Cecelian Villa' 209 Kantawadi Scheme,

> EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Pali Market Road, Bandia, Bombay-400 050. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269P of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 18-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factorating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4. Ground floor 'Cecelian Villa' 209 Kentwadı Scheme, Pali Market Road, Bandra, Bombay-400 050.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4270|83-84 on 18-2-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4279|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. T-13, 3rd floor, F.P. No. 839, TPS IV (Mahim

Flat No. T-13, 3rd floor, F.P. No. 839, TPS IV (Mahim area) at College Lane, Off. Kashinath Dhuru Road Agar Bazar, Bombay-400 028.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ween or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M B.A. Nerurkar & A.M. Khwaja.

(Transferot)

(2) Smt. Anuradha Adadhoot Kelkar & Shri Vasant Bhaskar Marathe.

(Transferec)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. T-13, 3rd floor, F.P. No. 839, TPS IV, (Mahim Area) at College Lane, Off, Kashinath Dhuru Road, Agar Bazar, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4279|83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mrs. J. V. Ullal.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena V. Devgan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 4280 83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 4, Kalumal Estate, A-Bldg, A.B. Nair Road, Opp.
Post Office, Juhu, Bombay-400 049.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Component Authority at

Bombay on 20-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Kalumal Estate, A Building, A.B. Nair Road, Opp. Post Office, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4280|83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

### GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4281|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 2, Kalumal Estate, 'A' Building, A.B. Nair Road, Op. Post Office, Juhu, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Varad L. Ullal.

(Transferor)

(2) Mr. Veeru H. Devgan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2. Kalumal Estate, A-Building, A.B. Nair Road, Opp. Post Office, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]4281[83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4285|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 7, 2nd floor, Shivaji Park Road No. 5, Mahim, Bombay-16, Sagat Mandir Co-operative Housing Society Ltd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. (Dr.) Shaila Prabhakar Karnik,

(Transferor)

(2) Dr. Sulesh Ramanchand Kumar.

(Transferee)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Shivaji Park Road No. 5, Sagar Cooperative Housing Society Ltd., Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II|37EE|4285|83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 12-10-1984

(1) Smt. Indirabai Vasudev Patwardhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Saiprasad Janardan Sabnis.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. $\Pi$ 37EE|4288|83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 11, 1st floor, Bldg No. 1 Omkar Apartment, F.P. No. 28 TPS VI, SV Road, Santacruz (West) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Bldg. No. 1, Omkar Apartment, F.P. No. 28, T.P.S. VI S.V. Road, Santacruz (West) Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37EE | 4288 | 83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

. Date: 12-10-1984

(1) Shri Mangedath Saidu & Smt. Shama N. Saidu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Rahul Parasnath Mishia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4293|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 104-A, 1st floor of Shalimar Apartment, at Junction of Tagore Road, and S.T. Road, Santacruz (West) Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which author to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 104-A, 1st floor of Shalimar Apartment, situated at Junution of Tagore Road, and S.T. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II[37EE|4293|83-84 on 21-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incontectax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 12-10-1984

persons, namely :--

(1) Mr. R. B. Patil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. 1. Majumdar, and Mr. D. Majumdar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4299|83-84.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. BI Ground floor, Chand Co-operative Housing Society Ltd. Juhu, Bombay-400 049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Imbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-326 GJ|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. BI Ground floor, Chand Co-operative Housing Society, Juhn, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4299|83-84 on 22-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR II|37EE|4300|83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 101, Navicevan Ghruh Co-operative Housing Society, Ltd. S.V. Road, Santacruz (West) Bombay-400 054. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following י יאוואי, חביה וער י-

(1) Mr. Mohan Mahadeo Nerutkar. Mrs. Meera Mohan Nerurkar.

(Transferor)

(2) Mr. Diwakar Sankappa Shetty & Mrs, Bharati Divakar Shetty,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, TPS VI, Navjeevan Ghruh Co-operative Housing Society Ltd. S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4300|83-84 on 22-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Scal :

(1) M|s Concord Enterprises.

(Transferor)

(2) Munti Verma (Mrs. S. Mohan).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR,II|37EE|4309|83-84.--Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 2[A in Shabistan at 319]A, Dr. Ambedkar Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2|A, 'Shabistan' at 319|A, Dr. Ambedkar Road, Bandra, Bombay-400050, together with furniture and fixtures and accessories therein.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4309|83-84 on 25-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984,

### FORM I.T.N.S.-

(1) Mis Dayal Builders.

(Transferor)

(2) Dilip G. Daryanani, Ramesh G. Daryanani and Mrs. Kamal D. Chotrani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 15th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE]4320[83-84.---Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

and bearing
Flat No. 601, 6th floor, Pushpa Apartments, Plot No. 711
& 712 Hill Road, Bandra (W), Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. 601, 6th floor, Pushpa Apartments, Plot No. 711 and 712, Hill Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]4320[83-84] on 25-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date . 15-10-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### Mr. Abdul Gani Abdul Sattar. Mr. Abdul Majid Abdul Sattar.

(Transferor)

Smt. Anuprita C. Mathure & Dr. (Mrs.) Shaila Prabhakar Karnik.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4324|83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 2, in Sonal Co-operative Housing Society Ltd., at St. Joseph Avenue, Santacruz (West) Bombay-400 054. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ome or any ot been or ansferce for Act, 1922 Wealth-tax (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which has which ought to be disclosed by the the purposes of the Indian Income (11 of 1922) or the said Act. or Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Sonal Co-operative Housing Society Ltd. St. Joseph Avenue, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4324|83-84 on 25-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984.

(1) Manuel Alex D'Souza.

(Transferor)

(2) Mukhtar Burra Mansari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Uma Co-operative Hsg. Society Ltd.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4325|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Shop No. 12, Ground floor, Ganesh Bhuvan C-Building, 434, Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, Ganesh Bhuvan C-Building, 434, Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE[4325]83-84 on 27-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

### FORM I.T.N.S.--

the second control of the second control of

### (1) Mis Sanket Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ramice Panchan Vishwakarma, Shri Dinanath R. Vishwakarma, & Shri Chhotelal R. Vishwakarma.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4328|83-84.-Whereas, I.

Ref. No. AR.II|37EE|4328|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor on F.P. No. 1262(A). TPS IV. Mahim at Prabhadevi, Bombay-400 025 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, F.P. No. 1262(A) TPS IV. Mahim. Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 4328 83-84, on 27-2-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984.

Scal:

(1) Shri Lal Nihalchand Sajnani.

('Fransferor)

(2) Mrs. Neelam Janak Rei Arora.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property.)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4342|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 10, 1st floor, Radhakrishan Society, 1st Road, T.P.S. IV, Santacruz (West) Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfery andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Radhakrishan Society, 1st Road, T.P.S. VI, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4342|83-84 on 29-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) Mr. Mohinder Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kishori Dattatrava.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4343|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 2, 1st floor, A-Bldg. Crescent Co.op. Society Ltd..
Pali Hill Road, Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the operated property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

57-326 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, A-Building of Crescent Co.op. Society Ltd. at Plot No. 318 at Khar, Pali Hill Road, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4343|83-84 on 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqusiition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

### FORM ITNS----

and the second control of the second control

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4376|83-84.--- Whereas, I, LANMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Commercial Premises No. 8. Ground floor, Mangesh Apartments, Phiroz Shah Mehta Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) M/s Madhav International Linkers,

(Transferor)

(2) Smt. Meena Shastry & Nita Shastry.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Commercial Premises No. 8, on the Ground floor of the Building known as Mangesh Apartments. Phiroz Shah Mehta Road, Santacruz (W), Bombay, bearing City Survey No. H 137 of Santacruz, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4376|83-84 on 25-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) Smt. Pranila Seth.

(Transferor)

(2) Shri Jaginder Nath Nanda,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4682|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. F17 in Chand Co.op. Housing Society Ltd., Juhu-400 049

Land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration

which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. F|17 in Chand Co-operative Housing Society Ltd., Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE 4682|83-84 on 27-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqusiition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

Scal:

(1) Mr. Giles Selby Rozario.

(Transferor)

(2) Mrs. Ella Mary Rozario.

(3) Transferce.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4692|83-84.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Half share in Flat No. A-3, Sham's Palace, 98 Hill Road, Bandra West, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half Share in Flat No. A-3, Sham's Palace, 98 Hill Road, Bandra West, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent

authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4692|83-84 on 23-2-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the waid Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984.

Scal:

(1) Shri Mukesh K, Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Kumar Pawa. So Shri Siri Ram Pawa.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4758|83-84.-Whereus, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 3, 12th floor in C-Wing, of Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra (West), Bombay-400 050 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 12th floor in 'C' Wing of 'Kanti Apartments' Mount Mary Road, Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE.4758|83-84 on 12-3-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 

Seal:

Date: 12-10-1984

(1) M s Dipti Builders.

(Transferor)

(2) S. K. Agaskar.

(3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10795|83-84.—Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

Flat No. A-6, building under construction, "Trupti Apartments' Koldongri Road No. 2, Andheri (E), Bombay-400 069 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property.)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-6, 'Trupti Apartments', Koldongri Road No. 2, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10795|83-84 on 13-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombav

Date: 12-10-1984.

FORM ITNS----

(1) Sumail Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Bakerywala Mohamed Iqbal Abdul Shakoor. (Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4229|83-84.---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- und bearing No. Flat No. 202, 2nd floor Extension, F.P. No. 116 TPS III.

Mahim, Georgeon House, L. J. Road, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202 (Rear) 2nd floor, Extension, F.P. No. 611 T.P.S. III Mahim, Known as Georgean House, L. J. Road, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4229|83-84 on 12-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusiition Range-II. Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraph: ing persons, namely :--

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Shahin Khan.

(1) Mls Greta Rego.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

(4) Mis G. S. Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of thpublication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref No. AR.II|37EE|4234|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, Final Plot No. 13, TPS X, Bandra in Bombay city and B.S.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on (13-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act 18 respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tary Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Village Bandra, Final Plot No. 13 of TPS. X, Bandra, in Bombay City B.S.D.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II 37EE 4234 83-84 on 13-2-21984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acqusiition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# T)FFICE OF THE INSPECTING ASSET, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|4235|83-84.—Whereas, 1.
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000!

riand bearing No.
Flat No. 7, 1st floor, Regiland Co-operative Housing Soc. Ltd., IPS III, 14th Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the agreement consideration than the property as a foresaid the agreement consideration than the property as a foresaid content of the prope said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---58-326 G1184

(1) Shri Yusuf Hasan & Shirin Hasan.

(Transferor)

(2) Shri Saleh Mohomed Abdulla Merchant.

(Transferce)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor of the building known as Regiland Co-operative Housing Society Ltd. situate on plot No. 98, 3, Mary Lane, T.P.S. III, 14th Road, Bandra. Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II.37EE!4235|83-84 on 13.7-1984 13-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

Seal

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 2-9D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMUSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE[4247 87-84] Whereas, I, 1 AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25 0001s and beging No.

Ps 25 0001- and bearing No.
Flat No. 17. 1st floor, Mehta Mansion, Sitladevi Temple
Road, Mahm, Bombay-400 016.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-2-1984

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smr Shanta K Daryanani.

(Transferor)

(2) Shri Hemandas Ramchand Amarnani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor, Mehta Mansion, Sitaladevi Temple Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JI|37EE|4247|83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS
Conjectent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-JI, Bombay

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE EAST CIBE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4248|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 3011302 & Car Park space in Bhanu Apartments at Juhu, Jukar Road, Juhu North, Bombay-400 049

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

nt Bombay on 17-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls Bhanu Enterprisers.

(Transferor)

(2) Mrs. Bimla Bakshi woo Sudarshan Bakshi.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ot 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301/302 and Car Park space in Bhanu Apartments at Juhu C.T.S. Nos. 94, 94/1 to 94/6 & 95/1 to 95/4 Jukar Road, Juhu North, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4248|83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

- (1) Smt. Usha Shukla.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Minoo Kishinchand Mulani.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4251|83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000iand bearing No.

Flat No. 3, 1st floor, Simple Apartments, Plot No. 375, TPS III, 16th Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; #ø₫/ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Simple Apartments, Plot No. 375, TPS. JII, 16th Road, Bandra, Bombay-400 050,

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4261/83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984. Seal .

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4253|83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 9, 2nd floor at little Gift Co-operative Housing Society Plot No. 641, 19th Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transferand/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 ) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Renu Khullar,

(Transferor)

(2) Shri Yashpal Hiralal Mehra.

(Transferee)

(3) Mrs. Chanda Devi Dutt.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Little Gift Co-op. Housing Society, Plot No. 641, 19th Road, Khar, Bombny-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR, II | 37EE | 4253 | 83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IT BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4255|83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that, the immovable and the said Act's are reason to believe that the immovable in the said Act's and Act's are reason to believe that the immovable in the said Act's are reason to believe that the immovable in the said Act's are reason to believe that the immovable in the said Act's are reason to believe that the immovable in the said Act's are reason to be said to property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Shop No. 5, Krishna Kunj Co-operative Society, Senapati Bapat Marg, Matunga, Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; apa /or

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ing persons, namely .-

(1) Shul Dilip M. Mehra, Shri Nirmal M. Mehra.

(Transferor)

(2) Smt. Putlibai Gobindiam Dadlani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persona within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as . are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in tha-Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Krishna Kunj Co-op. Society, Scnapati Bapat Marg, Matunga, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 4255 83-84 on 18-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

FORM HINS

(1) Madbaya United Hotels (International Ltd.). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. Sabhash Coutinho.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10841/83-84.—Wherens, J.

LAXMAN DAS, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office No. 708, 7th floor, Madhava, Plot No. C-4, of Block No. E of Bandra Kurla Complex, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) having a fair market value exceeding

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by may of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Contatte

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 708, 7th floor, 'Madhaya' Plot No. C-4, of Block No. E, of Bandra Kurla Complex, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bonnay under the AR.II[37FF]10841[83-84, dated 17-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesisted property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:-

Date: 12-10-1984,

### FORM ITNS ---

- (1) Sint. Yamunabai Patwardhan,
- (Transferor)
- (2) Mis. Viswas Barve & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37FF 3461 83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land & Bidg. on final Plot No. 15, TPS V, Hanuman Road. Vile Parle (E), Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

his been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds othe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any special arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the Soldowing persons, nempty :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Building on final Plot No. 15, TPS V. Hamman Road, Vile Parle (Fast), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II 37EV 3461<sub>1</sub>83-84 on 11-2-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) Shri Manoi Goradia.

Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Kishorchandra Parmananddas Lakhani, (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, SOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.11/37EE/4180/83-84.---Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, Nikita Fxtn. Dadabhai Cross Road No. 3. Nearly Rly. Fatak, Vile Parle (West), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of - #transfer with the object of :--

> (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nomesa, namely :---

59-326 GI|84

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Nikita Extn., Dudubhai Ctoss Road No. 3, Near Rly, Fatak, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4180|83-84 on 3-2-1984.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

LAXMAN DAG Competent Authority

Acquisition Range-II. Bombay

Date 12-10-1984.

(1) Altaf Hussain & Co.

(3) Transferce.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Altaf Hussain Contracting & Trading Co. Private Limited.

(Person in occupation of the property.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4222|83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred neone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 2|3, Tanwar Apartments at Gujarati Mandal Road.

Vile Parle (East), Bambay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 12-2-1984 for an apparent consideration which is less than the famarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as natery to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official date of Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop bearing No. 2|3, Ground floor of Building known as Tanwar Apartments, Gularati Mandal Road, Vile Parle (Fast), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III37EE 4222 83-84 on Competent 12-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-10-1984.

Scal;

(1) Ms Altaf Hussain & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tanwar Travel Solvice.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4223|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Rereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 1, Tanwai Apartment, Gujarati Mandal Road, Vile Parle (E) Bombay 400 057,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-2-1984

for an apparent consideration which is less than the jair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Tanwar Apartment at Gujarati Mandal Road, Vile Parle (East), Bombay 400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11|37EE|4223|83-84 on 12-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

10 ate 1 12-10-1984

Scal:

(1) Anand Lakshmi Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Rashmi Rajendra Potdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4243|83-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 6, 3rd floor, Property under Construction Plot No
276, TPS V. Vile Parle (East), Bombay 400 057
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the agreement is registered under
Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 14-2-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrume

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, 'Sai Dham', Final Plot No. 276, TPS', Pherozhah Mehta Road, Vile Parle (Fast), Bombay-400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 4243 83-84 on 14-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4249|83-84.--Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Flat No. 2, 3rd floor, C.T.W. No. 196 (Part) at Juhu Ville Parle Scheme.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mohsinbhoy Moonim & Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Mohsin Arif & Mrs, Rashida Monsin Arif.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 3rd floor Plot No. 3 S. No. 10 of Juhu & Survey No. 287 of Vile Parle & CTS No. 196 (Part). Juhu Parle Scheme.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4249|83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4304|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Plot of land with structures, Original Plot No. 48-A & 50 TPS V, Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babaram Narayan Girap.

(Transferor)

(2) Mis Homelands Corporation.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 48-A & 50, Final Plot No. 64 TPS V, Vile Parle (East) bearing CTS No. 832, 832(1) to 832(4) Plot of land with structures.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4304|83-84 on 25-2-1984.

LAXMAN DA'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-10-1964

(1) M|s. Kanti Builders

(Transferor)

(2) Mr. D. K. Sadavarte. Clo S K Sadavarte

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 4316 83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 403 'A' Wing, Amit Apartment, Dadabhai Cross Road No. 3 Vile Parle (West), Bombay-400 056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 403 on 4th floor, 'A' Wing Amit Apartment Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Paile (West), Bombay-400 056.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II Bombay

Late: 12-10-1984

#### (1) Mis Kanti Builders

(Pransferor)

(2) Mohammed Aslam Contractor.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EF|4317|83-84.--Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sni i Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 503, 5th floor, Amit Apartment Dadabhar Cross Road No. 3, Vile Parle (W) Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid than the fair exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Flat No. 503 5th kooi, 'A' Wing Amit Apartment Dada Bhai Cross Road No. 3 Vile Parle (West), Bombay 400 056.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4317|83-84 on 25-2-1984.

LAXMAN D. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely ---

Date: 12-10 1984

Seld .

(1) Savani Family Trust

(Transferor)

(2) Shaik Abdulla & Shaik Nashad. -

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4318|83-84.—Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Shop No. 10 in Shirin Shorab Place at Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay 400 057
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--60—326GI 84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, in building Shirin Sohrab Palace, at Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East) Bombay 400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under, No. AR.II 37EE 4318 83-84 on 25-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M 3 Aspec Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suman Tukaram Pardye & Shri Abhay Fukaram Pardye.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4323|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 203, Nand-Deep, 2nd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co. op. Hig. Society Rd. Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 Nand-Deep, 2nd floor, Village Chakala Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road Vile Parle (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II 37EE 4323 83 84 on uthority, 26-2-198.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

(2) Rita Noshir Irani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR.II|37EE|4329|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Shaco Apartment Krupa Nagar Road Vile Parlue (W) Bombay 58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1984

for an appaient consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 1st floor Shace Apartment, Krupa Nagar Road, Near Telephone Exchange, Irla Vile-Parle (West), Bombay 400 057

The Agreement has been registered by the Compauthority, Bombay under No. AR.II[37EE]4329[83-84 on

LAXMAN DAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Bombay

Date: (2-10-1984

Beal:

(1) Vishwas Barve & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. R. Joshi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4335|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 6, 1st Bombay 400 057 1st floor, Smruti Apartments, Vile Parle (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the negreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Smruti Apartments, Mahant Road Vile Parle (East), Bombay 400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]4335[83-84 on 28-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Den : 12-10-1984

(1) Asbabli Ahmedmiya.

Transferor )

(2) 1. Maqbulmiya Saloomia, 2. Babumiya Saloomia

(Iransteree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10691|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flut No. I Sayad Compound C1S No. 90 Sahakar Road,

Jokeshwari (West), Bombay-400 102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, Sayed Compound, C.T.S. No. 90 Sahakar Road, Pokeshwarl (West).

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10691[83-84 on 2.2.1064]. 3-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-10-1984 -

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naishadh Keshriprasad Thakore

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE]10726[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. D 101, 1st floor, Minnl Apartments, Old Nagardas Doad, Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D|101, 1st floor in 'Minal Apartments' ot Old Nagardas Road Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10926|83-84 on 5-2-1984.

IAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Led.

(Transferor)

(2) Mr. K. C. Mulla, Mr. M. K. Mulla & Mr. L. K. Mulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37FE[10737]83-84.--Whereas, I,

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flet No. 10 on 2nd koor of Building No. 1 of Plot No. 13 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Dr. Andheri (East),

Bombay 400059

(and more fully descaribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-2-1984

Bombay on 7-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULR

Flat No. 10 on 2nd floor of Bldg, No. 1 Plot No. 13 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10737 83-84 on 7-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-10-1984

------

#### FORM ITNS

(1) M.s. Amrut Builder.

(Transferor)

(2) Shri Dattatrya Laxman Teimbe

(Transferee)

(3) Joana P. Miranda & Ors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10746|83-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS. l.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing Shop No. 6 Ground floor in Kishore Apartment at Amrut Nagar, Oshiwara Garden Road Near Ajit Glass Factory, Exceedings (60)

Pojeshwari (East) Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property and the property are the property and the proper ween the parties has not been truly stated in the sald instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfes, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6 Ground floor in Kishore Apartment at Amrut Nagar Oshiwara Garden Road Near Ajit Glass Factory, Jogeshwari (West), Bombay-400 060.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No.AR.II 37EE 10746 83-84 on 7-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10760|83-84.-Whereah, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000|- and bearing No

Jay Mahavir Industrial Estate Unit No. 7 Andheii Kurla Road Mohill Village Near Crown Processors, Sakinaka Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tix Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair \_ market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely

61-326GI 84

(1) Smt. Sushila A. Shetty

(Transferor)

(2) M/s Veekay Silk Mills (3) Transferee

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Jay Mahavir Industrial Estate Unit No. 7 Andheri Kurla oad Mohili Village Near Crown Processors Sakinaka, Road Mohili Bombay 400-072.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10760|83-84 on 10-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Abdullabhai Hafizullabha Mrs Aishabhai Abdullabhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rahimtulia Nasibdar Kadri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT \*
COMMISSIONER OF INCOME-TAY

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No  $|AR| \, H_{\rm l} \, 3/EE_{\rm l} \, 10753 | 83.84.$  —Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Andheri (East), Bombay 400 059, C.T.S. No.
No. 1595|1, 1599(pt), 1597, i.e. S. Nos. 116|8, 116|1 (Pt.) and 116(1) 10|2|1984.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tre Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombuy on 10-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 1595|1, 1599(Pt), 1597, i.e. Nos. 116|8, 116|1 (Pt) & 116(s) respectively, at Marol Naka, Andhert-Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent uthority Bombay under No. AR,II|37EF|10764|83-84 on Anthority | 10-2-1984.

> 1 AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissiona of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following

Seal:

Date: 12-10-1984

persons, namely :--

(1) Ms Indico Construction Co.

(2) Mrs. Monifla D'mellow

(Trausferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10770|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 404 Vidyadani Co operative Housing Society Sahar Village Andheri (East), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other queets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 404, 4th floor, Vidyadani Co-op, Housing Society Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II 37EE 10770 83-84 on Authority, 10-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

(1) Mrs. Prabhat B. Bharghava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ramkumar Keshavrao Shikkenawia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.H[37EE]10776[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 205 2nd floor Omkareshwara Co-operative Housing Society, Jivan Vikus Kendra Road, Andheii (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taπ Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—I be terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Omkareshwara Co-operative Housing, Jivan Vikas Kendin Road, Andheri (E), Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37FF|10776|83-84 on 10-2-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 12-10-1984

Scal;

(1) Ms. Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

27841

(2) Autonio Francisco Joseph D'Sousa, Clo Mr. Hedwing Fernandes

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### **SCOUISITION RANGE BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Rcf. No. AR,II 37EE 10782 83-84.—Whereas, I. 1.AXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tilteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no\bus

> (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 3rd floor of building No. 3 on plot No. 16 in Bhawani Nagar situate Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 10782 83-84 on 12-2-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-10-1984

beal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sulochan I. Kewalramani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Chettan C. Desai

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II.37EH 10787 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

B|22 Nandkishore Industrial Piemises (o-operative Society Ltd, at Mahakali Caves Road, Andheri (E) Bombay-400 093 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

#### (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

"B|22, Nand Kishor Industrial Premises Co-operative Society Ltd. at Mahakali caves Road, Andheri (East), Bombay-400 094,

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR II 37EE 10787 83-84 on Authority, 13-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date - 12-10-1984 Seal :

(1) Shri Nirmal Kumar Gangwal; and Shri Ramawater N. Mandhania

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Giriraj Gopikishan Saboo

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10799|83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 32, on 4th floor in Vijay Sangh Mitra Co-operative Housing Society Ltd. Bamanwada, Near Cigrette Factory. Andheri (East), Bombay-400 059,

(and more fully described in the schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 32. Vijay Sangh Mitra Co-operative - Housing Society Ltd. Bamanwada, Near Cigarette Factory, Andheri (East). Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II 137EF 10799 83-84 on 14-2-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bonoay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-10-1984

#### (1) Mrs. Shakuntala Bhagwan Advani

Mrs Mrudala Prabhakar Potnis

('transferor)

(2) Dr. Hemant Prabhakar Potnis and

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37FE|10804|83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 8, 2nd floor, Ganga Nivas, Hardevibni Co. op. Housing Society Ltd., Near State Bank of India, Jogeshwari (E), Bombay-60,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ganga Nivas, Plot No. 2, Hardevibai Co. ope-tive Housing Society Ltd. Near State Bank of India, rative Housing Society Ltd. Near Jogeshwari (East) Bombay 400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR H'37FF10804[83-84] on 14-2-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-19-1984

(1) M|s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanyalal B. Changani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10816|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing
Flat No. 2. Ground floor, Bhawani Nagar at Marol Maroshi

Road, Andheri (East), Bombay 400 059,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, on ground floor of building No. 1 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar, situate at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II 37EE 10816 83-84 on 14-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-62-326GI|84

Date: 12-10-1984

(1) Mis. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijahat Hussain Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II|37EE|10817|83-84,--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovas the said Act having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing Flat No. 1, Plot No. 14 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in th offic of the Competent Authorit at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sala Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor of Building No. 3 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10817 83-84 on 14-2-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

Date: 12-10-1984

(1) Mr. Chetan C. Desai.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Fiza F. Kheti

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMEAY

Bombay the 12th October 1984

Ref No. AR.II]37EE|10818|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B|34, Nandkishore Industrial Premises Co-operative Society Ltd. at Mahakali Caves Road, Andheri (E)

Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offic of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1984

at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-34 Nandkishore Industrial Premises Co-operative Society Ltd. a Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II|37EE|10818|83-84 on 14-2-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

#### (1) Mr. Allan Almeida

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. T. K. Karunakaran

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II]37EE<sub>1</sub>10839|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gala No. A, 101, Hind Saurashtra Service Industrial Estate, Kurla Andheri Road., Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. A, 101, Hind Saurashtra Service Industrial Estate Kurla Andheri Road, Andheri (East) Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10839|83-84 on 17-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Shri Shriniwasa Gundu Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Dr. Keshav K. Magan

(3) Transferee.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II 37EE 10863 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
No. 3|41. H.I.G. Colony, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay 58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been table to the fair than the consideration for such transfer. as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3|41, H.I.G. Colony J.V.P.D. Scheme Vile Parle (West), Bombay 400 058.

THE SCHEDULB

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II|37EE|10863|83-84 on 18-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|10879|83-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. B II, Giriraj Industrial Estate, Mahakali Caves Road,

Andheri East, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);
- New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Lakshmi Neelacantan and N. Janakiraman

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Madan Agarwal

(Transferee)

(3) Mis. Industrial Associates

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

B.11. Giriraj Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay 400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II]37EE|10879|83-84 on 7-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Smt. Lakshmi Neelacautan and N. Janakairaman

(Transferor)

(2) Smt. Vinodini Rajkumar Agrawal

(3) M|s. Industrial Associates

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10887|83-84.--Whereas L LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000]—and bearing No.
No. B. 12 Giriraj Industrial Estate Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay 400 092.

(and more fully described in the Scheduled annexed bereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B.12, Giriraj Industriai Estate, Mahakait Caves Road, Andheri (East), Bombay 400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II|37EE|16887|83-84 on 6-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) M|s Vaithara Builders

(Trasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sharifunnisa Basacer

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II.37EE|10900|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value excerding Rs. 25.000|- and bearing No.

Flat No. 18, 4th floor Building No. 1 CTS No. 397, 398 & 399 Ambivali Village Andheri, Bombay,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Building No. 1, Plot No. CTS 397, 398 & 399 Ambivali Village, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II[37EE]10900[83-82 on 4-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Dato: 12-10-1984

#### FORM ITNS-----

(1) G. Arshwanathan\*

(3) Transferce.

(Transferor)

(2) Mi. V. R. Menkodi and Mr. M. V. Mankodi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II|37EE|10903|83-84-Whereas I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Flat No. 217, Gee Jumbo Darshan Co,-operative Housing

Society Ltd. Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer again d to be recent the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—63—326GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in twitting to the undersigned :-

(Problem accupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 divs from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The trans and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given m and theorer.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 217, Ger Jumbo Daishan Co, op. Housing Society Ltd., Ardh ii (Ea t), Bombay.

The agreement has been registered. the Competent Authority Bombay under No. AR.II 37EE 10903 83-84 on 4-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Π, Bombay

Date: 12-10-1984

Sen1:

#### FORM IINS---

(1) M|s. Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M|s.Petvllla International.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR|II|37EE|10904|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 1, 'Minal Apartments' at Old Nagardas Road,
Andherl (East) Bombay-400 069,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 2608 of the Incometax Act. 1961, in the office of the Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, in Wing 'B' of 'Minal Apartments', at Old Nagardas Road, Andheri (East) Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No.AR.II|37EE|10904|83-84 on 20-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-10-1984

Scal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) Goyal Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ginneedevi M. Kedia

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR 11|37EE,10905|83-84 —Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Flat No. D-203, 2nd floor in 'Minal Apartments, at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay 400 069, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the appropriate to an extension of the appropriate to a second the

has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-203, 2nd floor 'Minal Apartments' at Old Nagardas Road, Andheri (East) Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10905|83-84 on 20-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-trax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-10-1984

(1) Smt. Saraswati Kalyanji Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ganpat Narayan Walnekar and Smt. Tarabar Ganpat Walnekar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10911|83 84.--Win.ed, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o, 1971) therematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair in . For the un exceeding. Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 4, 1st floor Bldg. Fo 3 Rajet ra Kripa Co. op.

Hsg. Society Ltd. Manish Darlin Cab., Andrew (East)

27856

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of \*ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising trem the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st sloor Bldg. No. 3, Rajendra Kripa Co. operative Hsg. Society Ltd., Manish Darshan Sahar, Andheri (East), Bombay.

The retrement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H.37LE 10911,83-84 on 20.2.1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

#### <del>\_\_\_\_\_\_\_\_=\_\_\_=</del>\_\_\_\_= FORM I.T.N.S .--

#### (1) M/s. Goyal Builders Pvc, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Harkishandas Voia and Shii Haikishandas Chhaganlal Vora

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISINDN NANGI J. BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No.AR.II|37EE|10914|83 64.-Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. A-303, 3rd floor, 'Mac d Avantin, no', at Old Nagar-

das Road, Andheir (Last) Borthay-490 0.0,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement, registered undal Section 269B of the Income-tay Act, 1961, in the onice of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than "lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFI MATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Flat No. A303, 3rd floor, 'Minal Apartments', O'd Nagardas Road, Audheri (East), Bembay-400.069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II[37FE][0914]83-84 on 20-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Savchand Bavisi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE]10916[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. C-102, 1st floor, 'Minal Apartments, at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotion 169B of the Incorrectory Act. 1961 in the office of the Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons while the property of the respective persons while the period of the respective persons with the period of the period of the respective persons with the period of the period pective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-102, 1st floor, 'Minal Apartments, at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10916|83-84 on 20-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 12-10-1984

(1) Goyal Builders Pvt. I.td.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10917|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. B|203, 2nd floor, in 'Minal Apartments', at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-4000069. (and more fully described in the Schedule annexed

hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Babulal Bhiknalal Dave.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B[203, 2nd floor, in 'Minal Apartments', at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10917|83-84 on 20-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Shii Y. N. Sastry.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. G. Raikar, Shri G. D. Raikar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR II|37EE|10918|83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 20 Amita A artinents Coo, notice Housing Society

Ltd., Koldongri V's Pails (E), Dembay. (and more fully described in the Schedule princed hereto), has been transferred and die agreement is registered under Section 269AB of the Income-tix 1ct, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20.2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mark t value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this setice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this petice in the Official Gazette.

BXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Amits Apartments, 4th floor, Koldorgri Road No. 2, Vile Parle (Last), Dombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10918|83-84 on 20-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M's Drepak Puilders Put. Ltd.

(Transferor)

(2) M|s. Kashmiri Pandit Association.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA **→**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II]37EE|10922|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Cultural Hall, Residential Flat and stilt in Plot No. 16,
Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East).

Bombay-400059.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fecilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Cultural Hall, Residential Flat and stilt in Plot No. 16, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10922[83-84 on 21-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-64 -326GI/84

Date: 12-10-1984

(1) M's. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\* ( , regard 1 A, 5 ) E have not been particular than the

#### (2) Smt. Urmila Waman More.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10923|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing Flat No. 15, 4th floor of Building No. 4 on Plot No. 13, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; nadlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor of Building No. 4 on Plot No. 13, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10923[83-84 on 21-2-1984.

> LAXMAN DAS-K Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal;

(1) Mis. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transfero:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Caesar S. D'Souza.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10924|83-84,-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 6, 1st floor of Building No. 5, Plot No. 13,
Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evamon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chaoter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor of Building No. 5, on Plot No. 13, in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10924|83-84 on 21-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudhir Pendnekar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th October 1984

Ret. No. AR.II|37EE|10925|83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Flat No. 17 &18 4th floor Building No. 5 on Plot No. 7 in Bhawani Nugar at Marol Maroshi Road, Andheri (East).

Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 17 & 18 on 4th floor of Building No. 5, on Plot / in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (Fast). Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EF]10925[83-84] on 21-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS--

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bonibay, the 12th October 1984

Ref. No.  $AR.II_{3}7bE_{1}10944_{8}3-84$ .—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Industrial Gala No. 78, Ratna-Jyot Industrial Estate in Irla Lanc, Irla Village, Vile Parle (W) Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen purement of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly elated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) M[s. Almech Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Baldev Singh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 78, in the building Raina-Jyot Industrial Estate located in Irla Lane, Vile Parle (W) Bombay-56. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10944|83-84 on 25-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Brighto Products.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s, S. A. Industries.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|1955|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No. Unit No. 17, Building No. F, 1st Floor, Nand Dham Industrial Estate Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400059.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any confice assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 17, Building No. F, 1st Floor, Nand Dham Industrial Estate Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10955|83-84 on 26-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mls. Shivshakti Builders.

(Transferor)

(2) Mis. Veena Baranwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10960|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Industrial Shed No. 144, 1st Floor, Phase No. 111, Shivshakti Industrial Estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitzen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 144, 1st Floor, Phase No. 1111. Shivshakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-4000058.

The agreement has been registered by the Compenent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10960[83-84] on 27-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

 Shri Satyanarayan & Shri Vijaykumur Bagaria.

(Timpsferoi)

TOTICE ADER SECTION 339D(1) OF THE INCOME TAY ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padmaben Panalal Dantara, Mr. Nareshchandra Panalal Dantara & Mr. Dipakkumar Panalal Dantara.

\_\_\_\_\_\_

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37FE|10969|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and hearing

Rs. 25,000|- and bearing Plat No. 101, 1st floor in Dev Darshan at Radhakrishna Marg, Andheri (East), Bombay-400069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor in Dev Darshan at Radhakrishna Maru, Andheri (East), Bombay-400069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II 37EF 10989 83-84 on 27-2-1954

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) G. Viswanathan.

(3) Transferee.

(Transferor)

(2) Mr. V. B. Mankodi & Mr. M. V. Mankodi

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10990|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 217, Geo Jumbo Darshan Co-operative Housing

Society Ltd. Andheri (East), Bombay-69.
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-2-1984

tor an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Tlat No. 217, Gee Jumbo Darshan Co-operative Housing Society Ltd. Andheri (Eust), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EF]10990[83-84] on

18-2-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal:

65-326GI 84

(1) Mr. Vijay Vinayak Shetgiri.

(Transferor)

(2) Shri Hemant Mangesh Warerkar.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II]37EF|10674|83-84.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 12, 1st floor A.J. Radheshyam Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 207, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-400058.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor A.J. Radheshyam Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 207, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10674|83-84 on 1-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE]10679|83-84.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-& bearing No.

& bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, Shanti Sadan, Telli Gulli, Andheri (East), Bombay-69

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen ver cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anu/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Khershed Meharabanpoor.

(Transferor)

(2) Ras Hotels Pvt. Ltd.

(Tranefer-

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Shanti Sadan, Telli Gulli, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10679|83-84 on 1-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the personal property by the issue of this notice under subtraction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

#### FORM ITNS----

(I) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Shobha Ramesh Asrani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No., AR.II|37EE|10681|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomertax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing No.

and bearing No.
Shop No. 7. Ground floor, 'Everest' Building Jayprakash
Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the scale Act, shall have the scale in among a given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, 'Everest' Building Jayprakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10681[83-84] on 3-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M/s Sunder Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Gala Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref No ÅR II/37EE/10704/83-84 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Yncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000 and bearing

Flat No 305, 3rd floor in A' Building, 'Sunder Park' Off Veeta Desai Road, Ambivali, Andheri (W), Bombay-400058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 305, on 3rd floor in 'A' Building, 'Sunder Park' Off Veera Desar Road, Ambivali, Andheri (W), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/10704/83-84 on 4-2 1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date 12-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M|s Sunder Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Minoo Eruchshaw Minocherhomji & Mrs. Amy Minoo Minocherhomji.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37 $\pm$  $\pm$ ]10712[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 250001- and hearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 305, 'C' Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Ambivali Village, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 305 on 3rd floor in 'C' Building, 'Sunder Park' Off Vcera Desai Road, Ambivali Village, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10712[83-84 on 4-2-1984]

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984

(3) Transferee.

FORM ITNS----

(1) Laxim Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Mls. Super Coats Industries.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EF]10736[83-84.- -Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Industrial Unit Phase F No. 23, at Laxmi Industrial Estate,

New Linking Road, Oshivara, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit Phase F No. 23, at Laxmi Industrial Estate, New Linking Road, Oshivara, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EF|10736|83-84 on 7-2-1984.

> JAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) MJs. Asoobhai Madan Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II[37EF]10759[83-84.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Industrial Unit phase B. No. 27, at Laxmi Industrial Estate, New Linking Road, Osnivara, Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit Phase B No. 27, at Laxmi Industrial Estate,

New Linking Road, Oshivara, Bombay-400 058
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37PE|10759|83-84 on 10-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 12-10-1984

(1) Nahar Seth and Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Sheila Hirekar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II'37EF 10780 83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 10, 'Everest', Ja'prokash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of; -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--66-326 GI|84

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, on Ground floor, 'Everest' Building, Jai Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10780 83-84 on 10-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Surendra Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sunvantlal Mehta Mrs. Niranjana Gunwantlal Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II|37EE|1078|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing

Flat No. 64, Plot No. 121, West Cost Co-operative Housing Society 'Avinash' Versova, 7 Bunglows, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULT

Flat No. 64, Avinash Building in West Cost Co. operatative Housing Society Limited near seven Bunglows, Varsova, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR. II 37EF 10788 83-84 on 12-2-1984.

1 AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1994

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Hasmukh D. Sheth & Mrs. Meena H. Sheth

#### (Transferor)

(2) Mr. Minoo Kaikhushru Mistry & Mrs Mani Minoo Mistry

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II<sub>1</sub>37FF[10793]83-84 -- Whicas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 52 A. Sea Pearl, at Plo, No. 1076 Off Jai Prakash Road, Versova, Bombay-400 061,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alorestid property and I have reason to believe that the tan market value of the property at afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more treat lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the reservice of the control of the reservice of the control o pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovator property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 52 A in the bldg. known as Sea Pearl at Plot No. 1076 Off Lai Prakas Road, Versova, Bombay-400 061. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. II|37EE|10793|83-84 on 13-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : --

Date 12-10-1984

(1) Mr. Rajesh Talwar & Tilakıni Wazirchand, HUF.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nırmala P. Chandwani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. IIJ37EE|10800|83-84.--Whicas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 510 on 5th floor at Everest Building at Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferret and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ian market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/cu

(b) facilitating the concealment of any income or any ntoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 510 on 5th floor at Everest Building at Jay Prakash Road, Versova Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|10800|83-84 on 13-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; ---

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISHION RALIGE-I, BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

• Ref. No. AR. 11/37EE/10803/83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,0001- and bearing

Gala No. M-3, Laxini Industrial Logite, Veera Desai Road, Andheri (Wes.) Bomba, -400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ogreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mis. Indian Electric Poles

(Transferor)

(2) Mis. Apex Heat Transfers P Itd.

(Iransferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. M-3, Luxmi Industrial Estate, Vcera Desai Road,

And NO. M-3, Laxnu Industrial Estate, Veera Desal Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. II 37EE 10803 83-84 on 13-2-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range-II, Bombay

Date: 12-10 1984

400 061

#### FORM ITNS----

(1) Asian Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mi Suicsh M Shamdasani

(fransterec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rct, No. AR 11/37EE/10631/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and tharing.

Shop No 12 Gr floor, B-Wing, 1 lla Apartments, Yati Road. Opp Gulmober Gardens Versora Andheri (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Bombay on 17-2-1984,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cosen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as united to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferond/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (4) by any of the aforesaid persons within a period if 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXITINATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acrashall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, in 'B' Wing, Lila Aparlments. Yari Road, Opp. Gulmohar Gardens Versova, Andheri (West) Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. II|37FE|10831|83-84 on 17-2-1984

LAXMAN DAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shri Gauri S. Maharjan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harsha Dilip Bajaj Clo Mrs. Pushpa V. Bajaj

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR, 11/37EE/10874/83-84.—Whereas, I, J. AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 (1000), and hearing

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Plat No. 601, 6th floor, Plot No. 25, Beach Apartments Co. op. Housing Society Ltd., Versova, Andheri (West), Bombay-

400 061,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eombay on 18-2-1984,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weight-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if one, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this name in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

FARLANATION: -- !! terms and expressions used herein as the defauld in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th noor, Plot No. 25, Beach Apartmnts Co. op. Housing Society Ltd., Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]10874[83-84 on 18-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi ion Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mic Larmi Industial Estat

(Liansferor)

(2) Ms M G Industries,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR II|37EF 10920|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompeters Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Unit No. 31-M in Laxini Industrial Estate, New I ink Road Extension, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

Bombay on 21-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any inconcys or other issess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely :---

(a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, rwthin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The time and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Unit No. 31-M in Yaymi Industrial Estate. New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay-400 058

The agreement has 5 en registered by the Competent Authority. Bombay under No AR. II 37EE 10920 83-84 on 21-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. R. S. Rao & Shri S. V. Rao

(Transferor)

(2) Shri Na halal D. Joshi and Shri Babulal D Joshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II|37EE|10954|83-84.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding

ramovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 26 Radhachyam Apartment Juhu Lane, Andhou (West) Bombay-400.058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 22-2-194, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 26, Radheshyam Apartment, Juhu Lane, Andheri (West), Andheri Juhu Radheshyam Co. operative Housing Society Ltd., Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 10954 83-84 on 22-2-1984.

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

LAXMAN DAS

Date: 12-10-1984

Seal:

67-326 GI|84

(1) Mis Asin Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. En Reni son Clo Captain P.- N. Dandona

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II|37EE|10959|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 296B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bearing No.

Flat No. 501. 'Lila Apartments' opp. Gulmohar Garden Yari Road, Andheri (West), Bombay, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Bombay on 25-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

· (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, B-Wing, Lila Apartments, Yari Road, Opp. Gulmohar Gaidens, Versova, Andheri (West), Bombay-400061. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|10959|83-84 on 25-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:~

Date: 12-10-1984

(1) Naraindas Purshottamdas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameshwar L. Aggarwal, and Kasturbai R. Aggarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AGOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. A.R. II 37G 3614 83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Property being land and building on Veer Sawarkar Road, Mahim, New Survey No. 38 (Part) Cadastra Sl No. 1|1020

of Mahim Division

(and morefully described in the schedule annexture hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- HAPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2607|1 dated 2-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 12-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jerbai Minochar Ratanshah Zaveri Jal Manekshah Zaveri, and Banoobai Harmulji Damania

(Transferor)

(2) S. B. Sharma. R. H. Choube, and L. H. Choube of Bhagwati Builders

(Transferee)

(3) Five tenants.

(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II|37G|3615|83-84.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Navel Cottage, N.A. No. 378 C.H. No. 212, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 100) in the office of the Projectories Coffee etc.

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shal have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 940|78 dated 20-2-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presents appeals: ing persons, namely:---

Date: 12-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR. II|37G|3617|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land with structures bearing final Plo. No. 64 of CS No. 167 of Manim Division at Ranade Road, Dadai

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 30mbay on 23-2-194,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Philip David Pereira

(Transferor)

 Sudendrakumar S. Sangoi, Navinchandra S. Sangoi, Shantilal Ş. Sangoi

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Philip David Pereira
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2647|81 dated 23-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-10-1984 **Seal**:

(1) Shri Sorab K. Divecha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. K. C. Mohmedali & T. M. Asinar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Ш, ВОМВАҮ

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37G-2442|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New CTS No. 321|43, 44 & 45, Mahul Surv. No. 109, H. No. 11, CTS No. 321|17, & 18, Mahul Sur. No. 109, H. No. 11, CTS No. 321 & New CTS No. 321|35, 36, 40, 41 & 42, Mahul Sur. No. 109, H. No. 11, CTS No. 321 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1984, for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 tays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide Regn. No. S-3269[83, dated 28-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Shri Ramrao Ragnath Karmbelkar.

· (Transferor)

(2) Goregaon Bhasckar C.H.S. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37G|2446|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. Property situated at Pahadi Goregaon (E), CTS No. 232-

D, Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The agreement has been transferred with the Registering Officer S-983 83 Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|83-84 dt, 17-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mrs. Mohini Kumarisingh

(Transferor)

(2) Ebrahim Nomanbhai & Others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37G|2447|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Pos 25 (100), and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
No. land bearing CTS Nos. 3, 3|1 and 3|2 Municipal Assessment Nos. P-3408 (1AA) 381|AC, Vivekanand Road, A.C. Cabind & P-3410 and 19(1) 381|4 & 381|5 SV Road, Chinchavali situated at Malad, Bombay, and more fully described in the Schedule annexed hereto)

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value f tohe aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer vide serial No. S-3006 82 dated 21-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A equisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-10-1984

### FORM ITNS

#### (1) Maharajkumar Digvijaysingji

(Transieror)

(2) Lbiahim Nomanbhai & Others

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE-IV EOMB 7.7

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No AR III 37G 2448 84 85 - Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'sal't Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No No CIS No 3 311 and 3/2, Municipal Assessment Nos. 1-3408 (1AA) 381 AC Vivekanand Road, A.C. Cabin & P-3410 and 19(1), 381/4 & 381/5 S.V. Road, Rambaug Factory Shed, Malad, Bombay

Shed, Malad, Bombay (and mue fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the four market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide, serial No S 3007 82 83-84 dated 21-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax A equisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—68—326 GIS<sup>4</sup>

Date: 11-10-1984

#### LUKM TINS----

(1) M.s. Maharaikumar Digvijaysinghji.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferor)

(2) Mr. Moti Ebrahim & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TEX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPITAX ACQUISTION RANGE-III, BOMBAY

Loubay, the 11th October 1984

Rel. No. AR III/37,G2449/84-85 -- Whetens, I, A. PRASAD

noting the comparent Archardty under section 2698 of the Incorne-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter releated to us the said Act chave reason to believe that the immos-

to as the "and Act" have reason to b-lieve that the immovable property, alving a ray market value exceeding Rs. 25,000] and bearing
No. CIS No. 12]1, Mon. A s't P-3403(2A)]378]5AA SV
RI. A. C. Shed & Tr. No. 214, Mun. Assit. No. P-3408(3)
381]1A S. Pactory Shed, Rambany Chinchavali Village smarted at Marat, frombry-64
(and more only decembed in the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the offic of the Competent Authority at at Hombay on 21-2-1984
for an apparent consideration which is less, then the fire

for an apparent consideration which is less than the far market value of the functed property and I have reason to othere that the fair ordined value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any occurs aroung from the transfer, MARKE / LAT
- (b) field taking the concealment of any income or any the taking the concentration of any moome or any moneys or other as ets which have not been of which outh, to be diclosed by the transferce for the pulpites of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

f XPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer at Bombay vide serial S. 3008|82 dt. 21-2-1984.

A. PRASAD Competent An hour Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombuy

or pursuance of Section 269C of the said Act, I has by middle proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 11-10-1984

(1) M|s. Maharajkumar DigwjayJinghji

(Transferor)

(2) M18 Moti Ebrahun & O.s.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.G|2450|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

and bearing No.
No. CTS No. 2/2 & 2/3, Mun. Asstt. No. s P-3408 & 3409 (1)/381-281/1 Chincholi Bungalow, P-3408 (1AE/381/AD S Vivewand Rd., A.C. Shed, & Tiled Shed, CI Shed, A.C. Shed situated at Rambaug Chichavli, Malud (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under fection 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

60- -316GI|84

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPUNATION.—The terms and expressions used herein at are lest don Couples NXA of the said Act, shall have the same meaning or pives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer vide serial No. S. 3010|82 dt. 21-2-1984.

A. PRASAD Competent Author's Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10 1981

#### FORM ITNS-

(1) M|s. Nelson David Gonsalves & Ors.

(Transferor)

(2) M s. D. G. Deval & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Rcf. No. AR.III 37, G2451 84-85, Whereas, J. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing No. Land bearing S. No. 346, H. No. 7, City
Survey No. 3034, 3035, and 3036, with Bldg. at Kole Kalynn, 1aluka Anderbri, B.S.D. Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 16-2-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice— in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombav vide serial No. 2396 1983 83-84 dt. 16-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

#### FORM ITNS-----

- (1) Shii N K. Thakore
- (Fransferor)
- (2) Shri George Thomas

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Rci. No. ARJII|37.EE|5973<sub>1</sub>84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and heaving and bearing

No. Hat No. 1, Murad Jay Shanti Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Mamaltdrawadi Rd. Extn. Liberty Garden, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Compatent Authority at at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fatter, which value of the afore aid property and I have reason t believe that the fart market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igneed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the exquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires 1 tter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same maining as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 1, Malad Jay-Shanti Co-op. Hsg. Set. Ltd., Mamlatdarwadi Rd. Extns, Liberty Garden Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Registering Authority Bombay vide serial No. AR.III[37.EE]5973 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 11-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Rajni Prakash Singhvi

(Transferon)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Ashok Tawari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Rcf. No. AR.ttII|37.FE|4084|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

ener the Competent Authorit, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000f- and bearing No.

Flat No. 406, 4th fl. 'A', Wing, Mansarovar Apart, Junction of SV R1, & Govind Nagar Rd. Malad (W). fand more tuliv ac cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such pansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, we respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetti on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said inumovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the table of a shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULŁ

Flat No. 406, 4th fl. 'A' Wing, Mansarovar Apts. Jn. of S. V. Rd, and Govind Nagar Rd. Majad (W), Bombay-64. The agreemnt has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|4084|83-84 dated 2-2-984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

Scal: ~

### FORM I.T.N.S.-

(1) M|3. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Ganjpal Singh Nagi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

COLLEGE OF TRUBA

WHICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III 37.E3 | 5971 | 84-85. - Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have season to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

R5. 25,000, and bearing
No. 1 of No. 6, Ground M. Ajit Park, Somwer Bazar Rd
Mared (10), Bombby-400 064
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income iax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair rick tivility of the attoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer has not been truly stated in the said instrument of a unsfer with the object of:—

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 b) [ 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLINATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombuy vide serial No ARJII/37.EE/971/83-84 date:1 2-2-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

Scal:

### FORM TINS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, K. Patel & Co.

(Transferqu)

(2) Shri Ranchodbhai P. Patel.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.HI[37.EE[6014]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Hat No. 103, Mahaprabhu, 1st fl. Marve Rd. Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thrustifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/oe
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 103, Mahaprabhu, 1st fl. Marve Rd. Malud (W). Bombay.400 064.

The agreement has been registered with the Registering Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6014 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

Date: 26-9-1984

27901

#### (1) Smt. Aminabai Alimohammed FORM ITNS---

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

### (2) Shri Amritlal Premii Vora

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5874|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. C-304, Nutan Ayojan Nugar, Co-op. Hsg. Sot. Ltd. Liberty Garden Cross Rd. No. 4, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-69-326 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C-304, Nutan Ayotan Nagar Co-op. Hsg. Sct. I.td. Liberty Garden Cross Rr. No. 4, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5874|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomlay

Date: 11-10-1984

(1) Shri Sachidanand H. Singh

(Transferor)

(2) Mrs. Chennamma J. Hegde.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.FF|6144|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 12, 3rd fl. "Saket" Bldg. Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd fl. Bldg, "Saket", Malad West. Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6144|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons namely:—

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mrs. Koshi M. Chugani,

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Chennamma J. Hegde.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|6254|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

Competent Authority under Section 269B of being the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. C|305, 3rd fl. La-Chappelle, Plot No. 51, Off.

Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C|305, 3rd fl. Bldg. La-Chapelle, Plot No. 51, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6254|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authoring Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-LII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

(1) Shri Prafulchandra J. Raval.

(Transteror)

(2) Shri K. A. Shah.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5918|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office No. 42, 4th fl. Dattani Chambers, S. V. Road, Opp. Police Station, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 42, 4th fl. Dattan Chambers, S.V. Rd. Opp.

Police Station, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Atuhority Bombay vide serial No. AR.JII|37.EE|5918|83-84-dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombuy

Date: 11-10-1984

### 27905

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984 Ref. No. AR.III|37.EE|5924|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat No. 19, 5th fl. Bldg. No. 1, Plot No. 1, Sundar Nagar, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the lan market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which regist to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Mr. S. N. Poddar Karta of Arunkumar Sentoshkumar HUF.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Nirmala P. Jalan & Mr. P. S. Jalan.
  (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. 19, 5th fl. Bldg. No. 1, Plot No. 1, Sundar Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Registering Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 5924 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

- (1) Mls. Malad Shopping Centre Pyt. Ltd. (Transferor)
- (2) Smt. Rukhmaniben Manilal Somaiya. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IIL BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.II[37.EE]6243[84-85.--Whereas, I. A.

being the Competent Authority, under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Shop No. 3, Gr. Fl. Bldg. B. Malad Shopping Centre
Pvt. Ltd. Bldg. No. 2,15, Military Square Lane, 1st fl.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and the second to be second awards the apparent consideration therefor hy market value of the property are second awards the apparent consideration therefor hy market value of the property are second awards the apparent consideration therefor hy market value of the property are second awards the apparent consideration therefor hy market was a second to be second as a second to be second as a second to be seco

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Shop No. 3, Ground Fl. Malad Shopping Centre Pvt. Ltd.

Bldg. B. 15, Military Square Lanc, Bombay-23.

The agreement has been registered with the Registering Authority Bombay vide serial No. ARJII|37.EE|6243|83--84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Shri P. N. Kothari

(Transferor)

(2) Shri D. K. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5959|84-85.-Whereas, l, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. P. N. Kothari Estate, S. No. 32 & 33 and 36, part CTS Nos. 70 to 75, 84 1 to 7 95 1 to 4 Kurar, Malad (East),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 757);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

P. N. Kothari Estate, S. Nos. 32,33 and 36 part, CTS Nos. 70 to 75, 84 1 to 7, 95 1 to 4, Kurar Malad (E), Bombay-64.

Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5959|83-24 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984 Seal .

(1) Smt. Pushpa V. Mehta

.(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Kumar K. Gupta.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR, 111 | 37.EE | 6319 | 84-85. Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat in Malad Kokil Co-op. Hsg. Sct. Bldg. No. S|2, 4th fl. S. V. Rd. Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in Malad K.C.il Co-op. Hsg. Sct. Bldg. No. Sl2, 4th fl. S. V. Rd. Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 631978384 dated 2-2-1984.

A. PRASATO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Date: 11-10-1984

(1) Shri Muthupandi.

(Transferor)

(2) Shri A. A. Neelakkentan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY** 

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37.FE|6033|84-85 - Whereus, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Malad Ma Bhagavati Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 4|3, Bhaga wati Apartments, Chincholi, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the offic-of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-secrion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

70-326 GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Malad Ma Bhagavati Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 4|3 Bhagawati Apartments, Chincholi, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6033|83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

FORM ITNS .....

(1) Shri Haresh Tikamdas Adwani

(Transferor)

(2) Smt. Uma Vishnu Gupta,

(Transfered)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5963-A|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable acceptance is the 'said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Shop Santoshinagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Nar-No. singh Lane, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 2-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax .Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Santoshi Nagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Narsingh Lane, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5963-A|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the acquisitions of the acquisitions of the said Act, to the followings.

Date: 11-10-1984

Scal:

(1) Ms. Manali Corporation,

(Transferor)

(2) Mr. Amarjeet Singh Bhasin

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III[37.EE]5965[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25 0001 and heaving

Rs. 25,000|- and bearing
Shop No. 10, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48,
49 & 50 at Valnai Village Mulad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, iff the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the froperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 1 Plot Nos. 43, 49 and 50, at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. AR.III|37.EE|5965|83-84 dated 2-2-1984.

A. MASAD
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

Scal:

(1) Shri Ram Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Audrey Sequeira

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5963|84-85.—Whereas, I, A-PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 13, Gr. Fl 'Shriram Towers' Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-400064, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticers in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No. 13, Gr. Fl. 'Shriram Towers' Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5963|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

sear :

FORM I.T.N.S.—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Pascal Prancis Sesueira.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.1H|37.EE|5949|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I-lat No. 204, Second fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 204, second fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay 400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5949|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Lucy Pascal Sequeira.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING "ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ret. No. AR-III/37EE/5943/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.
Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 203, Second fl. Ajit Part, Somwar Bazar, Road, Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, Second fl., Ait Park, Somwar Bazar, Rd., Malad (W), Bombay-400 64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 5943 83-84 dated 2-2-1984.

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authorit, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

FORM No. I.T.N.S.-

(1) Chandravijay Builders

(Transferor)

(2) Smt. Chandravati C. Doshi & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref No. AR-III]37-HE|5974|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. A-604, 6th fl. Sheetal Chhaya Bldg. CTS No. 652, 77, S. V. Rd., Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-604, 6th fl., Sheetal Chhaya Bldg., CTS No. 652,77 S. V. Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5974|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 1,1-16-1604

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Shaila S. Gharat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|5920|84-85.-Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 410, fourth fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay 64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, fourth fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064:

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5920|83-84 dated 2-2-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

respect of any income arising from the transfer; andjor

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 11-10-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6321|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 101, First Fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

71-326GI]84

(2) Miss Nanda S. Shirke.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period. expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, first fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide sorial No. AR-III|37-EE|6321|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-10-1984

### FORM IINS-

(1) U. K. Builders

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|5969|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 301, 3rd fl., Peter Apartments, CTS No. 497, 499 (p) Village Valnai, Orlem, Malad (West), Bombay-400 064. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri H. G. Mozaria

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl., Peter Apartments CTS No. 497 499(p), Village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 5969 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mrs. Sulochana Girdharilal

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Richard Francis D'Souza

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No.AR-III|37-EE|5987|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

A. PRASAD, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Fat No. L|4, 1st fl., Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1. 4, 1st fl., Building Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III[37-ME]5987[83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASA! Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Pate: 11-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri N. A. Virani

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. I. Desai.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|5972|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, Bldg, B, Malad Shopping Centre, S. V. Doad,

Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg., B. Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5972|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . --

Date: 11-10-1984

(1) Shri Ashok P. S. Dholakia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vimal Kumar S. Agarwal

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6025|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Flat No. C|51, 5th fl., Nalanda I, Plot No. 32, 33, Village Valanai, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. C|51, 5th fl., Nalanda I, Plot No. 32, 33 Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6025|83-84 dated 2-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-10-1984

### FORM TINS

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri William Rodriques

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. A. PRASAD, AR-III 37-EE 6312 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 305, 3rd fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay 400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

Flat No. 305, Third fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6312|83-84 dated 2-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-Hi Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

- (1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)

(2) Miss Martine Casteline

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6318 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Flat No. 208, 2nd fl., Ajit Park, Somwar Bazar, Rd., Malad (W). Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 208, Second fl., Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III[37-EE|6318|83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-10-1984

(1) Mr. Salim B. Maladwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Deepak J. Zatakia & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6256|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 18. Fourth fl., Plot No. 11. Survey No. 480 (part), Off Mamlatdarwadi Rd. Extn., Near Liberty Garden, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269ΛB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as . given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 18, fourth fl., Plot No. 11, Survey No. 480 Off Mamlatdarwadi Rd. Ext., Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6256|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIII
B mbay

Date : 11-10-1984

The state of the s (1) Smi Bhagwonti P Sukhila

(Transferor)

(2) Smt. A. K. Bachani

(Transferee)

NUTUCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-FE<sup>1</sup>6260<sup>1</sup>84-85.---Whereas, I, A, PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 2, Gr. Fl., Bldg, No. E-2, Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64 「 アタイト 一個 一年

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: mail/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. Fl., Bldg. No. E-2, Sunder Nagar Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6260|83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-IIII

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name():-

72-326GI184

Date: 11-10-1984

(1) Shri Mahendra P Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh G. Gopalani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.

Bombay, the 11th October 1984.

Ref. No. AR-III'37-EE|6253|84-85.--Whereas, I, A. FRASAD,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tra Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Veena Nagar, E-402, S. V. Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that

Chapter.

### THE SCHEDULE

Veena Nagar, E-402, S. V. Road, Melad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37 EF/6253/83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIII
Bomba'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 11-10-1984

FORM. ITNS----

(1) Shri Chandra Vijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendrakumar H. Khanted & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|5994|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A-603, 6th u. Shectal Chhuya Bldg. Plot CTS No.

652, 77, S. V. Rd., Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-603, 6th fl., Sheetal Chhaya Building, Plot CTS No. 652, 77, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5994|83-84 dt. 2-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIII Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

(1) Smt. Meenaxi Bakul Roy

(Transferor)

(2) Smt. Divya Prafulla Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6225|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

Bombay on 2-2-1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flat No. 2, Bldg. No. C. Gr. Fl., Nutan Ayojan Jagar Coop. Hsg. Socy. Ltd., Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, the office of the Competent Authority, at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bld. Gr. Fl., Nutan Ayojan Nogai, Co-op. Hsg. Scy. Ltd., Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III[37-EE]6225[83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III1
Bombay

Dute: 11-10 1984

(1) Mr. Gulabchand Bhikhalal Parmar

(Transferor)

(2) Mr. Davebhai D. Patel

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/5873/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

Flat No. E-404, 4th fl., Ayojan Nagar, Liberty Garden Mun-Cross Rd. No. 4, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority, at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alones, al exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparatus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the aeduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. L-404, 4th Il., Ayojan Nagar, Liberty Garden Mun. Cross Rd. No. 4, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 5873 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IIII Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

Date: 11-10-1984

(1) Smt. Sushila Shantilol Jain

(Transferor)

(2) M|s. Bright Metal Finishers.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-JII|37-EE|5998|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Unit No. 216, 2nd il. Vinay Indl. Estate, Survey No. 428.1, Deoru Khakarwadi, Chinchadi Sunder Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

· Indl. Unit No. 216, 2nd fl., Vinay Indl. Estate, Survey No. 428[1, Deoru Khakawadi, Chincholi Bunder Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5998|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Hill
Bombay

Date: 11-10-1984

Scal:

(1) Raja Bahadur Motilal Poona Mills Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Dipika Dilip Doshi

(-Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR-III 37-EE 5980 84-85.—Whereas, f. Ref. No. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 3, 3rd fl., Narsingh Apt., Nursing Lane, Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd fl., Narsingh Apt., Nursing Lane, Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EF|5980|83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIII Bambay

Date: 11-10-1984

### FORM ITNS ....

(1) Mls. Mebra & Mongo Acsociate

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prasad R. Singh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquestion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III 37-EE 5979 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Rs. 25,000|- and beating No.

Premises No. 1, 2nd fl., Kedia Chember, S. V. Rd., Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of persons, namely :-

### THE SCHEDULE

Premises No. 1, 2nd fl., Kedia Chember, S. V. Rd., Malad (W), Bombay-400 064

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III[37-EE]5779[83-84 dated 2-2-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III1

Date: 11-10-1984

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kanak Kumar Venilal Oza & Others

(Transferor)

(2) Shri Subhash K. Mahendrakar

(Transferee)

# "NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|5967|84-85,--Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding able property, having Rs. 25,000 and bearing

Shop No. 28, Laxmi Narayan Shopping Centre, Poddar Rd., Malad (W), Bombay-97 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than These per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the fariles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—326 GI84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 28, Laxmi Narayan Shopping Centre, Poddar Rd., Malad (E). Bombay-97.

The agreement has been registered/ with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|5967|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIII

Date: 11-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M|s. Shreeji Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Avinash S. Salvi (Chief Promoter of RBI Employees Subhangi CHS. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5599/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & Bldg. situated on Plot 4-B, Survey No. 47|49, Gavan Pada Road, Muland (E), Bombay-81

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atated in the said instance of transfer with the chiect of the chiect of transfer with the chiect of transfer with the chiect of transfer with the chiect of the chieck of the chi

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought togbe disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Bldg. situated on Plot No. 4B of Survey No. 47|49, Gavan Pada Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37FE|5599|83-84 dt. 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-10-1984

ARI ALL DEC, I

#### FORM ITNS-

(1) Lokpriya Housing Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Krishna Rao.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6042|84-83.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bungalow in "Lokpriya Bungalows Scheme, Off 90 ft. Ghatkopar- Mulund Link Road, Bhandup (E), Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

at Bombay on 2-2-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions use berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bungalow No. 12 with sub plot No. 12 in "Lok Priya Bungalow Scheme" Off 90 ft. Gharkopar-Mulund Link Road, Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6042 83-84 dt. 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date · 11-10-1984

## FORM JTNS-

- (1) Ms. M. S. Brothers.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Mrinal M. Desai,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5962 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 301, 3rd floor, Tural Pakhadi Road, Malad (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Tural Pakhadi Road, Malad (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5962|83-34. dt. 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-10-1984

# FORM I.T.N.S.-

(1) Shri M. S. Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Milind E. Desai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR. III|37EE|5966|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 302, 3rd floor, Tural Pakhadi Road, Malad (W),

Rombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 302, 3rd floor, Tural Pakhadi Road, Malad (W), Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III|37EE|5966|83-84 dr. 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely :-

Date: 10-10-1984

(1) Mis. Rahul Trading Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Asha M. Gala & C. M. Shali.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III]37EE|6261|84-85.---Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Bldg. (Dhira), Poddar Park, Malad (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the sequinition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 1, Gronud floor, Bldg. 'Dhiraj', Poddar Park, Malad (E). Bombay-64.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37-EE 6261 83-84 dt. 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984

(1) Ms. Shangrila Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls, Minal Enterprises.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III|37FF|3609,84-85,---Whereas, J. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No Jana Kalyan Nagar Scheme, Village, Malwani, Taluka, Bortvali, C.T.S. No. 84 and No. 1 (part), 2, 3 & 6 (part), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Jankalyan Nagar Scheme. Village Malwani, CTS No. 84, Hissa No. 1 (part) 2, 3 and 6 (part) Taluka, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|3609|83-84, dt. 2-2-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-10-1984

(1) Shri Arplt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Venugopal Narayanan.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR. III|37EE|5796|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No. Flat No. B-28, Vasuki, 7th Road, Rajawadi Vidyavihar,

Bombay-77.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-28, Vasuki, 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR. III|37EE|5796, 83-84 dt. 2-2-1984.

A. PRASAD \* Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-10-1984

(1) M's. B II. Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M) P P Khunhammed Ablullah & Ors. (Fransferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III 371 E 5678 84-85 - Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act)', have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No. 2 & 3. Ground Fl. Plot (18 No. 1524, Kole-Kalyan, St. Anthony Marc. Vakola Santacruz (E), situated at Bombay-400 055. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of manyfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income attsing from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2 & 3 Ground Ft. Plot CTS No. 1524, Kole-Kalyan St. Anthony Marg. Vakola, Santacruz (E), Bombay-400 055. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR. III. 37EE 5678 83-84 dt. 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:

74—326 GI|84

Date: 11-10-1984

#### (1) Mls. B. H. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammed Hanif Ismail Parkar.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Boinbay, the 12th October 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III 37EE 5679 84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 8, 2nd it. CTS. No. 1660k., Ki & K2 Opp. Military Camp Kalina, Santacruz (1:), Bombay-98. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tail Act 1961, in the office of the Competent Authority at Rombay on 2, 2,1984.

Bombay on 2-2-1984

than have for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd fl. plot C1S No. 1660 K, K1, K2 Opp. Military Camp, Kalina, Santacruz (E), Bombay-98.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. AR. 111/37EE/5679, 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numero :--

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shri Satra A Parbat

(Transferor)

(2) Shra Patel Hansraj Patha

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 11th October 1984

Ref. No. AR III 37EC 6127 84 85 -- Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to a, the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000 and bearing

No Flat No 15 Kirti Vihai Colop Hs.; Sey I BS Marg Ghatkopai, Bombay 400086

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 the office of the Competent Authority, at Bomblay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- 1 VII ANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Hat No 15 Kuti Vihai Co-op Hsg Set Ltd 1 B S Marg Ghorkopai (W) Bombay-400 086 The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No AR III|37EE|6127, 83-84 dt 2 2-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date 11-10-1984

Seal

- (1) Ms. Trilok Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mis. Raja Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|6228|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 19, situated at 1st fl. Kailash Bldg. Nebru Rd. Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-400 055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 19, 1st fl. Kailash Bldg, Nehru Rd, Vakola Bridge, Santacruz, East, Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III|37.EE[6228[83-84 deted 2.2.1984]

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shri Thiruvengadachari Sadagopan.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Manilel Sheth.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III[37.EE]6123[84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1, 166, Gecta Apartment, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-400 077,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 166, Geeta Apartment, Garodia Nagar, Ghat-kopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6123|83-84 dated 2.2.1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11.10.1984.

(1) Smt Kesharben Pathai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Puthenveetti R. Menon

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III;37.EE;6103,84-85, --Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,060]- and bearing Flat No. 4, situated at first fl. Gagan Vilhar, Plot Nos. 13, 30,

Rifle Range, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of

the Competent Authority of Bombay on 2-2-1984,

27946

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 43 are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, first fl. Gagan Vihar, Plot Nos. 13 & 20, Rifle

Range, Ghatkoper (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/6103/83-84 dated 2.2 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tux Acquisition Range-III, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11,10 1984.

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. B. K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. K. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III 37.EE 6099 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Savasi Apartments, Plat No. 46, 8th fl. M.G. Rd., Opp. Rajawali Rd. Ghatkopar (E), Bombay-400 077, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Savani Apartments, Flat No. 46, 8th fl. M.G. Rd. Opp. Rajawadi, Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide seriai No. AR.III 37 EE 6099 83-84 dated 2.2.1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11.10.1984.

- (1) Shri P. K. Gandotra.
- (2) Mr. Mohammed Yunus.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III 37. EE 6047 84-85 .- Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 2, 6th fl. in Wing 'D' Bldg. No. 3 at Damodar Park. L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-56, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ms, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned ;---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 6th fl. in Wing 'D' of Bldg. No. 3, Damodal Park, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W)' Bombay-400 056.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6047|83-84 dated 2,2,1984.

Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11.10.1984.

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Zarina Anwar Mulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION 'RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|6087|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 15( Bhagirathi Villa, 1st fl. plot FI, Amrut Nagar, Ghatkopar (W), L.B.S. Marg, Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or section 2000.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the horizon and this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :--

75-326 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from tife date of the publication of this notice in the Official Gazette.

· EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bhagirathi Villa, 1st fl. plot Fl, Amrut Nagar, Ghatkopar (W), L.B.S. Marg, Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6087|83-84 data ed 2.2.1984.

> A. PRASAD Competent Authority Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11.10,1984.

- (1) Mrs. Kusum R. Trivedi. (2) Shri S. Ramaswamy.
- (Transferor)
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 6080 84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 12, Sr.krupa, Plot No. 159, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-400 077,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Srikrupa, Plot No. 159, Garodianagur, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6080 83-84 dated 2.2.1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11.10.1984,

(1) Mls. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri S. W. Nalawade.

(Transferee)

(2) Shri Mahendra Kumar Fulabhai Patel A.C. and F.M. estimated by V.O. 15% of A.C. Transaction

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984 Ref. No. AR.III[37.EE|5806|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the name-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the tramovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Bhagirathi Villa, Flat No. 26, Ind Fl. plot FI, Amrut Nagar,

Ghatkopar (W), L.B.S. Marg, Bombay-400 086.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bondbay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have a casen to believe that the fair market value of the therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed tot between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitatin gthe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned #-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Bhagirathi Villat Flat No. 26, 2nd fl. plot FI, Amrut Nagar, Chatkopar (W), L.B.S. Marg, Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37.EE 5806 83-84 dated 2.2.1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11 10.1984.

Seul:

#### FORM TINS----

(1) Shri Vishram Mavji Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Maniben Dayalal Patel,

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37. EE | 5584 | 84-85. -- Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

nble property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,00]- and bearing No. Flat No. 405, 4th fl. B-Wing of Vikram Apartment, New Manekial Estate, I.B.S. Marg, Ghatkopar (D), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th fi. B-Wing Vikram Apartment. New Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkoper (W), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.HI|37.EE|5884[83-84] dated 2.2.1984.

A. PRASAĎ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11.10.1984.

(1) Shri Shantilal J. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIL BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37,EE|5666|84-85.--Whereas, I. a. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Maheshwarkrupa Co-op. Hsg. Sct. Ltd., R. B.

Menta Maig, Ghatkopar (E), Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--

(2) Smt. Sirekanwardevi V. Phafat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Maheshwai krupa Co-op. Hsg. Sct. Ltd. R. B

Mehta Marg, Khatkopar (E), Bombay-77.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR.III|37.EE|5666|83-84 dated 2 2 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bornbay

Date 11 10 1984.

- (1) Smt, Bhaktidevi Rameshchandra Mehta.
  - (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Shri Chandrakant K. Thakur.

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOMESTAX ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5803 84 85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No Vidva Darshan Building. Vidva Darshan Promises Co.

No Vidva Darshan Building, Vidya Darshan Premises Co-op. Soc. Ltd. 7th Road Shop No. 3, Gr. Fl. Rajawadi, Ghat-kopar (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in th office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vidya Darshan Bullding, Vldya Darshan Premises Co-op-Soc. Ltd. 7th Road, Shop No. 3, Gr. Fl. Rajawadi, Ghatkopar (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5803 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 11-10-1984

(1) MIs, Shree Samarth Const. Co-pvt. Ltd. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Suhasini S. Revankar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III]37EE[5666A]84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Flat C|28 7th Floor 33 & 1|34, Duncan Causeway Road,
(N.S. Mankikar Marg) Sion Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his heer transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat C|28 7th Floor 33 & 1|34, Duncan Causeway Road, (N. S Mankikar Marg), Sion Chunabhatti, Bombay-400 022. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5666(A)|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

Date: 11-10-1984

# (1) Shri Ganesh Construction Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Laltaprasad S. Gupta.

# (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5802|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 1, Hill View Apartment, Himalaya Parvatiya CBS Ltd., Netaji Parkar Marg, Asalpha, Ghatkopar (W). Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official G-zette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Hill View Apartment, Himalaya Parvatiya CHS 1.t., Netaji Parkat Marg. Asalphu, Ghatkopar, Bombay-84,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5802 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-10-1984

- (1) Shri Ganesh Construction Corporation. (Transferor)
- (2) Ms Gopal N. Amin.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5791 84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 8, Green View Apartment, Himalaya Parvatiya CHS Ltd., Netaji Parket Marg, Asalpha, Ghatkopar, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority
Bombay on 2-2-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. (1937) (1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Hill View Apartment, Himalaya CHS Ltd., Netaji Parkar Maig, Asalpha, Bombay-84.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5791/83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 10-10-1984

(1) Shri Ganesh Construction Corporation,

(Transferor)

(2) Shreedharan Muthathyan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5653|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

shop No. 4, Hill View, Himalaya Parvatiya CHS Ltd.. Netaji Parkar Marg, Asalpha, Ghatkopar, Bombay situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the tair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCEHDULE

Shop No. 4, Hill View Apartment, Himelaya Parvatiya CHS Ltd., Netaji Parkar Marg, Asalpha, Ghatkopar, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5653 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-10-1984

FORM ITNS-----

(1) V. B. Ramarao.

(Transferor)

(2) K. R. G. Pal.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMI-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5692 84-85, -Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Flat No. 12, Plot No. 75, Hensika Darshan, Garodia Nagar,

Ghatkopar (2), Bombay-77,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12, Plot No. 75, Hansika Darshan, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.
The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE Competent Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5692 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Shii K. Lakshmanan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl R. Haribaran.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III | 37EE | 5603A | 84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 2, Plot No. 14, Bldg., Dwaraka, Subhadra Co-op. Hsg. Soc. 1td. Sainath Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-400 086

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than then per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Plot No. 14, Bldg., Dwaraka, Subhadra Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Sainath Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5603-A 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dute : 11-10-1984

(1) Shrì K. Ramachandra G. Pai,

(Transferor)

(2) Shri P. M. Shah.

(Transfera )

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5693 84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000; and bearing Block No. 11, Plot No. 75, Garodia Nagar, Ghatkopar, (E), Bombay-400 077

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-inx Act, 1961, in the office of

Rombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULF

Block No. 11, Plot No. 75, Garodia Nagar Ghatkopar (Lact), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37EE 5693 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

(1) Bombay House Builders & Road Makers.

(2) Mrs. Hema Vasant Morah.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ret. No.  $\R-III_137EF_16050_184-85$ .—Whereas, f. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000| and bearing

No. Plot No. 122/C. Ground floor, CTS No. 11/24, Hat No. 1. Village Tirandaz, Near IIT, Powai, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ditemper control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 122|C. Ground floor, CTS No. 11|24, Flat No. 1, Village Transhtz near HT Powai, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide setial No. AR-III]37BE[6050]83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-10-1984

#### FORM TINS-

(1) M/s. N. Lajpatrai Dharia & Co.

(Transferor)

(2) M's Latteview Developers Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37EE|5585|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property at Powai, Near I.I.T., Saki Vihar Rd. S. Nos. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10(p), 16(p), 17, 18(p) and 19(p) Villago situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

, b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections i any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Development of property situated at Powal Noar I.I.T., Saki Vihar Rd. Survey Nos. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10(p), 16(part), 17, 18(part) & 19(part) o village Powal and Survey 2 (part) and 3(part) of village Kopari.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bomboy vide serial No. AR-III|37EE|5585|83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuauce of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

(1) Ms. B. H. Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kalarani wife of Raja Mudliar & Ors. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37FE|5680|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. 201, 2nd fl. Plot CTS No. 2072 to 2075, Near
St. Charles Convent School, Vukola, Santacruz (E), situated situated at

Bombay-55, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 201, 2nd floor, C.T.S. No. 2072 to 2075, near St. Charles Convent School, Vakola, Santacruz (E), Bom-, bay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III[37]EE]5680[83-84, dated 2-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Date: 11-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ashok Damji Lalan

(Transferoi)

(2) Shi Ashok Damji Lalan as Trustee of Lalan Family Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SLCTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 11th October 1984

AR-IH|37EE|5619|84-85,---Whereas, I, Ref. Nq. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No Shop No 5, Gr. 11. Navin Manju Co-op. Premises Sec. Ltd. Sevaram I alwani Rd Mulund (W), Bombay 80 situated, at Pemphys.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule anunexed hereto)

(and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-paid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground Fl. Navin Manju Co-op. Premises loc. Ltd. Sevaram Lalwani Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR-III|37EF|5619|83-84, dated 2-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--- 77-326GI[84

Date: 11-10 1984

(1) Mls. Bhancshwar Enterprises,

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Majoj K. Soni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR-III|37f'E|5718|84-85 - Whereas, I, Ref. No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Shop No. 1, Gr. Fl. Neelkanth Kutir, G. S. No. 629,

Shop No. 1, Cr. Fl. Neelkanth Kutir, (Kanjur Village, Bhandup (W), Bombay-78,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Compotent Authority
at Bombay on 2-2-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state! in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- •(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Shop No. 1, Gr. Il. Neelkanth Kutir, C.S. No. 629, Kanjur village, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bomba, vide serial No. AR-III|37EE|5718|83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Vat, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

PART III—SEC. 1]

# 27967

#### FORM ITNS-

(1) Mis. Ganesh Builders.

(Transferor) (Transferee)

(2) Shri Sham Shankar Purkait.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III/37EE/6095/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Flat No. A|2, Ground Fl, Neelima Apartments, S.P.S. Marse, Blanday, 100,078

Marg, Bhandup, Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreemnt is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A|2, Ground Fl. Neelima Apartments S.P.S. Marg. Bhandup, Bombay-400 078. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide script No. AR-III 37EE 6095 83-84, dated 2-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. Varsha Vasant Sawant.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIJ, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-III|37EE|5591|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. A[2, Ground Fl. Neelima Apartments, S.P.S.

Marg, Bhandup, Bombay-78,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period c1. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said immov-· able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gr. Fl. Neelima Apartments, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|5591|83-84, dated 2-2-1984.

> a. prasäð Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

(1) Mis. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Sitaiam Vithoba Sakpal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ret. No. AR-III|37EE|5837|84-85,---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immováble property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. A-53, fifth fl. 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Rd Bhandup, Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-53, fifth fl, Neelima Apartment, Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5837/83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hari Balakrishnan Iyer & Ors.

(Transefree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LII, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5781|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 25,000 and bearing No. value exceeding

Saurabh Apartment Flat No. 303, Nahur, Village, Road, Mulund West, Bombay 80.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

Bombay on 2-2-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to petween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Saurabh Apartments, Flat No. 303, 3rd fl. Nabur, Village, Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III]37EE|5781|83-84, date 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

Seal x

(1) Shri Umeshchandra Swami Saran.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Silicon Rectifiers & Controls Co.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5758|84-85,—Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Unit No. 310, 3rd fl. K. K. Gupta Indl. Estate, Dr. Rajendra
Prasad Road, Mulund (W), Bombay 80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Unit No. 310, 3rd fl. K. K. Gupta Indl. Estate, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W), Bombay-400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR-III 37EE 5758 83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

Scal

(1) Deshmukh Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Theressa Figueredo.

(Transefree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

AR.1II | 37EE | 5976 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat No. 306, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road Malad

(W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same, menning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 306, Third Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR, III | 37EE | 5976 | 83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

## FORM I.T.N.S .---

## (1) Smt. Rekha H. Barvalia & Others.

(Transferor)

(2) Ms. Harmony Music Pvt, Ltd.

(Transefree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6053|84-85.--Whereas, I.

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/und bearing No.
Unit No. 109, 1st floor. Shiv Kripa Ind. Estate, LBS Road, Vikhroli (W), Bombay-83.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 109, 1st floor, Shri Kripa Ind. Estate, LBS MARG, Vikhoroli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6053|83-84, dated 2-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

78--326 GI 84

Date: 10-10-1984

Scal;

(1) S. J. Ezra & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Damayanti Hansraj.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No AR.III|37EE|5721|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a far market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Unit No. 115, 1st fl Gupta Indl. Fstate, S. No. 1815, H. No. CTS No. 846 and 246 1 to 846 6 and 851 Mulund (W);

Bombay-86 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for state to refer as used to oximen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 115, 1st fl. Gupta Indl. Estate, CTS No. 846 and 846 1 to 846 6 and 851 Mulund West, Bombay 400 086. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|5721|83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1984

(1) Deviben Gokal Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Laxmi Metal Industries.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5589|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Unit No. 23, Ground fl. Ramgopal Indl. Fstate, Dr. Rajendra Pra-ad Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 23, Ground Fl. Ramgopal Indl. Estate, Dr. Rajendraprasad Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5589|83-84, dated 2-2-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

(1) Shri Pankaj Mangaldas Thakker.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar L. Rachh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6126|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat in New Ushanagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Bhandup Village Road, Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in New Ushanogar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Bhandup Village Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6126|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) M|s. Modern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Thomas Fernandes.

(Transefree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III]37EE|5687|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 8, Plot No. 81, Kanuı Co-op. Sct. Ltd. Kanjur Marg, Bhandup Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 2500AB of the Income tay Act. 1961, in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Rombay on 2-2-1984.

formay on 2-2-1984. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, in the Proposed Bldg., on Plot No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5687 83-84, dated 2-2-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

1 .i., 111165 -----

(1) Shital Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Padmanabhan Nambiar,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.II[37EE]5610]84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 4, Shital View Gr. 14. Mulund East, Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration and that than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Shital View Gr. Fl. Mulund East, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 5610 83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Ashapura Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikant N. Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EF|5738|84-85,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000<sup>1</sup>- and bearing

Flat No. 8. Arihant Krupa Bldg, Junction of V. P. Road and Sewaram Lulwani Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Flat No. 8, Arihant Krupa Bldg, Junction of V. P. Road and Sewaram I alwani Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.Π1|37EE|5738<u>18</u>3-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Tushar Family Trust.

(Transferoi)

(2) Mr. Laxmichand H, Shah & Ois

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTER COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III|37FE|5798|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and beating

Flat No. 33, Falguni Bldg. 3rd fl. Ladiwala Colony Model Town, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factivating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 33, Falguni Bldg, 31d ff Ladiwala colony, Model Fown, Bal Rajeshwar Rd. Mulund(W), Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III 37EF 5798 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomb or

Date 11-10-1984

Shal

#### FORM IFNS-

(1) Mls. Bhaneshwar Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR, III | 37EE | 5717 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 7 & 8 Ground Fl., Neelkant Kutir, CS No. 629, Kanjur Village, Bhandup (W), Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
79—326 GI 84

(2) Shri Jalaram Bhakta Madal.

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7 & 8, Ground Fl. Neelkant Kutir, C.S No. 629, Kanjur Village Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III]37EE]5717[83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) M s Bhaneshwar Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Miss Aniana K. Agarwal.

(Transefree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR.III|37EE|5716|84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. Neelkanth Kutir Village Bhandup (W),

**2**7982

Rombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 85 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Neelkanth Kutir, Kanjur Village, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5716 83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba,

Date: 11-10-1984

(1) M|s Bhaneshwar Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R R Harkishka

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref No AR III]37EE|5715|84 85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No

Shop No 6, Gr Fl Neelkanth Kutır, CS No 629, Kanjur

Village, Bhandup (W), Bombay 78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

#### THE SCHEDULE

Shop No 6, Ground Fl Neelkanth Kutir, CS No. 629, Kanjur Village, Bhandup (W), Bombay 78

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No AR III 37EE 5715 83-84, dated 2-2 1984.

(b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Date: 11-10-1984

Seal .

#### FORM IINS----

(1) Mls. Bhaneshwar Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. P. D. Jha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III]37EE|5714|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Shop No. 2, Gr| Fl| Neelkanth Kutir, CS No. 629, Kanur Village, Bhandup (W), Bombay-78. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the paragraph is required under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Fl. Neelkanth Kutir, C.S. No. 629, Kanur Village, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5714|83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following perssons namely .-

Date: 11-10-1984 Seal:

(1) . Bhaneshwar Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) M|s. Zavarchand Brothers.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5713|84-85.-Whereas, I, A: PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Shop No. 5, Gr. Fl. Neelkanth Kutir", C.S. No. 629, Kanjur

Village, Bhandup (W), Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from, the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objectionse, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Neelkanth Kutir, CS. No. 629, Kanjur Village, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE|5713[83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

- (1) Ravinchandra B. Das.
- (Transferor)

(2) Rajendra Prithviraj Upadhay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6000|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop. No. 9, Gr. Fl. Bldg. No. 6, "Sandhesh" of Malad Sandesh Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Survey No. 26 (Pt) Hissar No. 1 (Pt) Off Marve Road, Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground Fl. Bidg. No. 6, Sandesh of Malad Sandesh C.H.S. Ltd. Survey No. 26(p), Hissa No. 1(pt) Mith Chowkie, Ushma Nagar Off, Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37EE 6000 83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) M/s. Trilop Construction Co.

(2) Shri K. L. Joseph.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.IIII|377E|6035|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 18. Gyaneshwari Bldg., Aarey Road, Perubaug, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

Bombay on 2-2-1984.

Bombay on 2-2-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 18, Gyaneshwari Bldg., Aarey Road, Peru Baug, Goregnon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6053|83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 10-10-1984

Creative Constructions.

(Transferor)

(2) Sandin S. Shetye.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5815 84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and CTS No. 15, 16 and 16|1, Deonar Pada Road, Deonar,

Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restriction of the service of notice on the restriction of the service of pective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 20 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing No. CTS Nos. 15, 16 and 16 1, located at Deonar Pada Road, Deonar, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5815/83-84, dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6036|84-85.—Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

Shop No. 19, Gyaneshwari Bldg., Aarev Road. Perubaug, Goregaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80-32 6GI|84

(1) M/s Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Dhiren M. Chokshi

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 19, Gyaneshwari Bldg., Aarey Road, Perubaug. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6036|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-10-1984.

(1) M|s. Kishorchandra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Navnitlal J. Dhruv. Shop No. 12, Ground floor, Aribant Gopal Krishna Gokhale Road, Mulund (E), Bombay-81. (Transfree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No: AR.III|37EE|5780|84-85.--Whereas. I.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Shop No. 12, Ground floor, Ariband Gopalkrishna Gokhale Road, Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5780|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1984. Seal:

(1 M/s. Commercial Development Corpn.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. A. N. Kamat.

## GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th October 1984

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR JII|37EE|5983|84-85.—Whereas. I.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-Deepak Apartments, Plot No. 14, Lower Govind Nagar, Pawan Baug Road, Chincholi, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Deepak Apartment, Plot No. 14, Lower Govind Nagar, Baug Road, Chincholi, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5983 83-84. dated 2-2-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-jax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-10-1984.

- (1) Shri M. B. Shah, Trustee, Dhaval Trust,
  - (Transferor)
- (2) Smt. Parvatiben B. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6012 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 3-D, Pushpa Chandora, S. V. Road, Malad (W).

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3-D, Pushpa Chandra, S. V. Road, Malad (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6012 83-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-10-1984.

(1) Shri Haresh Tikamdas Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. B. Gangar,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5991/84-85,-Whereas, I. Ref. No. AR.III]3/EE[3991|84-85.—Whereas. I.
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Shop No. 8, Santosh Nagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Narsingh
Lane, Malad (W), Bombay 64
(and more fully described in the Schedule annexed bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## (a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Shop No 8, Santosh Nagar Co-op. Hsg. Sct. at Narsingh Lane, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombav vide serial No. AR.III/37EE/5991/83-84, dated 2-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 11-10-1984.

## FORM ITNS----

(1) Smt. F. G. Jain.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Mehra & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6146|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 401 4th floor Pooia Bldg., Mahul Road, Chembur., Bombay-71, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in his office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor Pooja Bldg. Mahul Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37|6146|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984.

(1) The Nellai Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sithalakshmi Mani.

(Transfree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5756|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat on 3rd floor of Nellai Apartments, 'C' Bldg. Plot No. 18, Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur.

Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under, Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor Nellai Apartments, 'C' Bldg. Plot No. 18. Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5756|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984,

(1) The Nellai Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalyani Ramanujam.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5757|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat on 3rd floor, Nellai Apartments, 'B' Bldg. Plot No. 17,
Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor Nellai Apartments, 'B' Bldg. Plot No. 17. Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.JII|37EE|5757|83-84. dated 2-2-1984.

A. PRASAIX
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Date: 11-10-1984.

PART III—Sec. 1]

FORM ITNS-----

(1) The Nellai Co-op Hsg. Sct. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. Raghavan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Rcf. No. AR.JII|37EE|6145|84-85 —Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat on 3rd floor, Nellai Apartments, C Bldg. Plot No. 18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Survey No. 14-A. Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor Nellai Apartments, 'C' Bldg. Plot No. 18, Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6145|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usaue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-10-1984.

Seal:

81-326GI|84

(1) The Nellai Co-operative Hsg Sct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shantalakshmi Ramswamy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III 37EE 5755 84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 3-10, Nellai Apartments, Plot No. 16, Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

has been transferred at Bombay on, 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to betfeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-10, Nellai Apartments, Plot No. 16, Survey No. 14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,JJI 37FE 5755 83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984.

Sen1:

#### FORM I.T.N.S .-

(1) The Nellai Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prema Krishnan.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5754|84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and Hat No. B-11, Nellat Apartments, Plot No. 17, Survey No.

14-A, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I API ANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hat No ,B-11, Nellai Apartments, Plot No. 17, Survey No. 14-A. Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.
The agreement has been registered with the Con.pctcnt Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5754 83-84.

dated 2-2-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-10-1984.

(1) Shri C. V. Venkatesan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Jokhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6103A|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Fiat No. 22, Shiv Giri, Chempazhani Co-op, Hsg. Sct. Ltd., Shree, Naryan Nagar, P. L. Lokhand Road, P.O. Shivaji Nagar, Bombay-43

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the unid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, Shivgiri, Chempazhanti Co-op. Hsg. Soc. Ltd. P. L. Lokhande Road, Shivaji Nagar, P.O. Shree Narayan Nagar, Bombay-43.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6103A/83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984.

#### FORM ITN9---

#### (1) Shri P. S. Ramaratnam.

(Transferor)

(2) Smt. Sukanya Ramchandran.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5590|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 109, Flat No. 14, 16th Road, Amardeep Co-op. Soc. Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 109, Flat No. 14, 16th Road. Amardeep Co-op. Sci. Ltd., Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5590|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984.

#### FORM ITNS----

(1) Shri Jogindersingh Amolksingh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Neelu Vinod Lugani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6049|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 4, Bldg, No. 9B, Nitlyanand Co-op, Hsg, Sct. Ltd., Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 9B, Nityanand Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III|37EE|6049|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984.

(1) Shri R Rajan Alias Ramaiah Rajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s United Metal Works.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6015|84-85.--Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No.

Gala No. 19, First floor Sainath Indl, Estate No. 2, Kotkar Road, Goregaon (E), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. 19, First Floor of Sainath Indl. Estate No. 2, Kotkai Road, Goregaon (E), Bombay-400 062.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III|37EE;6015|83-84, dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid persont by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 11-10-1984.

(1) Shri Virjanand Gupta (H.U.F.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. Savitri Devi Jawala Prasad Sharma. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.111|37EE|5901|84-85.--Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 9, Bldg. No. 02 on 2 & 1 fl., plot No. 8, S. No. 161 (pt) M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90 cituated at Bombay.

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of

has been transferred and the agreement is registered

the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Bldg. No. C-2 on 2 & 1 floor plot No. 8, Sur-rey No. 161 (pt) M. G. Road, Bangur Nagar Goregnon West, Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5901|83-84. dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984.

(1) Shri Murari Prasad Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. D. Munsharammi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR,III|37EE|5906|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 02|38 plot No. 8 Jay Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of the notice under subsection (1) of cction 269D of the said Act, to the following persons namely:—
82—326GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2|39, Plot No. 8, Jay Vijay Co-op-Hsg. Sct. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|9906|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

Scal

(1) Mis. Charumathy,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Y. N. Sastry,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR III 37EE 5814 83-84. --- Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Flat No. 6, Delite House, Station Avenue Rd., Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Pombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 6, Delite House, Station Avenue Rd., Chembur Pombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Au hority Bomb sy vide servi No AR III 37ED 5814 83-84 dated 2-2-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tex Acquisition Range-III Bombay

11-10 1984 Date

beal :

(1) Shree Ram Constructions Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Stanley D'Souza

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III[37.EE]5957[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000]- and bearing Ido.

Flat No. 1: 102, 1th floor Sinitum 'rowers' Bank Lane Near Orlem Church, Off. Marve Road Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestate execteds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any in-on, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-402, 4th Fl. Shriram Towers Tank Lane, New Orlem Church, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 5957 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

FORM ITNS----

(1) Arpit Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M|s Jasmine Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.III]37.EE[6072]84-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat No. A-24, Vasuki 7th Rd., Rajawadi, Vidyavihar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concesiment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-24 Vasuki, 7th Rd. Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37.EE|6072|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-10-1984

FORM I.T.N.S .---

(1) Shri Niranjan Hatiram Badia & Ots.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Pratap R. Chandrana

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref| No. AR.III|37EE|5786|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 05, 61n fl. Thupuati Apartment, Devidayal Road, Mulund, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hlat No. 63, 6th fl. Tripati Apartment, Plot No. 1082 C.S. No. 1056, Devidewell Road, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Rombay vide serial No. AR. III]37 EE[5786]83-84 dated 2-2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984,

FORM ITNS——

(1) Shri Natverlal M. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pıtamber T. Tarreja

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III

#### BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR III 371 i 10316/83-84.—Whereas, f, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Hlat No. 5 Barra Marchert, C.V. Reid Malad (West), Bombay-64

(and more fully dose ibed in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

(and more jully described in the schedule annexed hereto), Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 Beria Apattment, S. V. Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37 FF. 6316.83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date 12-10-1984

28011

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mls. Stree Chemists Malad.

(1) M|s. Chaitanya Enterprises.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

AR. III[37.EE]6024,83-84. Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. .

Shop No. 4, Gr. fl. Plot No. 'A' CTS No. 565, Krishna Baug, kuktabaug. Lane. Malad, Eombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ጣቢ<sup>®</sup>/ርዣ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely'--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground H. Plot No. 'A' CTS No. 585 Krishna Baug, Muktabaug Lane Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent utboutty vide serial No. ARJII 37: EE 6024 83-84 dated Authority 2 - 2 - 1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Funge-III. Bombay

Date 12-10-1984

Real :

#### FORM ITNS ---

(1) Shri K. Narayanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shobha S. Jyer

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

No. AR. HI137FF[5744183-84.---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 8, Sabri Kanchana Co-op. Society, 11th Rd. Chem-

bur. Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov ble property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Sabri Kanchana Co-op. Society Ltd. 11th Rd. Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37EE 5744 83-84, dated 2-2-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12 10 1984.

Shal:

(1) Shri Bachubhai Alias Jawahar J. Parmar (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri G. K. Kalwadia.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5665 84-85 - Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat No. 17, Unit No. 2, Veermani C.H.S.L. Plot No. 5555A.

& B, Pestom Sagar, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Unit No. Veermani C.H.S. Ltd. Plot No. 5555

A.&B. Pestom Sagar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR/III/37FE/5665/83-84 dated 2-2-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 83-326GI|84

Date: 12-10-1981

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri V. Ganapathi Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dharmchandta Gulbachan Siraj

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6014|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Bleck No B-7-154, Rajawadi Co. op. H.S.I., Vidya Vihar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. B-7-154 Fajawadi Co op. H.S.L., Vidya Vihar Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 6104 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1981

Scal:

(1) Shri Ganpatram D. Engineer

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX , ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

Ref. No. AR, III | 37EE | 6031 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 33, Jayshree Co-op. Society, Ltd. Near Liberary Garden, Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Chittaranjan K. Basu & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 33, Jayshree Co-op. Soct. Ltd. Near Liberty Garden Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37EE 6031 83-84 dated 2-2-1984.

A PRASAD
Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984.

#### FORM ITNS-----

(1) M|s Hemal Enterprises,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Kanaran Sivadas & Ors.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

No. AR.III 37EE 3614 84-85.—Whereas, 1, Ref

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000}-

and bearing No.
Flat No. 40, Hemal Apartment Plot No. 19.41 S. No. 85[591]
1 Mauje Malwani Dt., Borivali, Malad, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to be the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 40, of Hemal Apartment, Plot 19, 41 S. No. 85|5

91]1 Mauje Malwan! Dt. Borivali, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III|37EE|83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984.

#### FORM TINS-

(1) Mis. K. Patel & Co.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

(2) Shri Natwarlal V. Patel,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6013|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 102, Mahaprabhu Apartment, 1st Fl. Marve Road

Malad(W), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor "and/or"
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Mahaprabhu Apartment, 1st fl. Marve Road, Malad(W), Bombay,

The agreement has ben registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6013|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984.

Scal :

[PART III-SEC.1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombav, the 12th October, 1984

Ref. No. AR|III|37EE|6037|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 301, A-1, Sahab, Somwar Bazar, Malad, Bombay fand more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-2-1984

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mis Karmali Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Haji I.A.A. Amribuksh & Om.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, A-1, Sahab, Somwar Bazar, Malad Bombay. The agreement has bene registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 6037. 83-84. dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III. Bombay

Date . 12-10-1984.

€eal :

#### FORM TINS-

(1) Smt. Vijaya D. Wagh.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant V. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October, 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5602|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Aarti Apartment, Plot Survey No. 289 Hissa No. 1(p), CTS No. 2921 (P) S. No. Road, Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authorit Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Aarti Apartment, Plot Survey No. 289, Hissa No. 1 (p), CIS No. 2921(p) S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bomboy vide serial No. AR.III 37EE 5602 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-ta..
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) M|s. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. S. Ranganathan.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6063|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 5, 3rd floor, Wing A, Bldg. No. 3, Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Competent Authority Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor Wing A. Bldg No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37.EE 6063 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Tulsidas V. Patel Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindustan Terpenes

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 5779 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Industrial Unit No. 13 & 14, Gr. F1, Chuna Bhatti, Sion, Chembur Road, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transiterred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Jucome-tax Act, 1961, in the office of the Competent Author's. Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as . aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 13 & 14, Gr. F1, Chuna Bhatti, Sion, Chembur Road, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII[37EE]5779 dated 2-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pulsarince of Section 2690 of the said Act., I Lerchy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, manely :---84---326GI[84]

Date: 12 10-1984

(1) Mrs. Veena Sawhaney.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

28022

(2) Smt. Sosama Verghese.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ret. No. AR.III]37.EE]5823]84-85.—Whereus, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 510, 5th floor Bldg. No. D. New Ushanagar, C.H.S. Ltd. Bhandup Village Road, Bhandup, Bombay-78 has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 510, 5th floor Bldg. No. D New Ushanagar, Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Bhandup Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5823|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date 12-10-1984

#### (1) Mr. K. A. Anthony.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss K. Pankajam & Mr. K. P. Parameswara Panicker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 5724 84-85.—Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. 2, Mukund Iron Staff Assn. CHS Lid., Gavan Pada, Mahatma Phule Road, Mulund (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1384

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. 2, Mukund Iron Staff Asan. CHS Ltd., Gavan Pada, Mahatma Phule Rd., Mulund (F), Bombay-81

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.JII 37.EE 5724 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Smt. Vrajkunverben M. Barvalia & Shri Mansukhial Madhulal Barwalia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Indu Packaging owned by Indna (hildren Trust.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5689|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Unit No. 105, Dhamji Shamji Ind. Estate, LBS Marg, Vikhroli (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 105, Dhamji Shamji Ind. Estate, LBS Marg, Vikhroli (W), Bombay-400083.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|5689|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRÁSAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Date: 12-10-1984

Seal

FORM ITN9---

(1) Ms. Kamlesh Trading Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Guddi Packaging Services.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5690|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Unit No. 106, Dhamji Shamji Ind. Estate, LBS Marg, Vikhroli (W), Bombay-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 106, Dhamji Shamji Ind. Estate, LBS Marg, Vikhroli (W), Bombay-83

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE'5690'83-8: dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal

(1) Shri Gangabai Huna Kurkure.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Raj Rajeshwari Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|6081|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000; and hearing

Rs. 25,000]- and bearing
Land bearing CTS No. 718, being Plot No. 42, Datar Colony,
Mouje Kanjur, Taluka: Kurla situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfterred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating his reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 718, being Plot No. 42, Datar Colony, lying & being at Mouje Kanjur, Taluka: Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III 37.EE 6081 83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD'

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1984

Scal :

(1) Hira Nagar Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Salim Mohammed Hussain Diler,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rel. No. ARJII[37.EE]6094'84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 250001- and hearing No.

25,000]- and bearing No. Shop No. 6. Link Tower at Him Nagar, Muland, West, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transiterred and the agreement is registered under Sec. 269 Ab of the lucome-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d'sclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, at Link Tower at Hita Nagar, Mulund (West) Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6094|83-84 dated 2-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-10-1984

(1) Ms. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rabia Begum Chand Badshan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II|37.EE|5737|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, 4th floor Wing D of Bldg. No. 6, Damodar Park. L.B.S. Marg, Ghatkopar, West Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 4th floor Wing D of Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 5737 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

(1) Shri Radharaman Ramswarupgoyel.

(Transferor)

(2) Messrs, M. K. Marketing,

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ¿CE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

. No. AR.III|37.EE|6162|84-25.—Wherens, I,

by the Competent Authority under Section 269B of the Ine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act), have reason to believe that the immovable purty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-mearing No.

apearing No. GNo. 2106|5, Ground floor, Brijwasi Ind. Estate, J. B. P.Rd., Goregaon (E), Bombay-64

(amore fully described in the Schedule annexed hereto), heren, transferred and the agreement is registered under Son 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of a Ecompetent Authority,

Bray on 2-2-1984

In apparent consideration which is less than the fair
met value of the aforesaid property and I have reason to
bee that the fair market value of the property as aforesexceeds the apparent consideration therefor by more than
fits per cent of such apparent consideration and that the
coderation for such transfer as agreed to between the
pas has not been truly stated in the said instrument of
frafer with the object of .—

(a) the didating the reduction of evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 2106;5, Ground floor, Bijiwasi Ind Fstate, I B. Putel Rd., Goregaon (E), Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6162 83-84 dated 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1984

Ref. No. AC-81[Acq. R-H[Cal]84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 23A|223 situated at Diamond Harbour Road Block-J. New Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

B. A. Cal on 2-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ashwim Kumar Vidvarthi and Jaishree Vidyarthi, 'Vidyarthi Vitta' 23A/223 Diamond Harbour Road, Calcutta, (Biock-T), New Alipere, Plot No. 223)

(Transferor)

(2) M/s. Lakme Limited 24 Homi Mody Street Fort, Bombay-400023 and also at 6D; Shakespeare Court, 21A, Shakespeare Sarani, Calcutta.

(Transferi

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perof 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm/ able property, within 45 days from the date of i publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 5 on second floor measuring area 1191 Sh situated at 23A/223. Diamond Harbour Road, Block T. New Aligore, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1 1232 of R.A. Ct. of 1984.

S. K. BANEF Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-II, Calcutto 54. Raft Ahmed Kidwai Roaa, Calcutta-16